केंद्रीय लुग्दी और कागज
अनुसंधान संस्थान

वार्षिक प्रतिवेदन

2023-24

National Accreditation Board for
Testing and Calibration Laboratories

NABL

CERTIFICATE OF ACCREDITATION

PAPER TESTING LABORATORY AND ENVIRONMENT MANAGEMENT DIVISION, CENTRAL PULP AND PAPER RESEARCH INSTITUTE

has been assessed and accredited in accordance with the standard

ISO/IEC 17025:2017

"General Requirements for the Competence of Testing & Calibration Laboratories"

for its facilities at

PAPER MILL ROAD, HIMMAT NAGAR, SAHARANPUR, UTTAR PRADESH, INDIA

in the field of

TESTING

Certificate Number: TC-8658

Issue Date: 19/09/2022 **Valid Until:** 18/09/2024

This certificate remains valid for the Scope of Accreditation as specified in the annexure subject to continued satisfactory compliance to the above standard & the relevant requirements of NABL.
(To see the scope of accreditation of thislaboratory, you may also visit NABL website www.nabl-india.org)

Name of Legal Identity: CENTRAL PULP AND PAPER RESEARCH INSTITUTE

Signed for and on behalf of NABL

N. Venkateswaran
Chief Executive Officer

वार्षिक प्रतिवेदन

2023-24

केंद्रीय लुग्दी एवं कागज अनुसंधान संस्थान

भारत सरकार के वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय, उद्योग संवर्धन और आंतरिक व्यापार विभाग के प्रशासनिक नियंत्रण के तहत सोसायटी अधिनियम के तहत पंजीकृत एक स्वायत्त संगठन

अनुक्रमणिका

निदेशक की कलम से	01
केंद्रीय लुगदी और कागज अनुसंधान संस्थान: एक परिचय	04
भारतीय कागज, पेपरबोर्ड और अखबारी कागज उद्योग का अवलोकन	13
मुख्य उपलब्धियां	22
अनुसंधान एवं विकास गतिविधियां	32
लुगदी, कागज और संबद्ध उद्योगों द्वारा प्रायोजित परियोजनाएं	52
गुणवत्ता प्रबंधन प्रणाली	61
तकनीकी और परामर्श सेवाएं	64
आयोजित/भाग लिए गए बैठकें	75
आयोजित कार्यशालाएं/प्रशिक्षण कार्यक्रम	79
सेमिनार, कार्यशाला और प्रशिक्षण कार्यक्रमों में भागीदारी	86
प्रस्तुत किए गए शोध पत्र और दिए गए व्याख्यान	92
बाहरी समितियों में प्रतिनिधित्व	99
प्रकाशन	101
प्रतिवेदन	103
कागज मिलों और अन्य संगठनों का दौरा	106
एम.एससी. और पीएच.डी. पाठ्यक्रम गतिविधियां	115
राष्ट्रीय दिवसों और अन्य महत्वपूर्ण दिवसों के उत्सव	123
राजभाषा समाचार	130
LiFE मिशन	138
स्वच्छता ही सेवा और विशेष अभियान 3.0	140
सूचना का अधिकार (आर.टी.आई) अधिनियम 2005	142
वित्तीय रिपोर्ट	144
कर्मचारियों की सूची	165

निदेशक की कलम से

भारतीय लुग्दी और कागज उद्योग एक महत्वपूर्ण क्षेत्र है जो कई उद्योगों के लिए कच्चा माल उपलब्ध कराकर, रोजगार में योगदान देकर और सतत विकास का समर्थन करके देश की अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। 2024 तक, उद्योग तकनीकी प्रगति, पर्यावरणीय चिंताओं, संसाधन प्रबंधन और उपभोक्ता प्राथमिकताओं में बदलाव से उत्पन्न विभिन्न चुनौतियों और अवसरों से गुजर रहा है। उद्योग अत्यधिक विविध है, जिसमें बड़ी एकीकृत मिलें, छोटे और मध्यम आकार के उद्यम और कृषि-आधारित और पुनर्नवीनीकरण फाइबर मिलें शामिल हैं। यह विविधता इस क्षेत्र को लचीला बनाती है लेकिन वैश्विक बाजार में प्रतिस्पर्धात्मकता बनाए रखने के लिए निरंतर नवाचार और सुधार का भी आह्वान किया गया है।

हाल के वर्षों में, उद्योग ने कई परिवर्तनकारी रुझानों का सामना किया है, जैसे स्थिरता पर बढ़ता जोर, पर्यावरण के अनुकूल पैकेजिंग सामग्री की बढ़ती मांग और कुशल संसाधन उपयोग की आवश्यकता। पर्यावरणीय प्रभाव के बारे में बढ़ती जागरूकता के साथ, स्वच्छ और हरित प्रौद्योगिकियों को अपनाने की तत्काल आवश्यकता है। भारत सरकार की नीतियों, जैसे एकल-उपयोग वाले प्लास्टिक पर प्रतिबंध, ने कागज-आधारित पैकेजिंग समाधानों की मांग को और बढ़ा दिया है, जिससे इस क्षेत्र के लिए विकास के नए रास्ते खुल रहे हैं। इसके अतिरिक्त, संचार के बढ़ते डिजिटलीकरण ने पारंपरिक कागज उत्पादों की मांग की गतिशीलता को बदल दिया है, जिससे उद्योग विविधीकरण और मूल्यवर्धित उत्पादों की ओर बढ़ रहा है। मुझे लुग्दी और कागज समुदाय, सरकार, कागज निर्माता संघों, वैज्ञानिक संस्नों और सभी हितधारकों के समक्ष वर्ष 2023-24 के लिए सीपीपीआरआई की वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत करते हुए खुशी हो रही है, जो सीपीपीआरआई कर्मचारियों के प्रयासों, समर्पण और सहनशीलता का प्रदर्शन है।

केंद्रीय लुग्दी और कागज अनुसंधान संस्थान (सीपीपीआरआई) एक प्रमुख अनुसंधान संगठन के रूप में कार्य करता है जो केंद्रित अनुसंधान, तकनीकी नवाचारों और रणनीतिक सलाहकार सेवाओं के माध्यम से भारतीय लुग्दी और कागज उद्योग को आगे बढ़ाने के लिए समर्पित है। क्षेत्र में सतत विकास और विकास को बढ़ावा देने की दृष्टि से स्थापित, सीपीपीआरआई उद्योग द्वारा सामना की जाने वाली प्रमुख चुनौतियों जैसे पर्यावरणीय स्थिरता, तकनीकी उन्नयन और कच्चे माल की दक्षता को संबोधित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

सीपीपीआरआई उद्योग के लिए अभिनव और टिकाऊ प्रौद्योगिकियों के विकास में सबसे आगे है। संस्थान का शोध पर्यावरण के अनुकूल प्रक्रियाओं को बनाने पर केंद्रित है, जैसे कि ग्रीन लुग्दीकरण और विरंजन विधियों, जल संरक्षण तकनीकों और अपशिष्ट उपचार प्रक्रियाओं का विकास करना जो पर्यावरणीय प्रभाव को कम करते हैं। हाल की प्रगति में "बोरेट ऑटोकॉस्टिसाइजेशन" तकनीक का विकास शामिल है, जिसे एक उभरती हुई हरित तकनीक के रूप में मान्यता दी गई है।

सीपीपीआरआई के वैज्ञानिक को 16वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन और लुग्दी, कागज और संबद्ध उद्योगों पर प्रदर्शनी (पेपरेक्स 2023) में "बोरेट ऑटोकॉस्टिसाइजेशन - एक उभरती हुई हरित प्रौद्योगिकी"

पर पेपर प्रस्तुति के लिए सर्वश्रेष्ठ पेपर पुरस्कार मिला। सीपीपीआरआई उद्योग को शून्य-तरल निर्वहन (जेडएलडी) समाधान, ओजोन और एंजाइमेटिक विरंजन तकनीक और जैव-आधारित बैरियर कोटर्स और संसाधन और पर्यावरण प्रबंधन के लिए अन्य सर्वोत्तम प्रथाओं को अपनाने में भी सहायता करता है।

कागज उद्योग के लिए कच्चे माल की उपलब्धता और गुणवत्ता महत्वपूर्ण है। सीपीपीआरआई वैकल्पिक कच्चे माल के अनुसंधान और विकास तथा मौजूदा कच्चे माल के सुधार में सक्रिय रूप से शामिल रहा है। उद्योग भागीदारों के साथ सहयोगी परियोजनाओं के माध्यम से, सीपीपीआरआई ने पूरे जूट के पौधों से घुलनशील ग्रेड लुग्दी के उत्पादन के लिए प्रौद्योगिकी विकसित की है और कृषि अवशेषों और गैर-लकड़ी फाइबर की क्षमता का पता लगाया है। संस्थान आनुवांशिक सुधार और तेजी से बढ़ने वाली वृक्ष प्रजातियों के प्रसार पर भी काम करता है ताकि गुणवत्ता वाले कच्चे माल की सतत आपूर्ति सुनिश्चित की जा सके।

सीपीपीआरआई भारत भर में पल्प और पेपर मिलों को तकनीकी और परामर्श सेवाओं की एक विस्तृत श्रृंखला प्रदान करके तकनीकी और परामर्श सेवाओं के माध्यम से उद्योग का समर्थन कर रहा है। इन सेवाओं में कच्चे माल का मूल्यांकन, प्रक्रिया अनुकूलन, उत्पाद की गुणवत्ता में वृद्धि, अपशिष्ट उपचार और प्रदूषण नियंत्रण शामिल हैं। प्रक्रिया संचालन की समस्या निवारण और पर्याप्तता मूल्यांकन में संस्थान की विशेषज्ञता मिलों को उनकी दक्षता और पर्यावरण अनुपालन में सुधार करने में मदद करती है, जिससे लागत बचत और सतत विकास में योगदान मिलता है।

क्षमता निर्माण और कौशल विकास के क्षेत्र में सीपीपीआरआई के प्रयास सराहनीय हैं। उद्योग की कुशल मानव संसाधनों की आवश्यकता को पूरा करने के लिए, सीपीपीआरआई प्रक्रिया अनुकूलन, पर्यावरण प्रबंधन, गुणवत्ता नियंत्रण और नए उत्पाद विकास सहित विभिन्न क्षेत्रों में नियमित प्रशिक्षण कार्यक्रम और कार्यशालाएँ आयोजित करता है। ये पहल उद्योग के भीतर क्षमता निर्माण और नवीनतम तकनीकों और सर्वोत्तम प्रथाओं को अपनाने को बढ़ावा देने में मदद करती हैं। 2023-2024 के दौरान, सीपीपीआरआई द्वारा प्रक्रिया, गुणवत्ता और मानव संसाधन विकास के विभिन्न क्षेत्रों में 11 प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए।

सीपीपीआरआई सरकारी निकायों, उद्योग संघों और शैक्षणिक संस्थानों सहित विभिन्न हितधारकों के साथ मिलकर काम करता है, ताकि अनुसंधान गतिविधियों को उद्योग की उभरती जरूरतों के साथ जोड़ा जा सके। सीपीपीआरआई ने वर्ष 2023-24 में विभिन्न संगठनों के साथ 5 समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए हैं। संस्थान प्रमुख नीतिगत मुद्दों, पर्यावरण नियमों और सतत विकास लक्ष्यों को संबोधित करने के लिए भारतीय कागज निर्माता संघ (आईपीएमए), भारतीय कृषि और पुनर्प्रयुक्त कागज मिल्स संघ (आईएआरपीएमए) और केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) जैसे संगठनों के साथ सहयोग करता है।

वर्तमान परिदृश्य में, जबकि भारतीय लुग्दी और कागज़ उद्योग स्थिरता और दक्षता के वैश्विक मानकों के अनुकूल होने का प्रयास कर रहा है, नवाचार, स्थिरता और विकास के लिए उत्प्रेरक के रूप में सीपीपीआरआई की भूमिका पहले से कहीं अधिक महत्वपूर्ण है। अपने व्यापक शोध, तकनीकी सहायता और सहयोगात्मक दृष्टिकोण के माध्यम से, सीपीपीआरआई उद्योग के लिए एक रीढ़ की हड्डी के रूप में काम करता है, प्रगति को आगे बढ़ाता है और तेजी से बदलते बाजार के माहौल की चुनौतियों से निपटने में मदद करता है।

सीपीपीआरआई, श्री राजेश कुमार सिंह, आईएएस, सचिव, उद्योग संवर्धन एवं आंतरिक व्यापार विभाग, वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय, भारत सरकार तथा काउंसिल ऑफ़ एसोसिएशन (सीओए) के अध्यक्ष द्वारा दिए गए मार्गदर्शन एवं प्रोत्साहन के लिए अपनी गहरी सराहना व्यक्त करना चाहता है। संस्थान की प्रगति में उनका सहयोग महत्वपूर्ण रहा है।

हम उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग के संयुक्त सचिव और सीपीपीआरआई की अनुसंधान सलाहकार समिति (आरएसी) तथा लुग्दी, कागज एवं संबद्ध उद्योग विकास परिषद (आरएससी-डीसीपीपीएआई) की अनुसंधान संचालन समिति के अध्यक्ष श्री संजीव आईआरएस द्वारा दिए गए मार्गदर्शन एवं पेशेवर नेतृत्व के लिए भी आभार व्यक्त करते हैं। उनके नेतृत्व ने हमारी सफलता में बहुत योगदान दिया है।

सीपीपीआरआई लुग्दी, कागज और संबद्ध उद्योग विकास परिषद (डीसीपीपीएआई) के माननीय अध्यक्ष और सदस्यों, सीपीपीआरआई की एसोसिएशन परिषद (सीओए), सीपीपीआरआई की अनुसंधान सलाहकार समिति (आरएसी) और लुग्दी, कागज और संबद्ध उद्योग विकास परिषद (आरएससी डीसीपीपीएआई) की अनुसंधान संचालन समिति द्वारा दिए गए बहुमूल्य मार्गदर्शन और समर्थन के लिए ईमानदारी से आभार व्यक्त करता है।

हम भारतीय पेपर मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन (आईपीएमए), भारतीय न्यूजप्रिंट मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन (आईएनएमए), भारतीय कृषि और पुनर्प्रयुक्त पेपर मिल्स एसोसिएशन (आईएआरपीएमए), भारतीय पुनर्प्रयुक्त पेपर मिल्स एसोसिएशन (आईआरपीएमए) और अन्य क्षेत्रीय मिल एसोसिएशनों सहित विभिन्न मिल एसोसिएशनों के साथ-साथ लुग्दी, कागज और संबद्ध उद्योगों के हमारे सभी मूल्यवान ग्राहकों को सीपीपीआरआई द्वारा निष्पादित विभिन्न गतिविधियों और परियोजनाओं में उनके निरंतर समर्थन के लिए धन्यवाद देते हैं। ग्राहकों के समर्थन के कारण सीपीपीआरआई ने वर्ष 2023-2024 के दौरान रू. 343.96 लाख का आतंरिक राजस्व अर्जित किया।

मैं अपने सभी कर्मचारियों, वैज्ञानिकों, भागीदारों और हितधारकों के प्रति अपनी हार्दिक कृतज्ञता व्यक्त करना चाहता हूँ, जिन्होंने हमारी सफलता में अटूट सहयोग और योगदान दिया है। साथ मिलकर हमने बहुत कुछ प्राप्त किया है और साथ मिलकर हम आने वाले वर्ष में उत्कृष्टता और स्थिरता के लिए प्रयास करना जारी रखेंगे।

आपके निरन्तर सहयोग के लिए धन्यवाद।

नमस्कार,

डॉ. एल.पी. सिंह
निदेशक

केंद्रीय लुग्दी और कागज अनुसंधान संस्थान: एक परिचय

ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य

1970 के दशक की शुरुआत तक लुग्दी और कागज क्षेत्र में अनुसंधान और विकास लगभग उपेक्षित था, क्योंकि तब तक मौजूदा मिलें जो आजादी से पहले और बाद में स्थापित की गई थीं और लकड़ी/बांस के कागज के कच्चे माल के उपयोग हेतु संसाधित करने के लिए ज्यादातर आयातित पारंपरिक प्रौद्योगिकी और प्रक्रिया उपकरणों का उपयोग कर रही थीं। कागज और पेपरबोर्ड की सीमित मांग के कारण, वैकल्पिक कच्चे माल की प्रक्रिया के लिए उपयोग स्वदेशी प्रौद्योगिकियों के विकास के लिए अनुसंधान और विकास की आवश्यकता वास्तव में ज्यादा महसूस नहीं की गई।

महत्वपूर्ण मोड़ 1970 के दशक की शुरुआत में आया जब देश में कागज की मांग में वृद्धि के साथ-साथ कच्चे माल का संकट भी बढ़ गया, जिसके परिणामस्वरूप कागज और कागज उत्पादों की मांग और आपूर्ति में अंतर बढ़ गया। इससे वैकल्पिक कच्चे माल की खोज शुरू हुई और जल्द ही सरकार के समर्थन और पहल से, देश के विभिन्न कृषि क्षेत्रों में छोटे पैमाने पर कृषि आधारित इकाइयों की तेजी से वृद्धि हुई। इस स्तर पर उद्योग को स्वदेशी प्रक्रिया प्रौद्योगिकी के विकास और वैकल्पिक कच्चे माल के मूल्यांकन की आवश्यकता महसूस हुई, जिसके बाद यूएनडीपी (एफएओ) द्वारा "वैकल्पिक कच्चे माल की पहचान" पर एक परियोजना प्रायोजित की गई। यह लुग्दी और कागज क्षेत्र में अनुसंधान और विकास गतिविधियों को मान्यता देने की शुरुआत थी।

कागज और अखबारी कागज निर्माण के लिए वैकल्पिक कच्चे माल की पहचान के मुख्य उद्देश्य के साथ यह परियोजना 1975 में चालू हुई। गतिविधियों में आधुनिक प्रयोगशाला और पायलट संयंत्र सुविधाओं को प्राप्त करके अनुसंधान एवं विकास सुविधाओं के उन्नयन की परिकल्पना की गई। इस परियोजना के कार्यकाल के दौरान उद्योग और अनुसंधान संस्थानों से चुने गए योग्य जनशक्ति को विकसित देशों में प्रशिक्षित किया गया था। इसके अलावा कई अंतर्राष्ट्रीय सलाहकारों ने इस परियोजना के अंतर्गत अनुसंधान एवं विकास कार्यक्रमों को डिजाइन करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उस समय प्राप्त सुविधाएं, अच्छी तरह से प्रशिक्षित जनशक्ति और अंतर्राष्ट्रीय विशेषज्ञों के माध्यम से प्राप्त अनुभव ऐसी धरोहर बन गए जिनका उपयोग उपरोक्त परियोजना के पूरा होने के बाद भी किया जाना आवश्यक था। इस परिप्रेक्ष्य में, परियोजना के अंतर्गत विकसित परिसंपत्तियों को समेकित किया गया और 11 नवंबर, 1980 को एक पूर्ण राष्ट्रीय स्तर के संस्थान में बदल दिया गया, जिसे सेंट्रल पल्प एंड पेपर रिसर्च इंस्टीट्यूट (सीपीपीआरआई) या केंद्रीय लुग्दी और कागज अनुसंधान संस्थान के नाम से जाना जाता है, इस संस्थान का गठन भारत सरकार के वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय के अंतर्गत एक स्वायत्त निकाय के रूप में किया गया था।

यह लुग्दी, कागज और संबद्ध उद्योग की सेवा के लिए समर्पित एक प्रमुख अनुसंधान संस्थान है। संस्थान को अत्याधुनिक सुविधाओं और उपकरणों और लुग्दी और कागज बनाने

के विभिन्न क्षेत्रों यानी कच्चे माल से लेकर तैयार उत्पाद तक गुणवत्ता अनुसंधान कार्य करने के लिए समर्पित, अच्छी तरह से अनुभवी और प्रशिक्षित वैज्ञानिकों की एक उत्साही टीम होने का गर्व है। पिछले कुछ वर्षों में, संस्थान ने एक अलग पहचान बनाई है और इसे स्वीडन, फिनलैंड आदि जैसे विकसित देशों के प्रतिष्ठित अनुसंधान संगठनों के बराबर माना जाता है।

संस्थान का उद्देश्य

- लुग्दी एवं कागज तथा संबद्ध उद्योगों को समर्पित तकनीकी एवं परामर्श सेवाएं प्रदान करने तथा गुणवत्तापूर्ण अनुसंधान एवं वैज्ञानिक कार्य करने के लिए उत्कृष्टता केंद्र के रूप में विकसित करना।
- भारतीय लुग्दी और कागज़ मिलों की समग्र तकनीकी और पर्यावरणीय स्थिति, वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मकता और पर्यावरणीय स्थिरता में सुधार लाने की दिशा में प्रयास करना।
- कागज उद्योग में नवीनतम अनुसंधान एवं विकास तथा तकनीकी विकास से संबंधित सूचना का प्रसार करना तथा कागज निर्माण के विभिन्न पहलुओं में ज्ञान और कौशल के उन्नयन के लिए मिल कर्मियों को प्रशिक्षण प्रदान करना।

दृष्टि

भारतीय कागज उद्योग को टिकाऊ और विश्व स्तर पर प्रतिस्पर्धी बनाने के लक्ष्य के साथ लुग्दी और कागज आधारित अनुसंधान, परीक्षण, तकनीकी और परामर्श सेवाओं, प्रशिक्षण और शिक्षाविदों के क्षेत्र में सीपीपीआरआई को उत्कृष्टता केंद्र विकसित करना।

उद्देश्य

- लुग्दी और कागज उद्योग से जुड़े अनुसंधान और वैज्ञानिक कार्यों को बढ़ावा देना
- लुग्दी और कागज अनुसंधान के लिए प्रयोगशालाओं, पायलट संयंत्र की स्थापना और रखरखाव करना
- उद्योग पर असर डालने वाली गतिविधियों पर पत्रिकाएं और दस्तावेज प्रकाशित करना
- लुग्दी और कागज और संबद्ध उद्योग को तकनीकी और परामर्श सेवाएं प्रदान करना एवं सुधार की दिशा में प्रयास करना
- भारतीय लुग्दी और कागज उद्योग की समग्र तकनीकी और पर्यावरणीय स्थिति, वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मकता और पर्यावरणीय स्थिरता
- कागज उद्योग में नवीनतम अनुसंधान और विकास तकनीकी विकास से संबंधित जानकारी का प्रसार
- कागज निर्माण के विभिन्न पहलुओं में ज्ञान और कौशल के उन्नयन के लिए संबंधित व्यक्तियों और हितधारकों को प्रशिक्षण प्रदान करना

- लुग्दी और कागज में खोज को प्रोत्साहित करना और पेटेंट प्राप्त करना
- अकादमिक पाठ्यक्रम चलाकर लुग्दी और कागज उद्योग के लिए कुशल जनशक्ति तैयार करना
- लुग्दी और कागज शिक्षा और अनुसंधान पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करने के लिए दुनिया भर के अन्य शैक्षणिक और अनुसंधान संस्थानों के साथ सहयोग करना

गुणवत्ता नीति

सीपीपीआरआई राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अपने इच्छुक पक्षों को यथासंभव पेशेवर तरीके से "विश्व स्तरीय" लुग्दी और कागज अनुसंधान और विकास, नीति निर्माण, परीक्षण, मानव संसाधन विकास और शैक्षणिक सेवाएं प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है और ग्राहकों को पूर्ण संतुष्टि प्रदान करने के लिए "पहली बार में सही...हर बार सही" अपना काम करने के लिए प्रतिबद्ध है। यह प्रतिबद्धता निरंतर सुधार और ग्राहक संतुष्टि के लिए एक संस्थागत समर्पण है। सीपीपीआरआई और इसके कर्मचारी, इस नीति के अनुरूप गुणवत्ता उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए प्रतिबद्ध हैं:

- गुणवत्ता प्रबंधन प्रणाली ISO 9001:2015 और ISO/IEC/ 17025:2017 को लगातार पूरा करने वाली प्रबंधन प्रणाली को बनाए रखना
- इसमें शामिल गुणवत्ता प्रणालियों का कार्यसाधक ज्ञान बनाए रखना और उन्हें अपने काम में लागू करना
- ग्राहकों की आवश्यकताओं और बताई गई परीक्षण विधियों के अनुरूप सभी संबंधित गतिविधियों को सक्षमता से निष्पादित करना
- सभी संबंधित गतिविधियों में उत्कृष्टता के प्रति समझौता न करने वाला रवैया और सभी गतिविधियों में निष्पक्षता बनाए रखना

हम, सीपीपीआरआई में, निरंतर सुधार के लिए गुणवत्ता प्रबंधन प्रणालियों की प्रभावशीलता की समीक्षा करके अपनी सेवाओं में सुधार करने का प्रयास करेंगे।

सीपीपीआरआई की संगठन संरचना

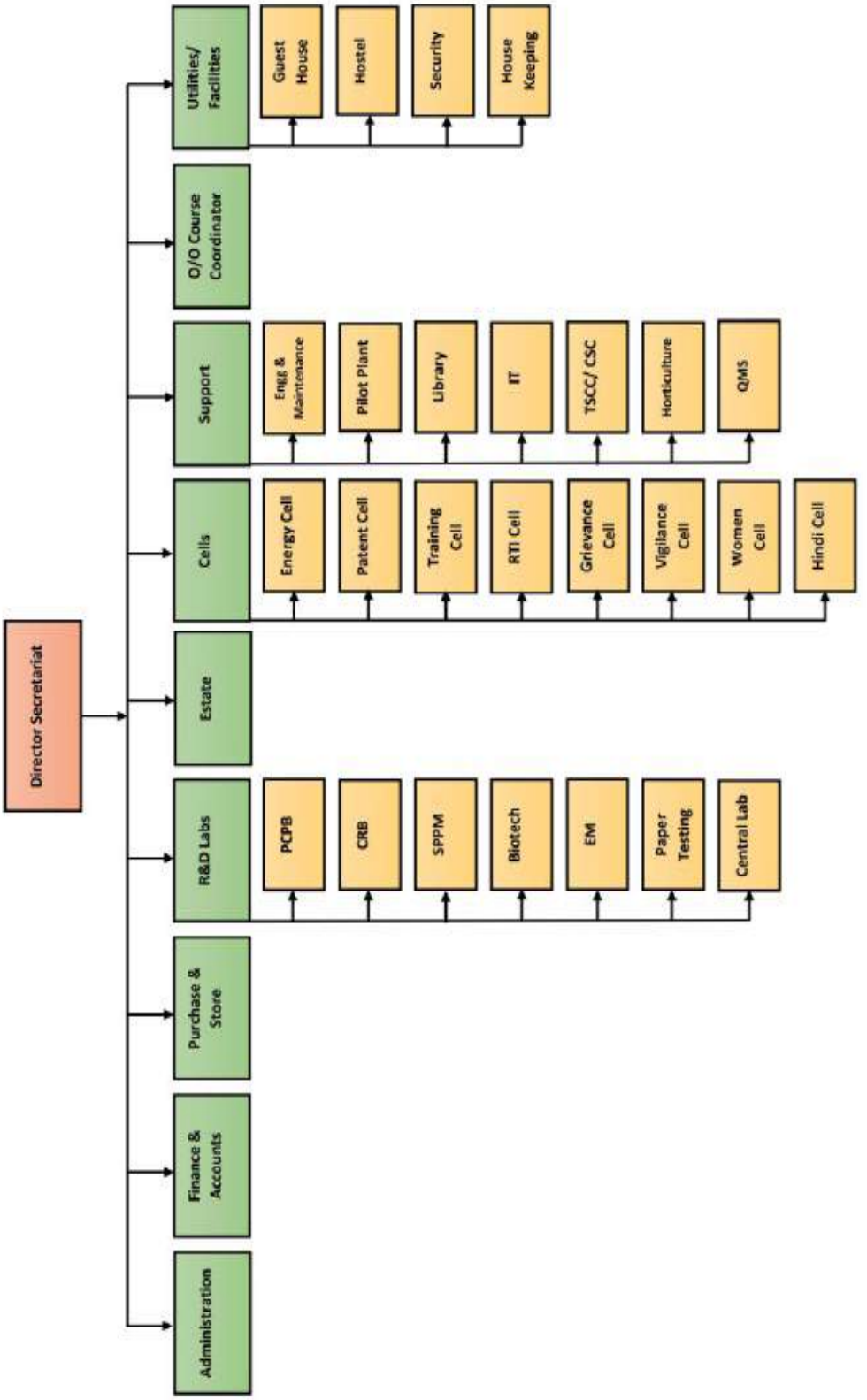

PCPB: Pulping & Bleaching, **CRB**: Chemical Recovery & Biorefinery, **SPPM**: Stock Preparation & Paper Making, **EM**: Environment Management, **CSC**: Customer Service Cell, **TSCC**: Technical Services & Consultancy, **QMS**: Quality Management System

आधारभूत संरचना

संस्थान का परिसर हरा-भरा है तथा इसका निर्मित क्षेत्रफल 10712 वर्ग मीटर है, जिसमें शामिल हैं:

- मुख्य भवन में प्रशासनिक ब्लॉक और दो प्रयोगशाला ब्लॉक
- प्रायोगिक संयंत्र
- पुस्तकालय
- छात्रावास सहित अतिथि गृह
- 69 आवासीय क्वार्टरों वाली आवासीय कॉलोनी

संस्थान लुग्दी और कागज निर्माण के विभिन्न क्षेत्रों में अपनी सेवाएं प्रदान करता है और निम्नलिखित प्रभागों के माध्यम से कागज उद्योग की जरूरतों को पूरा करता है।

- भौतिक रसायन विज्ञान, लुग्दीकरण और विरंजन
- स्टॉक तैयार करना और कागज बनाना
- पेपर परीक्षण और ऊर्जा प्रबंधन
- रसायन पुनःप्राप्ति और बायोरिफाइनरी
- जैव प्रौद्योगिकी
- पर्यावरण प्रबंधन
- पुस्तकालय एवं प्रलेखन केन्द्र
- इंजीनियरिंग और रखरखाव

ये प्रभाग गुणवत्तापूर्ण अनुसंधान कार्य करने तथा लुग्दी, कागज और संबद्ध उद्योगों को तकनीकी सेवाएं प्रदान करने के लिए अत्याधुनिक उपकरणों और सुविधाओं से सुसज्जित हैं।

प्रबंध

केंद्रीय लुग्दी एवं कागज अनुसंधान संस्थान एक स्वायत्त संगठन है, जो सोसायटी पंजीकरण अधिनियम के अंतर्गत पंजीकृत है। संस्थान के कार्य और इसकी कार्यप्रणाली विधिवत अनुमोदित एसोसिएशन के ज्ञापन (एमओए) के अनुसार निष्पादित की जाती है, जिसे समय-समय पर उचित प्रक्रिया के साथ संशोधित किया जाता है। सीपीपीआरआई के एमओए की धारा 6 के अनुसार, संस्थान के मामलों को सोसायटी पंजीकरण अधिनियम 1860 की धारा 2 के अंतर्गत एक शासी निकाय को सौंपा गया है, जिसे अब सीपीपीआरआई की कौंसिल ऑफ़ एसोसिएशन के रूप में जाना जाता है।

काउंसिल ऑफ़ एसोसिएशन (सीओए)

केंद्रीय लुग्दी एवं कागज अनुसंधान संस्थान (सीपीपीआरआई) की कौंसिल ऑफ़ एसोसिएशन सर्वोच्च निकाय है, जिसमें वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग

(डीएसटी), वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सीएसआईआर), भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद (आईसीएफआरई), भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी), रुड़की, भारतीय कागज निर्माता संघ (आईपीएमए), भारतीय अखबारी कागज निर्माता संघ (आईएनएमए), भारतीय कृषि एवं पुनर्चक्रित कागज मिल्स संघ (आईएआरपीएमए), भारतीय पुनर्चक्रित कागज मिल्स संघ (आईआरपीएमए) तथा भारतीय लुग्दी एवं कागज तकनीकी संघ (आईपीपीटीए) आदि के सदस्य शामिल हैं। सीपीपीआरआई की कौंसिल ऑफ़ एसोसिएशन के अध्यक्ष की नियुक्ति भारत सरकार द्वारा की जाती है। श्री राजेश कुमार सिंह, आईएएस, सचिव, उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग, वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय, भारत सरकार परिषद के अध्यक्ष हैं।

श्री संजीव, आईआरएस, संयुक्त सचिव, उद्योग संवर्धन और आंतरिक व्यापार विभाग (डीपीआईआईटी), वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय, भारत सरकार अनुसंधान सलाहकार समिति के अध्यक्ष के रूप में संस्थान के मामलों का संचालन करते हैं। परिषद की संरचना नीचे दी गई है:

सीपीपीआरआई कॉउंसिल ऑफ़ एसोसिएशन के सदस्य

1.	सचिव उद्योग और आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय, भारत सरकार
2.	संयुक्त सचिव उद्योग और आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय, भारत सरकार
3.	निदेशक/उप सचिव (आईएफ विंग) उद्योग और आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय, भारत सरकार
4.	अध्यक्ष लुग्दी, कागज और संबद्ध उद्योगों के लिए विकास परिषद, भारत सरकार
5.	विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी) के प्रतिनिधि विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार
6.	वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सीएसआईआर) के प्रतिनिधि वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सीएसआईआर) नई दिल्ली
7.	आईआईटी रूड़की (सहारनपुर कैम्पस) के प्रतिनिधि पेपर प्रौद्योगिकी विभाग, आईआईटी रूड़की (सहारनपुर परिसर) सहारनपुर

8.	भारतीय वानिकी अनुसंधान और शिक्षा परिषद (आईसीएफआरई) के प्रतिनिधि भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद, (देहरादून) उत्तराखंड,
9.	भारतीय कागज निर्माता संघ (आईपीएमए) के प्रतिनिधि इंडियन पेपर मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन (आईपीएमए), नई दिल्ली
10	इंडियन न्यूजप्रिंट मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन के प्रतिनिधि इंडियन न्यूजप्रिंट मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन (आईएनएमए), नई दिल्ली
11	इंडियन एग्रो एंड रिसाइक्ल्ड पेपर मिल्स एसोसिएशन (आईएआरपीएमए) के प्रतिनिधि इंडियन एग्रो एंड रिसाइकल्ड पेपर मिल्स एसोसिएशन (आईएआरपीएमए), नई दिल्ली
12	इंडियन रिसाइकल्ड पेपर मिल्स एसोसिएशन (आईआरपीएमए) के प्रतिनिधि इंडियन रिसाइकल्ड पेपर मिल्स एसोसिएशन (आईआरपीएमए), दिल्ली
13	इंडियन पल्प एंड पेपर टेक्निकल एसोसिएशन (आईपीपीटीए) के प्रतिनिधि इंडियन पल्प एंड पेपर टेक्निकल एसोसिएशन (आईपीपीटीए), सहारनपुर
14	पेपर मशीनरी निर्माताओं के प्रतिनिधि वायर्स एंड फैब्रिक्स (एस.ए.) लिमिटेड, कोलकाता
15	निदेशक सदस्य सचिव केंद्रीय लुग्दी एवं कागज अनुसंधान संस्थान, सहारनपुर

अनुसंधान सलाहकार समिति (आरएसी)

सेंट्रल पल्प एंड पेपर रिसर्च इंस्टीट्यूट (सीपीपीआरआई) की अनुसंधान सलाहकार समिति (आरएसी) में प्रमुख वैज्ञानिक और प्रौद्योगिकीविद् और उद्योग संवर्धन और आंतरिक व्यापार विभाग (डीपीआईआईटी), वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय, भारत सरकार के प्रतिनिधि शामिल हैं। विज्ञान और प्रौद्योगिकी (डीएसटी) वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सीएसआईआर), भारतीय वानिकी अनुसंधान और शिक्षा परिषद (आईसीएफआरई), भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी), रूड़की आदि। आरएसी डीपीआईआईटी (पूर्व पंचवर्षीय योजना परियोजनाओं) के परियोजना आधारित समर्थन के अंतर्गत संस्थान द्वारा किए गए विभिन्न परियोजनाओं की प्रगति की निगरानी करता है, श्री संजीव, आईआरएस, संयुक्त सचिव, संवर्धन विभाग उद्योग और आंतरिक व्यापार, वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय, भारत सरकार में आरएसी के अध्यक्ष हैं। आरएसी की संरचना नीचे दी गई है।

सीपीपीआरआई की अनुसंधान सलाहकार समिति के सदस्य

1.	अपर सचिव/संयुक्त सचिव (प्रभारी पेपर), उद्योग और आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी), वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय, भारत सरकार
2.	निदेशक/उप सचिव, आईएफ विंग (DPIIT) उद्योग और आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (DPIIT) वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय, भारत सरकार
3.	निदेशक/वरिष्ठ विकास अधिकारी/उप सचिव (कागज), उद्योग संवर्धन और आंतरिक व्यापार विभाग (डीपीआईआईटी), वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय, भारत सरकार
4.	विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के प्रतिनिधि, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, नई दिल्ली
5.	प्रमुख, सेलूलोज़ और पेपर शाखा, वन अनुसंधान संस्थान, आईसीएफआरई, देहरादून
6.	प्रमुख, पेपर प्रौद्योगिकी विभाग (डीपीटी), आईआईटी और रूड़की (सहारनपुर परिसर), सहारनपुर
7.	सदस्य सचिव/प्रतिनिधि केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, दिल्ली
8.	केन्द्रीय प्रमुख सीएसआईआर और राष्ट्रीय पर्यावरण इंजीनियरिंग अनुसंधान संस्थान (एनईईआरआई), नई दिल्ली
9.	निदेशक/प्रतिनिधि राष्ट्रीय जलविज्ञान संस्थान, रूड़की
10.	प्रमुख/प्रतिनिधि सीआरडीटी, आईआईटी (दिल्ली), नई दिल्ली
11.	अध्यक्ष या प्रतिनिधि इंडियन पेपर मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन (आईपीएमए), नई दिल्ली
12.	अध्यक्ष या प्रतिनिधि इंडियन एग्रो एंड रीसाइकल्ड पेपर मिल्स एसोसिएशन (आईएआरपीएमए), नई दिल्ली
13.	अध्यक्ष या प्रतिनिधि इंडियन रिसाइकल्ड पेपर मिल्स एसोसिएशन (आईआरपीएमए), दिल्ली
14.	अध्यक्ष या प्रतिनिधि इंडियन न्यूजप्रिंट मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन (आईएनएमए), नई दिल्ली
15.	अध्यक्ष या प्रतिनिधि इंडियन पल्प एंड पेपर टेक्निकल एसोसिएशन (आईपीपीटीए), सहारनपुर
16.	निदेशक/प्रभारी निदेशक, सीपीपीआरआई सदस्य सचिव, केंद्रीय लुग्दी एवं कागज अनुसंधान संस्थान, सहारनपुर

कर्मचारी

31 मार्च 2024 तक, सीपीपीआरआई की कोर टीम में 13 वैज्ञानिक, 06 तकनीकी कर्मचारी और निदेशक सहित 3 प्रशासनिक और वित्त कर्मचारी शामिल थे।

सीपीपीआरआई की टीम पल्प, पेपर और संबद्ध उद्योगों को गुणवत्तापूर्ण सेवाएँ, सहायता और सहयोग प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। वैज्ञानिक कर्मचारी अत्यधिक योग्य हैं और उन्हें पेपर बनाने के विभिन्न क्षेत्रों जैसे कच्चे सामग्री की तैयारी, लुग्दीकरण और विरंजन, स्टॉक की तैयारी और पेपर बनाना, पेपर परीक्षण, रसायन पुनःप्राप्ति, ऊर्जा संरक्षण, पर्यावरण प्रबंधन, जैव प्रौद्योगिकी, उत्पाद विकास, गुणवत्ता नियंत्रण, नीतिगत मामले आदि में व्यापक अनुभव है। योग्यता के साथ स्थायी कर्मचारियों की सूची इस रिपोर्ट के साथ संलग्न है।

भारतीय कागज, पेपरबोर्ड और अखबारी कागज उद्योग का अवलोकन

संक्षिप्त प्रोफ़ाइल

अनुमान है कि भारत में लगभग 850 से 900 लुग्दी और कागज मिलें हैं जिनमें से लगभग 550 वर्तमान में कार्यशील हैं। ये परिचालन मिलें लकड़ी, पुनर्नाविनिकरण फाइबर, खोई, गेहूं के भूसे और बाजार के पल्प सहित विभिन्न प्रकार के कच्चे माल का उपयोग करती हैं। इन कच्चे माल के आधार पर, कागज उद्योग को लकड़ी-आधारित, कृषि-अवशेष-आधारित और अपशिष्ट कागज या पुनर्नवीनीकरण फाइबर-आधारित मिलों में वर्गीकृत किया जा सकता है। हालाँकि, अधिकांश लकड़ी और कृषि-आधारित मिलें आज मिश्रित फर्निश का उपयोग करती हैं, जिसमें अपशिष्ट कागज और आयातित लुग्दी दोनों शामिल होते हैं।

उत्पादन के संदर्भ में, देश में लकड़ी-आधारित, कृषि-अवशेष-आधारित और अपशिष्ट कागज आधारित मिलों की कुल उत्पादन हिस्सेदारी क्रमशः 18%, 6% और 74% होने का अनुमान है।

उद्योग को अंतिम उत्पादों के आधार पर कागज को लेखन और मुद्रण कागज, औद्योगिक कागज/पैकेजिंग ग्रेड कागज, अखबारी कागज और विशेष ग्रेड कागज में भी वर्गीकृत किया जा सकता है। कुल मिलाकर, भारतीय कागज उद्योग दुनिया के कागज, पेपरबोर्ड और अखबारी कागज के उत्पादन का लगभग 5-6% हिस्सा है, जो इसे लगभग 23 मिलियन टन प्रति वर्ष के अनुमानित उत्पादन के साथ विश्व स्तर पर पांचवां सबसे बड़ा कागज उत्पादक बनाता है।

भारत में, कागज की प्रति व्यक्ति खपत लगभग 15-16 किलोग्राम होने का अनुमान है, जो विश्व औसत 57 किलोग्राम से काफी कम है। यह विश्व औसत प्रति व्यक्ति खपत तक पहुंचने के लिए कागज क्षेत्र में वृद्धि की पर्याप्त संभावना का संकेत देता है।

भारतीय कागज उद्योग विभिन्न संबद्ध उद्योगों और गतिविधियों से जुड़ा हुआ है, जिनमें कृषि वानिकी, रसायन, मशीनरी और उपकरण, कन्वर्टर्स, प्रिंटर, कागज व्यापारी (रद्दी कागज और तैयार कागज दोनों), ट्रांसपोर्टर और शिपिंग शामिल हैं। कागज मूल्य श्रृंखला में वाणिज्य और व्यापार के लगभग सभी क्षेत्र शामिल हैं, जो आबादी के एक महत्वपूर्ण हिस्से को प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार के अवसर प्रदान करते हैं।

हाल के दिनों में, एकल-उपयोग प्लास्टिक (एसयूपी) पर प्रतिबंध और स्थिरता की दिशा में जोर

देने के साथ, भारतीय कागज उद्योग पर्यावरण के अनुकूल, टिकाऊ और बायोडिग्रेडेबल कागज उत्पादों जैसे बायोडिग्रेडेबल पैकेजिंग सामग्री और विशेष कागजात को शामिल करने के लिए अपने उत्पाद प्रोफ़ाइल में विविधता ला रहा है। इस अवसर का लाभ उठाने के लिए, कागज उद्योग तेजी से प्लास्टिक पैकेजिंग और अन्य मूल्य वर्धित अनुप्रयोगों के संभावित प्रतिस्थापन के रूप में कागज को पेश करने पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। आज, टिकाऊ कागज उत्पाद तेल और पानी प्रतिरोध, नमी और ऑक्सीजन बाधाएं, और गर्मी-सीलिंग क्षमताएं जैसी सुविधाओं के साथ उपलब्ध या विकसित किए जा रहे हैं ।

पिछले 1-2 वर्षों में, कागज बाजार, विशेष रूप से पैकेजिंग खंड, ने रेशेदार कच्चे माल, कोयले और कागज की मांग की उपलब्धता और लागत में अस्थिरता और व्यवधान का अनुभव किया है। इसका एक प्रमुख कारण कोविड-19 चरण के दौरान पेपर मिलों द्वारा किया गया क्षमता विस्तार है, जिसके कारण कागज की मांग में असंगत वृद्धि हुई, जिससे बाजार में अत्यधिक आपूर्ति हुई। अनुमान है कि पिछले 3-4 वर्षों में नई पेपर मिलों की क्षमता में 30-40% की वृद्धि हुई है, जिसके परिणामस्वरूप क्राफ्ट पेपर सेगमेंट में अधिक उत्पादन हुआ है। इसके अतिरिक्त, कई विकसित देशों ने पुनर्नवीनीकृत पेपर मिलें स्थापित की हैं और प्रतिस्पर्धी दरों पर क्राफ्ट/पैकेजिंग पेपर की पेशकश कर रहे हैं, जिससे भारतीय पेपर मिलों के लिए प्रतिस्पर्धा करना चुनौतीपूर्ण हो गया है।

भारतीय कागज उद्योग के सामने प्रमुख निम्नलिखित चुनौतियाँ शामिल हैं:

1. विभाजित उद्योग का एकीकरण
2. विभिन्न पैमाने की अर्थव्यवस्थाओं को हासिल करना
3. मिलों का आधुनिकीकरण, उत्पादकता में सुधार और नई क्षमताओं का निर्माण
4. एक मजबूत और टिकाऊ कच्चे माल के आधार का विकास
5. गुणवत्ता बेंचमार्किंग
6. वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मकता में सुधार
7. पर्यावरण मानकों और नियामक अनुपालनों को पूरा करना

पर्यावरणीय प्रदर्शन/स्थिरता

हाल के वर्षों में, भारतीय कागज उद्योग ने कुशल संसाधन प्रबंधन में महत्वपूर्ण प्रगति की है, जिसमें टिकाऊ सामाजिक कृषि वानिकी प्रथाएं, संसाधन संरक्षण और कम ऊर्जा और पानी की खपत शामिल है। पिछले दशक में, उद्योग ने निम्नीकृत सीमांत भूमि पर लुग्दी के लिए लकड़ी हेतु के बागान स्थापित करके किसान समुदायों को सबल किया है। आज, भारतीय कागज उद्योग आम तौर पर कटाई से अधिक पेड़ लगाता है, जो लकड़ी और कार्बन दोनों के सकारात्मक होने का दावा करता है।

पर्यावरण मानदंडों का पालन करने के लिए, भारतीय कागज़ मिलें प्रौद्योगिकी और प्रक्रिया उन्नयन,

ऊर्जा-कुशल प्रौद्योगिकियों और उपकरणों, और ऊर्जा खपत और ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन को कम करने के उपायों में तेजी से निवेश कर रही हैं। इसमें अपशिष्ट उपचार संयंत्रों (ईटीपी) को उन्नत करना, बैकवाटर/उपचारित अपशिष्ट का पुनः उपयोग और पुनर्प्रयुक्त और जैव/नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों का उपयोग करना शामिल है। परिणामस्वरूप, बड़ी एकीकृत लुग्दी और कागज़ मिलों में 50 घन मीटर पानी प्रति टन कागज़ से कम, अपशिष्ट कागज़ आधारित मिलों में 15 घन मीटर पानी प्रति टन (लेखन और मुद्रण कागज़) से कम और 10 घन मीटर पानी प्रति टन (क्राफ्ट पेपर) का उपयोग करने के साथ साफ़ पानी की खपत में काफी कमी आई है। कुछ पुनर्चक्रित फाइबर-आधारित कागज़ मिलों के बारे में बताया गया है कि वे शून्य तरल निर्वहन (शुन्य तरल निर्वहन) पर काम कर रही हैं, जिसमें साफ़ पानी की खपत 2 वर्गमीटर प्रति टन कागज़ से कम है। भारतीय कागज़ उद्योग ने पिछले 6-7 वर्षों में अपने पानी की खपत में 70-80% से अधिक की कमी की है। कागज बनाने में पानी का पुनः उपयोग चक्रीय अर्थव्यवस्था का एक प्रमुख उदाहरण है, क्योंकि कुल खपत किए गए पानी का लगभग 85% अपशिष्ट जल के रूप में उत्पन्न होता है और उपचारित कर पुनः उपयोग में लाया जाता है।

निम्न-कार्बन अर्थव्यवस्था पर ध्यान देने के साथ, कागज उद्योग ने विशिष्ट ऊर्जा खपत को कम करने के लिए महत्वपूर्ण प्रयास किए हैं। राष्ट्रीय, उपलब्धि और व्यापार (पीएटी) योजना तथा उन्नत ऊर्जा दक्षता मिशन (एनएमईईई) के अंतर्गत कागज उद्योग शीर्ष प्रदर्शन करने वाले क्षेत्रों में से एक रहा है, जो विशिष्ट ऊर्जा खपत को कम करने के कड़े लक्ष्यों को पार कर गया है। अगले वर्ष पीएटी योजना के अंतर्गत 100 से अधिक अतिरिक्त पेपर मिलों के सम्मिलित होने की उम्मीद है। आम तौर पर कागज उद्योग ने पिछले पांच वर्षों में अपनी ऊर्जा खपत में 20% की कमी की है। अधिकांश एकीकृत लुग्दी और कागज मिलें लुग्दी प्रक्रिया के दौरान उत्पादित बायोमास (काले द्रव्य) को जलाकर अपनी बिजली आवश्यकताओं का 40-50% उत्पन्न करती हैं। उद्योग धीरे-धीरे अपने पर्यावरणीय प्रभाव और कच्चे माल, रसायन, ऊर्जा, पानी और ईंधन सहित जिम्मेदार संसाधन प्रबंधन की तत्काल आवश्यकता के प्रति अधिक जागरूक हो गया है।

उद्योग अब संचालन को अनुकूलित करने, अपशिष्ट और संसाधन खपत को कम करने और समग्र उत्पादकता और आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन में सुधार करने के लिए उन्नत प्रक्रिया नियंत्रण, डिजिटल और एआई उपकरण और मशीन लर्निंग मॉडल का उपयोग कर रहा है।

आयात/निर्यात परिदृश्य

दिलचस्प बात यह है कि जहां वैश्विक कागज की खपत में तेजी से गिरावट आई है, वहीं भारत में इस प्रवृत्ति का अनुभव नहीं हुआ है। नतीजतन, वैश्विक कंपनियां भारत में अपने अतिरिक्त उत्पादन को बेचने के लिए कागज की कीमतों में 200-300 अमेरिकी डॉलर तक की कटौती कर रही हैं, जिससे घरेलू कागज उद्योग प्रभावित हो रहा है। घरेलू बाजार में कागज और पेपरबोर्ड की मांग काफी हद तक स्थिर बनी हुई है। हालाँकि, अधिक उत्पादन और कम निर्यात माँगों के कारण 2022-23 के दौरान क्राफ्ट पेपर सेगमेंट काफी प्रभावित हुआ था। हाल ही में, कम वैश्विक मांग, रूस-यूक्रेन युद्ध और इज़राइल-हमास संघर्ष के कारण कागज की कीमतों में महत्वपूर्ण सुधार हुआ

है, जिससे आपूर्ति श्रृंखला बाधित हुई और कच्चे माल की उपलब्धता, उच्च इनपुट लागत और भारतीय कागज उद्योग पर गंभीर प्रभाव पड़ा।

वाणिज्यिक खुफिया और सांख्यिकी महानिदेशालय (डीजीसीआईएस) और वाणिज्य मंत्रालय के अनुसार, 2022-23 के दौरान, कुल 2,058.7 हजार टन प्रमुख ग्रेड के कागज, पेपरबोर्ड और न्यूजप्रिंट का आयात किया गया (मूल्य 16,734 करोड़ रुपये या 2,078 मिलियन अमरीकी डालर), यह पिछले वर्ष (2021-22) में 1,715.5 हजार टन (मूल्य 10,406 करोड़ रुपए या 1,397 मिलियन अमरीकी डालर) की तुलना में, लगभग 20% की वृद्धि दर्शाता है। USD मूल्य के संदर्भ में, यह लगभग 49% की वृद्धि दर्शाता है।

दूसरी ओर, 1,776.2 हजार टन कागज, पेपरबोर्ड और न्यूजप्रिंट (मूल्य 11,591 करोड़ रुपये या 1,451 मिलियन अमेरिकी डॉलर) का निर्यात किया गया, जबकि 2021-22 में 2,856.6 हजार टन (मूल्य 14,000 करोड़ रुपये या 1,880 मिलियन अमेरिकी डॉलर) हुआ था।

कागज और पेपरबोर्ड - आयात और निर्यात

पेपर और पेपरबोर्ड आयात डेटा से संकेत मिलता है कि पर्याप्त घरेलू उत्पादन क्षमता के बावजूद, भारत में कागज और पेपरबोर्ड (एचएस कोड 4802, 4803, 4804, 4805, 4808 और 4810) का आयात लगातार बढ़ रहा है। 2010-11 से 2023-24 तक के 13 वर्षों में, महामारी, भू-राजनीतिक तनाव और आपूर्ति श्रृंखला व्यवधानों के कारण 2020-21 और 2021-22 को छोड़कर, आयात आम तौर पर ऊपर की ओर रहा है। कुल मिलाकर, मूल्य के संदर्भ में आयात 11.00% की चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर (सीएजीआर) से बढ़ा है (2010-11 में 3,411 करोड़ रुपये से)। 2023-24 में 13,248 करोड़ रुपये) और मात्रा के संदर्भ में 10.37% (2010-11 में 0.54 मिलियन टन से 2023-24 में 1.93 मिलियन टन तक)।

डेटा विश्लेषण से पता चलता है कि घरेलू उत्पादन में वृद्धि की तुलना में आयात बहुत अधिक दर से बढ़ा है, जिसका मुख्य कारण घरेलू स्थापित क्षमता का कम उपयोग है। पिछले दशक में प्रमुख देशों और क्षेत्रों से आयात का सीएजीआर चित्र 1 में दर्शाया गया है।

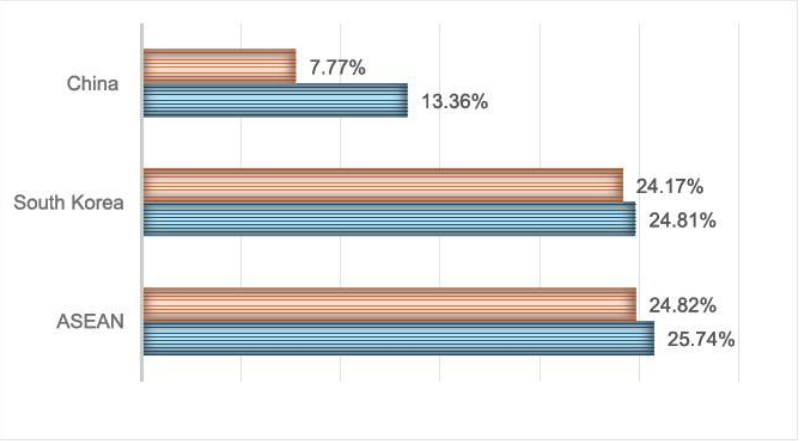

चित्र 1 मात्रा और मूल्य के संदर्भ में आयात में वृद्धि का सीएजीआर

जैसा कि ऊपर बताया गया है, पिछले दशक में आसियान देशों से भारत में कागज और पेपरबोर्ड का आयात मूल्य के संदर्भ में 25.74% और मात्रा के संदर्भ में 24.82% की चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर (सीएजीआर) से बढ़ा है। इसी तरह, दक्षिण कोरिया से आयात मूल्य के हिसाब से 28.41% और मात्रा के हिसाब से 24.17% की सीएजीआर से बढ़ा है। चीन से आयात मूल्य के हिसाब से 13.36% और मात्रा के हिसाब से 7.77% की सीएजीआर से बढ़ा है।

पिछले तीन वर्षों के लिए प्रमुख पेपर ग्रेड (एचएस कोड 4802, 4803, 4804, 4805, 4808, और 4810) के आयात आँकड़े तालिका 1 में संक्षेपित हैं।

तालिका 1: विभिन्न देशों से प्रमुख पेपर ग्रेड* का आयात परिदृश्य

देश	वर्ष	
	2021-22	**2022-23**
जर्मनी	75825.79	62450.46
इंडोनेशिया	91812.78	169413.30
दक्षिण कोरिया आर.पी	94083.28	115146.80
थाईलैंड	63420.33	88289.20
अमेरिका	288401.80	268641.00
जापान	80107.99	100345.70
कनाडा	19126.45	14836.34
	712778.50	**819122.90**

स्रोत: डीजीसीआई और एस * एचएस कोड 4802, 4803, 4804,4805, 4808 और 4810, आदि

भारतीय कागज उद्योग ने अंतरराष्ट्रीय मानकों को पूरा करने के लिए अपने उत्पादों की गुणवत्ता को बढ़ाया है, जिससे यह वैश्विक उत्पादकों के साथ प्रतिस्पर्धा करने में सक्षम हो गया है। नतीजतन, प्रमुख पेपर ग्रेड (एचएस कोड 4801, 4802, 4803, 4804, 4805 और 4810) के लिए भारत से कागज का निर्यात 2020-21 और 2021-22 के दौरान बढ़ गया। हालाँकि, 2022-23 में मंदी की सूचना मिली थी, जैसा कि तालिका 2 में दर्शाया गया है।

तालिका 2 : 2020-23 कागज निर्यात

वर्ष	निर्यात (हजार टन में)
2020-21	2194.0
2021-22	2856.6
2022-23	1776.2

अख़बारी कागज़ क्षेत्र

कागज उद्योग का अख़बारी कागज़ खंड आयात से सबसे अधिक प्रभावित हुआ है, जिसके परिणामस्वरूप देश की अख़बारी कागज़ उत्पादन क्षमता 2.5 मिलियन टन से घटकर 0.5 मिलियन टन हो गई है। चित्र 2 अख़बारी कागज़ के आयात के कारण पिछले पांच वर्षों में अख़बारी कागज़ उत्पादन में आई गिरावट को दर्शाता है।

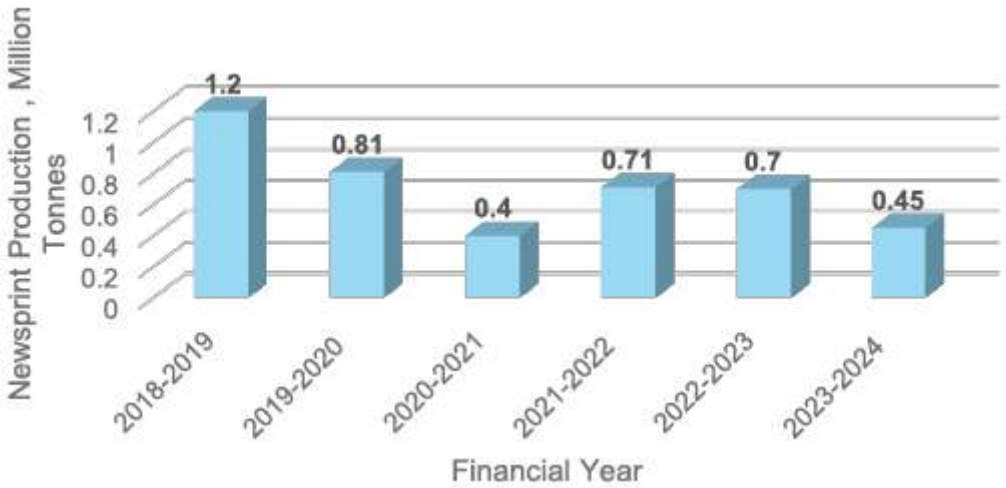

चित्र 2: 2018-19 से 2023-24 तक घरेलू अखबारी कागज उत्पादन में गिरावट

अखबारी कागज उत्पादन में गिरावट और आयात में वृद्धि की वर्ष-वार तुलना तालिका 3 में संक्षेपित की गई है। इसके अतिरिक्त, प्रमुख देशों से देश-वार आयात तालिका 4 में विस्तृत है।

तालिका 3: अखबारी कागज (एचएस कोड 480100) उत्पादन और आयात

वर्ष	उत्पादन (मिलियन टन)	आयात (टन इकाई)
2018-2019	1.20	1,366,472,95
2019-2020	0.81	1,353,867.36
2020-2021	0.40	662,514.61
2021-2022	0.71	605,693.39
2022-2023	0.70	622,222,12

तालिका 4 प्रमुख देशों से अखबारी कागज आयात का विवरण (एम.टी.)

देश	2021-22	2022-23
ऑस्ट्रेलिया	-	-
कनाडा	206665	250411
रूस	234470	191132
यूरोपीय संघ	95230	61605
अन्य	61401	106239
कुल	597766	609387

भारत सरकार ने हाल ही में कागज और कागज उत्पादों के आयात को विनियमित करने के लिए कागज आयात निगरानी प्रणाली (पीआईएमएस) की शुरुआत की है, जिसका उद्देश्य भारतीय बाजार में कम गुणवत्ता वाले और सस्ते उत्पादों की डंपिंग को रोकना है। इस कदम से घरेलू उद्योग को कुछ राहत मिलने की उम्मीद है।

जैसा कि निर्यात डेटा (तालिका -2) में दर्शाया गया है, वैश्विक मंदी, लाल सागर संकट, रूस-यूक्रेन संघर्ष और इज़राइल-हमास युद्ध ने भारत और अन्य एशियाई देशों से पश्चिमी देशों में पैकेजिंग और क्राफ्ट पेपर के लिए निर्यात को काफी प्रभावित किया है, जिससे मांग में गिरावट आई है। कम निर्यात के कारण, निर्यात-उन्मुख मिलों ने अपने उत्पादों को घरेलू बाजार में धकेलना शुरू कर दिया है, जिसके परिणामस्वरूप भारत में क्राफ्ट पेपर की अत्यधिक आपूर्ति हो गई है।

नीतिगत हस्तक्षेप

2022 के केंद्रीय बजट ने देश में हरित आवरण को बढ़ाने के उद्देश्य से कृषिवानिकी और निजी वानिकी को प्रोत्साहित करने और बढ़ावा देने के लिए कई नीतियां और विधायी परिवर्तन पेश किए। बजट में अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के उन किसानों के लिए वित्तीय सहायता का प्रस्ताव है जो कृषि वानिकी अपनाना चाहते हैं। जनजातीय समुदाय, पारंपरिक कृषि वानिकी प्रणालियों और प्रथाओं के अपने विशाल ज्ञान के साथ, स्थानीय स्तर पर ग्रामीण अर्थव्यवस्था, रोजगार और गरीबी उन्मूलन में महत्वपूर्ण योगदान दे सकते हैं।

पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय ने ग्रीन क्रेडिट कार्यक्रम कार्यान्वयन नियम 2023 का मसौदा जारी किया है। यह कार्यक्रम ग्रीन क्रेडिट के रूप में प्रोत्साहन प्रदान करने के लिए एक बाजार-आधारित तंत्र बनाना चाहता है। पहचाने गए क्षेत्रों में से एक वृक्षारोपण-आधारित ग्रीन क्रेडिट है, जो वृक्षारोपण और संबंधित गतिविधियों के माध्यम से देश भर में हरित आवरण बढ़ाने की गतिविधियों को बढ़ावा देता है।

स्रोत पृथक्करण, प्रभावी संग्रह और उपयोग के माध्यम से देश में उपभोक्ता-पश्चात रद्दी कागज/पुनःप्राप्त कागज की पुनःप्राप्ति दर को बढ़ाने के लिए उपयुक्त नीतिगत हस्तक्षेप की आवश्यकता है। स्वदेशी पुनःप्राप्त कागज की रिकवरी दर बढ़ाने से आयात पर निर्भरता कम करने में मदद मिलेगी।

आयातित रद्दी कागज की उपलब्धता आने वाले वर्षों में एक चिंता का विषय बनने की संभावना है, विशेष रूप से रद्दी कागज सहित कचरे के निर्यात पर यूरोपीय संघ के प्रस्तावित कानून के साथ, जो 2025 में लागू होने वाला है। यह कानून भारतीय और वैश्विक कागज उद्योगों पर महत्वपूर्ण प्रभाव डाल सकता है। , विशेषकर मिलें जो आयातित रद्दी कागज पर निर्भर हैं। इसलिए, कागज बनाने के लिए वैकल्पिक कच्चे माल की खोज करने, स्वदेशी रद्दी कागज की वसूली बढ़ाने और आयातित रद्दी कागज पर निर्भरता कम करने की तत्काल आवश्यकता है।

निष्कर्ष

स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए, कागज़ उद्योग को निरंतर नवाचार और परिचालन उत्कृष्टता के लिए प्रतिबद्ध होना चाहिए। हितधारकों की ज़रूरतों को पूरा करते हुए सुधार और नवाचार के अवसरों की पहचान करने, संधारणीय संचालन सुनिश्चित करने के लिए प्रक्रिया संचालन का मूल्यांकन और अनुकूलन करने की आवश्यकता है। हाल ही में, एकीकृत लुग्दी और कागज़ मिलों ने अत्याधुनिक लुग्दी मिलों (नई पीढ़ी के लुग्दी वॉशर, ऑक्सीजन डेलिग्निफिकेशन, एलिमेंटल क्लोरीन-मुक्त विरंजन), ईटीपी उन्नयन और संशोधन, उच्च गति वाली नई पीढ़ी की कागज़ मशीनें और ऊर्जा-कुशल नई पीढ़ी के बॉयलर सहित प्रौद्योगिकी उन्नयन में महत्वपूर्ण निवेश किया है।

भारतीय कागज उद्योग का अस्तित्व और निरंतर विकास महत्वपूर्ण है क्योंकि इसका कृषि

समुदाय के साथ मजबूत संबंध है, ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार पैदा करता है और भारत के 33% भूभाग को वृक्षों के अंतर्गत लाने के राष्ट्रीय उद्देश्य में महत्वपूर्ण योगदान देता है। इसके अतिरिक्त, यह शिक्षा और साक्षरता से संबंधित राष्ट्रीय लक्ष्यों को प्राप्त करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। मांग और आपूर्ति में वैश्विक व्यवधानों, नीतिगत मुद्दों और अन्य बाधाओं के बावजूद, भारत का कागज उद्योग, जो घरेलू बाजार पर दृढ़ता से आधारित है, इस कठिन दौर से बाहर निकलने और मजबूती से वापसी करने की उम्मीद है। वास्तव में, रिपोर्ट बताती हैं कि देश लुग्दी और कागज के लिए सबसे तेजी से बढ़ते बाजार के रूप में उभरा है, जिसमें वर्तमान कागज की खपत लगभग 25 मिलियन टन प्रति वर्ष है। अनुमानों से पता चलता है कि कागज की खपत में 6-7% की वार्षिक वृद्धि दर है, जिससे 2030 तक अनुमानित 30 मिलियन टन हो जाएगा।

कुल मिलाकर, भारतीय कागज उद्योग को सुधार और नवाचार के अवसरों की पहचान करने, नियामक अधिकारियों, ग्राहकों और अन्य हितधारकों की आवश्यकताओं को पूरा करते हुए स्थायी संचालन सुनिश्चित करने के लिए प्रक्रिया संचालन का निरंतर मूल्यांकन और अनुकूलन करने की आवश्यकता है।

सन्दर्भ/स्वीकृति

डीजीसीआईएस और वाणिज्य मंत्रालय, आईपीएमए, आईएआरपीएमए, आईएनएमए, इनपेपर इंटरनेशनल पेपर मार्ट, पल्प एंड पेपर टाइम्स

मुख्य उपलब्धियां

आईएसओ 9001:2015 प्रमाणन के लिए सीपीपीआरआई मान्यता का नवीनीकरण

आईएसओ 9001: 2015 प्रमाण पत्र के नवीनीकरण के लिए सीपीपीआरआई का निगरानी मूल्यांकन 31 जनवरी, 2024 को आयोजित किया गया था। यह मूल्यांकन बीएससीआईसी सर्टिफिकेशन प्राइवेट लिमिटेड फरीदाबाद द्वारा आईएसओ 9001: 2015 की आवश्यकताओं के अनुसार किया गया था। बीएससीआईसी से श्री पी.के. चक्रवर्ती (लीड ऑडिटर) और श्री राकेश कुमार (टीम सदस्य) ने मूल्यांकन किया।

आईएसओ 9001:2015 निगरानी मूल्यांकन के दौरान बीएससीआईसी
प्रमाणन के लेखा परीक्षकों के साथ सीपीपीआरआई के अधिकारी

पेपरेक्स 2023 में तकनीकी पेपर की प्रस्तुति के लिए सीपीपीआरआई को सर्वश्रेष्ठ पेपर का पुरस्कार मिला

डॉ. ए. के. दीक्षित को 6 से 9 दिसंबर, 2023 के दौरान इंडिया एक्सपो सेंटर, ग्रेटर नोएडा, दिल्ली-एनसीआर में आयोजित 16वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन और लुग्दी, कागज और संबद्ध उद्योगों की प्रदर्शनी (पेपरेक्स 2023) में "बोरेट ऑटोकॉस्टिसाइजेशन - एक उभरती हुई हरित तकनीक" पर पेपर प्रस्तुति के लिए "सर्वश्रेष्ठ पेपर पुरस्कार-प्रथम रनर-अप" मिला। पेपर के अन्य सह-लेखक श्री कुमार अनुपम, श्री अंशु और डॉ. एम. के. गुप्ता थे।

डॉ. ए. के. दीक्षित को पेपरेक्स 2023 में सर्वश्रेष्ठ पेपर लेते हुए

सीपीपीआरआई द्वारा एबीएसटीसीएल, मुंबई को प्रौद्योगिकी का हस्तांतरण

सीपीपीआरआई ने विस्कोस रेयान फाइबर के लिए पायलट पैमाने पर घुलने वाले ग्रेड पल्प की तैयारी पर राष्ट्रीय जूट बोर्ड प्रायोजित परियोजना के अंतर्गत पूरे जूट के पौधे से घुलने वाले ग्रेड पल्प तैयार करने की प्रक्रिया विकसित की है। एबीएसटीसीएल मुंबई इस परियोजना का औद्योगिक साझेदार है। सीपीपीआरआई और एबीएसटीसीएल ने पूरे जूट से रेयान ग्रेड पल्प के उत्पादन के लिए प्रौद्योगिकी के विकास पर मिलकर काम किया। राष्ट्रीय जूट बोर्ड (एनजेबी) ने जूट आधारित तकनीकी वस्त्रों और अन्य उत्पादों के बारे में जागरूकता पैदा करने और उन्हें लोकप्रिय बनाने के लिए 21 दिसंबर, 2023 को आईटीडीसी, द अशोक, नई दिल्ली में 'जूट संगोष्ठी' का आयोजन किया। जूट संगोष्ठी में सीपीपीआरआई द्वारा विकसित प्रक्रिया प्रौद्योगिकी का "नो हाउ" दस्तावेज उद्योग भागीदार एबीएसटीसीएल को हस्तांतरित किया गया।

जूट संगोष्ठी में सचिव कपड़ा मंत्रालय और अन्य प्रतिनिधि

डॉ. प्रीति एस. लाल जूट संगोष्ठी में प्रौद्योगिकी हस्तांतरण कार्यक्रम के दौरान

एनएबीएल, पर्यावरण प्रबंधन प्रभाग द्वारा पीटी अभ्यास

पर्यावरण प्रबंधन प्रभाग ने अपशिष्ट जल प्रदूषण मापदंडों (पीएच, टीएसएस, टीडीएस, सीओडी, बीओडी, रंग, ना, के, सीए, एमजी, तेल और ग्रीस और कठोरता), परिवेशी वायु गुणवत्ता मापदंडों (pH, TSS, TDS, COD, BOD, Color, Na, K, Ca, Mg, Oil & Grease and Hardness), एम्बिएंटएयर क्वालिटी मापदंडो (PM10, PM2.5, SO & NO)और स्टैक उत्सर्जन गुणवत्ता मापदंडो (SPM, SO, NO, O, CO, CO and H_2S) के लिए आईएसओ/आईईसी 17025: 2017 के अनुसार परीक्षण क्षेत्र के रसायनिक डिसिप्लिन के अंतर्गत प्रदूषण और पर्यावरण और वायुमंडलीय प्रदूषण नामक दो समूहों में एनएबीएल डेस्कटॉप निगरानी ऑडिट सफलतापूर्वक पूरा किया।

एनएबीएल को प्रस्तुत 2 वर्षीय प्रवीणता परीक्षण (पीटी) योजना के अनुसार, पर्यावरण प्रबंधन प्रभाग ने 6 पीटी अभ्यासों में सफलतापूर्वक भाग लिया और संतोषजनक जेड स्कोर हासिल किया।

पर्यावरण प्रबंधन प्रभाग की टीम पीटी अभ्यास में भाग लेते हुए

- पर्यावरण प्रबंधन प्रभाग ने उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड और हरियाणा के गंगा नदी बेसिन और यमुना नदी बेसिन में स्थित 125 से अधिक अत्यधिक प्रदूषणकारी उद्योगों (जीपीआई) की पर्यावरण स्थिति की निगरानी में तीसरे पक्ष के रूप में केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) की सहायता की।
- पर्यावरण प्रबंधन प्रभाग ने खन्ना पेपर मिल्स लिमिटेड, अमृतसर, पंजाब में जल लेखा परीक्षा अध्ययन सफलतापूर्वक किया।
- स्टार पेपर मिल्स लिमिटेड, सहारनपुर और ट्राइडेंट लिमिटेड (पेपर एवं केमिकल डिवीजन), बरनाला, पंजाब द्वारा प्रदान किए गए वार्षिक निगरानी अनुबंध के अंतर्गत पर्यावरण निगरानी अध्ययन सफलतापूर्वक आयोजित किए गए।
- सीपीपीआरआई का पर्यावरण प्रबंधन प्रभाग गंगा नदी बेसिन में भारतीय लुग्दी और कागज उद्योग के लिए चार्टर 3.0 का मसौदा तैयार करने के लिए सीपीसीबी के साथ तकनीकी संस्थान के रूप में जुड़ा हुआ था। सीपीपीआरआई के सांख्यिकी प्रभाग ने मुजफ्फरनगर, मेरठ और रुड़की क्लस्टर में लुग्दी और कागज मिलों का भौतिक सत्यापन और सूचीकरण सफलतापूर्वक पूरा किया।
- सांख्यिकी प्रभाग ने भारतीय लुग्दी और कागज उद्योग से संबंधित विभिन्न मुद्दों/नीतिगत मामलों पर मंत्रालय को सीपीपीआरआई का दृष्टिकोण उपलब्ध कराने में भी सहायता की।
- सीपीपीआरआई के सूचना प्रौद्योगिकी प्रभाग ने जीआईजीडब्ल्यू 3.0 अनुपालन के अनुसार सीपीपीआरआई वेबसाइट का उन्नयन सफलतापूर्वक पूरा कर लिया है।
- सीपीपीआरआई में एनआईसी का ई-ऑफिस सफलतापूर्वक क्रियान्वित किया गया।
- संस्थान के जैव प्रौद्योगिकी प्रभाग के वैज्ञानिकों ने कागज की मजबूती बढ़ाने के लिए गीले सिरे और सतह के आकार निर्धारण अनुप्रयोगों में बैक्टीरियल सेलुलोज के उपयोग को सफलतापूर्वक दर्शाया है।

भारतीय लुग्दी, कागज और पैनल उद्योग के लिए गुणवत्ता वाले कच्चे माल की स्क्रीनिंग और उत्पादन पर इंटरैक्टिव कार्यशाला का आयोजन

भारतीय लुग्दी और कागज के लिए चयनित वृक्ष प्रजातियों के गुणवत्तायुक्त रोपण स्टॉक के गुणन हेतु पीबीएस प्रोजेक्ट्स उत्कृष्टता केंद्र के अंतर्गत एक इंटरैक्टिव कार्यशाला का आयोजन किया गया। इंटरैक्टिव कार्यशाला का विषय था "भारतीय लुग्दी, कागज और पैनल उद्योग के लिए गुणवत्तायुक्त कच्चे माल की स्क्रीनिंग और उत्पादन" और इसका आयोजन केंद्रीय लुग्दी और कागज अनुसंधान संस्थान (उद्योग संवर्धन और आंतरिक व्यापार विभाग, वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय, भारत सरकार) सहारनपुर, उत्तर प्रदेश और आईसीएफआरई वन अनुसंधान

संस्थान भारतीय वानिकी अनुसंधान और शिक्षा परिषद (पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार का एक स्वायत्त निकाय) देहरादून, उत्तराखंड द्वारा संयुक्त रूप से किया गया।

एफआरआई देहरादून में कार्यशाला में भाग लेते प्रतिनिधि एवं प्रतिभागी

पेटेंट दायर

सुरभि सिन्हा, हर्ष बघेल, शुभांगी शर्मा, कुमार अनुपम, ए.के. दीक्षित और रचना सिंह "पल्प और पेपर मिल अपशिष्टों से लिग्निन के मार्ग को निकालने की एक विधि" आवेदन संख्या 202311030750, 28 अप्रैल 2023

रचना सिंह, सुरभि सिन्हा, काव्या बिसारिया, ए. के. दीक्षित, कुमार अनुपम, मनोज कुमार गुप्ता "फ्लाई ऐश और माइक्रोबियल कंसोर्टिया द्वारा पेपर मिल अपशिष्ट का अनुक्रमिक पायलट-स्केल उपचार और उसकी तैयारी विधि" आवेदन संख्या 202311030750, 20 दिसंबर, 2023 ।

हस्ताक्षरित समझौता ज्ञापन (एमओयू)

वर्ष 2023-24 के दौरान निम्नलिखित संगठनों के साथ पांच समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए गए

- जुलाई 2023 में उत्तरांचल विश्वविद्यालय, देहरादून।
- 3 जुलाई, 2023 को सीएसआईआर-भारतीय पेट्रोलियम संस्थान (सीएसआईआर-आईआईपी)

- 13 सितंबर, 2023 को सीएसआईआर-भारतीय रसायनिक प्रौद्योगिकी संस्थान, हैदराबाद
- आईसीएफआरई - भारतीय लकड़ी विज्ञान और प्रौद्योगिकी संस्थान, बेंगलुरु 21 नवंबर, 2023
- जीडी गोयनका विश्वविद्यालय, गुड़गांव, हरियाणा 17 जनवरी, 2024

प्रशिक्षण/कौशल विकास

सीपीपीआरआई द्वारा वर्ष 2023-2024 के दौरान प्रक्रिया, गुणवत्ता और मानव संसाधन विकास के विभिन्न क्षेत्रों में 11 प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए।

शोध पत्र प्रकाशित

वर्ष 2023-2024 के दौरान विभिन्न पत्रिकाओं, सेमिनार, कार्यशाला और सम्मेलनों की कार्यवाहियों में 18 शोध पत्र प्रकाशित किए गए।

तैयार की गई रिपोर्टें

वर्ष 2023-2024 के दौरान अत्यधिक प्रदूषण फैलाने वाले उद्योगों की 165 से अधिक शोध रिपोर्टें और पर्यावरण निरीक्षण रिपोर्टें तैयार की गईं।

नामांकन

सरफेस रफनेस टेस्ट विधि के लिए ISO/TC 6/SC 2/WG 25 (ISO समिति) के संयोजक के रूप में नामित - श्री आलोक कुमार गोयल।

10 से 14 अप्रैल, 2023 के दौरान सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय (MSME) की एमएसएमई अभिनव योजना (इन्क्यूबेशन घटक) के दिशा-निर्देशों के अनुसार "पर्यावरण अनुकूल और संधारणीय फर्नीचर" विषय के अंतर्गत एमएसएमई आइडिया हैकाथॉन 2.0 (थीम आधारित) के दौरान प्राप्त विचारों के मूल्यांकन के लिए डोमेन विशेषज्ञ - श्री कुमार अनुपम।

तकनीकी सेवाएँ

विभिन्न लुग्दी और कागज़ मिलों और संबद्ध उद्योगों, प्रौद्योगिकी और रसायनिक आपूर्तिकर्ताओं को कच्चे माल, लुग्दी और कागज़ के नमूनों, लुग्दी बनाने वाले योजकों, डी-इंकिंग रसायनों, पेपर साइजिंग वाले रसायनों, स्टिकी नियंत्रण एजेंटों, आयातित अपशिष्ट कागज़ के नए ग्रेड की उपयुक्तता के मूल्यांकन, विभिन्न रेशेदार और गैर-रेशेदार कच्चे माल, पर्यावरण नमूनों के लक्षण और विश्लेषण के माध्यम से तकनीकी और परामर्श सेवाएँ प्रदान

की गईं, साथ ही समस्या निवारण, पर्याप्तता मूल्यांकन, विभिन्न प्रक्रिया संचालन, अपशिष्ट उपचार संयंत्र और प्रदूषण नियंत्रण उपकरणों के प्रदर्शन मूल्यांकन में सहायता प्रदान की गई। इससे लगभग 343.96 लाख रुपये का आंतरिक राजस्व सृजन हुआ है।

विकसित बुनियादी ढांचा:

वर्ष 2023-2024 के दौरान निम्नलिखित उपकरण खरीदे गए।

द्रव्य ताप उपचार का पायलट प्लांट

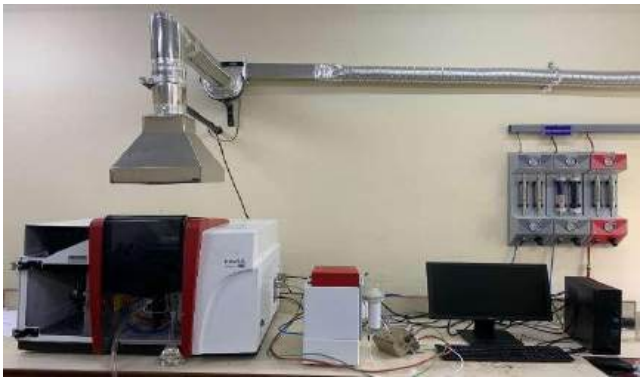

परमाणु अवशोषण स्पेक्ट्रोफोटोमीटर

अल्ट्रा वाटर प्यूरीफायर

नमी विश्लेषक

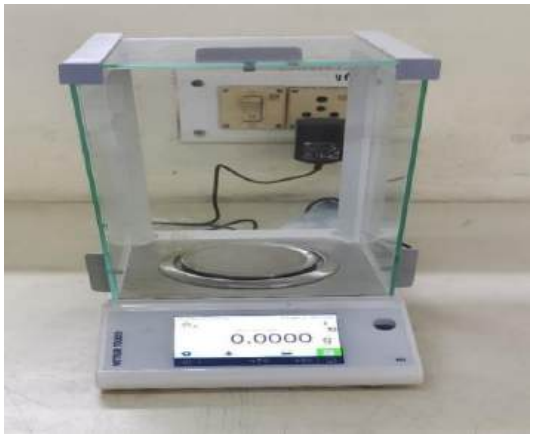

डिजिटल बेलेंस

रोटरी वैक्यूम वाष्पीकरणकर्ता

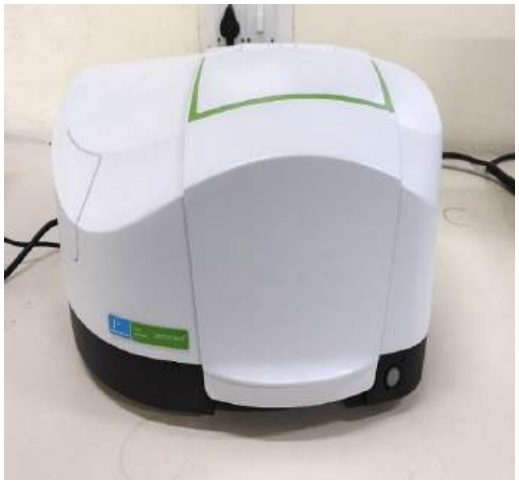

एफटीएनआईआर

क्वार्ट्ज कैबिनेट डबल आसवन इकाई

प्रयोगशाला ओवन

बहुउद्देशीय वाहन

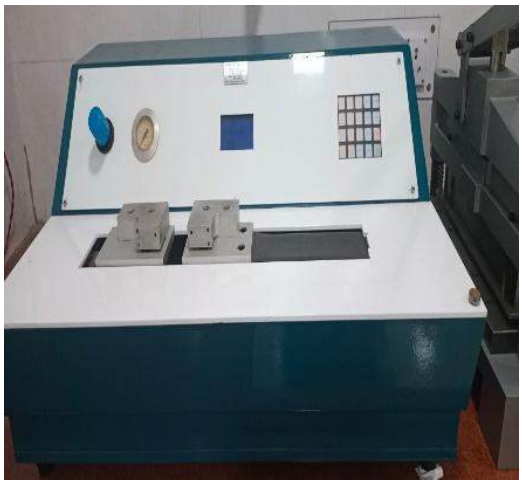

तन्यता परीक्षक

बर्स्ट परीक्षक

टीअर परीक्षक

मिस्ट कक्ष

हैवी ड्यूटी रंगीन प्रिंटर

इंटरैक्टिव बोर्ड

माइक्रोक्रोम हेवी ड्यूटी प्रिंटर

छात्रों और प्रशिक्षुओं के लिए व्याख्यान कक्ष

वैली बीटर

प्राप्तियां एवं भुगतान

वर्ष 2023-24 के दौरान संस्थान की कुल प्राप्ति 1559.64 लाख रुपये थी, जिसमें 1151.33 लाख रुपये प्राप्त अनुदान (परियोजना आधारित सहायता के अंतर्गत 494.41 लाख रुपये और लुग्दी एवं कागज तथा संबद्ध उद्योगों के लिए विकास परिषद के अंतर्गत 656.92 लाख रुपये) शामिल हैं।

वर्ष के दौरान कुल भुगतान 1740.35 लाख रुपये था, जिसमें परिसंपत्तियों की खरीद के लिए भुगतान यानी 296.11 लाख रुपये शामिल हैं।

आंतरिक राजस्व सृजन

वर्ष के दौरान संस्थान को संस्थान द्वारा प्रदान की जाने वाली विभिन्न सेवाओं जैसे परीक्षण शुल्क, परामर्श और प्रशिक्षण आदि से 343.96 लाख रुपये का आंतरिक राजस्व सृजन (आईआरजी) प् हुआ।

अनुसंधान एवं विकास गतिविधियाँ

(ए) परियोजना आधारित समर्थन (पीबीएस) के अंतर्गत कार्यान्वित योजनाएं

1. विभिन्न लुग्दीकरण प्रक्रियाओं में रसायनिक और ऊर्जा की मांग को कम करने के लिए लिग्नोसेल्यूलोसिक सामग्री का बायो-लुग्दीकरण।

उद्देश्य

- जैवलुग्दीकरण प्रक्रिया में उपयोग के लिए लिग्निन विघटनकारी कवक की जांच और लक्षण वर्णन।
- रसायनिक और ऊर्जा बचत तथा कागज की मजबूती में सुधार लाने के लिए जैवलुग्दीकरण के दौरान चयनात्मक लिग्निन विघटन के लिए विभिन्न कच्चे माल के कवक उपचार की जांच।
- रसायनिक, ऊर्जा मांग और लुग्दी गुणों में कमी के संबंध में प्रयोगशाला अध्ययनों के सत्यापन के लिए पायलट प्लांट की स्थापना।

हाइलाइट

- लिग्निन क्षरण से संबंधित विभिन्न एंजाइमों के स्राव के आधार पर संभावित लिग्निनोलिटिक कवक की जांच।
- विभिन्न कवक प्रजातियों के बीच सह-अस्तित्व और पारस्परिक अवरोध की क्षमता का आकलन करने के लिए सह-अस्तित्व अध्ययन।
- जैवलुग्दीकरण प्रक्रिया और कवक उपचारित सामग्री का मूल्यांकन- संभावित जैवलुग्दीकरण कवक के उपयुक्त आइसोलेट्स के साथ कच्चे माल का जैव उपचार किया जाता है और 3 से 6 सप्ताह तक आर्द्र स्थिति में ऊष्मायन किया जाता है। विभिन्न प्रक्रिया मापदंडों के अनुकूलन से संबंधित प्रयोग प्रगति पर हैं।
- कवक उपचारित सामग्री का समीपवर्ती विश्लेषण समानांतर रूप से प्रगति पर है।

2.0 अत्याधुनिक रसायन पुनःप्राप्ति प्रयोगशाला की स्थापना

- देश में अत्याधुनिक रसायनिक प्रयोगशाला की स्थापना करना, ताकि भारतीय कागज उद्योगों को वे सेवाएँ प्रदान की जा सकें, जिनकी माँग वे यूरोपीय तथा अन्य

विकसित देशों से करते हैं, जिससे उनका समय तथा विदेशी मुद्रा की बचत होगी।

- सरकार द्वारा कौशल भारत पहल का समर्थन करने के लिए विभिन्न योजनाओं तथा प्रशिक्षण पाठ्यक्रमों की सहायता से रसायन पुनःप्राप्ति के क्षेत्र में सशक्त कार्यबल का निर्माण करना।

- सिलिका तथा गैर-प्रक्रिया तत्व (एनपीई) समृद्ध कच्चे माल के लिए ब्लैक लिकर, ग्रीन लिकर, व्हाइट लिकर, लाइम केक आदि का डेटा बैंक विकसित करना। ऐसा डेटा वर्तमान में देश में उपलब्ध नहीं है। इस डेटा बैंक के निर्माण से भारतीय कागज मिलों तथा उपकरण आपूर्तिकर्ताओं को रसायन पुनःप्राप्ति प्रणाली को कुशलतापूर्वक चलाने तथा डिजाइन करने में सहायता मिलेगी।

हाइलाइट

- रसायन पुनःप्राप्ति नमूनों जैसे कि काला द्रव, ईएसपी राख, चूना कीचड़ और स्केल्स आदि पर डेटा बैंक तैयार किया गया है।

- आईटीसी लिमिटेड, नैनी पेपर लिमिटेड, सिरपुर पेपर मिल (जेके पेपर्स की एक इकाई), पक्का लिमिटेड, बिल्ट बल्लारपुर और खन्ना पेपर्स आदि जैसे विभिन्न उद्योगों को प्रशिक्षण / समस्या निवारण सेवाएं प्रदान की गई हैं।

- रसायन पुनःप्राप्ति के क्षेत्र में यश पक्का कौशल, अयोध्या, एफआरआई विश्वविद्यालय, देहरादून और महामाया सूचना प्रौद्योगिकी पॉलिटेक्निक, शामली के मिल कर्मियों और छात्रों को प्रशिक्षण दिया गया।

- अत्याधुनिक रसायन पुनःप्राप्ति प्रयोगशाला के लिए बुनियादी ढांचे का विकास प्रगति पर है

2.1 खोई आधारित ऊष्मा उपचारित क्राफ्ट ब्लैक लिकर पर रियोलॉजिकल और पैरामीट्रिक अनुकूलन अध्ययन

ताप-उपचारित खोई आधारित क्राफ्ट ब्लैक लिकर का रियोलॉजिकल अध्ययन

प्रयोगशाला स्तर पर बैगास आधारित क्राफ्ट काला द्रव की ऊष्मा उपचार प्रक्रिया का संचालन किया गया। बैगास काला द्रव के ऊष्मा उपचार के पश्चात 65% ठोस सांद्रता (SC) के विरुद्ध श्यानता में 70% से अधिक कमी प्राप्त की गई। पावर लॉ मॉडल के साथ रियोलॉजी अध्ययन ने ऊष्मा-उपचारित बैगास काला द्रव के शियर थिनिंग (स्यूडोप्लास्टिक) व्यवहार का खुलासा किया, क्योंकि नीचे दिए गए आंकड़ों में दर्शाई गई शियर दर (γ) में वृद्धि के साथ स्पष्ट श्यानता (η) घटती पाई गई।

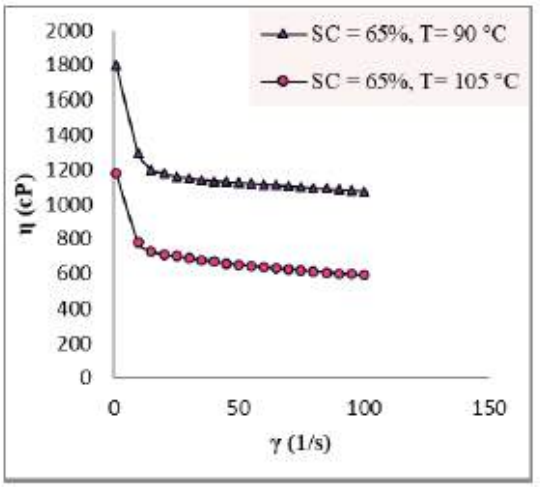

Viscosity of original bagasse based kraft black liquor at 65 % solid concentration and different shear rate

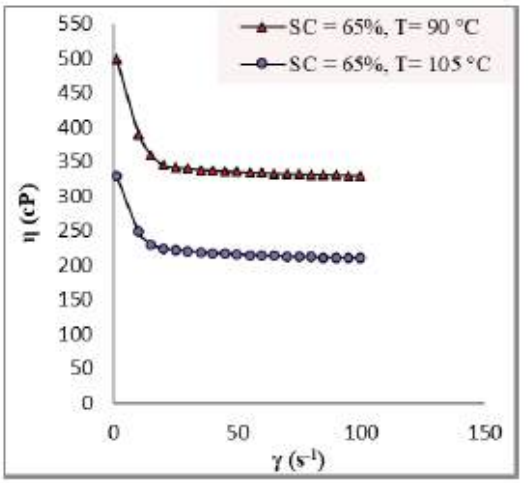

Heat treated bagasse based kraft black liquor (@ 180 °C for 15 min) at 65 % solid concentration

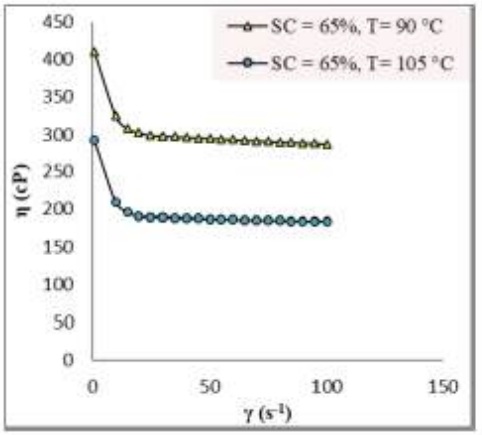

Heat treated bagasse based kraft black liquor (@ 180 °C for 20 min) at 65 % solid concentration

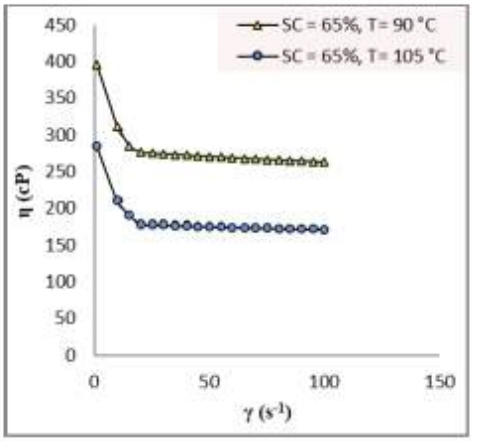

Heat treated bagasse based kraft black liquor (@ 180 °C for 25 min) at 65 % solid concentration

2.2 खोई आधारित क्राफ्ट काले द्रव्य की ऊष्मा उपचार प्रक्रिया का अनुकूलन

संख्यात्मक अनुकूलन तकनीक का उपयोग करके खोई आधारित क्राफ्ट ब्लैक लिकर के ताप उपचार प्रक्रिया का अनुकूलन किया गया। उपचार तापमान, उपचार समय और अवशिष्ट सक्रिय क्षार जैसे इष्टतम मापदंडों पर ताप उपचार के बाद काला द्रव की श्यानता में कमी और स्वेलिंग मात्रा अनुपात की भविष्यवाणी के लिए 2-डी समोच्च आरेख प्राप्त किए गए।

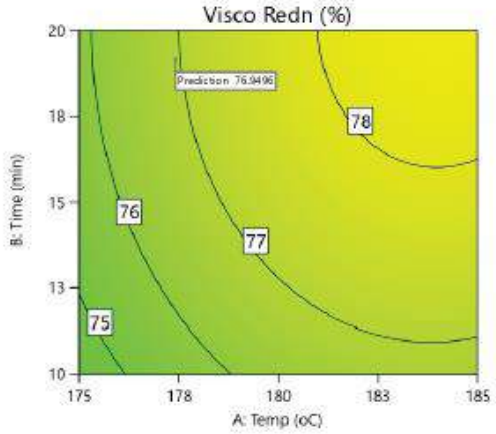

Contour plot for prediction of viscosity reduction of bagasse based kraft black liquor after heat treatment

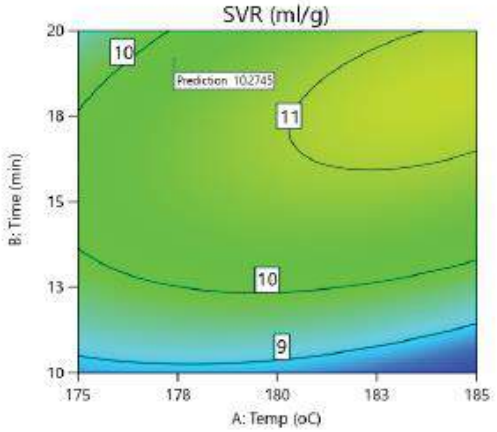

Contour plot for prediction of swelling volume ratio of bagasse based kraft black liquor after heat treatment

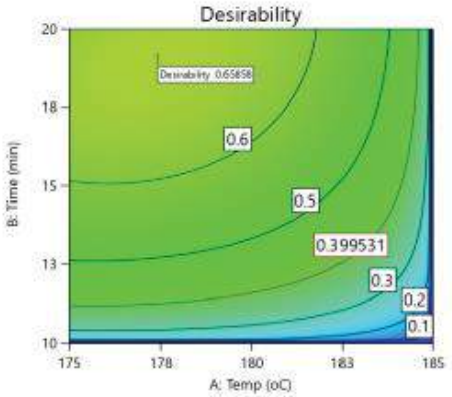

Contour plot for overall desirability of heat treatment process parameters of bagasse based kraft black liquor

2.3 ताप उपचार प्रक्रिया के लिए कृत्रिम तंत्रिका नेटवर्क मॉडलिंग

खोई आधारित क्राफ्ट *काला द्रव्य* की ऊष्मा उपचार प्रक्रिया के अनुकूलन के लिए एक कृत्रिम तंत्रिका नेटवर्क (एएनएन) मॉडल विकसित किया गया था। उपचार तापमान, उपचार समय और *काला द्रव* में प्रारंभिक अवशिष्ट सक्रिय क्षार स्तर को इनपुट पैरामीटर के रूप में माना जाता था जबकि *काला द्रव* की चिपचिपाहट में कमी और स्वेलिंग मात्रा अनुपात को आउटपुट पैरामीटर के रूप में माना जाता था। यह एएनएन मॉडल 90% से अधिक सटीकता के साथ ऊष्मा उपचार आउटपुट मापदंडों की कुशलतापूर्वक भविष्यवाणी कर सकता है।द्रव्य

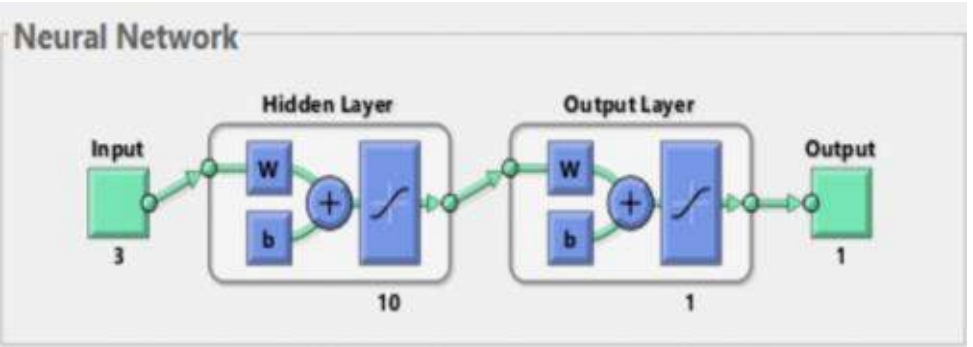

खोई आधारित क्राफ्ट काला द्रव हीट ट्रीटमेंट प्रक्रिया के लिए एएनएन आर्किटेक्चर

2.4. रसायन पुनःप्राप्ति नमूनों का भौतिक-रसायनिक अभिलक्षण डेटा बैंक तैयार करना

भारत के उत्तरी और दक्षिणी भाग से एकत्र किए गए कृषि और लकड़ी के काले तरल पदार्थों का मूल्यांकन विभिन्न मापदंडों के लिए किया गया था जैसे कि पीएच, कुल ठोस, आरएए के रूप में Na२O gpl, कार्बन, हाइड्रोजन, नाइट्रोजन, सल्फर, कैल्शियम के रूप में Ca, मैग्नीशियम के रूप में Mg, सोडियम के रूप में Na, पोटेशियम के रूप में K, क्लोराइड के रूप में Cl, सिलिका के रूप में SiO2, अकार्बनिक के रूप में NaOH, कार्बनिक, और सल्फेट के रूप में Na_2SO_4, विस्कोसिटी, सकल कैलोरी मान और स्वेलिंग मात्रा अनुपात। उत्पन्न डेटा ने संकेत दिया कि काली शराब में पोटेशियम (के) सामग्री कुछ मिलों में पांच साल पहले (2018-2019) बनाए गए डेटा की तुलना में दो गुना बढ़ गई है।

भारत के उत्तरी और दक्षिणी भाग से एकत्र किए गए ईएसपी राख के नमूनों का मूल्यांकन विभिन्न मापदंडों जैसे पीएच (10% घोल), सल्फेट के रूप में Na_2SO_3 , कार्बोनेट के रूप में Na_2CO_3 ,क्लोराइड के रूप में NaCl और पोटेशियम के रूप में K के लिए किया गया। विभिन्न कच्चे माल के लिए ईएसपी राख के नमूनों के आंकड़ों से संकेत मिलता है कि क्लोराइड और पोटेशियम सामग्री में वृद्धि के कारण विभिन्न मिलों को सुपरहीटर, बॉयलर बैंक और बॉयलर के इकोनॉमाइज़र सेक्शन में जमाव दर में वृद्धि का सामना करना पड़ रहा है।

3. पल्प और पेपर मिल आधारित बायो-रिफाइनरी प्रयोगशाला की स्थापना

उद्देश्य

लुग्दी और कागज़ मिलें बायोरिफाइनरी गतिविधि के तार्किक केंद्र हैं। पारंपरिक लुग्दी और कागज़ मिल में आने वाले लगभग आधे कार्बनिक द्रव्यमान को जला दिया जाता है। यह किसी भी बायोमास का सबसे रूढ़िवादी उपयोग है। कागज़, रसायन और ऊर्जा के एक साथ उत्पादन के लिए आने वाले बायोमास और ऊर्जा सहित अन्य कच्चे माल का पूर्ण एकीकरण इस बायोरिफाइनरी-आधारित परियोजना का मुख्य उद्देश्य है ताकि मिलों की अर्थव्यवस्था में सुधार किया जा सके।

जैव रिफाइनरी गतिविधियों को एकीकृत करके मिलों को लुग्दी और कागज के साथ-साथ जैव ऊर्जा और जैव उत्पाद बनाने के अवसर मिलेंगे। इससे जीवाश्म ईंधन पर निर्भरता कम होगी।

हाइलाइट

- ब्लैक लिकर से लिग्निन के निष्कर्षण और विश्लेषण पर डेटा बैंक तैयार करना।
- लिग्निन और लिग्नोसेल्यूलोसिक बायोमास से बायोचार तैयार करना।
- पोल्ट्री लिटर, गाय के गोबर आदि जैसे बायोगैस फीडस्टॉक का विश्लेषण।
- एफटीएनआईआर को खरीदा गया है और केमिकल रिकवरी और बायोरिफाइनरी डिवीजन में स्थापित किया गया है।
- बायोरिफाइनरी के क्षेत्र में असम के नुमालीगढ़ रिफाइनरी लिमिटेड के कर्मचारियों को प्रशिक्षण दिया गया।
- अत्याधुनिक बायोरिफाइनरी प्रयोगशाला के लिए बुनियादी ढांचे का विकास प्रगति पर है।

3.1 केले के छद्म तने का उपयोग कर टेबलवेयर ग्रेड पल्प और तरल ईंधन से मूल्यवर्धित उत्पादों का विकास

टेबलवेयर बनाने में उनकी क्षमता के लिए केले के छद्म तनों की जांच की गई। केले के तने के गूदे के मज़बूती के गुण बाज़ार में उपलब्ध टेबलवेयर ग्रेड के गूदे के गुणों से मेल खाते हैं या उनसे बेहतर पाए गए हैं। फिलर्स और साइज़िंग एजेंट के इस्तेमाल का भी अध्ययन किया गया जिससे मज़बूती के गुणों में सुधार हुआ। लुग्दीकरण के दौरान उत्पन्न होने वाले तरल पदार्थ का ईंधन गुणों के लिए मूल्यांकन किया गया जिससे पता चला कि इस तरल पदार्थ को अपशिष्ट बायोमास के साथ मिलाया जा सकता है और बायोमास-फायर बॉयलर में ईंधन के रूप में इस्तेमाल किया जा सकता है।

केले के छद्म तने से टेबल ग्रेड गूदा तैयार करने की योजना

3.2 मृदा, जल और ऊर्जा अनुप्रयोग के लिए केले के रेशे निष्कर्षण अपशिष्ट (बीएफईडब्ल्यू) से तैयार बायोचार

केले के रेशे के निष्कर्षण से उत्पन्न अपशिष्ट का उपयोग धीमी पायरोलिसिस प्रक्रिया के माध्यम से बायोचार तैयार करने के लिए किया गया था। इस बायोचार का निकटतम विश्लेषण (नमी, वाष्पशील पदार्थ, स्थिर कार्बन और राख), तत्व विश्लेषण (सी, एच, एन, एस और ओ), सतह क्षेत्र, छिद्र मात्रा और छिद्र व्यास के लिए मूल्यांकन किया गया था। स्कैनिंग इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कोपी (एसईएम) विश्लेषण के माध्यम से बीएफईडब्ल्यू और बायोचार की आकृति विज्ञान का अध्ययन किया गया था। तैयार बायोचार का मिट्टी संशोधन के रूप में इसके संभावित अनुप्रयोग के लिए विश्लेषण किया गया था। इसके लिए, मक्के के पौधों को अलग-अलग बायोचार खुराक के साथ मिश्रित मिट्टी में बोया गया और उगाए गए मक्के के पौधों का अंकुरण दर, अंकुर की ऊंचाई, जड़ की लंबाई, अंकुर का वजन और पत्तियों की लंबाई जैसे मापदंडों के लिए मूल्यांकन किया गया। बीएफईडब्ल्यू से तैयार इस बायोचार के सकल कैलोरी मान से पता चला कि यह वैकल्पिक ठोस ईंधन का एक संभावित विकल्प हो सकता है।

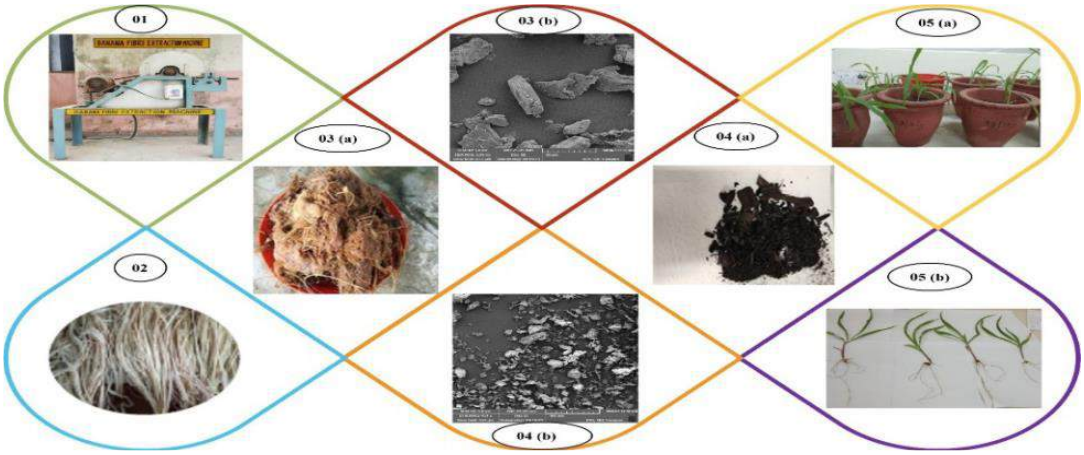

केले के रेशे से बायोचार तैयार करने, लक्षण वर्णन और अनुप्रयोग की योजना

विभिन्न अनुप्रयोगों के लिए अपशिष्ट निष्कर्षण

3.3 कृषि और लकड़ी आधारित काले द्रव्य से लिग्निन का निष्कर्षण और उसका बायोचार तैयार करना

कृषि और लकड़ी के काले तरल पदार्थ से लिग्निन की निकासी प्रक्रिया एसिड अवक्षेपण विधि द्वारा की गई थी जिसमें सल्फ्यूरिक एसिड जैसे एसिड का उपयोग करके ब्लैक लिक्विड के पीएच को कम करना शामिल है, जिससे लिग्निन अवक्षेपण होता है। इसके अलावा निकाले गए लिग्निन का मूल्यांकन नमी, राख, शुद्धता, सिलिका, सोडियम, सल्फेट्स और क्लोराइड सामग्री के लिए किया गया।

धीमी पायरोलिसिस प्रक्रिया का उपयोग करके एग्रो-लिग्निन से बायोचार तैयार किया गया है तथा इसके समीपस्थ, मौलिक और अन्य गुणों का विश्लेषण प्रगति पर है।

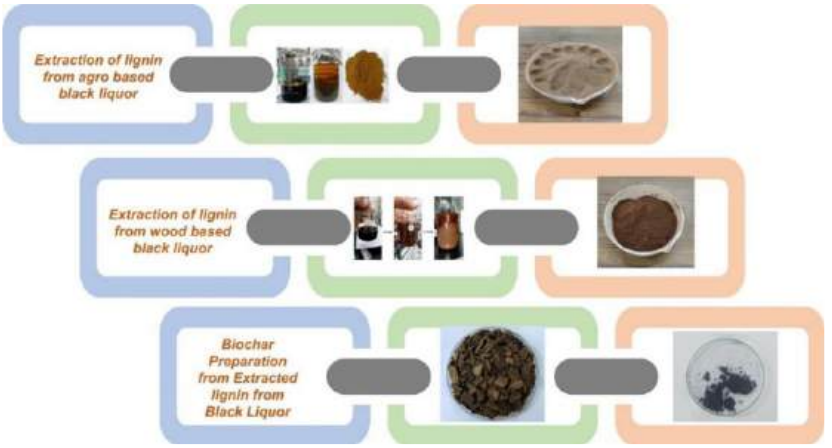

लिग्निन निष्कर्षण और बायोचार तैयारी की योजनाबद्ध

4.0 भारतीय लुग्दी और कागज उद्योग के लिए चयनित वृक्ष प्रजातियों के गुणवत्तायुक्त रोपण स्टॉक के गुणन हेतु उत्कृष्टता केंद्र

उद्देश्य

- लुग्दी और कागज उद्योग के लिए वैकल्पिक कच्चे माल के रूप में अत्यधिक क्षमता वाले छह देशी वृक्ष प्रजातियों के विभिन्न परिवारों और जीनोटाइप का चयन करना।
- होनहार जीनोटाइप के गुणन और तैनाती के साथ चयनित देशी वृक्ष प्रजातियों के लिए दीर्घकालिक वृक्ष सुधार और लकड़ी विज्ञान की उपलब्धि को समवर्ती रूप से प्राप्त करना।
- निकट-अवरक्त (एनआईआर) स्पेक्ट्रोस्कोपी का उपयोग करके पारंपरिक और गैर-विनाशकारी प्रौद्योगिकियों का उपयोग करके भौतिक और रसायनिक गुणों के लिए तेजी से विभिन्न जीनोटाइप को चिह्नित करना।
- भविष्य के अनुसंधान और वाणिज्यिक तैनाती के लिए क्लोनल गुणन क्षेत्रों और उत्पादन आबादी को विकसित करना।
- अंततः उच्च उत्पादकता के साथ चयनित देशी वृक्ष प्रजातियों की गुणवत्ता वाले रोपण सामग्री के गुणन के लिए उत्कृष्टता केंद्र की स्थापना करना।

हाइलाइट

- मिस्ट चैम्बर (दो नंबर) सफलतापूर्वक चालू किया गया और प्रदर्शन संतोषजनक पाया गया।
- तीन प्रजातियों अर्थात कैसुरीना, मेलिया दूबिया और मेलिना आर्बोरिया के 600 पौधों के लिए 20000 वर्ग मीटर भूमि तैयार की गई है।

- वृक्षारोपण से संबंधित विभिन्न दिन-प्रतिदिन की गतिविधियों के लिए परियोजना सहयोगी-I (1 नंबर) और आकस्मिक श्रमिकों (6 नंबर) की भर्ती पूरी की गई।
- आरएसी सदस्यों के सुझाव पर 20 अक्टूबर, 2023 को आईसीएफआरई-एफआरआई मुख्य भवन देहरादून के बोर्ड रूम में सीपीपीआरआई और एफआरआई द्वारा संयुक्त रूप से "भारतीय लुग्दी, कागज और पैनल उद्योग के लिए गुणवत्ता वाले कच्चे माल की स्क्रीनिंग और उत्पादन" पर एक इंटरैक्टिव कार्यशाला का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। कार्यशाला का उद्देश्य भारतीय लुग्दी और कागज उद्योग को लकड़ी की सतत आपूर्ति से संबंधित वर्तमान परिदृश्य, प्रथाओं और कठिनाइयों का आकलन करना था। इस कार्यक्रम में विभिन्न संगठनों/मिलों से लगभग 95 प्रतिभागियों ने भाग लिया।
- गुणन गतिविधियों के लिए कोकोपीट, वर्मीक्यूलाइट, आईबीए सामग्री की खरीद पूरी हो गई है।
- किसान प्रशिक्षण कक्ष की साज-सज्जा की गतिविधियाँ पूरी हो गई हैं।

एफआरआई में कार्यशाला

मिस्ट चैंबर्स

एफआरआई एवं सीपीपीआरआई वैज्ञानिकों द्वारा वृक्षारोपण स्थल का दौरा

किसान प्रशिक्षण केंद्र में एलईडी स्थापना

एफआरआई- सीपीपीआरआई की टीम

मैदान की प्लॉटिंग

5.0 अपशिष्ट कागज पुनःचक्रण संवर्धन केंद्र की स्थापना

उद्देश्य

- अपशिष्ट कागज संग्रहण क्षेत्र को व्यवस्थित बनाने और इस प्रकार देश में अपशिष्ट कागज संग्रहण दर को बढ़ाने के लिए एक कदम आगे बढ़ाते हुए, दिल्ली और चेन्नई में अपशिष्ट कागज पुनःचक्रण संवर्धन केंद्र (डब्ल्यूपीआरपीसी) की स्थापना की जा रही है।
- ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम, 2016 और प्रस्तावित राष्ट्रीय सामग्री पुनःचक्रण नीति के प्रावधानों में (डब्ल्यूपीआरपीसी) लाइनों की स्थापना के विचार की उत्पत्ति।

हाइलाइट

परियोजना की गतिविधियों का दिल्ली और चेन्नई में व्यापक क्षेत्र है। चेन्नई के दूर स्थित होने और जनशक्ति की कमी के कारण अनुसंधान सलाहकार समिति की बैठक में इस मामले पर चर्चा की गई। परियोजना का पुनर्गठन किया गया और अनुसंधान सलाहकार समिति के निर्देशानुसार, परियोजना की भविष्य की गतिविधियों का खाका तैयार किया गया और 26 सितंबर, 2023 को आईपीएमए कार्यालय, पीएचडी चैंबर दिल्ली में आईपीएमए, आईएनएमए और आईएआरपीएमए के महासचिव के साथ विस्तार से चर्चा की गई।

5.1 पैकेजिंग उद्योग द्वारा उपयोग की जाने वाली पैकेजिंग सामग्री की पुनःचक्रण और कागज निर्माण क्षमता और गुणवत्ता मूल्यांकन

- पुनःचक्रण और कागज बनाने की क्षमता का आकलन करने के लिए, उपभोक्ता के बाद के पैकेजिंग नमूनों (मुख्य रूप से प्राथमिक और द्वितीयक पैकेजिंग) को हाईड्रापल्पर में डाला गया। मिलों द्वारा उपयोग किए जाने वाले पल्पर प्रकारों के आधार पर पुन:लुग्दीकरण के लिए दो दृष्टिकोण अपनाए गए, यानी कम स्थिरता वाली लुग्दीकरण और उच्च स्थिरता वाली लुग्दीकरण। इस प्रकार प्राप्त गूदे

को 0.15 मिमी स्लॉट वाली सोमरविले स्क्रीन के माध्यम से पारित किया गया और फाइबर उपज और अस्वीकार सामग्री के लिए मूल्यांकन किया गया।

- ऑप्टिकल एकरूपता, गठन और चिपकने वाली सामग्री/चिपचिपाहट की जांच के लिए स्क्रीन किए गए गूदे से 60 जीएसएम हैंडशीट तैयार की गईं।
- लगभग 130 पोस्टकंज्यूमर पैकेजिंग नमूनों (मुख्य रूप से प्राथमिक और माध्यमिक पैकेजिंग) का मूल्यांकन किया गया और उपरोक्त पद्धति को अपनाकर लगभग 41 फास्ट मूविंग कंज्यूमर गुड्स कंपनियों (एफएमसीजी) और पेपर मिलों को सेवाएं प्रदान की गईं।

परियोजना गतिविधि के अंतर्गत मूल्यांकन किए गए पोस्ट-उपभोक्ता पैकेजिंग नमूनों के प्रकार

(बी) आरएससी-डीसीपीपीएआई वित्त पोषित परियोजनाएं

1. पल्प एवं पेपर मिल से उपचारित अपशिष्ट का भूमि पर उपयोग तथा मृदा, भूजल गुणों एवं फसल उत्पादकता पर इसके प्रभाव का मूल्यांकन (सीपीपीआरआई एवं आईएआरआई पूसा, नई दिल्ली की संयुक्त परियोजना)

उद्देश्य

सीपीपीआरआई और भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान (आईएआरआई) द्वारा संयुक्त रूप से क्रियान्वित की जा रही परियोजना का उद्देश्य भूमि अनुप्रयोग (ताजे पानी के संरक्षण के लिए कृषि/बागवानी) के लिए उपचारित अपशिष्ट का उपयोग और मिट्टी पर उपचारित अपशिष्ट के भूमि अनुप्रयोग के प्रभाव का मूल्यांकन/निगरानी करना है। गुण, भूजल गुणवत्ता और साथ ही फसल स्वास्थ्य।

हाइलाइट

- रबी सीजन के दौरान गेहूं और सरसों की फसलों में प्रस्तावित तनुकरण उपचारों का उपयोग करते हुए क्षेत्र परीक्षण किया गया।
- सिंचाई समय-सारिणी, फसल वृद्धि मापदंडों और गुणवत्ता के लिए मिट्टी के नमूने से संबंधित जानकारी नियमित क्षेत्र दौरों और नमूना संग्रह और विश्लेषण के माध्यम से एकत्र की जा रही है।
- रबी मौसम के अंत तक उपज और फसल, मिट्टी और पानी पर कमजोर उपचार के संभावित प्रभावों का विश्लेषण किया जाएगा।
- साइट 2 पर सिंचाई प्रणाली की खरीद और स्थापना - प्रगति पर है।
- गेहूँ, जौ और पत्तेदार सब्जियों (पालक) और फूलों की खेती वाले कैलेंडुला फूल के साथ समान कमजोर उपचार का उपयोग करके पॉट प्रयोग भी किए जा रहे हैं।

रबी सीज़न के दौरान फ़ील्ड परीक्षण

पॉट प्रयोग प्रगति पर हैं

प्रत्येक तनुकरण प्रभाव से संबंधित उपज और तनुकरण उपचारों के फसल, मिट्टी और पानी पर संभावित प्रभावों जैसी सभी प्रासंगिक जानकारी की नियमित आधार पर निगरानी की जा रही है।
प्रयोग लगातार तीन मौसमों तक जारी रहेंगे और परिणाम एकत्रित किए जाएंगे।
परियोजना गतिविधियों की प्रगति लुग्दी कागज और संबद्ध उद्योग विकास परिषद की अनुसंधान संचालन समिति की तकनीकी उप समिति के साथ-साथ लुग्दी कागज और संबद्ध उद्योग विकास परिषद की अनुसंधान संचालन समिति के समक्ष प्रस्तुत की गई।

2. लुग्दी और कागज क्षेत्र में विविध अनुप्रयोगों के लिए बैक्टीरियल सेलूलोज़ उत्पादन

उद्देश्य

- बैक्टीरियल सेलूलोज़ (बीसी) का प्रयोगशाला पैमाने पर उत्पादन और लक्षण वर्णन।
- कागज और कागज क्षेत्र में जीवाणु सेलूलोज़ के अनुप्रयोग की जांच।

हाइलाइट

कागज में ताकत गुणों में सुधार के लिए बीसी का सतह आकार और वेट-एंड आधारित अनुप्रयोग अध्ययन। ऑक्सीकृत स्टार्च (ओएस) में बीसी को शामिल करने से सतह के आकार के अनुप्रयोग के लिए ओएस की दक्षता में सुधार हुआ। ओएस की सतह के आकार ने बेस पेपर की ताकत गुणों की तुलना में ब्रेकिंग लेंथ (एमडी), टियर इंडेक्स (सीडी) और बर्स्ट इंडेक्स में सुधार किया।

धनायनित स्टार्च (सीएस) में बीसी को शामिल करने से वेटएंड अनुप्रयोग के लिए सीएस की दक्षता में सुधार हुआ। कागज निर्माण के गीले-अंत में सीएस के गीले-अंत अनुप्रयोग ने केवल लुग्दी का उपयोग करके बनाए गए कागज की ताकत गुणों की तुलना में टूटने की लंबाई, आंसू सूचकांक और फट सूचकांक में सुधार किया।

इन नमूनों का परीक्षण डब्ल्यूटीआर और ओटीआर के लिए भी किया गया।

3. पारंपरिक और गैर-पारंपरिक रसायन पुनःप्राप्ति प्रणालियों के लिए वैकल्पिक ऑटो-कॉस्टिसाइजेशन प्रक्रिया पर अध्ययन

उद्देश्य

- पारंपरिक रसायन पुनःप्राप्ति प्रणाली में गलाने वाले सोडियम कार्बोनेट और कोपलैंड (एलटीआई) में उत्पन्न Na CO को संक्षारक बनाने के लिए बेहतर विधि का विकास रसायन पुनःप्राप्ति प्रणाली.
- पारंपरिक और गैर-पारंपरिक रसायन पुनःप्राप्ति प्रणालियों में पारंपरिक दाहीकरण प्रक्रिया की जटिलता में कमी.
- छोटी मिलों में रसायन पुनःप्राप्ति कार्यों को लागत प्रभावी और बेहतर किफायती बनाना.
- ठोस अपशिष्ट और ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन से जुड़ी ऊर्जा आवश्यकताओं और पर्यावरणीय खतरों में कमी.
- चूने की आवश्यकता में कमी.

हाइलाइट

- मिल से काले द्रव्य, हरी द्रव्य, चूना, सफेद द्रव्य, ईएसपी राख आदि सहित विभिन्न नमूने एकत्र किए गए। विश्लेषण किया गया और परिणाम मिल के साथ साझा किए गए।
- इस परियोजना के अध्ययन को पूरा करने के लिए नमी संतुलन विश्लेषक, विश्लेषणात्मक संतुलन और रोटरी वैक्यूम वाष्पीकरणकर्ता जैसे विभिन्न उपकरण खरीदे गए थे।
- लकड़ी और कृषि आधारित मिल में कास्टिकाइजिंग दर में प्रारंभिक वृद्धि का लाभ प्राप्त करने के लिए क्रमशः 30% और 15-25% ऑटोकॉस्टिसाइजिंग स्तरों को आंशिक ऑटोकॉस्टिसाइजेशन का सबसे पसंदीदा स्तर माना जाता था।

4. नीलगिरी में उच्च उत्पादकता के लिए क्लोनल वानिकी और संकरण के लिए पैरेंट स्क्रीनिंग (सीपीपीआरआई-एफआरआई-एसपीएम-आईपीएमए की संयुक्त परियोजना)

उद्देश्य:

- पहले से स्थापित परीक्षणों से आशाजनक सिद्धान्तों, परिवारों और जीनोटाइप की स्क्रीनिंग और चयन करना।
- वनस्पति गुणन उद्यान में चयनित जीनोटाइप स्थापित करके जुवेनिलिटी को प्रेरित करना और बड़े पैमाने पर गुणन के लिए मैक्रो प्रसार के माध्यम से क्लोन विशिष्ट प्रोटोकॉल विकसित करना।
- भौगोलिक स्थानों पर विभिन्न आर्थिक लक्षणों के लिए श्रेष्ठता के मूल्यांकन के लिए क्षेत्र परीक्षण

स्थापित करना और पौधों और मिट्टी की उर्वरता की परस्पर क्रियाओं का विश्लेषण करना।

- चयनित क्लोन / जीनोटाइप को पंजीकृत करना और साथ ही व्यावसायिक खेती के लिए आशाजनक लोगों को जारी करना।

हाइलाइट

प्रयोग और क्षेत्र कार्य के सफल समापन के बाद, परियोजना के निष्कर्षों को 28 अप्रैल 2023 को स्कोप कॉम्प्लेक्स नई दिल्ली में आरएससी-डीईसीपीएआई प्रसार कार्यशाला में उद्योग प्रतिनिधियों के समक्ष परियोजना अन्वेषकों द्वारा प्रसारित किया गया।

5. डीप यूटेक्टिक सॉल्वैंट्स या/और आयनिक तरल पदार्थों का उपयोग करके कृषि अवशेष कच्चे माल के सीमांकन पर अध्ययन (सीपीपीआरआई-एसीआईआरडी की संयुक्त परियोजना)

उद्देश्य

- सबसे उपयुक्त/प्रभावी गहरे यूटेक्टिक विलायक या/और आयनिक तरल की स्क्रीनिंग
- चयनित गहरे यूटेक्टिक विलायक या/और आयनिक तरल का उपयोग करके कच्चे माल को पल्प करना
- विभिन्न गुणों के लिए बिना प्रक्षालित पल्पका लक्षण वर्णन
- अनुकूलित परिस्थितियों का उपयोग करके लुग्दी का ईसीएफ विरंजन किया जाता है
- विभिन्न गुणों के लिए प्रक्षालित पल्प की विशेषताएँ

हाइलाइट

परियोजना पूरी हो चुकी है और रिपोर्ट तैयार की जा रही है.

6. सतह अनुप्रयोग (सीपीपीआरआई) के माध्यम से पैकेजिंग पेपर/पेपरबोर्ड के यांत्रिक और बाधा गुणों में सुधार के लिए बायो-पॉलीमेरिक दृष्टिकोण

उद्देश्य

- कागज और पेपरबोर्ड की बैरीअर गुणों के लिए परीक्षण सुविधाओं का उन्नयन।
- सतह पर अनुप्रयोग के माध्यम से जैव पॉलिमरिक फॉर्मूलेशन का उपयोग करके पैकेजिंग ग्रेड पेपर/पेपरबोर्ड के यांत्रिक और अवरोधक गुणों में वृद्धि।

हाइलाइट

सस्टेनेबल पैकेजिंग से तात्पर्य उत्पादों की रैपिंग, भंडारण और शिपिंग के लिए पर्यावरण-अनुकूल सामग्रियों के उपयोग से है, जिसका उद्देश्य लघु और दीर्घकालिक दोनों में पर्यावरण पर किसी भी हानिकारक प्रभाव से बचना है। हालाँकि, पैकेजिंग में उपयोग किए जाने वाले बायोपॉलिमर में पेट्रोलियम-आधारित पॉलिमर की तुलना में कम ताकत और खराब तापीय और अवरोधक गुण जैसी सीमाएँ होती हैं।

प्राकृतिक रूप से हाईड्रोस्कोपिक होने के कारण कागज और कागज उत्पादों में नमी, तेल और पानी के खिलाफ आवश्यक अवरोधक गुणों का भी अभाव होता है। इन गुणों को बेहतर बनाने के लिए, पेट्रोलियम-आधारित डेरिवेटिव का उपयोग अक्सर किया जाता है, लेकिन वे कागज की पुनःचक्रण क्षमता और बायोडिग्रेडेबिलिटी को कम करते हैं। इन सिंथेटिक रसायनों को बायोपॉलीमेरिक विकल्पों से बदलने के लिए अनुसंधान चल रहा है। आरएससी-डीसीपीपीएआई के अंतर्गत एक परियोजना पानी, तेल और नमी के खिलाफ अपने अवरोधक गुणों को बढ़ाने के लिए कागज पर बायोपॉलिमर लगाने पर केंद्रित है। प्रारंभिक चरण में विभिन्न बायोपॉलिमर और प्रयोगशाला में उनके मूल्यांकन और अनुप्रयोग विधियों की साहित्यिक समीक्षा शामिल है। कुछ परिणाम नीचे प्रस्तुत किये गये हैं.

कागज़ के डब्ल्यूवीटीआर पर बायोपॉलिमर कोटिंग का प्रभाव

पैरामीटर	**डब्ल्यूवीटीआर, ग्राम/मी^{2}.24घंटा**
बेस पेपर	706
बायोपॉलिमर 1 से लेपित पेपर (1%)	439
बायोपॉलिमर 2 से लेपित पेपर (2.5%)	412

Impact of coating of different Biopolymer on Burst Factor of paper

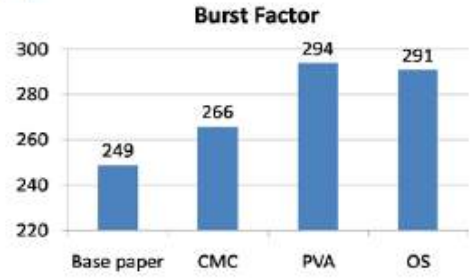

Impact of coating of different Biopolymer on breaking length of paper

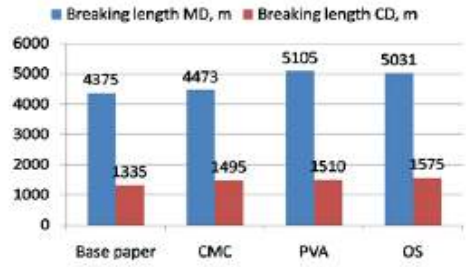

Impact of coating of different Biopolymer on Porosity of paper

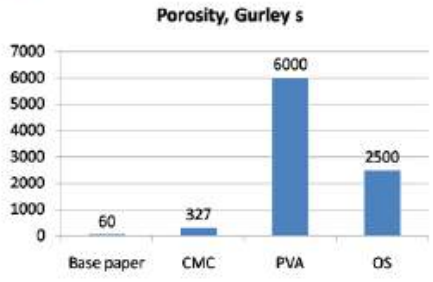

7. उत्तर भारत में 300 टीपीडी सीटीएमपी मदर पल्प मिल की स्थापना के लिए चावल के भूसे और अन्य कृषि अवशेषों की उपलब्धता पर पूर्व व्यवहार्यता रिपोर्ट

उद्देश्य

- उत्तर भारत (पंजाब, हरियाणा, यूपी और उत्तराखंड) में सीटीएमपी लुग्दी उत्पादन के लिए चावल के भूसे के उपयोग की क्षमता का अध्ययन करना।
- चावल के भूसे की उपलब्धता पर डेटाबेस तैयार करना, जिसमें अन्य कृषि अवशेष, जैसे सरकंडा, घास आदि शामिल हैं।
- आम तौर पर चावल के भूसे और अन्य कृषि अवशेषों, जैसे सरकंडा, घास आदि का उपयोग करके सीटीएमपी लुग्दी के उत्पादन के लिए तकनीकी-आर्थिक व्यवहार्यता का अध्ययन करना।
- सीटीएमपी लुग्दी उत्पादन के लिए उपकरण और मशीनरी की आपूर्ति करने के लिए स्वदेशी निर्माता क्षमताओं की पहचान करें और चावल के भूसे का उपयोग करने के लिए कैपेक्स और ओपेक्स का अध्ययन करें।

हाइलाइट

परियोजना की गतिविधियों को शुरू करने के लिए परियोजना के सभी हितधारकों की किकऑफ़ बैठकें सीपीपीआरआई में आयोजित की गईं।

8. भारतीय कागज उद्योग का जनगणना सर्वेक्षण (सीपीपीआरआई)

उद्देश्य

परियोजना का उद्देश्य देश में पल्प और पेपर मिलों की सूची, कागज उत्पादन, कागज की खपत आदि से संबंधित डेटा को समय-समय पर अद्यतन करना, घरेलू कागज उद्योग में आयात और निर्यात के रुझान और संबंधित विकास का अध्ययन करना है।

हाइलाइट

परियोजना गतिविधियों के अंतर्गत स्थापित क्षमता, परिचालन क्षमता, प्रयुक्त कच्चा माल और खपत, उत्पादित अंतिम उत्पाद, कागज मशीनों की संख्या, जल खपत, विद्युत खपत, भाप खपत आदि से संबंधित आंकड़ों के नए संग्रह के लिए एक व्यापक प्रश्नावली तैयार की गई और विभिन्न मिलों और मिल संघों को भेजी गई।

मुजफ्फरनगर क्लस्टर, मेरठ क्लस्टर और रुड़की क्लस्टर में पल्प और पेपर मिलों का भौतिक सत्यापन, सूचीकरण और प्रासंगिक डेटा का संग्रह सफलतापूर्वक पूरा किया गया।

काशीपुर क्लस्टर में पल्प और पेपर मिलों का सूचीकरण प्रगति पर है।

मिल एसोसिएशनों भारतीय पेपर निर्माता संघ, भारतीय न्यूजप्रिंट निर्माता संघ और भारतीय कृषि और पुनर्चक्रित पेपर मिल संघ से भी प्रश्नावली और सर्वेक्षण अध्ययन पद्धति आदि की तैयारी के बारे में परामर्श किया गया।

जनगणना सर्वेक्षण अध्ययन के संबंध में आईपीएमए और आईएनएमए के महासचिव के साथ परामर्श

पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय तथा केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड से भी राज्यवार लुग्दी और कागज मिलों के आंकड़े उपलब्ध कराने के लिए संपर्क किया गया, जिन्हें संबंधित राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा सीटीओ जारी किया जाता है।

9. लुग्दी और कागज उद्योग में तकनीकी कर्मियों के लिए सतत शिक्षा (प्रशिक्षण कार्यक्रम)।

उद्देश्य

इस परियोजना का मुख्य उद्देश्य लुग्दी और कागज बनाने के विभिन्न क्षेत्रों में नवीनतम विकास के बारे में जानकारी प्रदान करके तकनीकी कौशल में सुधार के लिए शॉप फ्लोर और मध्यम स्तर के तकनीकी जनशक्ति को प्रशिक्षण प्रदान करना है।

हाइलाइट

वर्ष 2023-24 के दौरान इस परियोजना के अंतर्गत 7 ऑफलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम सफलतापूर्वक आयोजित किए गए। लुग्दी, कागज एवं संबद्ध उद्योगों के दो सौ से अधिक तकनीकी कर्मियों को कागज निर्माण के विभिन्न क्षेत्रों में प्रशिक्षण प्रदान किया गया, जिसमें कच्चा माल, लुग्दी एवं विरंजन, गीला सिरा, कागज निर्माण, रसायन पुनःप्राप्ति, पर्यावरण, पैकेजिंग, पुनर्नवीनीकृत फाइबर आदि शामिल हैं। इस परियोजना के अंतर्गत वर्ष 2023-2024 में आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रमों की सूची प्रशिक्षण कार्यशाला एवं आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम अध्याय में दर्शाई गई है। इन प्रशिक्षण कार्यक्रमों में भाग लेने वाले प्रतिभागियों की शैक्षिक पृष्ठभूमि डिप्लोमा, बी.ए., एम.ए., बी.एससी., एम.एससी., बी.टेक., एम.टेक., एम.बी.ए. एवं पीएच.डी. थी। प्रशिक्षण कार्यक्रमों में भाग लेने वाले लुग्दी एवं कागज मिलों, संबद्ध

उद्योगों, संघों, शैक्षणिक संस्थानों एवं अन्य संगठनों के नाम तथा इन प्रतिनिधियों के पदनाम संबंधित वर्ड क्लाउड में दर्शाए गए हैं।

वर्ड क्लाउड उपरोक्त प्रशिक्षण कार्यक्रमों में भाग लेने वाले विभिन्न संगठनों को दिखा रहा है

वर्ड क्लाउड आरएससी-डीसीपीपीएआई प्रशिक्षण कार्यक्रमों में भाग लेने वाले प्रतिभागियों के पदनाम दिखा रहा है

लुग्दी, कागज और संबद्ध उद्योगों द्वारा प्रायोजित परियोजनायें

1. अम्लता के नियंत्रण के लिए ओमश्री पेपरटेक प्राइवेट लिमिटेड, हैदराबाद में माइक्रोबियल प्रोफाइलिंग और जल परिसंचरण प्रणाली का मूल्यांकन

उद्देश्य

परियोजना का उद्देश्य उच्च अम्लता के स्रोत की पहचान करने के लिए इकाई संचालन और जल परिसंचरण प्रणाली का मूल्यांकन करना और जल परिसंचरण प्रणाली में उच्च अम्लता को कम करने के लिए एक प्रभावी समाधान सुझाना था।

कार्य जारी रखा

पेपर मिल के प्रवाह में देखे गए कम पीएच के संभावित कारणों की जांच करने के लिए, सीपीपीआरआई ने प्रारंभिक अवलोकन करने और अध्ययन के लिए नमूना संग्रह के बिंदुओं को अंतिम रूप देने के लिए मिल का दौरा किया। इसके अलावा, पेपर मिल से प्राप्त नमूनों का व्यापक विश्लेषण किया गया। अध्ययन में विभिन्न मापदंडों का आकलन करने के लिए कई प्रमुख परीक्षण शामिल थे, जैसे:-

- पीएच असंतुलन में योगदान देने वाले माइक्रोबियल भार की पहचान करने के लिए माइक्रोबियल विश्लेषण किया गया था
- प्रवाह में कार्बनिक, ऑक्सीकरण योग्य और बायोडिग्रेडेबल प्रदूषक भार का मूल्यांकन करने के लिए सीओडी और बीओडी परीक्षण किए गए
- प्रवाह में घुले और निलंबित कणों की सांद्रता निर्धारित करने के लिए टीडीएस और टीएसएस माप लिया गया
- कार्बनिक अम्लों की उपस्थिति की जांच करने के लिए वाष्पशील फैटी एसिड (वीएफए) स्तर का मूल्यांकन किया गया । पीएच में बफरिंग क्षमता और क्लोराइड योगदान को समझने के लिए क्षारीयता और क्लोराइड सामग्री को भी मापा गया
- चालकता, एसिटिक एसिड सांद्रता और कोलाइडल चार्ज परीक्षणों ने प्रवाह की रसायनिक संरचना में और अधिक जानकारी प्रदान की
- अम्लीय पानी के प्रभाव की जांच के लिए तैयार कागज की ताकत के गुण मापे गए
- तैयार कागज में सल्फाइड और क्लोराइड की मात्रा मापी गयी
- इन व्यापक परीक्षणों का संचालन करके, अध्ययन का उद्देश्य पेपर मिल अपशिष्ट के कम पीएच के लिए जिम्मेदार कारकों को इंगित करना, संभावित उपचारात्मक उपायों और पर्यावरण संरक्षण प्रयासों के लिए आधार तैयार करना था।

2. बायो-रिफाइनरी प्रयोगशाला की स्थापना - असम बायो रिफाइनरी प्राइवेट लिमिटेड (एबीआरपीएल), नुमालीगढ़ द्वारा प्रायोजित

भारत सरकार नवीकरणीय ऊर्जा का उत्पादन करने और जीवाश्म ईंधन पर निर्भरता कम करने के लिए विभिन्न प्रौद्योगिकियों को बढ़ावा दे रही है। ऐसी ही एक पहल गैर-खाद्य फीडस्टॉक से इथेनॉल का उत्पादन करना है। असम बायो रिफाइनरी प्रा. लिमिटेड (एबीआरपीएल) असम के नुमालीगढ़ में एक संयुक्त उद्यम कंपनी (नुमालीगढ़ रिफाइनरी लिमिटेड और फिनलैंड की दो विदेशी कंपनियों फोर्टम और केमपोलिस द्वारा प्रचारित) है। एबीआरपीएल की स्थापना बांस फीडस्टॉक द्वारा इथेनॉल का उत्पादन करने के लिए की गई है क्योंकि बांस भारत के उत्तर-पूर्वी (एनई) राज्यों में प्रचुर मात्रा में उपलब्ध है और इसके लिए एबीआरपीएल ने

बायो रिफाइनरी प्लांट की कमीशनिंग पहले ही शुरू हो चुकी है। एबीआरपीएल अपनी साइट पर एक बायोरिफाइनरी प्रयोगशाला भी स्थापित कर रहा है। इसके लिए, एबीआरपीएल के अधिकारियों ने सेंट्रल पल्प एंड पेपर रिसर्च इंस्टीट्यूट, सहारनपुर (सीपीपीआरआई) को एक परियोजना प्रायोजित की है, जिसका उद्देश्य उनकी जैव-रिफाइनरी प्रयोगशाला की स्थापना के लिए सीपीपीआरआई से परामर्श सेवाएं प्राप्त करना है।

केमिकल रिकवरी एंड बायोरिफाइनरी (सीआरबीआर) डिवीजन ने असम बायोरिफाइनरी प्राइवेट लिमिटेड, असम द्वारा प्रायोजित इस परियोजना "एबीआरपीएल, नुमालीगढ़ में बायो रिफाइनरी प्रयोगशाला की स्थापना" को सफलतापूर्वक पूरा कर लिया है। सीआरबीआर प्रभाग ने परीक्षण विधियों और एसओपी की तैयारी, उपकरणों की खरीद के लिए तकनीकी विशिष्टताओं, उपकरण आपूर्तिकर्ताओं की सूची, प्रयोगशाला स्थान अनुकूलन, जनशक्ति की आवश्यकता और ऑनसाइट परामर्श आदि के संदर्भ में अपनी जैव रिफाइनरी प्रयोगशाला की स्थापना के लिए व्यापक सहायता प्रदान की है।

3. लुग्दी और कागज उद्योग के लिए प्रौद्योगिकियों और उत्पादकता वृद्धि का दृढ़-स्तरीय प्रदर्शन - संयुक्त राष्ट्र औद्योगिक विकास संगठन (UNIDO) द्वारा प्रायोजित भारतीय लुग्दी और कागज उद्योग में एलएचटी (तरल ताप उपचार) प्रौद्योगिकी का प्रदर्शन

इस परियोजना को संयुक्त राष्ट्र औद्योगिक विकास संगठन (UNIDO) द्वारा CPPRI और उद्योग संघों के साथ निकट सहयोग में कार्यान्वित किया गया था, ताकि भारतीय पेपर मिलों की उत्पादकता और प्रतिस्पर्धात्मकता में वृद्धि के लिए प्रौद्योगिकी को आगे बढ़ाने और दृढ़ स्तर के नवाचारों को सुविधाजनक बनाया जा सके। इस परियोजना में अपेक्षित क्षमता के विकास और प्रक्रिया सुधार हस्तक्षेपों के साथ-साथ शराब ताप उपचार को प्रदर्शित करने (मिल स्तर पर, देश भर में कई स्थानों पर) की परिकल्पना की गई थी। तमिलनाडु न्यूजप्रिंट एंड पेपर लिमिटेड, करूर, यश पक्का लिमिटेड, अयोध्या और कुआंटम पेपर्स लिमिटेड में लिकर हीट ट्रीटमेंट पायलट प्लांट के सफल परीक्षण किए गए हैं। काले द्रव्य की विस्कोसिटी में कमी पर मिल के कर्मियों से सकारात्मक प्रतिक्रिया के साथ पायलट प्लांट परीक्षण प्रक्रिया पूरी कर ली गई है। इसके अलावा, UNIDO और CPPRI ने मिलकर CPPRI साइट पर लिकर हीट ट्रीटमेंट (LHT) प्लांट

PDU की स्थापना और प्रदर्शन की योजना बनाई है। इसकी अवधारणा एलएचटी की कार्यक्षमता का प्रदर्शन करना और विभिन्न लुग्दी और कागज और संबद्ध उद्योगों के आगंतुकों के लिए प्रयोगात्मक परिणामों को प्रस्तुत करना है। उसी ढांचे के भीतर, एलएचटी पीडीयू सीपीपीआरआई में पहुंच गया है, और शेड की स्थापना वर्तमान में चल रही है।

तरल ताप उपचार की स्किड माउंटेड पायलट प्रदर्शन इकाई (एलएचटी) संयंत्र का निर्माण यूनिडो-सीपीपीआरआई संयुक्त परियोजना के अंतर्गत किया गया है

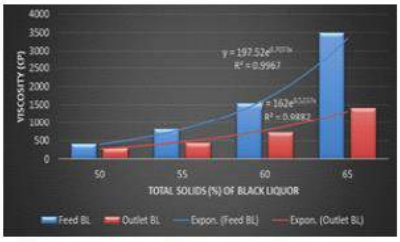

LHT trial result at M/s Tamilnadu Newsprint and Papers Ltd, Karur, Tamil Nadu. 59.6 % viscosity reduction was achieved in bagasse black liquor at 65 % solids concentration after liquor heat treatment.

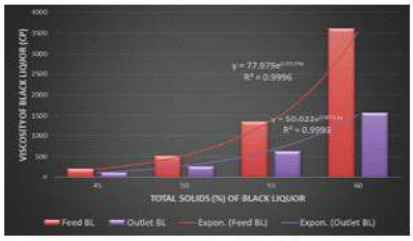

LHT trial result at M/s Pakka Ltd, Ayodhya, Uttar Pradesh. 56.46 % viscosity reduction was achieved in bagasse black liquor at 60 % solids concentration after liquor heat treatment.

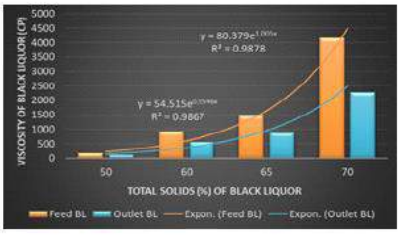

LHT trial result at M/s Kuantum Papers Ltd, Saila Khurd, Punjab. 45.19 % viscosity reduction was achieved in bagasse and wood mixed black liquor at 70 % solids concentration after liquor heat treatment.

4. भारतीय लुग्दी और कागज उद्योग में झिल्ली निस्पंदन प्रौद्योगिकी का प्रदर्शन

दो कृषि आधारित लुग्दी और कागज मिलों में किए गए सफल प्री-पायलट स्केल परीक्षणों के आधार पर, जो क्रमशः लेखन एवं मुद्रण और क्राफ्ट ग्रेड के कागज का उत्पादन करते हैं, एक स्किड माउंटेड कंटेनरीकृत पायलट स्केल मेम्ब्रेन निस्पंदन पायलट प्रदर्शन इकाई का निर्माण कॉन्फ़िगरेशन और अंतिम रूप दिए गए विनिर्देशों के आधार पर

किया गया था। सीपीपीआरआई और यूनिडो द्वारा संयुक्त रूप से। कागज, अखबारी कागज और पेपर बोर्ड के लेखन और मुद्रण ग्रेड का उत्पादन करने वाले अपशिष्ट कागज आधारित मिल में, पेपर मिल के लेखन और मुद्रण ग्रेड का उत्पादन करने वाली एक कृषि/लकड़ी आधारित मिल में और लेखन और मुद्रण ग्रेड का उत्पादन करने वाले अपशिष्ट कागज आधारित पेपर मिल में सफल परीक्षण किए गए। कागज मिलो के परीक्षणों के परिणाम उत्साहजनक थे, टीडीएस में लगभग 75% की कमी, सीओडी में लगभग 95% की कमी और बीओडी में लगभग 99% की कमी और रंग में लगभग 100% की कमी पाई गयी, इसके बाद प्रत्येक साइट पर सफल परीक्षण हुए।

परीक्षण के परिणामों को हितधारकों के साथ साझा करने के लिए प्रत्येक साइट पर प्रसार कार्यशाला भी आयोजित की गई थी

सीपीपीआरआई टीम पायलट स्केल झिल्ली निस्पंदन प्रदर्शन परीक्षण साइट

5. गंगा और यमुना नदी बेसिन परियोजना में अत्यधिक प्रदूषणकारी उद्योगों की निगरानी -केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा प्रायोजित परियोजना

सीपीपीआरआई ने उत्तर प्रदेश (मुजफ्फरनगर), उत्तराखंड (रुड़की) और हरियाणा (करनाल, सोनीपत, पानीपत) राज्यों में गंगा और हिंडन नदी बेसिन में स्थित 125 से अधिक अत्यधिक प्रदूषणकारी उद्योगों (जीपीआई) की तकनीकी पर्यावरणीय स्थिति की निगरानी सफलतापूर्वक पूरी कर ली है। नगर अंबाला, कुरूक्षेत्र) 2023 के दौरान। जीपीआई इकाइयों में विभिन्न क्षेत्रों की पल्प एंड पेपर मिल्स (21), टेक्सटाइल इकाइयां (81), स्लॉटर हाउस (10) और अन्य इकाइयां जैसे इलेक्ट्रोप्लेटिंग और केमिकल (13) शामिल हैं। सीपीपीआरआई द्वारा निरीक्षण की गई इकाइयों की एक व्यापक रिपोर्ट सीपीसीबी को प्रस्तुत की गई थी और उसके बाद एक बैठक में परिणाम और सिफारिशें सीपीसीबी के समक्ष प्रस्तुत की गईं।

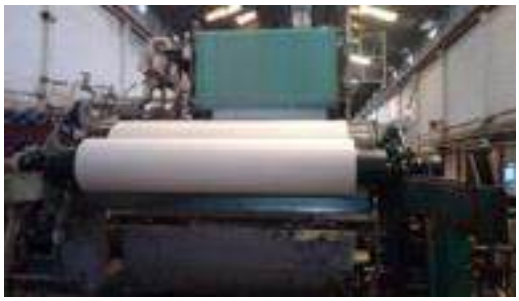

कागज इकाई

कपड़ा इकाई

स्लॉटर हाउस

इलेक्ट्रो प्लेटिंग यूनिट

6. खन्ना पेपर मिल्स लिमिटेड का जल ऑडिट

सीपीपीआरआई ने राष्ट्रीय उत्पादकता परिषद, नई दिल्ली के सहयोग से खन्ना पेपर मिल्स लिमिटेड, अमृतसर में एक जल लेखा परीक्षण अध्ययन किया। जल ऑडिट अध्ययन का मुख्य उद्देश्य मिल द्वारा वास्तविक ताजे पानी की खपत को सत्यापित करना और साथ ही उपचारित अपशिष्ट के पुन: उपयोग/पुनःचक्रण के माध्यम से पानी की बचत की क्षमता और अवसरों की पहचान करना था। अध्ययन में बोरवेल और अन्य प्रमुख बिंदुओं पर मौजूदा प्रवाह मीटरों का अंशांकन, मिल द्वारा प्रदान की गई जानकारी और डेटा के आधार पर जल संतुलन, पिछले वर्ष के कागज उत्पादन, कच्चे माल की खपत, ताजे पानी की खपत, अपशिष्ट जल के रुझानों का महत्वपूर्ण विश्लेषण शामिल था। डिस्चार्ज आदि की विस्तृत रिपोर्ट मिल को सौंपी गई

खन्ना पेपर मिल्स, अमृतसर में प्रक्रिया संचालन

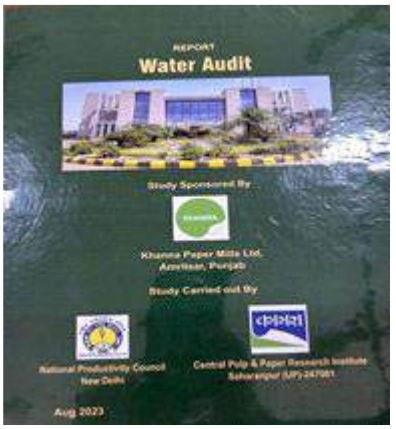

जल ऑडिट रिपोर्ट खन्ना पेपर मिल्स लिमिटेड, अमृतसर को सौंपी गई

7. सेंचुरी पल्प एंड पेपर 2030 - ऊर्जा और पर्यावरणीय स्थिरता की ओर

लुग्दी और कागज उद्योग सहित भारतीय उद्योग के विकास के लिए ऊर्जा और पर्यावरणीय स्थिरता प्रमुख चालक होंगे। यह मुद्दा 2030 तक अपने शुद्ध कार्बन उत्सर्जन को कम से कम 45% तक कम करने की भारत की प्रतिबद्धता के संदर्भ में और अधिक प्रासंगिक हो गया है। इसी परिप्रेक्ष्य में यह रिपोर्ट सेंचुरी पल्प एंड पेपर द्वारा सेंट्रल पल्प एंड पेपर रिसर्च इंस्टीट्यूट को सौंपी गई थी।

इसके अंतर्गत उन क्षेत्रों की पहचान कर जिन पर ध्यान दिया जा सकता है और जिन प्रौद्योगिकियों को अपनाया जा सकता है ताकि ऊर्जा और पर्यावरणीय स्थिरता में सुधार की दिशा में योगदान दिया जा सके। रिपोर्ट नवीनतम तकनीकी रुझानों, भारतीय और वैश्विक कागज उद्योग द्वारा अपनाई गई या अपनाई जा रही वर्तमान बेंचमार्क पर्यावरणीय प्रथाओं, विभिन्न लुग्दी और कागज मिलों, मिल संघों के साथ बातचीत और उपलब्ध रिपोर्ट/साहित्य के आधार पर तैयार की गई थी।

सेंचुरी पल्प एंड पेपर, लाल कुआँ, उत्तराखंड

8. राष्ट्रीय जूट बोर्ड, कोलकाता द्वारा प्रायोजित विस्कोस फाइबर के लिए पायलट स्केल होल जूट डिसॉल्विंग पल्प का उत्पादन

सीपीपीआरआई में आयोजित पायलट प्लांट संपूर्ण जूट परीक्षण के दूसरे चरण को सफलतापूर्वक पूरा कर लिया गया है और विभिन्न प्रक्रिया चरणों को अपनाते हुए 100 किलोग्राम लुग्दी का उत्पादन किया गया है। वांछित लुग्दी गुण प्राप्त करने के लिए पायलट प्लांट चिपर, प्री-हाइड्रोलिसिस, क्राफ्ट लुग्दीकरण और डीईपीडी विरंजन अनुक्रम में पूरे जूट को काटना। अल्फा सेल्युलोज सामग्री +90% और घुलनशील ग्रेड लुग्दी आवश्यकता की सीमा में अन्य सभी विशेषताएं प्राप्त की गईं। घुलने वाले लुग्दी को विस्कोस और फाइबर तैयार करने के लिए आदित्य बिड़ला साइंस एंड टेक्नोलॉजी कंपनी लिमिटेड, मुंबई महाराष्ट्र को भेजा गया था।

पायलट स्केल अनब्लीच्ड पल्प

विरंजन रिएक्टर

पायलट प्लांट में अंतिम ब्लीचड पल्प

सीपीपीआरआई परियोजना टीम *एनजेबी अधिकारियों के साथ*

9. यश पक्का लिमिटेड अयोध्या (यूपी) द्वारा प्रायोजित मिल डी-पिथड खोई के लुग्दीकरण और टीसीएफ/ओजोन विरंजन का अध्ययन

टीसीएफ विरंजन की संभावनाओं और संयंत्र पैमाने पर इसकी स्वीकार्यता पर अध्ययन के लिए यश पक्का लिमिटेड द्वारा मिल खोई के गूदे की कुल क्लोरीन मुक्त विरंजन पर एक परियोजना प्रायोजित की गई थी।

10. पल्प को घोलने के लिए बैट के प्रोजेक्ट मूल्यांकन पर रिपोर्ट - फोर्टम इंडिया द्वारा प्रायोजित

भारत में घुलनशील पल्प (कपड़ा और कागज दोनों के लिए) के लिए बीएटी के परियोजना मूल्यांकन और घुलनशील पल्प प्लांट के लिए आपूर्ति श्रृंखला विकास पर रिपोर्ट फोर्टम इंडिया प्राइवेट लिमिटेड गुड़गांव को सौंपी गई। फोर्टम फिनलैंड स्थित कंपनी है। घुलनशील ग्रेड पल्प की तेजी से बढ़ती मांग को देखते हुए फोर्टम ने भारत में घुलनशील पल्प संयंत्र के लिए प्रौद्योगिकी के मूल्यांकन पर अध्ययन करने के लिए एक परियोजना प्रायोजित की। अध्ययन पूरा हो गया और रिपोर्ट फोर्टम गुड़गांव को सौंप दी गई

11. स्टॉक प्रिपेरशन एवं पेपर मेकिंग और पुन:र्नवीनीकरण फाइबर डिवीजन में वेट एंड रसायनों के मूल्यांकन में प्रायोजित परियोजनाएं

उपरोक्त गतिविधि के अंतर्गत 06 नमूनों का मूल्यांकन किया गया और निम्नलिखित कंपनियों को सेवाएँ प्रदान की गईं -

- बिंदल पेपर मिल्स लिमिटेड, मुजफ्फरनगर, उत्तर प्रदेश
- सहसंयोजक पॉलिमर प्रा. लिमिटेड, सहारनपुर, उत्तर प्रदेश
- गुलशन पॉलीओल्स लिमिटेड मुजफ्फर नगर, उत्तर प्रदेश

कागज और बोर्ड की पुनःचक्रण क्षमता पर अध्ययन

कई रीसायकल पेपर निर्माताओं के लिए कागज और बोर्ड की रीसाइक्लेबिलिटी पर अध्ययन किया गया। कुछ मूल्यवान ग्राहक (एफएमसीजी और पेपर मिल्स) जिन्हें सेवाएं प्रदान की गईं, उनका सारांश नीचे दिया गया है।

- अजीत इंडस्ट्रीज (पी) लिमिटेड, सोनीपत, हरियाणा
- कोंकण स्पेशियलिटी पॉलीप्रोडक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड, मैंगलोर
- अन्ना पॉलिमर्स, अलपुझा, केरल
- पारिजात पेपर मिल्स लिमिटेड, मुजफ्फरनगर, उत्तर प्रदेश
- एवन पैकफो सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड, हरियाणा
- पीआईपीएल (प्रतिष्ठान इंडस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड), औरंगाबाद, महाराष्ट्र
- बल्क एमआरओ इंडस्ट्रियल सप्लाई प्राइवेट लिमिटेड, मुंबई, महाराष्ट्र
- क्विन फैसिलिटी मैनेजमेंट सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड, मुंबई, महाराष्ट्र
- क्रिएटिव पॉलीपैक लिमिटेड, पश्चिम बंगाल
- रथना पैकेजिंग इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, तमिलनाडु
- रिको ईएचएस सर्विसेज, वडोदरा, गुजरात
- केमलाइन इंडिया लिमिटेड, सोनीपत, हरियाणा
- सर्कला टेक्नोलॉजीज, प्राइवेट लिमिटेड मुंबई, महाराष्ट्र
- सिद्धोमल पेपर कन्वर्जन कंपनी प्राइवेट लिमिटेड, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश

- हेंकेल एडहेसिव टेक्नोलॉजीज इंडिया प्राइवेट लिमिटेड लिमिटेड, मुंबई, महाराष्ट्र
- आईटीसी लिमिटेड, चेन्नई, तमिलनाडु
- जेके पेपर लिमिटेड, नई दिल्ली
- आईटीसी लिमिटेड पीएसपीडी, सिकंदराबाद, तेलंगाना
- इंटेक टेप्स प्राइवेट लिमिटेड, बैंगलोर, कर्नाटक
- लोरियल इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, मुंबई, महाराष्ट्र
- टीएनपीएल, तमिलनाडु
- ओरिज़ा फाइबर्स प्राइवेट लिमिटेड, सूरत, गुजरात
- ओपीजी बायोसॉल्यूशन प्राइवेट लिमिटेड, हरियाणा
- सदर्न एंटरप्राइजेज, चेन्नई, तमिलनाडु
- पक्का इम्पैक्ट लिमिटेड, बैंगलोर, कर्नाटक
- सुमुखा हाईटेक प्रोडक्ट्स इंडस्ट्री, पुडुचेरी
- टेट्रा पैक इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, पुणे, महाराष्ट्र
- पीपीएल लिमिटेड, रायगढ़, महाराष्ट्र
- हिंदुस्तान यूनिलीवर लिमिटेड रिसर्च सेंटर, मुंबई, महाराष्ट्र
- स्प्राउट प्राइवेट लिमिटेड, कन्नूर, केरल
- यूनिलीवर इंडस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड, मुंबई, महाराष्ट्र
- टीसीपीएल पैकेजिंग लिमिटेड, दादर और नागर हवेली
- एर्थ पेपर सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड, महाराष्ट्र
- ग्रीन डॉट बायोपैक, अहमदाबाद, गुजरात
- एविरोकोर पैकेजिंग इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, बैंगलोर, कर्नाटक
- ज़ूम इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, मुंबई, महाराष्ट्र
- शुभ इंटरनेशनल, बेंगलुरु, कर्नाटक
- वैकर केमी इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, मुंबई, महाराष्ट्र
- वीके इंडस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड, गौतमबुद्ध नगर, उत्तर प्रदेश
- वैकमेट इंडिया लिमिटेड यूनिट-III, मथुरा, उत्तर प्रदेश
- वर्स्या इनोवेशन हब, त्रिवेंद्रम, केरल

गुणवत्ता प्रबंधन प्रणाली

एनएबीएल डेस्कटॉप निगरानी

सीपीपीआरआई ने वर्ष 2023-24 के लिए एनएबीएल डेस्कटॉप निगरानी को सफलतापूर्वक पूरा किया। गुणवत्ता प्रबंधन प्रभाग ने गुणवत्ता प्रबंधन प्रणाली, पेपर परीक्षण प्रयोगशाला और पर्यावरण प्रबंधन प्रभाग से संबंधित डेस्कटॉप निगरानी दस्तावेज एनएबीएल को सौंपे। पेपर परीक्षण प्रयोगशाला का मूल्यांकन दो समूहों में किया गया था। कागज गुणों के परीक्षण क्षेत्र के रसायनिक और यांत्रिक अनुशासन के अंतर्गत "कागज और लुग्दी" और "कागज और कागज उत्पाद"। पर्यावरण प्रबंधन प्रभाग का मूल्यांकन दो समूहों में किया गया था। अपशिष्ट जल प्रदूषण मापदंडों, परिवेशी वायु गुणवत्ता मापदंडों (और स्टैक उत्सर्जन गुणवत्ता मापदंडों) के लिए परीक्षण क्षेत्र के रसायनिक अनुशासन के अंतर्गत "प्रदूषण और पर्यावरण" और वायुमंडलीय प्रदूषण"। एनएबीएल ने प्रस्तुत दस्तावेजों की समीक्षा की और आईएसओ/आईईसी 17025:2017 के अनुसार मान्यता जारी रखने को मंजूरी दी और मौजूदा दायरे के अनुसार रसायनिक और यांत्रिक परीक्षण के अनुशासन के लिए मान्यता प्रमाण पत्र की वैधता 18 सितंबर, 2024 तक बढ़ा दी गई थी।

ट्राइडेंट पेपर मिल, बरनाला में "पल्प और पेपर मिल कर्मियों के लिए कुल गुणवत्ता प्रबंधन (टीक्यूएम)" पर चार दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम

गुणवत्ता प्रबंधन प्रभाग ने 10-13 अक्टूबर, 2023 के दौरान ट्राइडेंट पेपर मिल, बरनाला में "पल्प और पेपर मिल कर्मियों के लिए कुल गुणवत्ता प्रबंधन (टीक्यूएम)" पर 4 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्देश्य प्रतिभागियों को अवधारणाओं के बारे में जागरूक करना था। टीक्यूएम की, क्यूएमएस की मूल बातें - आईएसओ 9001/आईएसओ 9004 और कच्चे माल की गुणवत्ता, लुग्दी की गुणवत्ता, कागज की गुणवत्ता, स्टॉक की गुणवत्ता, प्रवाह की गुणवत्ता और रसायन पुनःप्राप्ति गुणवत्ता को बनाए रखने के दृष्टिकोण से लुग्दी और पेपर मिल में टीक्यूएम को लागू करने का महत्व आदि प्रशिक्षण कार्यक्रम के मुख्य विषय थे। इस प्रशिक्षण में ट्राइडेंट पेपर मिल बरनाला के विभिन्न विभागों के गुणवत्ता प्रमुख, गुणवत्ता निरीक्षकों, रसायनज्ञों और कार्यालय प्रमुखों ने भाग लिया। प्रशिक्षण कार्यक्रम में डॉ. एम.के. गुप्ता, डॉ. ए.के. दीक्षित, डॉ. प्रीति शिवहरे लाल, सुश्री अनुराधा जनबड़े, श्री कुमार अनुपम एवं डॉ. शुभांग भारद्वाज ने व्याख्यान दिये।

टीक्यूएम प्रशिक्षण कार्यक्रम में ट्राइडेंट पेपर मिल, बरनाला के प्रतिभागी

आंतरिक लेखापरीक्षा, प्रबंधन समीक्षा और दक्षता परीक्षण

पर्यावरण प्रबंधन प्रभाग ने 2 साल की प्रवीणता परीक्षण (पीटी) योजना के अनुसार 6 पीटी अभ्यासों में सफलतापूर्वक भाग लिया और संतोषजनक जेड स्कोर हासिल किया।

प्रयोगशाला की सभी गतिविधियों को कवर करने वाली आईएसओ/आईईसी 17025:2017 की सभी आवश्यकताओं का सीपीपीआरआई में वर्ष में कम से कम एक बार बताए गए दिशानिर्देशों के अनुसार ऑडिट किया जाता है। इस वर्ष पेपर परीक्षण प्रयोगशाला और पर्यावरण प्रबंधन प्रभाग का "आंतरिक ऑडिट" 7-8 नवंबर, 2023 के दौरान आयोजित किया गया था।

सीपीपीआरआई का शीर्ष प्रबंधन वर्ष में एक बार गुणवत्ता प्रबंधन प्रणाली और तकनीकी गतिविधियों की समीक्षा करता है ताकि उनकी उपयुक्तता और प्रभावशीलता सुनिश्चित की जा सके और आईएसओ/आईईसी 17025:2017 की आवश्यकताओं के अनुसार कोई आवश्यक परिवर्तन या सुधार किया जा सके। इस वर्ष "प्रबंधन समीक्षा बैठक" 4 दिसंबर, 2023 को आयोजित की गई थी।

आईएसओ 9001: 2015 प्रमाणन के लिए सीपीपीआरआई मान्यता का नवीनीकरण

आईएसओ 9001: 2015 प्रमाणपत्र के नवीनीकरण के लिए सीपीपीआरआई का निगरानी मूल्यांकन 31 जनवरी, 2024 को किया गया। मूल्यांकन बीएससीआईसी प्रमाणन प्राइवेट लिमिटेड, फरीदाबाद द्वारा आईएसओ 9001: 2015 की आवश्यकताओं के अनुसार किया गया था। श्री पी.के. चक्रवर्ती (लीड ऑडिटर) और श्री राकेश कुमार (टीम सदस्य) बीएससीआईसी ने मूल्यांकन किया। नवीनीकरण प्रक्रिया में आईएसओ 9001: 2015 की आवश्यकताओं के साथ इसके संरेखण को सुनिश्चित करने के लिए गुणवत्ता प्रबंधन प्रणाली, मानक संचालन प्रक्रियाओं, प्रक्रिया दस्तावेजों, गतिविधि रिकॉर्ड, आंतरिक लेखा परीक्षा रिपोर्ट, प्रबंधन समीक्षा रिकॉर्ड, ग्राहक प्रतिक्रिया आदि की समीक्षा शामिल थी। किए गए मूल्यांकन के आधार पर लेखा परीक्षकों ने सीपीपीआरआई को गुणवत्ता प्रबंधन प्रणाली विकसित करने और बनाए रखने में सफल पाया और प्रमाणन के नवीनीकरण के लिए सीपीपीआरआई की सिफारिश की। मूल्यांकन प्रक्रिया का समन्वय डॉ. ए.के. दीक्षित और श्री कुमार अनुपम ने किया।

तकनीकी और परामर्श सेवाएँ

रेशेदार और गैर-रेशेदार कच्चे माल (लुग्दी, कागज, लकड़ी और गैर-लकड़ी कच्चे माल, काला द्रव, चूना, चूना स्लज, हरा द्रव, सफेद द्रव, अपशिष्ट, भूजल, ठोस अपशिष्ट आदि) के विभिन्न नमूनों का विश्लेषण करके निम्नलिखित मिलों और संगठनों को तकनीकी सेवाएं प्रदान की गईं।

- ए 1, यूफ्लेक्स लिमिटेड, जबलपुर, मध्य प्रदेश
- ए.के. एंटरप्राइजेज, पटना, बिहार
- आदित्य अश्विन पेपर मिल्स प्राइवेट लिमिटेड, कोयंबटूर, तमिलनाडु
- आरोही एंटरप्राइजेज, लखनऊ, उत्तर प्रदेश
- एसीई लीकेज सॉल्यूशंस, जबलपुर, मध्य प्रदेश
- एसीएफए इंडस्ट्रियल कंपनी फॉर इंडस्ट्री, रियाद, सऊदी अरब
- आदिनाथ इलेक्ट्रॉनिक सिक्योरिटी, जबलपुर, मध्य प्रदेश
- आदित्य बिड़ला साइंस एंड टेक्नोलॉजी कंपनी प्राइवेट लिमिटेड, रायगढ़, महाराष्ट्र
- आद्या एंटरप्राइजेज, रीवा, मध्य प्रदेश
- एफ्लक्स आईटी सॉल्यूशंस, जबलपुर, मध्य प्रदेश
- अग्रवाल जर्दा फैक्ट्री प्राइवेट लिमिटेड, सहारनपुर, उत्तर प्रदेश
- एग्रो लुग्दीकरण मशीनरी प्राइवेट लिमिटेड, चेन्नई, तमिलनाडु
- अजीत इंडस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड, सोनीपत, हरियाणा
- अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, बिलासपुर, मध्य प्रदेश
- एएलएम इंडस्ट्रीज लिमिटेड, सहारनपुर, उत्तर प्रदेश
- आलोक प्रिंटर्स, आगरा, उत्तर प्रदेश
- अमन कॉरपोरेशन, बहराइच, उत्तर प्रदेश
- अमर उजाला पब्लिकेशन लिमिटेड, नोएडा, उत्तर प्रदेश
- अंबर प्रेस प्राइवेट लिमिटेड, लखनऊ, उत्तर प्रदेश
- अमृता प्रिंटर्स, कानपुर, उत्तर प्रदेश
- आनंद ट्रिपलेक्स बोर्ड लिमिटेड, मेरठ, उत्तर प्रदेश
- आंध्र पेपर लिमिटेड, कोलकाता, पश्चिम बंगाल
- एंट्रिट्ज टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड, चेन्नई, तमिलनाडु
- अंजलि आर्ट, इटावा, उत्तर प्रदेश
- अनुग्रह राज रिसर्च, पांडिचेरी
- अनुपम प्रकाशन, मथुरा, उत्तर प्रदेश
- आराध्या ट्रेडर्स एंड सर्जिकल्स, आगरा, उत्तर प्रदेश
- एरोफाइन पॉलिमर्स प्राइवेट लिमिटेड, पुणे, महाराष्ट्र
- एशियन पेपर प्रोडक्ट्स, करनाल, हरियाणा
- अस्फा बोर्ड प्राइवेट लिमिटेड, पुणे, महाराष्ट्र

- असम बायो रिफाइनरी प्राइवेट लिमिटेड, गोलाघाट, असम
- एवरी डेनिसन इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, गुड़गांव, हरियाणा
- एवन पैकफो सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड, फरीदाबाद, हरियाणा
- बेनेट कोलमैन एंड कंपनी लिमिटेड, नई दिल्ली
- भागवत प्रिंटिंग प्रेस, मथुरा, उत्तर प्रदेश
- भार्गव एंटरप्राइजेज, लखनऊ, उत्तर प्रदेश
- भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय, आगरा, उत्तर प्रदेश
- भूपेंद्र नारायण मंडल विश्वविद्यालय, मधेपुरा, बिहार
- बिहार कृषि प्रबंधन एवं विस्तार प्रशिक्षण, पटना, बिहार
- बिहार राज्य एड्स नियंत्रण सोसाइटी, पटना, बिहार
- बिहार राज्य पाठ्यपुस्तक प्रकाशन निगम लिमिटेड, पटना, बिहार
- बिहार विद्यालय परीक्षा समिति, पटना, बिहार
- बिंदल्स पेपर्स मिल्स लिमिटेड, मुजफ्फरनगर, उत्तर प्रदेश
- बिंदलस डुप्लेक्स लिमिटेड, मुजफ्फरनगर, उत्तर प्रदेश
- बोर्ड ऑफ स्कूल एजुकेशन, भवानी, हरियाणा
- ब्राउन ओवरसीज प्राइवेट लिमिटेड, मुंबई, महाराष्ट्र
- बायग्रीन पेपरपैक, अंबाला, हरियाणा
- कैपिटल ग्राफिक्स, लखनऊ , उत्तर प्रदेश
- केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, नई दिल्ली
- भारतीय बांस संसाधन और प्रौद्योगिकी केंद्र, नई दिल्ली
- सेंचुरी पल्प एंड पेपर, नैनीताल, उत्तराखंड
- चांदपुर एंटरप्राइजेज लिमिटेड, बिजनौर, उत्तर प्रदेश
- चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ, उत्तर प्रदेश
- चौधरी देवी लाल विश्वविद्यालय, सिरसा, हरियाणा
- छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर, उत्तर प्रदेश
- सर्किल टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड, मुंबई, महाराष्ट्र
- कंप्यूटर पेपर फीड्स (भारत), जम्मू, जम्मू और कश्मीर
- कोवैलेंट पॉलिमर प्राइवेट लिमिटेड, सहारनपुर, उत्तर प्रदेश
- साइरिक्स हेल्थकेयर प्राइवेट लिमिटेड, कोच्चि, केरल
- दक्षिण बिहार ग्रामीण बैंक, पटना, बिहार
- दीपक आर्ट प्रिंटर्स, मथुरा, उत्तर प्रदेश
- दीपक प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स, नैनीताल, उत्तराखंड
- दिल्ली ब्यूरो ऑफ टेक्स्ट बुक्स, दिल्ली
- दिल्ली पेपर प्रोडक्ट्स कंपनी प्राइवेट लिमिटेड, नई दिल्ली
- देव प्रिया पेपर्स प्राइवेट लिमिटेड, मेरठ, उत्तर प्रदेश
- देवी अहिल्या विश्वविद्यालय, इंदौर, मध्य प्रदेश

- मुद्रण, स्टेशनरी और प्रकाशन निदेशालय ओडिशा, मधुपटना, कटक, ओडिशा
- डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम तकनीकी, विश्वविद्यालय, लखनऊ, उत्तर प्रदेश
- ड्रक मीडिया प्राइवेट लिमिटेड, ग्रेटर नोएडा, उत्तर प्रदेश
- डायनेमिक टेक्स्टबुक प्रिंटर्स प्राइवेट लिमिटेड, झांसी, उत्तर प्रदेश
- इको टेक पेपर्स, गुवाहाटी, असम
- एकता प्रिंटिंग प्रेस, मुरैना, मध्य प्रदेश
- रोजगार समाचार (प्रकाशन प्रभाग), नई दिल्ली
- एवरेस्ट इंडस्ट्रीज लिमिटेड, भगवानपुर, उत्तराखंड
- एक्सीलेंस इंटरनेशनल, मुंबई, महाराष्ट्र
- फातिमा रेनेथ, पांडिचेरी
- फाइब्रेनियम मैन्युफैक्चरिंग प्राइवेट लिमिटेड, कांचीपुरम, तमिलनाडु
- फोर्टम इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, गुरुग्राम, हरियाणा
- गैलेक्सी प्रेस, लखनऊ, उत्तर प्रदेश
- गर्ग डुप्लेक्स एंड पेपर मिल्स प्राइवेट लिमिटेड, मुजफ्फरनगर, उत्तर प्रदेश
- जनरल ऑफसेट प्रिंटिंग प्रेस प्राइवेट लिमिटेड, प्रयागराज, उत्तर प्रदेश
- जीनस पेपर एंड बोर्ड लिमिटेड, मुजफ्फरनगर, उत्तर प्रदेश
- ग्रासिम इंडस्ट्रीज लिमिटेड, रायगढ़, महाराष्ट्र ग्रीन डॉट बायोपैक, अहमदाबाद, गुजरात
- ग्रीन वर्ल्ड पब्लिकेशन (आई) प्राइवेट लिमिटेड, अहमदाबाद, गुजरात
- ग्रीन्यू फ्यूचर टेक प्राइवेट लिमिटेड, सहारनपुर, उत्तर प्रदेश
- जी-टेक प्रिंट वर्क्स, मथुरा, उत्तर प्रदेश
- गुलशन पॉलीओल्स लिमिटेड, मुजफ्फरनगर, उत्तर प्रदेश
- हरियाणा स्कूल शिक्षा परियोजना परिषद, पंचकूला, हरियाणा
- हेमवती नंदन बहुगुणा गढ़वाल विश्वविद्यालय, पंत नगर, उत्तराखंड
- हेन्केल एडहेसिव्स टेक्नोलॉजीज इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, नवी मुंबई, महाराष्ट्र
- हेक्सागन प्रिंट्स एंड पैक प्राइवेट लिमिटेड, सांताक्रूज़ (ई) मुंबई, महाराष्ट्र
- हिमाचल प्रदेश बोर्ड ऑफ स्कूल एजुकेशन, धर्मशाला, हिमाचल प्रदेश
- हिंदुस्तान यूनिलीवर लिमिटेड, बैंगलोर, कर्नाटक
- हाई-टेक प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स, मथुरा, उत्तर प्रदेश
- एचटी मीडिया लिमिटेड, दिल्ली
- एचटी मीडिया लिमिटेड, ग्रेटर नोएडा
- हुलामाकी इंडिया लिमिटेड, रायगढ़, महाराष्ट्र
- आई.के. गुजराल पंजाब तकनीकी विश्वविद्यालय, कपूरथला, पंजाब
- इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय, नई दिल्ली
- इंडो लंका बोर्ड प्राइवेट लिमिटेड, दारालुवा (एनडब्ल्यूपी), श्रीलंका
- इन्फिनिटी एडवरटाइजिंग सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड, फरीदाबाद, हरियाणा
- इंटेक टेप्स प्राइवेट लिमिटेड, बैंगलोर, कर्नाटक

- इंटरनेशनल इंडिया, नई दिल्ली
- इरफान खान रायबरेली, उत्तर प्रदेश
- आईटीसी लिमिटेड, बैंगलोर, कर्नाटक
- आईटीसी लिमिटेड, पीएसपीडी ट्रिबेनी, पश्चिम बंगाल
- आईटीसी लिमिटेड, - पीएसपीडी, सिकंदराबाद, तेलंगाना
- आईटीसी लिमिटेड, पीएसपीडी, भद्राद्री, कोथाग्वदेम, तेलंगाना
- जे के पेपर लिमिटेड, रायगढ़, ओडिशा
- जे.एन. रावनस इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, गुड़गांव, हरियाणा
- जय अरावली मिनरल इंडस्ट्रीज, यूनिट-3, नागौर, राजस्थान
- जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय, जोधपुर, राजस्थान
- जीविका, बिहार ग्रामीण आजीविका संवर्धन सोसायटी राज्य, पटना, बिहार
- जीवनदीप कॉन्सेप्ट्स प्राइवेट लिमिटेड, लखीमपुर खीरी, उत्तर प्रदेश
- जेके पेपर लिमिटेड, तापी, गुजरात
- जेके पेपर लिमिटेड, नई दिल्ली
- जॉली बोर्ड लिमिटेड, औरंगाबाद, महाराष्ट्र
- के.बी. कंप्यूटर स्टेशनरी, देहरादून, उत्तराखंड
- के.बी. कंप्यूटर फॉर्म, देहरादून, उत्तराखंड
- के.सी. प्रिंटिंग एंड अलाइड वर्क्स, मथुरा, उत्तर प्रदेश
- कैलाशीदेवी पल्प्स एंड पेपर प्रोडक्ट्स, काशीपुर, उत्तराखंड
- कर्नाटक टेक्स्ट बुक सोसाइटी (आर), बेंगलुरु, कर्नाटक
- कात्यायिनी पेपर मिल्स प्राइवेट लिमिटेड, काशीपुर, उत्तराखंड
- कवच एंटरप्राइजेज, प्रतापगढ़, उत्तर प्रदेश
- काजमी एंड एसोसिएट्स, इलाहाबाद, उत्तर प्रदेश
- केरल पेपर प्रोडक्ट्स लिमिटेड, कोट्टायम, केरल
- खन्ना पेपर मिल्स लिमिटेड, अमृतसर, पंजाब
- कोंकण स्पेशलिटी पॉली प्रोडक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड, बैंगलोर, कर्नाटक
- कृष्णांचल पल्प एंड पेपर्स प्राइवेट लिमिटेड, मुजफ्फरनगर, उत्तर प्रदेश
- कुमार प्रिंटर्स एंड स्टेशनर्स, सहारनपुर, उत्तर प्रदेश
- क्विक लिविंग (आई) प्राइवेट लिमिटेड, अंधेरी ईस्ट, मुंबई, महाराष्ट्र
- लाबेई एंटरप्राइजेज, वाराणसी, उत्तर प्रदेश
- लक्ष्मी इंटरप्राइजेज, मुजफ्फरपुर, बिहार
- लोकमान्य प्रकाशन मंदिर, मथुरा, उत्तर प्रदेश
- लवली ऑफसेट प्रिंटर्स प्राइवेट लिमिटेड, शिवाकाशी, तमिलनाडु
- लखनऊ पेपर डिस्ट्रीब्यूटर्स, लखनऊ, उत्तर प्रदेश
- लखनऊ प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स, लखनऊ, उत्तर प्रदेश
- एम.के. इंटरप्राइजेज, नोएडा, उत्तर प्रदेश

- एम. एल. पेपर कन्वर्टर, लखनऊ, उत्तर प्रदेश
- अनुभव एंटरप्राइजेज, कानपुर, उत्तर प्रदेश
- मां शाकुंभरी विश्वविद्यालय, सहारनपुर, उत्तर प्रदेश
- मध्य प्रदेश भोज (मुक्त) विश्वविद्यालय, भोपाल, मध्य प्रदेश
- मध्य प्रदेश मेडिकल साइंस यूनिवर्सिटी, जबलपुर,
- मध्य प्रदेश माध्यमिक शिक्षा बोर्ड राजस्थान, अजमेर , राजस्थान
- माध्यमिक शिक्षा मंडल मध्य प्रदेश, भोपाल, मध्य प्रदेश
- महालक्ष्मी क्राफ्ट्स एंड टिश्यूज प्राइवेट लिमिटेड, मुजफ्फरनगर, उत्तर प्रदेश
- महामृत्युंजय ट्रेड एंड टेक्नोलॉजी प्राइवेट लिमिटेड, रीवा, मध्य प्रदेश
- महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय, रोहतक, हरियाणा
- माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय विश्वविद्यालय,पत्रकारिता एवं संचार विभाग, भोपाल, मध्य प्रदेश
- मानव कॉन्ट्रैक्ट्स एंड कंपनी, आगरा, उत्तर प्रदेश
- मंगलम कल्पतरु इंडस्ट्रीज एलएलपी, बुरहानपुर, मध्य प्रदेश
- मनीष ट्रेडर्स, जबलपुर, मध्य प्रदेश
- मनोहर प्रिंटिंग प्रेस, मथुरा, उत्तर प्रदेश
- माया एंड संस, दिल्ली
- माया एंटरप्राइजेज, कानपुर, उत्तर प्रदेश
- मीनू पेपर मिल्स प्राइवेट लिमिटेड, मुजफ्फरनगर, उत्तर प्रदेश
- महली पेपर्स प्राइवेट लिमिटेड, दहेज, गुजरात
- मेट्रो प्रिंटर्स, लखनऊ, उत्तर प्रदेश
- माइक्रोनिक्स कंप्यूटर्स, जबलपुर, मध्य प्रदेश
- मित्रा डेटा केयर, जबलपुर, मध्य प्रदेश
- मॉडर्न पेपर मार्ट प्राइवेट लिमिटेड, दिल्ली
- मोदी ग्राफिक्स, कानपुर, उत्तर प्रदेश
- मुद्रालय जिला पंचायत उद्योग, बनारस, उत्तर प्रदेश
- मैसूर सेल्स इंटरनेशनल लिमिटेड, बेंगलुरु, कर्नाटक
- नैनी पेपर्स लिमिटेड, काशीपुर, उत्तराखंड
- राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान, लखनऊ, उत्तर प्रदेश
- राष्ट्रीय शिक्षा अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद, नयी दिल्ली
- राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, पंचकूला, हरियाणा
- नेशनल प्रिंटर्स, रांची, झारखंड
- नव ज्योति प्रेस, मथुरा, उत्तर प्रदेश
- न्यू लोकमान्य प्रेस, मथुरा, उत्तर प्रदेश
- न्यू नेशनल ऑफसेट, पटना, बिहार
- न्यू रतन प्रिया, पटना, बिहार
- निर्मल ट्रेडर्स, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश

- नॉर्थ बिहार पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड, पटना, बिहार
- ओ.एस.डी. प्रेस, रोहतक, हरियाणा
- सीमा शुल्क उपायुक्त कार्यालय, सूरत, अहमदाबाद
- मुद्रण निदेशक कार्यालय, बेंगलुरु, कर्नाटक
- ओमश्री पेपरटेक प्राइवेट लिमिटेड, हैदराबाद, तेलंगाना
- ओपीजी बायोसॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड, सोनीपत, हरियाणा
- ओरिएंट बोर्ड एंड पेपर मिल्स प्राइवेट लिमिटेड, मुजफ्फरनगर, उत्तर प्रदेश
- ओरिएंट पेपर मिल्स, शहडोल, मध्य प्रदेश
- ओरियन पेपर टेक. ठाणे, भिवंडी रोड, महाराष्ट्र
- ओरिजा फाइबर्स प्राइवेट लिमिटेड, अहमदाबाद, गुजरात
- ऑयस्टर प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, मथुरा, उत्तर प्रदेश
- पैडकेयर लैब्स प्राइवेट लिमिटेड, पुणे, महाराष्ट्र
- पक्का इम्पैक्ट लिमिटेड, बेंगलुरु, कर्नाटक
- पक्का लिमिटेड, बेंगलुरु, कर्नाटक
- पंचायती राज ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट (पीआरआईटी), लखनऊ, उत्तर प्रदेश
- पसवारा पेपर्स लिमिटेड, बागपत रोड, मेरठ, उत्तर प्रदेश
- पाठ्य पुस्तक अधिकारी, लखनऊ, उत्तर प्रदेश
- पाई हेम्प प्राइवेट लिमिटेड, सोलन, हिमाचल प्रदेश
- पायनियर प्रिंटर्स, आगरा, उत्तर प्रदेश
- पीतांबरा बुक्स प्राइवेट लिमिटेड, झाँसी, उत्तर प्रदेश
- पूजा ट्रेडर्स, इटावा, उत्तर प्रदेश
- प्रारंभिक शिक्षा एवं सर्व शिक्षा अभियान, भोजपुर, बिहार
- प्रसार शिक्षा एवं प्रशिक्षण ब्यूरो, लखनऊ, उत्तर प्रदेश
- प्रतिभा प्रतिष्ठान, नई दिल्ली
- प्रिंट प्लस प्राइवेट लिमिटेड, ठाणे, महाराष्ट्र
- प्रिंटेक्स इंडिया, इलाहाबाद, उत्तर प्रदेश
- मुद्रण एवं स्टेशनरी विभाग, पंचकुला, हरियाणा
- प्रो. राजेंद्र सिंह (रज्जू भैया) विश्वविद्यालय, इलाहाबाद, उत्तर प्रदेश
- पल्प एंड फाइबर इनोवेशन सेंटर, रायगढ़, महाराष्ट्र
- पंजाब नेशनल बैंक, नोएडा, उत्तर प्रदेश
- पंजाब स्कूल शिक्षा बोर्ड, मोहाली, चंडीगढ़
- पंजाब राज्य लॉटरी, चंडीगढ़
- पुष्पराज प्रिंटिंग प्रेस, मथुरा, उत्तर प्रदेश
- आर.के. ट्रेडिंग कंपनी, कासगंज, उत्तर प्रदेश
- रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय, जबलपुर, मध्य प्रदेश
- राघव पेपर कॉर्पोरेशन, चंडीगढ़

- राज प्रिंटर्स, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश
- राजस्थान शिक्षकों के लिए पात्रता परीक्षा, अजमेर, राजस्थान
- राजीव प्रकाशन, प्रयागराज, उत्तर प्रदेश
- राज्य बाल संरक्षण समिति, पटना,
- बिहार राज्य केन्द्रीय मुद्रनालय, जयपुर, राजस्थान
- राज्य परियोजना निदेशक, लखनऊ, उत्तर प्रदेश
- रामा इंटरप्राइजेज, रायबरेली, उत्तर प्रदेश
- रामा श्यामा पेपर्स प्राइवेट लिमिटेड, बरेली, उत्तर प्रदेश
- रामको इंडस्ट्रीज लिमिटेड, तमिल नाडु
- रामराजा प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स, झाँसी, उत्तर प्रदेश
- रिलायंस डेटा फॉर्म्स प्राइवेट लिमिटेड, रायपुर, छत्तीसगढ़
- ऋषभ मेटल्स एंड केमिकल्स प्राइवेट लिमिटेड, मुंबई, महाराष्ट्र
- रुचि सिक्योरिटी प्रिंटर्स प्राइवेट लिमिटेड, भोपाल, मध्य प्रदेश
- रुचिरा पेपर्स लिमिटेड, सिरमौर, हिमाचल प्रदेश
- साहिल ट्रेड लिंक्स, चंडीगढ़
- सहोता पेपर्स लिमिटेड, जसपुर, यू.एस. नगर, उत्तराखंड
- साई ग्राफिक्स, जबलपुर, मध्य प्रदेश
- सालासर इमेजिंग सिस्टम्स, नोएडा, उत्तर प्रदेश
- समेकित बाल विकास सेवाये निदेशालय (आईसीडीएस), पटना, बिहार
- संदीप पेपर मिल्स प्राइवेट लिमिटेड, नोएडा, उत्तर प्रदेश
- संजय पब्लिसिटी एंड स्टेशनर्स, कासगंज, उत्तर प्रदेश
- एसएपी प्रिंट सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड, जबलपुर, मध्य प्रदेश
- सरल केमटेक एलएलपी, मुजफ्फरनगर, उत्तर प्रदेश
- स्कूल शिक्षा एवं राज्य परियोजना निदेशक कार्यालय, पंचकुला, हरियाणा
- श्री सुरेंद्र कुमार जैन, आगरा, उत्तर प्रदेश
- शक्ति क्राफ्ट्स एंड टिश्यूज लिमिटेड, मुजफ्फरनगर, उत्तर प्रदेश
- शांति इंटरप्राइजेज, वाराणसी, उत्तर प्रदेश
- शारदा ऑफसेट प्रिंटर्स प्राइवेट लिमिटेड, रायपुर, छत्तीसगढ़
- शील प्रिंटर्स, मथुरा, उत्तर प्रदेश
- शेरी स्पेशलिटी पेपर्स प्राइवेट लिमिटेड, पालघर ईस्ट, महाराष्ट्र
- शिव एंटरप्राइजेज, अलीगढ़, उत्तर प्रदेश
- शिवम ऑफसेट, कोल्हापुर, महाराष्ट्र
- श्री भागेश्वरी पेपर्स लिमिटेड, मुजफ्फरनगर, उत्तर प्रदेश
- श्री केला जी बुक्स प्राइवेट लिमिटेड, आगरा, उत्तर प्रदेश
- श्री कृष्णा पेपर मिल्स एंड इंडस्ट्रीज लिमिटेड, नई दिल्ली
- श्री सोमनाथ ऑफसेट, भावनगर, गुजरात

- श्री वृन्दावन इंटरप्राइजेज, नोएडा, उत्तर प्रदेश
- श्री भैरव बाबा इंटरप्राइजेज, आगरा, उत्तर प्रदेश
- श्री प्रेमा इंटरप्राइजेज, नोएडा, जी.बी. नगर, उत्तर प्रदेश
- श्री राम इंटरप्राइजेज, नोएडा, उत्तर प्रदेश
- श्री स्वरूप इंटरप्राइजेज, नोएडा, जी.बी. नगर, उत्तर प्रदेश
- श्री विनायक एंटरप्राइजेज, आगरा, उत्तर प्रदेश
- श्रीराम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडस्ट्रियल रिसर्च, नई दिल्ली
- सिल्वरटन पेपर्स लिमिटेड, मुजफ्फरनगर, उत्तर प्रदेश
- सिल्वरटन पल्प एंड पेपर्स प्राइवेट लिमिटेड, मुजफ्फरनगर, उत्तर प्रदेश
- सिंघल एजेंसीज, लखनऊ, उत्तर प्रदेश
- साउथ बिहार पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड, पटना, बिहार
- सदर्न एंटरप्राइजेज, चेन्नई, तमिलनाडु
- स्पार्टन पल्प प्राइवेट लिमिटेड, अहमदाबाद, गुजरात
- स्प्रे इंजीनियरिंग डिवाइसेज लिमिटेड, मोहाली, पंजाब
- श्री लक्ष्मी तुलसी एग्रो पेपर प्राइवेट लिमिटेड, भद्राद्री कोठागुडेम, तेलंगाना
- एसएस एंटरप्राइजेज, धार, मध्य प्रदेश
- स्टार पेपर मिल्स लिमिटेड, सहारनपुर, उत्तर प्रदेश
- राज्य स्वास्थ्य सोसायटी, पटना, बिहार
- राज्य अल्ट्रा पूअर्स एवं सामाजिक कल्याण सोसायटी, पटना, बिहार
- सूचना एवं जन संपर्क विभाग, पटना, बिहार
- सूरत नगर निगम, सूरत, गुजरात
- टी.टी.डी. प्रेस, तिरुपति, आंध्र प्रदेश
- तमिलनाडु न्यूजप्रिंट एंड पेपर्स लिमिटेड, त्रिची, तमिलनाडु
- टीसीपीएल पैकेजिंग लिमिटेड, दादर और नगर हवेली
- टेक्नो प्रिंट्स, रायपुर, छत्तीसगढ़
- टेट्रा पैक इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, पुणे, महाराष्ट्र
- द आर्ट गैलरी, पटना, बिहार
- द इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया, नोएडा, उत्तर प्रदेश
- द संदेश लिमिटेड, अहमदाबाद, गुजरात
- द सिरपुर पेपर मिल्स लिमिटेड, कागज नगर आदिलाबाद, तेलंगाना
- द ट्रिब्यून ट्रस्ट, चंडीगढ़
- ट्रेडकॉम इंटरनेशनल प्राइवेट लिमिटेड, नई दिल्ली
- ट्राइडेंट लिमिटेड, लुधियाना, पंजाब
- ट्राइडेंट लिमिटेड, बरनाला, पंजाब
- यूफ्लेक्स लिमिटेड, गौतम बुद्ध नगर, उत्तर प्रदेश
- उमा पेपर एंड एलाइड इंडस्ट्रीज, लखनऊ, उत्तर प्रदेश

- यूनिलीवर इंडस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड, मुंबई, महाराष्ट्र
- यूनिक एंटरप्राइजेज, भोपाल, मध्य प्रदेश
- संयुक्त राष्ट्र औद्योगिक विकास संगठन (यूएनआईडीओ), नई दिल्ली
- कश्मीर विश्वविद्यालय, श्रीनगर, जम्मू और कश्मीर
- उपकार प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स, आगरा, उत्तर प्रदेश
- वैकमेट इंडिया लिमिटेड, मथुरा, उत्तर प्रदेश
- वैलमेट टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड, चेन्नई, तमिलनाडु
- वीर नर्मदा साउथ गुजरात यूनिवर्सिटी, सूरत, गुजरात
- विक्रम यूनिवर्सिटी, उज्जैन, मध्य प्रदेश
- विमला अमलोरपवम, पांडिचेरी
- विसाका इंडस्ट्रीज लिमिटेड, नलगोंडा, तेलंगाना
- विश्व परिवार, रायपुर, छत्तीसगढ़
- विश्वास एडवरटाइजर्स, आगरा, उत्तर प्रदेश
- विजन इन्वेस्ट टेक प्राइवेट लिमिटेड, भोपाल, मध्य प्रदेश
- वेस्ट कोस्ट पेपर मिल्स लिमिटेड, डांडेली, कर्नाटक
- व्हेल स्टेशनरी प्रोडक्ट्स लिमिटेड, देहरादून, उत्तराखंड
- वंडर इंडस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड, अहमदाबाद, गुजरात
- यश पक्का लिमिटेड, अयोध्या, उत्तर प्रदेश
- यशवंतराव चव्हाण महाराष्ट्र ओपन यूनिवर्सिटी, नासिक, महाराष्ट्र
- योगेश सॉल्यूशंस, रायपुर, छत्तीसगढ़
- योजना विकास विभाग, पटना, बिहार
- जीरोसर्कल अल्टरनेटिव प्राइवेट लिमिटेड, मुंबई, महाराष्ट्र
- जिला जन संपर्क पदाधिकारी, छज्जू बाग, पटना, बिहार
- जिला जन संपर्क पदाधिकारी, लखीसराय, बिहार
- जिला सूचना एवं जनसंपर्क कार्यालय, कैमूर, बिहार

परामर्श परियोजनाएं/सेवाएं

अपशिष्ट उपचार संयंत्र की पर्याप्तता का आकलन

- हार्ट टच पेपर्स प्राइवेट लिमिटेड, जसपुर, उधम सिंह नगर, उत्तराखंड
- आईटीसी लिमिटेड, पेपरबोर्ड्स और स्पेशलिटी पेपर्स डिवीजन, यूनिट: ट्रिबेनी, पोस्ट ऑफिस: चंद्रहाटी पश्चिम बंगाल

पल्प एवं पेपर मिल में अपशिष्ट उपचार संयंत्र

- कात्यायिनी पेपर्स लिमिटेड, काशीपुर, उत्तराखंड
- कैलाशदेवी पेपर्स लिमिटेड, काशीपुर, उत्तराखंड
- नैनी पेपर्स लिमिटेड, काशीपुर, उत्तराखंड
- नैनी टिश्यूज लिमिटेड, काशीपुर, उत्तराखंड

रंग हटाने का अध्ययन

- स्टार पेपर मिल्स लिमिटेड, सहारनपुर, उत्तर प्रदेश

ईटीपी प्रदर्शन मूल्यांकन

- केरल पेपर प्रोडक्ट्स लिमिटेड, कोट्टायम, केरल

माइक्रोबियल प्रोफाइलिंग और जल परिसंचरण प्रणाली का मूल्यांकन

- ओम श्री पेपरटेक प्राइवेट लिमिटेड, हैदराबाद, तेलंगाना

लुग्दीकरण और विरंजन सेवाएं

- अग्रवाल हार्ड बोर्ड, प्राइवेट लिमिटेड, हिसार रोड, फतेहाबाद (हरियाणा)
- एग्रो लुग्दीकरण मशीनरी प्राइवेट लिमिटेड, चेन्नई, तमिलनाडु
- खंड विकास अधिकारी, एकेश्वर, गढ़वाल, उत्तराखंड

- कुआंटम पेपर, होशियारपुर, पंजाब
- नेशनल जूट बोर्ड, भारत सरकार
- नैनी पेपर्स लिमिटेड, काशीपुर, उत्तराखंड
- पायनियर पैनल प्रोडक्ट्स, रोहतक, हरियाणा
- पाई हेम्प प्राइवेट लिमिटेड, पंचकुला, चंडीगढ़
- यश पक्का लिमिटेड, अयोध्या, उत्तर प्रदेश
- जीरो सर्कल्स अल्टरनेटिव्स, प्राइवेट लिमिटेड, महाराष्ट्र

शुन्य तरल निर्वहन व्यवहार्यता मूल्यांकन

- निकिता पेपर्स लिमिटेड, शामली, उत्तर प्रदेश
- दिशा इंडस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड, मुजफ्फरनगर, उत्तर प्रदेश
- कृष्णांचल पल्प एंड पेपर्स प्राइवेट लिमिटेड, मुजफ्फरनगर, उत्तर प्रदेश

आयोजित / भाग लिए गए बैठकें

(ए) आयोजित बैठकें

1. सीपीपीआरआई अनुसंधान सलाहकार समिति की बैठक

सीपीपीआरआई आरएसी की बैठक 22 अगस्त, 2023 को उद्योग भवन कक्ष संख्या 162 में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता अध्यक्ष श्री संजीव आईआरएस संयुक्त सचिव डीपीआईआईटी ने की। बैठक का एजेंडा डॉ एम के गुप्ता द्वारा प्रस्तुत किया गया। समिति के अध्यक्ष और सदस्यों द्वारा 5 आरएसी परियोजनाओं की प्रगति का अवलोकन किया गया। परियोजनाओं पर बहुमूल्य सुझावों को मीटिंग के कार्यवृत में दर्ज किया गया और अध्यक्ष की उचित स्वीकृति के बाद सदस्यों के बीच प्रसारित किया गया।

2. लुग्दी, कागज एवं संबद्ध उद्योग विकास परिषद (आरएससी डीसीपीपीएआई) की अनुसंधान संचालन समिति की बैठक

आरएससीडीसीपीपीएआई की बैठक 22 अगस्त-2023 को उद्योग भवन, नई दिल्ली के सम्मेलन कक्ष संख्या 162 में हाइब्रिड मोड के माध्यम से आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता डीपीआईआईटी के संयुक्त सचिव श्री संजीव ने की। सीपीपीआरआई के निदेशक डॉ. एम.के. गुप्ता ने बैठक का एजेंडा प्रस्तुत किया। समिति ने विभिन्न परियोजना प्रस्तावों पर तकनीकी उप समिति की सिफारिशों के साथ-साथ चल रही परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा की।

आरएससी डीसीपीपीएआई बैठक की झलक

3. अनुसंधान सलाहकार की तकनीकी उप समिति की बैठक

सीपीपीआरआई आरएसी तकनीकी उपसमिति की बैठक 12 जनवरी, 2024 को ऑनलाइन आयोजित की गई। आरएसी की नव अनुमोदित तकनीकी उपसमिति के सदस्य और प्रतिनिधि ऑनलाइन बैठक में शामिल हुए, जिसका समन्वय निदेशक डॉ. एम.के. गुप्ता ने किया। परियोजनाओं की प्रगति को परियोजना के प्रमुख अन्वेषकों द्वारा प्रस्तुत किया गया और सदस्यों द्वारा दिए गए सुझावों को दर्ज किया गया।

4. लुग्दी, कागज एवं संबद्ध उद्योग विकास परिषद (आरएससी एवं डीसीपीपीएआई) की तकनीकी उप समिति एवं अनुसंधान संचालन समिति की बैठक

विकास परिषद् फॉर पल्प, पेपर एंड एलाइड इंडस्ट्रीज (आरएससीएंडडीसीपीपीएआई) की पुनर्गठित तकनीकी उप समिति और अनुसंधान संचालन समिति की बैठक 1 मार्च, 2024 को वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से श्री नीहार अग्रवाल, सीओओ, बीजीपीपीएल और सीईओ बिल्ट ग्रुप, गुरुग्राम और चेयरमैन की अध्यक्षता में हुई। तकनीकी उपसमिति के अन्य सदस्य हैं डॉ. धर्म दत्त, प्रमुख आईआईटी रुड़की सहारनपुर परिसर, डॉ. विवेक कुमार, आईआईटी दिल्ली, डॉ. सी.एस. काशीकर, सीओओ, ओरिएंट पेपर एंड इंडस्ट्रीज लिमिटेड अमलाई, एमपी, डॉ. सुरेश बाबू, सहायक उपाध्यक्ष, उत्पादन, खन्ना पेपर मिल्स लिमिटेड, डॉ. ए.के नैथानी, एक्स सीनियर जीएम (आरएंडडी और क्यूसी) श्रेयांस इंडस्ट्रीज लिमिटेड, अहमदगढ़ पंजाब और सीपीपीआरआई से नितिन एंडले।

(बी) बैठकों में भाग लिया

- वेबसाइट के माध्यम से सार्वजनिक प्रसार और विभाग के एकीकृत आंतरिक डैशबोर्ड के माध्यम से आंतरिक उपयोग के लिए डेटा/संकेतकों पर बैठक 5 अप्रैल, 2023, उद्योग भवन, नई दिल्ली, - डॉ. नितिन एंडले
- स्टार्टअप ब्लू कैट के प्रतिनिधियों के साथ बैठक, बेंगलुरु, 6 अप्रैल, 2023, सीपीपीआरआई सहारनपुर - डॉ नितिन एंडले
- सीपीपीआरआई उन्नयन पर तकनीकी उपसमिति की ऑनलाइन बैठक, 13 अप्रैल, 2023- डॉ. एम.के. गुप्ता, डॉ. ए.के. दीक्षित और डॉ. नितिन एंडले
- सीपीपीआरआई उन्नयन पर तकनीकी उपसमिति की ऑनलाइन बैठक, 1 मई, 2023- डॉ. एम.के. गुप्ता, डॉ. ए.के. दीक्षित और डॉ. नितिन एंडले
- 15 मई 2023 को प्रोफेसर विवेक कुमार, विभागाध्यक्ष से मिलने के लिए सीआरडीटी, आईआईटी दिल्ली का दौरा किया, जिसमें सुश्री अनुराधा वी. जनबादे और डॉ. नितिन कुमार ने 'पेपर मिल अपशिष्ट से रंग हटाने' पर एक संयुक्त परियोजना पर चर्चा की
- डीसीपीपीएआई एजेंडा पर चर्चा करने के लिए संयुक्त सचिव, निदेशक और अवर सचिव, डीपीआईआईटी, उद्योग भवन के साथ बैठक, 30 मई, 2023 - डॉ एम.के. गुप्ता और डॉ नितिन एंडले
- डीसीपीपीएआई बैठक, 30 मई, 2023 से संबंधित एजेंडा बिंदुओं पर चर्चा करने के लिए आईपीएमए और आईएनएमए के महासचिव के साथ बैठक और डॉ एम.के. गुप्ता और डॉ नितिन एंडले
- सीपीआरआरआई से संबंधित मुद्दों पर चर्चा करने के लिए डीपीआईआईटी, उद्योग भवन के निदेशक और अवर सचिव के साथ बैठक, 1 जून, 2023 - डॉ एम.के. गुप्ता और डॉ नितिन एंडले
- सीएचडी 13 औद्योगिक उद्देश्यों के लिए जल गुणवत्ता की ऑनलाइन बैठक, 22 जून, 2023- डॉ. नितिन एंडले
- ई-ऑफिस कार्यान्वयन से संबंधित मुद्दों पर चर्चा करने के लिए एनआईसी निदेशक, डीपीआईआईटी, उद्योग भवन के साथ बैठक, 1 और 2 जून, 2023 - डॉ. नितिन एंडले
- ई-ऑफिस कार्यान्वयन से संबंधित मुद्दों की समीक्षा और चर्चा करने के लिए एनआईसी, नई दिल्ली के निदेशक श्री पी.के. राजपूत के साथ बैठक, 14 जून, 2024 - डॉ. नितिन एंडले और श्री एन.के. नाइक

- एमएसएमई चैंपियंस योजना के अंतर्गत एक घटक "एमएसएमई इनोवेटिव स्कीम" की चौथी परियोजना निगरानी एवं सलाहकार समिति (पीएमएसी) की बैठक एएस-डीसी (एमएसएमई), सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय, भारत सरकार की अध्यक्षता में डीसी (एमएसएमई) निर्माण भवन, नई दिल्ली में 26 जून, 2023 को आयोजित की गई - श्री कुमार अनुपम
- गंगा एवं यमुना नदी बेसिन के मुख्य धारा वाले राज्यों में अत्यधिक प्रदूषणकारी उद्योगों की निगरानी पर ऑनलाइन बैठक, 11 जुलाई, 2023 - डॉ. नितिन एंडले
- ई-कार्यालय कार्यान्वयन पर ऑनलाइन बैठक, डीपीआईआईटी द्वारा आयोजित, 14 जुलाई, 2023- डॉ. नितिन एंडले और श्री एन.के. नाइक
- गंगा और यमुना नदी बेसिन के मुख्य तने वाले राज्यों में अत्यधिक प्रदूषणकारी उद्योगों की निगरानी पर ऑनलाइन बैठक, 21 जुलाई, 2023- डॉ. नितिन एंडले
- बांस आधारित पल्प मिल की स्थापना की पूर्व व्यवहार्यता पर टीडब्ल्यूआई समूह के साथ ऑनलाइन बैठक, 25 जुलाई 2023- डॉ. एम.के. गुप्ता, डॉ. नितिन एंडले और मो. सालिम
- वन अनुसंधान संस्थान (मान्य विश्वविद्यालय), देहरादून के एम.एससी. पर्यावरण प्रबंधन कार्यक्रम के अध्ययन बोर्ड की बैठक, 31 जुलाई, 2023- डॉ. नितिन एंडले
- मुजफ्फरनगर में आईपीपीटीए कार्यकारी समिति की बैठक, 29 जुलाई, 2023 - डॉ. नितिन एंडले
- "पेपर मिल अपशिष्ट से रंग हटाने" पर एक संयुक्त परियोजना पर चर्चा करने के लिए 16 अगस्त, 2023 को आईआईटी दिल्ली के सीआरडीटी के प्रोफेसर विवेक कुमार के साथ बैठक - सुश्री अनुराधा वी. जनबादे और डॉ. नितिन कुमार
- चार्टर 3.0 के प्रारूपण के लिए सीपीसीबी, आईआईटी रुड़की और सीपीपीआरआई की संयुक्त बैठक, 25 अगस्त, 2023-, डॉ. नितिन एंडले
- ई-ऑफिस कार्यान्वयन पर ऑनलाइन बैठक, डीपीआईआईटी द्वारा आयोजित, 29 सितंबर, 2023- डॉ नितिन एंडले और श्री एन.के. नाइक
- पैकेजिंग ग्रेड के कागज और पेपर बोर्ड तथा मोल्डेड टेबलवेयर उत्पादों के लिए चावल के भूसे के पल्प के उत्पादन के लिए चावल के भूसे के उपयोग पर 29 नवंबर, 2023 को NEERI नई दिल्ली में विचार-विमर्श बैठक - डॉ. एम.के. गुप्ता, डॉ. नितिन एंडले और मो. सालिम

- आईपीपीटीए कार्यकारी समिति की बैठक, एक्सपो सेंटर, ग्रेटर नोएडा, 8 दिसंबर, 2023 - डॉ. नितिन एंडले
- सीपीसीबी द्वारा आयोजित चार्टर 3.0 के लिए दिशा-निर्देश तैयार करने पर बैठक, 25.1.2024, आईआईटी दिल्ली, नई दिल्ली- डॉ. नितिन एंडले
- सीपीसीबी द्वारा आयोजित चार्टर 3.0 पर हितधारकों के साथ पेपर उद्योग की बैठक, 27 जनवरी, 2024 - मुजफ्फरनगर- डॉ. नितिन एंडले
- औद्योगिक उद्देश्यों के लिए जल गुणवत्ता अनुभागीय समिति की 31वीं बैठक, सीएचडी 13, 24 जनवरी, 2024- डॉ. नितिन एंडले
- कोलकाता में आईपीपीटीए कार्यकारी समिति की 59वीं वार्षिक आम बैठक, 22 फरवरी, 2024- डॉ. नितिन एंडले
- मार्च और जुलाई 2024 के बीच सीपीसीबी द्वारा गंगा और यमुना नदी बेसिन के मुख्य धारा वाले राज्यों में अत्यधिक प्रदूषणकारी उद्योगों की निगरानी पर लगभग 33 साप्ताहिक ऑनलाइन बैठक आयोजित की गई- डॉ. नितिन एंडले और मो. सालिम
- आरएसी और पीबीएस परियोजनाओं की समन्वयक डॉ. प्रीति एस. लाल ने 22 अगस्त, 2023 को उद्योग भवन में आयोजित आरएसी बैठक की व्यवस्था और समन्वय किया। एजेंडा तैयार कर निदेशक को सौंपा गया। डॉ. अशोक, वैज्ञानिक जी एफआरआई और परियोजना के पीआई (एफआरआई) और डॉ. प्रीति एस. लाल, परियोजना के पीआई (सीपीपीआरआई) ने संयुक्त रूप से सेंटर ऑफ एक्सीलेंस प्लांटेशन प्रोजेक्ट पर आरएसी परियोजना के निष्कर्ष प्रस्तुत किए।
- 28 अप्रैल, 2023 और 03 नवंबर, 2023 को ऑनलाइन माध्यम से मुक्तसर में सेतिया पेपर मिल्स लिमिटेड के साथ और 10 फरवरी, 2024 को साइट पर बैठकें - डॉ. प्रीति एस. लाल
- पीबीएस परियोजना "सेंटर ऑफ एक्सीलेंस" के अंतर्गत डॉ. अशोक कुमार, एफआरआई, देहरादून के साथ बैठकें दिनांक 8-5-2023 को - डॉ. प्रीति एस. लाल और डॉ. अरविंद शर्मा
- राष्ट्रीय जूट बोर्ड, कोलकाता की ईएमसी (10, 11, 12, 13, 14) बैठके ऑनलाइन माध्यम से क्रमशः 9 मई, 2023; 21 जुलाई, 2023; 17 अक्टूबर, 2023; 27 अक्टूबर, 2023; 19 जनवरी, 2024; 19 फरवरी, 2024 को - डॉ. प्रीति एस. लाल और डॉ. अरविंद शर्मा

आयोजित कार्यशाला/प्रशिक्षण कार्यक्रम

कार्यशाला का आयोजन

वर्ष 2023-2024 में आयोजित कार्यशाला/प्रशिक्षण कार्यक्रम निम्नलिखित है:

आरएससी-डीसीपीपीएआई समर्थित अनुसंधान एवं विकास परियोजनाओं के प्रसार सह प्रदर्शन कार्यशाला का आयोजन, स्कोप कॉम्प्लेक्स, नई दिल्ली।

लुग्दी और कागज मिलों और अन्य हितधारकों के लाभ के लिए विभिन्न आरएससी-डीसीपीपीएआई समर्थित अनुसंधान एवं विकास परियोजनाओं के परिणामों और सिफारिशों से संबंधित जानकारी का प्रसार करने के लिए पूर्ण और चल रहे आरएससी-डीसीपीपीएआई समर्थित अनुसंधान एवं विकास परियोजनाओं का एक दिवसीय प्रसार सह प्रदर्शन कार्यशाला स्कोप कॉम्प्लेक्स, नई दिल्ली, 28 अप्रैल, 2023 को आयोजित किया गया।

आरएससी-डीसीपीपीएआई की चल रही एवं पूर्ण हो चुकी परियोजनाओं के परिणाम एवं सिफारिशें संबंधित प्रधान अन्वेषकों एवं परियोजना भागीदारों द्वारा प्रस्तुत की गईं।

एफआरआई देहरादून में भारतीय पल्प, पेपर और पैनल उद्योग के लिए गुणवत्तापूर्ण कच्चे माल की स्क्रीनिंग और उत्पादन पर इंटरैक्टिव कार्यशाला

पीबीएस परियोजना के अंतर्गत "भारतीय लुग्दी और कागज उद्योग गतिविधियों के लिए चयनित वृक्ष प्रजातियों के गुणवत्ता रोपण स्टॉक के गुणन के लिए उत्कृष्टता केंद्र" द्वारा संयुक्त रूप से 'भारतीय लुग्दी, कागज और पैनल उद्योग के लिए गुणवत्ता वाले कच्चे माल की स्क्रीनिंग और उत्पादन पर एक इंटरैक्टिव कार्यशाला' का आयोजन किया गया । केंद्रीय लुग्दी और कागज अनुसंधान संस्थान (उद्योग और आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग, वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय, भारत सरकार) सहारनपुर, उत्तर प्रदेश और आईसीएफआरई-वन अनुसंधान संस्थान (भारतीय वानिकी अनुसंधान और शिक्षा परिषद (एक स्वायत्त निकाय) पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार) देहरादून, उत्तराखंड 20 अक्टूबर, 2023 को आईसीएफआरई- वन अनुसंधान संस्थान, देहरादून के बोर्ड रूम में कार्यशाला की मुख्य अतिथि डॉ. रेनू सिंह, निदेशक आईसीएफआरई- वन अनुसंधान संस्थान थीं कार्यशाला में कच्चे माल के विशेषज्ञ डॉ. एच. डी. कुलकर्णी ने की नोट संबोधन प्रस्तुत किया ।

आरएससी डीसीपीपीएआई कार्यक्रम के अंतर्गत प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया

प्रशिक्षण कार्यक्रम का विवरण इस प्रकार है:

विकसित देशों में सतत शिक्षा एक दिनचर्या है क्योंकि शॉप फ्लोर पर नई चुनौतियों से निपटने के लिए व्यक्तिगत कौशल सुधार में महत्वपूर्ण योगदान देती है । सीपीपीआरआई भारतीय लुग्दी और पेपर मिल कर्मियों की सतत शिक्षा के लिए उद्योग को यह सेवा प्रदान कर रहा है। इस परियोजना का मुख्य उद्देश्य लुग्दी और कागज बनाने के विभिन्न क्षेत्रों में नवीनतम विकास के बारे में जानकारी प्रदान करके तकनीकी कौशल में सुधार करने के लिए शॉप फ्लोर और मध्यम स्तर की तकनीकी जनशक्ति को प्रशिक्षण प्रदान करना है। वर्ष 2023-24 के दौरान 7 (सात) ऑफ़लाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम थे इस परियोजना के अंतर्गत सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। इनमें सीपीपीआरआई के वैज्ञानिकों के अलावा फैकल्टीज जो देश के विभिन्न प्रतिष्ठित संस्थानों और उद्योगों से प्रशिक्षण कार्यक्रम में शामिल किये गए थे जैसे तमिलनाडु न्यूज़प्रिंट एंड पेपर्स लिमिटेड, करूर; भारतीय पैकेजिंग संस्थान, नई दिल्ली; शेषशायी पेपर एंड बोर्ड्स (एसपीबी) लिमिटेड, इरोड; सीएसआईआर-राष्ट्रीय पर्यावरण इंजीनियरिंग अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली; सीएसआईआर - केंद्रीय चमड़ा अनुसंधान संस्थान, चेन्नई; ग्रामीण विकास केंद्र और प्रौद्योगिकी, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान दिल्ली; पैक्स इंडिया लिमिटेड, चेन्नई; लुग्दी विभाग और पेपर टेक्नोलॉजी, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, रूड़की; केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, नई दिल्ली आदि।

आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रमों की सूची

क्रम संख्या	प्रशिक्षण कार्यक्रम का शीर्षक	स्थान	अवधि
1	कागज आधारित पैकेजिंग: एक पर्यावरण अनुकूल दृष्टिकोण	केंद्रीय लुगदी एवं कागज अनुसंधान संस्थान ,सहारनपुर	मार्च 28 2024
2	रेशेदार और गैर-रेशेदार विश्लेषण में बुनियादी बातें	केंद्रीय लुगदी एवं कागज अनुसंधान संस्थान,सहारनपुर	फरवरी 13, 2024
3	लुगदी और कागज का कागज का गुणवत्ता विश्लेषण	केंद्रीय लुगदी एवं कागज अनुसंधान संस्थान, सहारनपुर, उ.प्र.	फरवरी 14, 2024
4	लुगदी और कागज उद्योग में सतत विकास के लिए चक्रीय अर्थव्यवस्था	सीएसआईआर-राष्ट्रीय पर्यावरण इंजीनियरिंग अनुसंधान संस्थान, दिल्ली जोनल सेंटर, नई दिल्ली	जनवरी 18, 2024
5	लुगदी और कागज उद्योग में पर्यावरण प्रबंधन - आगामी मानदंड, चुनौतियाँ और रणनीतियाँ	तमिलनाडु न्यूज़प्रिंट एंड पेपर्स लिमिटेड, यूनिट-I, कगीथापुरम, करूर, तमिलनाडु	दिसम्बर 27-28,2023
6	अपशिष्ट कागज (बरामद कागज) के संग्रह के वर्तमान परिदृश्य में सुधार के लिए कागज और संभावनाएं और स्वदेशी पुनर्प्राप्त वस्तुओं के संग्रह, पृथक्करण और आपूर्ति के लिए अपनाई गई वर्तमान प्रथाओं के पहलू	भारतीय पैकेजिंग संस्थान (आईआईपी), पटपड़गंज, नई दिल्ली	अगस्त 28, 2023
7	भारतीय कागज उद्योग के लिए गुणवत्ता आश्वासन के साथ रद्दी कागज के संग्रहण/पुनःप्राप्ति के लिए एक सतत तंत्र विकसित करने के लिए भविष्यवादी दृष्टिकोण	डॉ अम्बेडकर उत्पादकता संसथान अंबत्तूर, चेन्नई	मई 26-27,2023

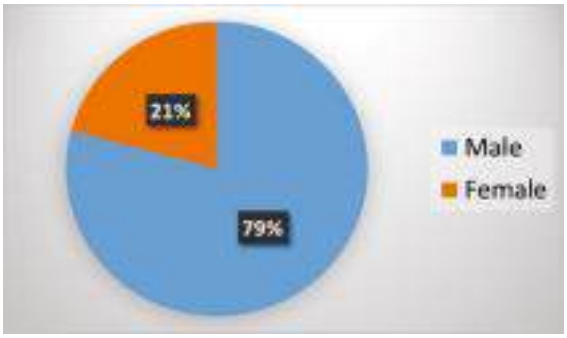

इन प्रशिक्षण कार्यक्रमों में पुरुष और महिला प्रतिभागियों के प्रतिशत को दर्शाने वाला पाई चार्ट

सीपीपीआरआई, सहारनपुर में प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रतिभागी

सीएसआईआर-एनईईआरआई, नई दिल्ली में प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रतिभागी

टीएनपीएल, करूर में प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रतिभागी

आईआईपी, पटपड़गंज में प्रशिक्षण कार्यक्रम में सीपीपीआरआई वैज्ञानिक

एआईपी, अंबत्तूर, चेन्नई में प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रतिभागी

अन्य संगठनों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किये गये

असम बायोरिफाइनरी प्राइवेट लिमिटेड, नुमालीगढ़

असम बायोरिफाइनरी प्राइवेट लिमिटेड (एबीआरपीएल), नुमालीगढ़ के तीन रसायनज्ञों के लिए 25 से 29 मार्च, 2023 के दौरान 4 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्देश्य सीपीपीआरआई में बायोरिफाइनरी आधारित परीक्षण सुविधाओं का प्रत्यक्ष अनुभव प्रदान करना और 2जी इथेनॉल सहित एबीआरपीएल के उत्पादों पर विशेषज्ञों के साथ चर्चा करना था। प्रशिक्षुओं को डाउनस्ट्रीम उत्पाद बनाने में बांस और लकड़ी के प्रसंस्करण और परीक्षण में उपयोग किए जाने वाले उपकरणों के बारे में प्रारंभिक ज्ञान दिया गया। प्रशिक्षुओं को आईएसओ 17025:2017 और अन्य एनएबीएल मान्यता दिशानिर्देशों के सभी खंडों से भी परिचित कराया गया।

केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, नई दिल्ली

सीपीपीआरआई ने केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) द्वारा प्रायोजित 5-7 मार्च, 2024 के दौरान "पल्प एंड पेपर इंडस्ट्रीज की संपूर्ण विनिर्माण प्रक्रिया और इसके प्रवाह उपचार प्रबंधन के लिए सर्वोत्तम उपलब्ध प्रौद्योगिकियों" पर 3 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, नई दिल्ली से कुल बीस प्रतिभागी (17 पुरुष और 03 महिला); इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (गुजरात, कर्नाटक, ओडिशा, पंजाब, उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल), सीपीसीबी क्षेत्रीय निदेशालय (चंडीगढ़, शिलांग), संबद्ध उद्योग (जेएमसी पेपर टेक प्राइवेट लिमिटेड) और सीपीपीआरआई ने भाग लिया।

निदेशक सीपीपीआरआई और संकाय सदस्य प्रतिभागियों के साथ बातचीत करते हुए सीपीसीबी प्रशिक्षण कार्यक्रम में

ट्राईडेंट पेपर्स मिल द्वारा पेपर मिल कर्मचारियों के लिए टोटल क्वालिटी मैनेजमेंट(TQM) पर प्रशिक्षण कार्यक्रम

सीपीपीआरआई द्वारा ट्राईडेंट पेपर मिल कर्मचारियों के लिए टोटल क्वालिटी मैनेजमेंट(TQM) पर 4 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन मिल साईट पर किया गया.इस कार्यक्रम का उद्देश्य मिल कर्मचारियों को TQM से सम्बंधित जानकारी और उसके महत्त्व के बारे में जानकारी देना था.

पक्का कौशल, अयोध्या

पक्का स्किल्स, अयोध्या (पक्का लिमिटेड, अयोध्या की एक इकाई) के एक सौ आईटीआई छात्रों के एक समूह को 1 अप्रैल से 6 मई, 2023 के दौरान सीपीपीआरआई में "लुग्दी और कागज बनाने की बुनियादी बातों" पर प्रशिक्षण प्रदान किया गया था। ये छात्र फिटर, इलेक्ट्रीशियन, बॉयलर ऑपरेशन, इंस्ट्रुमेंटेशन, फाइबर मोल्डेड उत्पाद संचालन, पल्प और पेपर संचालन क्षेत्रो से सम्बद्ध थे । छात्रों को कच्चे माल, भौतिक रसायन विज्ञान, लुग्दीकरण, विरंजन, स्टॉक तैयारी, रसायन पुनःप्राप्ति, बायोरिफाइनरी, पेपर परीक्षण, इंजीनियरिंग और रखरखाव और पायलट प्लांट के क्षेत्र में प्रशिक्षण प्रदान किया गया।

पक्का कौशल छात्रों के साथ डॉ. कवलजीत सिंह, वैज्ञानिक-एफ
डॉ. ए.के. दीक्षित, वैज्ञानिक-एफ और श्री पंकज कुमार गोले, टीओ-बी

अकादमिक प्रशिक्षण कार्यक्रम

सीपीपीआरआई भारतीय लुग्दी और कागज उद्योग में अकुशल कार्यबल की कमी को दूर करने की दिशा में काम कर रहा है। विभिन्न विश्वविद्यालयों में छात्रों के लिए शैक्षणिक प्रशिक्षण कार्यक्रमों का संचालन इस लक्ष्य की ओर एक कदम है। इस वर्ष देश भर के विभिन्न विश्वविद्यालयों के कुल 21 छात्रों ने सीपीपीआरआई के विभिन्न विभागों में अपना प्रशिक्षण पूरा किया। ये छात्र गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय, हरिद्वार; एसआरएम विज्ञान और प्रौद्योगिकी संस्थान विश्वविद्यालय, चेन्नई; शोभित विश्वविद्यालय, गंगोह; बनस्थली विद्यापीठ, टोंक; चंडीगढ़ समूह कॉलेज, लांधरा, चंडीगढ़ विश्वविद्यालय, पंजाब और डॉ. अंबेडकर प्रौद्योगिकी संस्थान, कानपुर से

आए थे।। इन छात्रों को जैव प्रौद्योगिकी, रसायन पुनःप्राप्ति, बायोरिफाइनरी और पर्यावरण प्रबंधन से संबंधित लुग्दी और कागज क्षेत्र जैसे विभिन्न क्षेत्रों में प्रशिक्षित किया गया था। इनमें से 81% छात्रों ने जैव प्रौद्योगिकी प्रभाग में, 14% ने रसायन पुनःप्राप्ति और बायोरिफाइनरी प्रभाग में और 5% ने सीपीपीआरआई के पर्यावरण प्रबंधन प्रभाग में अपना प्रशिक्षण पूरा किया। ये छात्र बीएससी, एमएससी और बीटेक पाठ्यक्रमों के थे। इनमें से 71% छात्रों ने जैव प्रौद्योगिकी, 10% ने माइक्रोबायोलॉजी, 9% ने केमिकल इंजीनियरिंग, 5% ने रसायन विज्ञान और 5% ने पर्यावरण विज्ञान का अध्ययन किया। सीपीपीआरआई में शैक्षणिक प्रशिक्षण कार्यक्रमों का पाठ्यक्रमवार, स्ट्रीमवार, प्रभागवार और संस्थानवार विश्लेषण निम्नलिखित आंकड़ों में दिखाया गया है।

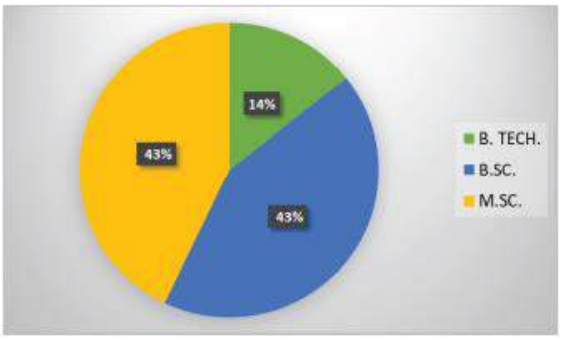

Course wise trainees at CPPRI

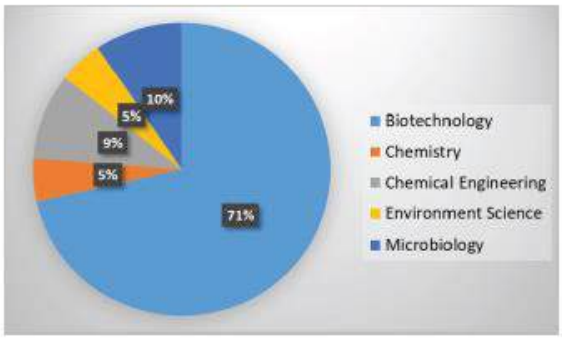

Stream wise trainees at CPPRI

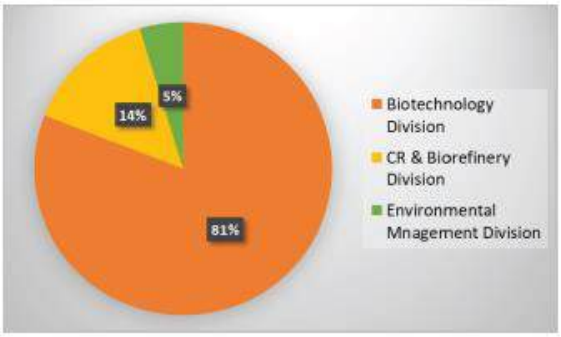

Division wise trainees at CPPRI

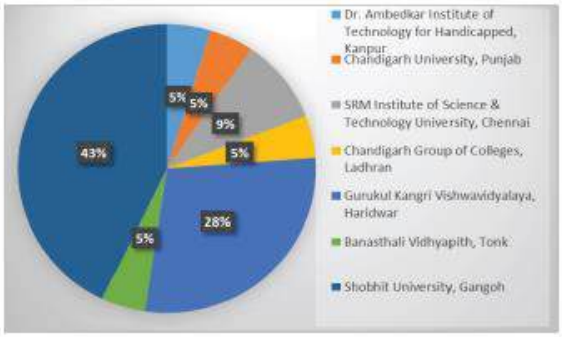

Institute wise trainees at CPPRI

जवाहर नवोदय विद्यालय, सहारनपुर के छात्रों को प्रशिक्षण

जवाहर नवोदय विद्यालय, सहारनपुर के विद्यार्थियों ने 7 नवंबर, 2023 को विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार द्वारा प्रायोजित "विज्ञान ज्योति कार्यक्रम" के अंतर्गत सी.पी.पी.आर.आई., सहारनपुर का भ्रमण किया। विद्यार्थियों को सी.पी.पी.आर.आई. की विभिन्न प्रयोगशालाओं का भ्रमण कराया गया तथा उन्हें लुग्दी एवं कागज उत्पादन से संबंधित प्रक्रियाओं से अवगत कराया गया। विद्यार्थियों को स्वच्छ भारत मिशन 3.0 के बारे में भी जागरूक किया गया।

सेमिनार, कार्यशाला और प्रशिक्षण कार्यक्रमों में भागीदारी

सीपीपीआरआई के वैज्ञानिकों ने लुग्दी और कागज प्रौद्योगिकी के विभिन्न पहलुओं पर नवीनतम विकास के बारे में ज्ञान को अद्यतन करने के लिए 2023-24 की अवधि के दौरान निम्नलिखित वेबिनार, सम्मेलन, प्रशिक्षण कार्यक्रम और कार्यशालाओं में भाग लिया।

- 19 अप्रैल, 2023 को देहरादून, उत्तराखंड में सीएसआईआर- भारतीय पेट्रोलियम संस्थान द्वारा "वन वीक -वन लैब" कार्यक्रम आयोजित किया गया - डॉ. ए.के. दीक्षित
- 28 अप्रैल, 2023 को स्कोप कॉम्प्लेक्स नई दिल्ली में आरएससी डीसीपीपीएआई की चल रही और पूर्ण परियोजनाओं का प्रसार सह प्रदर्शन कार्यशाला- डॉ एम.के. गुप्ता, डॉ. ए.के. दीक्षित, डॉ. प्रीति एस. लाल, सुश्री अनुराधा वी जनबादे, डॉ. संजय त्यागी, डॉ. नितिन एंडले, श्री एस.डी. नेगी, डॉ. ए.के.शर्मा, सालीम, श्री पंकज गोले, डॉ. शुभांग भारद्वाज और डॉ. नितिन कुमार

- शोभित इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, मेरठ द्वारा 23-25 मई, 2023 के दौरान आयोजित "विज्ञान और प्रौद्योगिकी में नवीन अनुसंधान पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन"- सुश्री श्रुतिकोना दास
- 25 मई, 2023 को एनालिटिक जेना द्वारा आयोजित "अपने एएएस से अधिकतम लाभ प्राप्त करना: सर्वोत्तम अभ्यास और रणनीतियाँ"- डॉ. जितेंद्र धीमान
- भारतीय कागज उद्योग के लिए गुणवत्ता आश्वासन के साथ अपशिष्ट कागज के संग्रह/पुनःप्राप्ति के लिए एक स्थायी तंत्र विकसित करने के लिए भविष्यवादी दृष्टिकोण, डॉ. अंबेडकर इंस्टीट्यूट ऑफ प्रोडक्टिविटी, अंबात्तूर, चेन्नई, 26-27 मई, 2023- डॉ. एम.के. गुप्ता, डॉ. ए.के. दीक्षित, डॉ. प्रीति एस. लाल, सालीम व श्री पंकज कुमार गोले ।
- सीएसआईआर-सेंट्रल फूड टेक्नोलॉजिकल रिसर्च इंस्टीट्यूट, मैसूर में 3-4 अगस्त, 2023 को आयोजित आईपीपीटीए जोनल सेमिनार सह कार्यशाला 2023 "खाद्य पैकेजिंग पर जोर के साथ कागज द्वारा एकल उपयोग प्लास्टिक की जगह लेना" - डॉ. एम.के. गुप्ता, डॉ. अरविंद शर्मा, डॉ. शुभांग भारद्वाज, डॉ. नितिन कुमार, सुश्री गुंजन धीमान

सुश्री गुंजन धीमान आईपीपीटीए जोनल सेमिनार में योग्यता प्रमाण पत्र प्राप्त करते हुए

- स्वदेशी पुनःप्राप्त कागज के संग्रह, पृथक्करण और आपूर्ति के लिए अपनाई गई वर्तमान प्रथाओं के पहलुओं और अपशिष्ट कागज (पुनःप्राप्त कागज) के संग्रह के वर्तमान परिदृश्य में सुधार की संभावनाओं पर एक दिवसीय आरएससी-डीसीपीपीएआई प्रशिक्षण कार्यक्रम, भारतीय पैकेजिंग संस्थान (आईआईपी), पटपड़गंज, दिल्ली, 28 अगस्त, 2023 -डॉ एम.के. गुप्ता, डॉ. ए.के. दीक्षित, डॉ. प्रीति एस. लाल, डॉ. संजय त्यागी, श्री आलोक गोयल, डॉ. नितिन एंडले, सालीम। श्री कुमार अनुपम, डॉ. शुभांग भारद्वाज, श्री अमिताभ त्रिपाठी और अभिषेक त्यागी
- तीसरा अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन, श्री छत्रपतिशिवाजी स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स, पुणे, 14 सितंबर, 2023 - डॉ. एम.के.गुप्ता, डॉ. नितिन एंडले और श्री कुमार अनुपम
- 17वां पेपर उद्योग को विश्व स्तरीय बनाने पर पेपरटेक सम्मेलन 2023, 13-14 सितंबर, 2023, एचआईसीसी हैदराबाद - डॉ. एम.के. गुप्ता और डॉ. नितिन एंडले

डॉ. नितिन एंडले 17th पेपर टेक, हैदराबाद में व्याख्यान देते हुए

- मेसर्स एंटन पार इंडिया लिमिटेड से "रियोलॉजी (रोटेशनल और ऑसिलेशन) की मूल बातें, इंस्ट्रूमेंट हैंडलिंग और ऑपरेशन" 25 सितंबर, 2023 को-सुश्री श्रुतिकोना दास।

- केमिकल इंजीनियरिंग विभाग, डॉ. बी.आर. अंबेडकर राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, जालंधर, पंजाब द्वारा 13-14 अक्टूबर, 2023 को आयोजित "जैव ईंधन और जैव सामग्री में हाल की प्रगति पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन" सुश्री श्रुतिकोना दास।
- सीपीपीआरआई में 18-20 अक्टूबर, 2023 को उच्च दाब आयन क्रोमैटोग्राफी (एचपीआईसी) का 03 दिवसीय प्रशिक्षण-डॉ. जितेंद्र धीमान।
- सीपीपीआरआई और एफआरआई देहरादून द्वारा संयुक्त रूप से 21 अक्टूबर, 2023 को एफआरआई देहरादून में आयोजित "भारतीय लुग्दी, कागज और पैनल उद्योग के लिए गुणवत्ता वाले कच्चे माल की स्क्रीनिंग और उत्पादन" पर कार्यशाला - डॉ. एम. के. गुप्ता, डॉ. ए. के. दीक्षित, डॉ. प्रीति एस. लाल, डॉ. अरविंद कुमार शर्मा, श्री कुमार अनुपम, सुश्री गुंजन और श्री दीपक शर्मा
- भारतीय लुग्दी और कागज तकनीकी संघ (आईपीपीटीए) क्षेत्रीय संगोष्ठी- II "बेहतर उपज और गुणवत्ता प्राप्त करने के लिए पुनर्प्राप्त कागज का कुशल संग्रह और प्रसंस्करण" विषय पर 30-31 अक्टूबर, 2023 के दौरान मुजफ्फरनगर, उत्तर प्रदेश में आयोजित - डॉ. एम. के. गुप्ता, डॉ. ए. के. दीक्षित, डॉ. नितिन एंडले, डॉ. संजय त्यागी, श्री आलोक कुमार गोयल, श्री एस. डी. नेगी, डॉ. शुभांग भारद्वाज
- मेट्रोहम द्वारा आयोजित "ग्रीन वोल्टामेट्री- भारी धातुओं के पारा-मुक्त विश्लेषण के लिए सेंसर की एक नई पीढ़ी" पर वेबिनार, 02 नवंबर, 2023- डॉ. जितेन्द्र धीमान।
- 30 नवंबर, 2023 को केएलजी पब्लिक स्कूल, शारदा नगर में आयोजित एक अंतर-विद्यालय कार्यक्रम VIBGYOR 2023 में "भविष्य के गैजेट्स" विषय पर "मॉडल मेनिया" प्रतियोगिता - श्री कुमार अनुपम, जूरी सदस्य के रूप में
- 20-22 नवंबर, 2023 के दौरान लीबनिज़ इंस्टीट्यूट ऑफ पॉलिमर रिसर्च (आईपीएफ) ड्रेसडेन, जर्मनी और पॉलिमर और प्रोसेस इंजीनियरिंग विभाग, आईआईटी रुड़की, सहारनपुर परिसर, उत्तर प्रदेश द्वारा आयोजित भारत-जर्मन संयुक्त संगोष्ठी-एमएससी (सीपीटी) और पीएचडी छात्र।

एमएससी (सीपीटी) और इंडो-जर्मन संयुक्त संगोष्ठी में पीएचडी छात्र

- 16वां सीपीएचआई और पीएमईसी इंडिया 28 से 30 नवंबर, 2023 के दौरान इंडिया एक्सपो सेंटर, ग्रेटर नोएडा, दिल्ली एनसीआर में आयोजित किया गया - डॉ. ए. के. दीक्षित और श्री कुमार अनुपम सीपीपीआरआई के वैज्ञानिक और छात्र पेपरेक्स 2023 में

- 16वां लुग्दी, कागज और संबद्ध उद्योगों पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन और प्रदर्शनी (पेपरेक्स 2023) 6 से 9 दिसंबर, 2023 के दौरान इंडिया एक्सपो सेंटर, ग्रेटर नोएडा, दिल्ली-एनसीआर में आयोजित किया गया - डॉ. एम.के. गुप्ता, डॉ. ए. के. दीक्षित, डॉ. प्रीति एस. लाल, डॉ. संजय त्यागी, डॉ. नितिन एंडले, श्री आलोक कुमार गोयल, श्री एस. डी. नेगी, सुश्री बरनाली शोम, डॉ. अरविंद कुमार शर्मा, श्री सालीम, श्री कुमार अनुपम, श्री अमिताभ त्रिपाठी, श्री अंजार जमाल, पीएचडी और एम.एससी. (सीपीटी) छात्र।

पेपरेक्स 2023 में सीपीपीआरआई के वैज्ञानिक और छात्र

- बीआईएस तकनीकी समिति के सदस्यों के लिए क्षमता निर्माण कार्यक्रम, एनआईटीएस (बीआईएस), नोएडा, 18 दिसंबर, 2023 - डॉ. नितिन एंडले

- भारतीय लुग्दी और कागज उद्योग में पर्यावरण प्रबंधन पर दो दिवसीय आरएससी-डीसीपीपीएआई प्रशिक्षण कार्यक्रम- तमिलनाडु न्यूजप्रिंट और पेपर्स लिमिटेड, यूनिट-I, करूर, तमिलनाडु में आगामी मानदंड, चुनौतियां और रणनीतियां, 27-28 दिसंबर, 2023 - डॉ. एम.के. गुप्ता, डॉ. ए.के. दीक्षित, डॉ. नितिन एंडले, सालीम और श्री पंकज गोले

सीपीपीआरआई टीम @ टीएनपीएल

- मेरा भारत - विकसित भारत @2047 नेहरू युवा केंद्र संगठन, सहारनपुर (युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार) द्वारा जिला स्तर पर भाषण प्रतियोगिता 10 जनवरी, 2024 को जेवी जैन डिग्री कॉलेज सहारनपुर में आयोजित की गई - श्री कुमार अनुपम, जूरी सदस्य

- लुग्दी और कागज उद्योग के सतत विकास के लिए सर्कुलर इकोनॉमी सीएसआईआर-राष्ट्रीय पर्यावरण इंजीनियरिंग अनुसंधान संस्थान, दिल्ली जोनल सेंटर, नई दिल्ली 18 जनवरी, 2024-डॉ एम.के. गुप्ता, डॉ. ए.के. दीक्षित, डॉ. प्रीति एस. लाल, डॉ. संजय त्यागी, डॉ. नितिन एंडले, श्री कुमार अनुपम और श्री पंकज कुमार गोले

- 28 फरवरी 2024 को स्टार पेपर मिल्स सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज, सहारनपुर में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस 2024 के अवसर पर विज्ञान प्रदर्शनी - श्री कुमार अनुपम, जूरी सदस्य

- सतत पर्यावरण निगरानी प्रणालियों पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, 20 -21 फरवरी, 2024, नई दिल्ली - डॉ. नितिन एंडले, श्री सालीम और श्री अमिताभ त्रिपाठी

- स्टार्टअप महाकुंभ (भारत इनोवेट्स) का आयोजन एसोचैम, नैसकॉम, बूटस्ट्रैप इनक्यूबेशन एंड एडवाइजरी फाउंडेशन, टीआईई और इंडियन वेंचर एंड अल्टरनेट कैपिटल एसोसिएशन (आईवीसीए) द्वारा सामूहिक रूप से 18-20 मार्च, 2024 के दौरान भारत मंडपम, नई दिल्ली में किया गया - डॉ. ए.के. दीक्षित

- 18 मार्च, 2024 को सीपीपीआरआई में एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम "पेपर आधारित पैकेजिंग: एक पर्यावरण-अनुकूल दृष्टिकोण" आयोजित किया गया-डॉ. जितेंद्र धीमान

- इंडियन पल्प एंड पेपर टेक्निकल एसोसिएशन (आईपीपीटीए) पल्प एंड पेपर इंडस्ट्री में ऊर्जा और पर्यावरण के भविष्य को बढ़ावा देने पर जोनल सेमिनार, कोलकाता, 23-24 फरवरी, 2024, कोलकाता - डॉ. एम.के. गुप्ता, डॉ. ए.के. दीक्षित, डॉ. नितिन एंडले, श्री कुमार अनुपम, डॉ. नितिन कुमार और सुश्री श्रुतिकोना दास

सीपीपीआरआई वैज्ञानिक @सीईएम इंडिया

सीपीपीआरआई के वैज्ञानिक और पीएचडी छात्र आईपीपीटीए कोलकाता में एजीएम एवं सेमिनार में

- 11 वस्त्र निर्यात संवर्धन परिषदों के संघ द्वारा आयोजित और वस्त्र मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा समर्थित भारत टेक्स 2024 (ग्लोबल टेक्सटाइल एक्सपो) 26 फरवरी, 2024 को भारत मंडपम, नई दिल्ली में आयोजित किया गया - श्री कुमार अनुपम और सुश्री श्रुतिकोना दास, जेआरएफ

- 7वां- केंद्रीय लुग्दी एवं कागज अनुसंधान संस्थान सहारनपुर द्वारा 28 मार्च, 2024 को आयोजित "कागज आधारित पैकेजिंग: एक पर्यावरण हितैषी दृष्टिकोण" पर एक दिवसीय आरएससी-डीसीपीपीएआई प्रशिक्षण कार्यक्रम। डॉ. एम.के. गुप्ता, डॉ. ए.के. दीक्षित, सुश्री अनुराधा वी. जनबड़े, डॉ. संजय त्यागी, डॉ. नितिन एंडले, श्री आलोक कुमार गोयल, श्री एस.डी. नेगी, डॉ. अरविंद कुमार शर्मा, सालीम, श्री कुमार अनुपम, डॉ. नितिन कुमार, डॉ. शुभांग भारद्वाज और डॉ. जितेंद्र धीमान।

प्रस्तुत किए गए शोध पत्र और दिए गए व्याख्यान

कार्यशालाओं और सेमिनारों में प्रस्तुत शोधपत्र

- डॉ. प्रीति एस. लाल ने 28 अप्रैल, 2023 को स्कोप कॉम्प्लेक्स नई दिल्ली में आरएससी डीसीपीपीएआई प्रसार कार्यशाला में ओजोन विरंजन तकनीक के प्रदर्शन के आरएससी प्रोजेक्ट के निष्कर्षों को प्रस्तुत किया।
- सुश्री श्रुतिकोना दास ने 23-25 मई, 2023 के दौरान शोभित इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, मेरठ द्वारा आयोजित विज्ञान और प्रौद्योगिकी में अभिनव अनुसंधान पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "लुग्दी और कागज मिल काले द्राव से सामाजिक अनुप्रयोगों के लिए सामग्री तैयार करना" शीर्षक से एक शोध पत्र प्रस्तुत किया।
- सुश्री गुंजन धीमान ने 3-4 अगस्त, 2023 के दौरान मैसूर, कर्नाटक में आयोजित भारतीय लुग्दी और कागज तकनीकी संघ (आईपीपीटीए) क्षेत्रीय संगोष्ठी में "खाद्य पैकेजिंग के लिए एक समाधान के रूप में बांस" शीर्षक से एक शोध पत्र प्रस्तुत किया।
- डॉ. संजय त्यागी ने ओएएसएमई द्वारा आयोजित मेगा प्रदर्शनी "प्रोपैक ओडिशा-2023" में तकनीकी सत्र सह संगोष्ठी में "खाद्य ग्रेड पैकेजिंग में बायोपॉलिमर के अनुप्रयोग" पर एक तकनीकी पत्र प्रदर्शनी मैदान, भुवनेश्वर में 29 सितंबर, 2023 से 2 अक्टूबर, 2023 तक प्रस्तुत किया ।
- सुश्री श्रुतिकोना दास ने 13-14 अक्टूबर, 2023 के दौरान डॉ. बी.आर. अंबेडकर राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, जालंधर, पंजाब के रसायनिक इंजीनियरिंग विभाग द्वारा आयोजित जैव ईंधन और जैव सामग्री में हालिया प्रगति पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "ऊर्जा उत्पादन के लिए लुग्दी और कागज मिल काले द्राव का भौतिक रसायनिक, रियोलॉजिकल और थर्मल लक्षण वर्णन" शीर्षक से एक शोध पत्र प्रस्तुत किया।
- डॉ. प्रीति एस. लाल ने 20 अक्टूबर, 2023 को आयोजित गुणवत्तापूर्ण रोपण कच्चे माल पर इंटरैक्टिव कार्यशाला के दौरान एफआरआई में लुग्दी और कागज उद्योग में कच्चे माल की मांगों को संबोधित करने में उपलब्धियों पर कागज प्रस्तुत किया।

6-9 दिसंबर, 2023 के दौरान इंडिया एक्सपो सेंटर, ग्रेटर नोएडा, दिल्ली-एनसीआर में आयोजित 16वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन और लुग्दी, कागज और संबद्ध उद्योगों पर प्रदर्शनी (कागजएक्स 2023) में प्रस्तुत पोस्टर

- सुश्री गुंजन धीमान ने "लुग्दी और कागज बनाने वाले फाइबर के रूप में बांस की विभिन्न प्रजातियों का उपयोग" पोस्टर प्रस्तुत किया।

- श्री दीपक शर्मा, "गांजा लुग्दी और कागज बनाने वाले फाइबर के संभावित स्रोत के रूप में"
- सुश्री श्रुतिकोना दास ने "लुग्दी और कागज मिल रसायन पुनःप्राप्ति बॉयलरों में उत्पादित इलेक्ट्रोस्टैटिक प्रीसिपिटेटर (ईएसपी) राख की विशेषता और उपयोग" और "सूक्ष्मजीवों और फ्लाई-ऐश नैनोकणों का उपयोग करके दोहरे चरण पायलट स्केल लुग्दी और कागज मिल अपशिष्ट उपचार" शीर्षक से दो पोस्टर प्रस्तुत किए।

पेपरेक्स 2023 में प्रस्तुत पोस्टर की झलक

- सुश्री पारखी अग्रवाल ने "काले द्राव का दहन" शीर्षक वाला एक पोस्टर प्रस्तुत किया।
- श्री भीमा हंकारे ने "पुनर्नवीनीकरण कागज का उन्नयन और प्रबंधन" शीर्षक वाला एक पोस्टर प्रस्तुत किया।
- श्री अमित शेखावत ने "स्वदेशी कच्चे माल के लुग्दी का टीसीएफ विरंजन" शीर्षक वाला एक पोस्टर प्रस्तुत किया।

आरएससी-डीसीपीपीएआई के अंतर्गत प्रशिक्षण कार्यक्रमों में दिए गए व्याख्यान

26-27 मई, 2023 को डॉ. अंबेडकर उत्पादकता संस्थान में भारतीय कागज उद्योग के लिए गुणवत्ता आश्वासन के साथ अपशिष्ट कागज के संग्रह/पुनःप्राप्ति के लिए एक स्थायी तंत्र विकसित करने के लिए भविष्यवादी दृष्टिकोण पर चर्चा

- डॉ. ए.के. दीक्षित ने "प्रक्रिया जनशक्ति की उपलब्धता की स्थिति और उसे पूरा करने के प्रयास" पर व्याख्यान दिया।

- डॉ. प्रीति एस. लाल वैज्ञानिक ने "डब्ल्यूपीआरपीसी परियोजना" पर व्याख्यान दिया।
- श्री सत्य देव नेगी वैज्ञानिक ने "आरसीएफ आधारित मिलों में स्टिकीज प्रबंधन" पर व्याख्यान दिया।
- मो. सालिम ने "आरसीएफ आधारित क्राफ्ट कागज मिल्स में जल सर्किट को बंद करना-तकनीक और प्रभाव" विषय पर व्याख्यान दिया।

28 अगस्त, 2023 को भारतीय पैकेजिंग संस्थान, दिल्ली, पटपड़गंज में अपशिष्ट कागज (पुनःप्राप्ति कागज) के संग्रह, पृथक्करण और आपूर्ति के लिए अपनाई गई वर्तमान प्रथाओं के पहलुओं और वर्तमान परिदृश्य में सुधार की संभावनाओं पर चर्चा।

- डॉ. ए. के. दीक्षित ने "कच्चा माल, विनिर्माण प्रक्रिया और अनुप्रयोग" पर व्याख्यान दिया।
- डॉ. संजय त्यागी ने "उपभोक्ता-पश्चात कागज की ग्रेडिंग" पर व्याख्यान दिया।
- श्री सत्य देव नेगी ने "आरसीएफ आधारित मिलों में स्टिकी प्रबंधन" पर व्याख्यान दिया।
- मो. सालिम ने "पुनःनवीनीकृत फाइबर आधारित कागज मिलों में पर्यावरणीय मुद्दे" पर व्याख्यान दिया।

सीपीपीआरआई संकाय और आरएससी-डीसीपीपीएआई प्रशिक्षण कार्यक्रम की आयोजन टीम भारतीय पैकेजिंग संस्थान, नई दिल्ली

10-13 अक्टूबर, 2023 को लुग्दी और कागज मिल कार्मिक ट्राइडेंट कागज मिल, बरनाला के लिए कुल गुणवत्ता प्रबंधन (टीक्यूएम)

- डॉ. ए.के. दीक्षित ने "काले द्राव के गुण" पर व्याख्यान दिया
- डॉ. प्रीति एस. लाल ने "गुणवत्ता सुधार" पर प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान व्याख्यान दिया।

क) कच्चे माल अनुभाग में गुणवत्ता प्रबंधन
ख) बिना प्रक्षालित लुग्दी की गुणवत्ता से जुड़े चर
ग) विरंजन प्रौद्योगिकी के मूल सिद्धांत
घ) विरंजन प्रौद्योगिकियों में संशोधन
ई) विरंजन से संबंधित मुद्दे

- सुश्री अनुराधा वी जनबादे ने "गुणवत्ता सुधार के लिए जैव प्रौद्योगिकी" शीर्षक पर एक व्याख्यान दिया।

- श्री कुमार अनुपम ने "लुग्दी और कागज उद्योग में संपूर्ण गुणवत्ता प्रबंधन" पर व्याख्यान दिया।

लुग्दी और कागज उद्योग में पर्यावरण प्रबंधन - 27-28 दिसंबर, 2023 को तमिलनाडु न्यूज़प्रिंट एंड पेपर्स लिमिटेड में आगामी मानदंड, चुनौतियाँ और रणनीतियाँ

- डॉ. ए.के. दीक्षित ने "भारत में कागज उद्योग में संसाधन प्रबंधन - चुनौतियाँ और संभावनाएँ" विषय पर व्याख्यान दिया।

- डॉ. नितिन एंडले ने "भारतीय कागज क्षेत्र में पर्यावरणीय स्थिरता - चुनौतियों, रणनीतियों, अवसरों, नीतियों के हस्तक्षेप और वित्तीय प्रोत्साहन का अवलोकन" पर व्याख्यान दिया।

- मो. सालिम ने "आरसीएफ आधारित क्राफ्ट कागज मिल्स में शून्य तरल निर्वहन की व्यवहार्यता" पर व्याख्यान दिया।

टीएनपीएल प्रशिक्षण कार्यक्रम में डॉ. नितिन एंडले

18 जनवरी, 2024 को सीएसआईआर-राष्ट्रीय पर्यावरण इंजीनियरिंग अनुसंधान संस्थान, दिल्ली क्षेत्रीय केंद्र, नारायणा, नई दिल्ली, भारत में लुग्दी और कागज उद्योगों के सतत विकास के लिए परिपत्र अर्थव्यवस्था।

- डॉ. ए.के. दीक्षित ने "बायोरिफाइनरी दृष्टिकोण के माध्यम से भारतीय कागज उद्योग में सर्कुलर इकोनॉमी प्राप्त करना" विषय पर व्याख्यान दिया।
- डॉ. प्रीति एस. लाल ने 18 जनवरी, 2024 को सर्कुलर इकोनॉमी पर आरएससी डीसीपीपीएआई प्रशिक्षण कार्यक्रम में कागज प्रस्तुत किया और सर्कुलर इकोनॉमी की दिशा में कदमों के वर्तमान परिदृश्य में कृषि-अवशेषों और अन्य गैर-पारंपरिक कच्चे माल के मूल्यवर्धन पर कागज प्रस्तुत किया।
- डॉ. संजय त्यागी ने "ऊर्जा संरक्षण और ऊर्जा दक्षता के लिए सर्कुलर इकोनॉमी आधारित दृष्टिकोण" शीर्षक पर व्याख्यान दिया।
- डॉ. प्रीति एस. लाल ने 18 जनवरी, 2024 को सर्कुलर इकोनॉमी पर आरएससी डीसीपीपीएआई प्रशिक्षण कार्यक्रम में कागज प्रस्तुत किया और सर्कुलर इकोनॉमी की दिशा में कदमों के वर्तमान परिदृश्य में कृषि-अवशेषों और अन्य गैर-पारंपरिक कच्चे माल के मूल्यवर्धन पर कागज प्रस्तुत किया।
- डॉ. प्रीति एस. लाल को आईडब्ल्यूएसटी बैंगलोर द्वारा राष्ट्रीय बांस मिशन कार्यशाला में प्रस्तुति के लिए आमंत्रित किया गया था, जिसका विषय था 'भारत में बांस क्षेत्र को आगे बढ़ाने के लिए बांस उत्पादों के विनिर्माण में सुधार' और उन्होंने 2 फरवरी, 2024 को एमएसएमई रूट के माध्यम से लुग्दी, कागज और बोर्ड के उत्पादन के लिए बांस के उपयोग पर व्याख्यान दिया।
- डॉ. ए.के. दीक्षित ने 12 फरवरी, 2024 को सेंट्रल लुग्दी एंड कागज रिसर्च इंस्टीट्यूट में कागज की गुणवत्ता विश्लेषण कार्यक्रम में "लुग्दी और कागज उद्योग में गुणवत्ता प्रबंधन प्रथाओं" पर व्याख्यान दिया।

06 मार्च, 2024 को केंद्रीय लुग्दी और कागज अनुसंधान संस्थान में लुग्दी और कागज उद्योग की पूरी विनिर्माण प्रक्रिया और इसके प्रवाह उपचार प्रबंधन के लिए सर्वोत्तम उपलब्ध तकनीक - सीपीसीबी नई दिल्ली द्वारा प्रायोजित

- डॉ. ए.के. दीक्षित ने "रसायन पुनःप्राप्ति प्रक्रिया - काले द्राव का प्रसंस्करण (कास्टिकीकरण और चूना भट्टी)" पर व्याख्यान दिया।
- डॉ. प्रीति एस. लाल ने "कच्चे माल की तैयारी, भंडारण और सफाई" और "लुग्दीकरण टेक्नोलॉजी-वेरिएबल्स' शीर्षक से दो व्याख्यान दिए।
- श्रीमति अनुराधा वी जनबादे ने "कागज मिलों में ठोस अपशिष्ट का उत्पादन और प्रबंधन" शीर्षक पर एक व्याख्यान दिया।
- श्री कुमार अनुपम ने "रसायन पुनःप्राप्ति प्रक्रिया - काले द्राव का प्रसंस्करण" पर व्याख्यान दिया।

- डॉ. नितिन एंडले ने "गंगा और यमुना नदी बेसिन में अत्यधिक प्रदूषणकारी उद्योगों (जीपीआई) - कागज, कपड़ा, स्लॉटर हाउस और अन्य की निगरानी (फरवरी 2023 - मई 2023)" विषय पर व्याख्यान दिया।
- डॉ. नितिन एंडले और श्री जेएस काम्योत्रा, पूर्व सदस्य सचिव, सीपीसीबी ने "भारतीय कागज उद्योग - प्रदूषणकारी से पर्यावरण की दृष्टि से टिकाऊ तक की यात्रा" विषय पर व्याख्यान दिया।
- डॉ. नितिन एंडले ने "लुग्दी और कागज उद्योग में वायु प्रदूषण नियंत्रण प्रणाली" पर व्याख्यान दिया।
- मो. सालिम ने "लुग्दी और कागज मिलों में अपशिष्ट जल उपचार प्रणाली और जल संतुलन" पर व्याख्यान दिया।
- श्री कुमार अनुपम ने "रसायन पुनःप्राप्ति प्रक्रिया - काले द्राव का प्रसंस्करण" विषय पर व्याख्यान दिया।

बीईई

- डॉ. संजय त्यागी ने 28-29 फरवरी, 2024 को राष्ट्रीय विद्युत प्रशिक्षण संस्थान (एनपीटीआई), बदरपुर, मथुरा रोड, नई दिल्ली में बीईई, विद्युत मंत्रालय द्वारा आयोजित "लुग्दी एंड कागज सेक्टर में ऊर्जा कुशल प्रौद्योगिकियों" पर 02 व्याख्यान दिए।

यूनिडो

- डॉ. नितिन एंडले ने 7 जून, 2023 को इमामी पेपर मिल्स लिमिटेड, बालासोर, ओडिशा में यूनिडो द्वारा आयोजित भारतीय पेपर मिल्स में मेम्ब्रेन फिल्ट्रेशन तकनीक के पायलट प्रदर्शन पर प्रसार कार्यशाला में "स्किड माउंटेड मेम्ब्रेन फिल्ट्रेशन पायलट डेमोस्ट्रेशन यूनिट के साथ परीक्षणों के प्रदर्शन मूल्यांकन" पर व्याख्यान दिया।

अन्य

- डॉ. नितिन एंडले ने 28 अप्रैल, 2023 को स्कोप कॉम्प्लेक्स, नई दिल्ली में पूर्ण और चल रहे आरएससी-डीसीपीपीएआई समर्थित अनुसंधान एवं विकास परियोजनाओं के प्रसार सह प्रदर्शन कार्यशाला में "आरसीएफ आधारित लुग्दी और कागज मिलों में शून्य तरल निर्वहन की व्यवहार्यता के मूल्यांकन के लिए प्रोटोकॉल का विकास" और "भारतीय कागज उद्योग का जनगणना सर्वेक्षण" पर व्याख्यान दिया।

- मो. सालिम ने 09 अगस्त, 2023 को होटल पाम रीजेंसी, वापी, गुजरात, भारत में मेम्ब्रेन फिल्ट्रेशन तकनीक के अनुप्रयोग के माध्यम से भारतीय कागज मिलों में अपशिष्ट जल उपचार के लिए उन्नत प्रौद्योगिकियों पर तकनीकी सह प्रसार कार्यशाला में "भारत में विभिन्न श्रेणी के कागज मिलों में किए गए एमएफ पायलट प्लांट परीक्षणों के निष्कर्ष" पर व्याख्यान दिया।

- डॉ. नितिन एंडले ने 13-14 सितंबर, 2023 को मेक कागज इंडस्ट्री वर्ल्ड क्लास, एचआईसीसी हैदराबाद में 17वें कागज टेक कॉन्फ्रेंस 2023 में "लुग्दी एंड कागज इंडस्ट्री में जल प्रबंधन - आवश्यकता, वर्तमान रुझान और अभ्यास" पर व्याख्यान दिया।

- श्री कुमार अनुपम ने 6 अक्टूबर, 2023 को एम.के. गवर्नमेंट पॉलिटेक्निक, जट्टल, पानीपत के केमिकल इंजीनियरिंग विभाग में "पर्यावरण प्रदूषण को कम करने के लिए रसायन पुनःप्राप्ति ऑपरेशन" पर व्याख्यान दिया।

- डॉ. नितिन एंडले ने 30-31 अक्टूबर, 2023 को मुजफ्फरनगर में बेहतर उपज और गुणवत्ता प्राप्त करने के लिए पुनःप्राप्ति कागज के कुशल संग्रह और प्रसंस्करण पर आईपीपीटीए जोनल सेमिनार में "पुनर्नवीनीकरण फाइबर आधारित लुग्दी और कागज मिलों में प्लास्टिक अपशिष्ट निपटान - हालिया तकनीकी विकास" पर व्याख्यान दिया।
.

आईपीपीटीए जोनल सेमिनार, मुजफ्फरनगर में डॉ. नितिन एंडले

- डॉ. नितिन एंडले ने 6-8 दिसंबर, 2023 को नोएडा में कागज उद्योग पर 16वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "हालिया हरित पहल, नीति हस्तक्षेप और वित्तीय प्रोत्साहन - भारतीय लुग्दी और कागज क्षेत्र के लिए चुनौतियों, रणनीतियों और अवसरों का अवलोकन" पर व्याख्यान दिया।

डॉ. नितिन एंडले @ पेपरेक्स 2023

बाहरी समितियों में प्रतिनिधित्व

सीपीपीआरआई के निदेशक और वैज्ञानिक वर्ष 2023-2024 के दौरान निम्नलिखित विभिन्न बाहरी समितियों, संस्थानो और मिलों के सदस्य थे, जो निम्नांकित है

पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय (एमओईएफ और सीसी), भारत सरकार

- सदस्य, पर्यावरण मूल्यांकन समिति (ईएसी) उद्योग, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय (एमओईएफएंडसीसी), भारत सरकार - डॉ. एम.के. गुप्ता

लुग्दी, कागज और संबद्ध उद्योग विकास परिषद

- सदस्य-सचिव, लुग्दी, कागज और संबद्ध उद्योग विकास परिषद - डॉ. एम.के. गुप्ता

लुग्दी, कागज और संबद्ध उद्योगों के लिए विकास परिषद की अनुसंधान संचालन समिति

- सदस्य-सचिव, लुग्दी, कागज और संबद्ध उद्योगों के लिए विकास परिषद की अनुसंधान संचालन समिति (पूर्व में उपकर समिति) - डॉ. एम.के. गुप्ता

ऊर्जा दक्षता ब्यूरो, नई दिल्ली

- बीईई योजना में कम कार्बन/ऊर्जा कुशल प्रौद्योगिकियों की पहचान और कार्यान्वयन में ऊर्जा दक्षता ब्यूरो को समर्थन देने के लिए क्षेत्रीय सलाहकार समूह (एसएजी) के सदस्य -डॉ. एस. त्यागी।

भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस), नई दिल्ली

- प्लेन कोपीयर पेपर पर सीएचडी-15, पी-9 पैनल के चेयरमैन - श्री आलोक कुमार गोयल
- कागज और कागज उत्पाद के लिए बीआईएस की सीएचडी 15 समिति के प्रमुख सदस्य- डॉ. एस. त्यागी।
- कागज और कागज बोर्ड के लिए बीआईएस की सीएचडी 16 समिति के तकनीकी सदस्य -डॉ. एस. त्यागी।
- बीआईएस मानकों में आईएसओ परीक्षण विधियों की पहचान और अपनाने के लिए सीएचडी 15: पीआई पैनल के संयोजक -डॉ. एस. त्यागी।
- "सतह खुरदरापन शेफील्ड विधि के मापन" पर आईएसओ तकनीकी समिति टीसी-6 में भारत का प्रतिनिधित्व -डॉ. एस. त्यागी।
- सीएचडी 15: पी3 पैनल के संयोजक -डॉ. एस. त्यागी।

- टॉयलेट पेपर मानक के संशोधन के लिए सीएचडी 15 पी-4 पैनल के सदस्य- डॉ. एस. त्यागी।
- सेल्युलोसिक नैनोमटेरियल पर सीएचडी 15: पी7 पैनल के सदस्य -डॉ. एस. त्यागी।
- सीएचडी 15 के सदस्य: थर्मल पेपर के विनिर्देशों के संशोधन पर पी8 पैनल- डॉ. एस. त्यागी।
- कागज और कागज उत्पाद के लिए बीआईएस की सीएचडी 15 समिति के तकनीकी सदस्य- श्री आलोक कुमार गोयल।
- भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) समिति के प्रमुख सदस्य: औद्योगिक उद्देश्यों के लिए जल गुणवत्ता अनुभागीय समिति (सीएचडी 13)- डॉ. नितिन एंडले।
- औद्योगिक उद्देश्यों के लिए जल गुणवत्ता के बीआईएस सीएचडी 13:पी2 जल उपचार रसायनों के अलर्ट पैनल के अध्यक्ष - डॉ. नितिन एंडले।

सेतिया इंडस्ट्रीज लिमिटेड

- सेतिया पेपर मिल्स के निदेशक मंडल में स्वतंत्र निदेशक के रूप में सीपीपीआरआई का प्रतिनिधित्व किया -डॉ. प्रीति शिवहरे लाल

अन्य

- एफआरआई, देहरादून द्वारा सीपीपीआरआई का प्रतिनिधित्व किया तथा डॉ. प्रीति शिवहरे लाल, वैज्ञानिक बी के साक्षात्कार बोर्ड में विशेषज्ञ के रूप में नामित किया गया।
- भारतीय वायु प्रदूषण नियंत्रण संघ, नई दिल्ली के आजीवन सदस्य - डॉ. नितिन एंडले।
- भारतीय लुग्दी एवं कागज तकनीकी संघ (आईपीपीटीए) के आजीवन सदस्य - डॉ. नितिन एंडले एवं श्री सालीम।
- भारतीय लुग्दी एवं कागज तकनीकी संघ (आईपीपीटीए) के आजीवन सदस्य - डॉ. प्रीति शिवहरे लाल।
- उष्णकटिबंधीय कृषि सोसायटी, नई दिल्ली के आजीवन सदस्य - डॉ. नितिन एंडले
- बायोटेक्नोलॉजी इनक्यूबेशन सेंटर, हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय (बीआईसी-एचपीयू) की स्क्रीनिंग कमेटी के सदस्य - डॉ. नितिन एंडले।
- एफआरआई (मानद विश्वविद्यालय) के एमएससी (पर्यावरण प्रबंधन पाठ्यक्रम) के लिए अध्ययन बोर्ड की समिति के विशेषज्ञ सदस्य - डॉ. नितिन एंडले।
- भारतीय लुग्दी एवं कागज तकनीकी संघ की कार्यकारी समिति के सदस्य - डॉ. नितिन एंडले।

प्रकाशन

वर्ष 2023-2024 के दौरान प्रकाशित प्रकाशनों की सूची इस प्रकार है:

- भारद्वाज, एस.; भारद्वाज, एन.के.; नेगी, वाई.एस. "कागज की राख और ताकत गुणों में एक साथ सुधार के लिए बायोडिग्रेडेबल चिटोसन पॉलिमर की प्रभावकारिता।" जर्नल ऑफ़ नेचुरल फ़ाइबर, खंड 20 (2), 2023, 2237672।
- भारद्वाज, एस.; धीमान, ए.; शर्मा, के.के.; नेगी, एस.डी.; त्यागी, एस.; गोयल, ए.के.; गुप्ता, एम.के. "खाद्य-ग्रेड पैकेजिंग में बायोपॉलिमर के अनुप्रयोग पर एक समीक्षा।" आईपीपीटीए जर्नल, खंड 35 (2), 2023, पृष्ठ 53-58।
- भारद्वाज, एस.; कौर, पी.; भारद्वाज; नेगी, वाई.एस. "पुनर्नवीनीकरण कागज पर चिटोसन की विभिन्न सांद्रता का सतही अनुप्रयोग और पैकेजिंग गुणों पर इसका प्रभाव।" जर्नल ऑफ़ कोटिंग्स टेक्नोलॉजी एंड रिसर्च, 2023। खंड 20(4), पृष्ठ 1285-1298
- भारद्वाज, एस.; पंवार, एम.के.; शर्मा, के.के.; नेगी, एस.डी.; त्यागी, एस.; गोयल, ए.के.; गुप्ता, एम.के. "सतह आकार और पेपरमेकिंग के गीले-अंत में पानी में घुलनशील चिटोसन व्युत्पन्न का अनुप्रयोग।" इनपेपर इंटरनेशनल जर्नल, खंड 26 (1), 2023, पृष्ठ 121-127।
- चटर्जी, टी.; नेगी, एस.डी.; जनबादे, ए.; त्यागी, एस.; गुप्ता, एम.के.; भारद्वाज, एस.; कौर, पी. "पेपरमेकिंग के वेट-एंड में पॉलीसेकेराइड-आधारित संशोधित ग्राउंड कैल्शियम कार्बोनेट का अनुप्रयोग।" जर्नल ऑफ़ एप्लाइड पॉलिमर साइंस, खंड 140 (46), 2023, e54681।
- धीमान, जी.; शर्मा, डी.; शर्मा, ए.; भारद्वाज, एस.; लाल, पी. एस.; गुप्ता, एम.के. "खाद्य पैकेजिंग के लिए एक समाधान के रूप में बांस।" आईपीपीटीए जर्नल, खंड 35 (2), 2023, पृष्ठ 65-70।
- धीमान, जे.; अनुपम, के.; कुमार, वी.; सरुचि. "जैव-आधारित सुपरएब्जॉर्बेंट पॉलिमर: एक अवलोकन।" इन: प्रधान, एस.; मोहंती, एस. (सं.). जैव-आधारित सुपरअवशोषक: नवीनतम रुझान, प्रकार, अनुप्रयोग और पुनःचक्रण। स्प्रिंगर नेचर सिंगापुर, सिंगापुर, 2023, पृष्ठ 1-27
- धीमान, जे.; अनुपम, के.; कुमार, वी.; सरुचि. "लुग्दी और कागज उद्योग में नैनोफिलर्स की विविधताएं, विशेषताएं और अनुप्रयोग।" इन: मल्लकपुर, एस.; हुसैन, सी.एम. (सं.). नैनोफिलर्स की हैंडबुक। स्प्रिंगर, सिंगापुर, 2024, पृष्ठ 1-32
- दीक्षित, ए.के.; अनुपम, के; अंशू; गुप्ता, एम.के. "बोरेट ऑटोकॉस्टिकाइजेशन - एक उभरता हुआ हरित वां प्रौद्योगिकी।" पल्प पेपर और संबद्ध उद्योगों पर 16वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन और प्रदर्शनी की कार्यवाही में (पेपरेक्स 2023), 2023, पृष्ठ 199-201।
- एलानचेझियान; अहमद, एफ.; मो. सालिम, एम.; एंडले, एन.; गुप्ता, एम.के. "हरित प्रथाओं में क्रांतिकारी बदलाव: शुद्ध शून्य उत्सर्जन और सतत भविष्य के लिए पल्प और पेपर मिलों में जैव-मेथेनेशन प्रौद्योगिकी की परिवर्तनकारी भूमिका।" आईपीपीटीए, खंड 36(1), 2024, पृष्ठ 139-144।

- एंडले, एन.; मो. सालिम, एम.; गर्ग, ए.; झांजी, एन.; गुप्ता, एम.के. "पुनर्नवीनीकरण फाइबर आधारित पल्प और पेपर मिलों में प्लास्टिक अपशिष्ट निपटान - हालिया तकनीकी विकास।" आईपीपीटीए, खंड 35 (3), 2023, पृष्ठ 95-99।
- एंडले, एन.; मो. सालिम, एम.; गुप्ता, एम.के. "हाल की हरित पहल, नीतियां, हस्तक्षेप और वित्तीय प्रोत्साहन - भारतीय लुग्दी और कागज क्षेत्र के लिए चुनौतियों, रणनीतियों और अवसरों का अवलोकन।" लुग्दी और कागज उद्योग पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, 2024 की कार्यवाही में, पृष्ठ 20-27।
- जैन, आर.के.; श्रीकांत, श्रद्धा; फारुखबेक, ए; एंडले, एन; मो. सालिम, एम; गुप्ता, एम.के. "भारतीय कागज उद्योग में अपशिष्ट जल उपचार में नवाचार: झिल्ली निस्पंदन की सुविधा के लिए यूनिडो का दृष्टिकोण" लुग्दी, कागज और संबद्ध उद्योगों पर 16वें अंतर्राष्ट्रीय तकनीकी सम्मेलन की कार्यवाही, 6-9 दिसंबर 2023, पृष्ठ 37-48
- कुमार, एन.; जनबादे, ए.; भारद्वाज, एस.; गुप्ता, एम.के. "खाद्य पैकेजिंग पेपर्स में बढ़ी हुई ताकत के लिए एक सुदृढ़ीकरण योजक के रूप में बैक्टीरियल सेलूलोज़ की क्षमता की खोज।" आईपीपीटीए: इंडियन पल्प एंड पेपर टेक्निकल एसोसिएशन का त्रैमासिक जर्नल, खंड 35 (ई2), 2023, पृष्ठ 92-96।
- कुमार, एन.; जैदी, एस.; एंडले, एन.; जनबादे, ए.; गुप्ता, एम.के. "लुग्दी और कागज उद्योग में पर्यावरण और ऊर्जा स्थिरता में जैव प्रौद्योगिकी अनुप्रयोगों का महत्व और भूमिका। एक सिंहावलोकन।" आईपीपीटीए: इंडियन पल्प एंड पेपर टेक्निकल एसोसिएशन का त्रैमासिक जर्नल, खंड 36 (ई1), 2023, पृष्ठ 149-154।
- मो. सालिम, एम.; एंडले, एन.; थपलियाल, बी.पी.; गुप्ता, एम.के. "अपशिष्ट कागज आधारित क्राफ्ट पेपर मिलों में शून्य तरल निर्वहन (जेडएलडी) प्रक्रिया को अनुकूलित करने के लिए प्रतिक्रिया सतह पद्धति का अनुप्रयोग।" इनपेपर इंटरनेशनल जर्नल, खंड 26 (1), 2023, पृष्ठ 110-116।
- श्रुतिकोना, डी; अंशू; अग्रवाल, आर; अनुपम, के; दीक्षित, ए.के. "हीट-ट्रीटेड खोई की जांच। भौतिक-रसायनिक और रियोलॉजिकल गुणों के लिए आधारित क्राफ्ट ब्लैक लिकर।" ईरान जर्नल ऑफ केमिस्ट्री एंड केमिकल इंजीनियरिंग, खंड 42 (11), 2023, पृष्ठ 3812-3823।
- त्यागी, एस.; मनोज; बिष्ट, एस.; शिवानी, एम.; नेगी, एस.डी.; भारद्वाज, एस.; गोयल, ए.के.; गुप्ता, एम.के. "फाइबर फ्रैक्शनेशन: पैकेजिंग ग्रेड पेपर में मूल्य संवर्धन के लिए एक नया दृष्टिकोण।" पल्प पेपर और संबद्ध उद्योगों पर 16वें अंतर्राष्ट्रीय तकनीकी सम्मेलन की कार्यवाही में, इंडियन एक्सपो सेंटर ग्रेटर नोएडा दिल्ली - एनसीआर, 6-9 दिसंबर, 2023, पृष्ठ 185-194।

प्रतिवेदन

वर्ष 2023-2024 के दौरान विभिन्न प्रतिवेदन तैयार किए गए। विवरण निम्नानुसार हैं:

अपशिष्ट उपचार संयंत्र की पर्याप्तता का आंकलन

- कात्यायिनी पेपर्स लिमिटेड, काशीपुर, उत्तराखंड
- कैलाशदेवी पेपर्स लिमिटेड, काशीपुर, उत्तराखंड
- हार्ट टच पेपर्स प्राइवेट लिमिटेड, जसपुर, उधम सिंह नगर, उत्तराखंड
- नैनी पेपर्स लिमिटेड, काशीपुर, उत्तराखंड
- नैनी टिश्यूज लिमिटेड, काशीपुर, उत्तराखंड
- आईटीसी लिमिटेड, पेपरबोर्ड और स्पेशलिटी पेपर्स डिवीजन, इकाई: त्रिबेनी, चंद्रहटी, पश्चिम बंगाल

रसायन पुनःप्राप्ति

- रसायन पुनःप्राप्ति का वार्षिक अनुबंध ऑडिटिंग: सिरपुर पेपर मिल्स (जे.के. पेपर्स की एक इकाई) सिरपुर तेलंगाना
- रसायन पुनःप्राप्ति का वार्षिक अनुबंध ऑडिटिंग: आई.टी.सी. लिमिटेड भद्राचलम
- यूनिडो - सी.पी.पी.आर.आई. संयुक्त परियोजना के अंतर्गत काला द्राव ताप उपचार पायलट प्लांट परीक्षण के परिणाम: तमिलनाडु न्यूजप्रिंट एंड पेपर्स लिमिटेड तमिलनाडु, पैका लिमिटेड अयोध्या, कुआंटम पेपर्स लिमिटेड पंजाब
- क्लोराइड और पोटेशियम अध्ययन: बी.आई.एल.टी. ग्राफिक पेपर प्रोडक्ट्स लिमिटेड बल्लारपुर महाराष्ट्र
- बगास के काले द्राव के नमूनो का प्रयोगशाला स्तर पर द्राव ऊष्मा उपचार का अध्ययन: पैका लिमिटेड अयोध्या
- लुग्दी बनाने में केले के तने का उपयोग और उत्पादित द्राव और लुग्दी का लक्षण वर्णन: एवन पैकफो सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड फरीदाबाद हरियाणा

रंग हटाने का अध्ययन

- स्टार पेपर मिल्स लिमिटेड, सहारनपुर, उत्तर प्रदेश

ऊर्जा और पर्यावरण स्थिरता अध्ययन

- सेंचुरी पल्प एंड पेपर, लालकुआं, उत्तराखंड

ईटीपी प्रदर्शन मूल्यांकन

- केरल पेपर प्रोडक्ट्स लिमिटेड, कोट्टायम, केरल

जीपीआई अध्ययन

- सीपीपीआरआई के विभिन्न वैज्ञानिकों द्वारा वर्ष 2023-2024 में 125 इकाइयों की जीपीआई निरीक्षण रिपोर्ट तैयार की गई।

माइक्रोबियल प्रोफाइलिंग और जल परिसंचरण प्रणाली का मूल्यांकन

- ओमश्री पेपरटेक प्राइवेट लिमिटेड, हैदराबाद

आरएससी-डीसीपीपीएआई परियोजना रिपोर्टें

- उच्च उत्पादकता वाले नीलगिरी के लिए क्लोनल वानिकी और संकरण के लिए पेरेंट स्क्रीनिंग
- खाद्य पैकेजिंग पेपर और बोर्ड के लिए परीक्षण सुविधाओं का निर्माण और माइक्रोबियल गुण के लिए परीक्षण प्रोटोकॉल का विकास
- आरसीएफ आधारित लुग्दी और कागज मिलों में शून्य तरल निर्वहन की व्यवहार्यता का मूल्यांकन करने के लिए प्रोटोकॉल का विकास
- पायलट पैमाने पर स्वदेशी कच्चे माल लुग्दी के ओजोन उपचार प्रौद्योगिकी का प्रदर्शन
- कागज, पेपरबोर्ड और न्यूजप्रिंट की गुणवत्ता में सुधार के लिए माइक्रोफाइब्रिलेटेड सेल्यूलोज का विकास और अनुप्रयोग
- न्यूनतम / शून्य अपशिष्ट निर्वहन प्राप्त करने के लिए सूक्ष्मजीवों और फ्लाई ऐश नैनो कण का उपयोग करके लुग्दी और कागज मिल अपशिष्ट प्रणाली के उपचार के लिए एक सहक्रियात्मक और किफायती दृष्टिकोण
- लुग्दी और कागज उद्योग में तकनीकी कर्मियों के लिए सतत शिक्षा (प्रशिक्षण कार्यक्रम)

कच्ची सामाग्री, लुग्दीकरण और विरंजन

- पूर्ण हेम्प से 5 किलोग्राम विरंजित लुग्दी का उत्पादन: एग्रो लुग्दीकरण मशीनरी प्राइवेट लिमिटेड चेन्नई
- लकड़ी/गैर-लकड़ी के लुग्दी के लिए ओजोन विरंजन: क्वांटम पेपर होशियारपुर पंजाब
- मिश्रित दृढ़ लकड़ी के नमूने के सोडा और क्राफ्ट लुग्दीकरण और ईसीएफ विरंजन का अध्ययन: नैनी पेपर्स लिमिटेड काशीपुर

- विस्कोस फाइबर के लिए पायलट स्केल पूरे जूट घुलने वाली लुग्दी का उत्पादन: राष्ट्रीय जूट बोर्ड सरकार नई दिल्ली
- लुग्दी बनाने के लिए हार्डवुड और पिन चिप्स की केमी थर्मो मैकेनिकल लुग्दीकरण: पायनियर पैनल प्रोडक्ट्स रोहतक
- लुग्दी बनाने के लिए पाइन नीडल, काला बांस और लैंटाना की केमी थर्मो मैकेनिकल लुग्दीकरण: खंड विकास अधिकारी, एकेश्वर गढ़वाल
- चावल के भूसे और समुद्री शैवाल की केमी थर्मो मैकेनिकल लुग्दीकरण: लुग्दी बनाने के लिए चावल का भूसा (50:50): जीरोसर्किल अल्टरनेटिव्स प्राइवेट लिमिटेड, महाराष्ट्र
- लुग्दी बनाने के लिए लैंटाना की केमी थर्मो मैकेनिकल लुग्दीकरण: पाई हेम्प प्राइवेट लिमिटेड, पंचकूला, चंडीगढ़
- चावल के भूसे से मोल्डेड ग्रेड लुग्दी में हार्डबोर्ड यूनिट के रूपांतरण के लिए प्रक्रिया का अनुकूलन: अग्रवाल हार्ड बोर्ड प्राइवेट लिमिटेड, हिसार रोड, फतेहाबाद
- मिल डी-पिथेड खोई के लुग्दीकरण और टीसीएफ/ओजोन विरंजन का अध्ययन:यश पैका लिमिटेड, अयोध्या
- अनब्लीच्ड मिल लुग्दी की ओजोन विरंजन पर अध्ययन:, यश पैका लिमिटेड, अयोध्या

यूनिडो(आईसी-आईएसआईडी) परियोजना

- लुग्दी एवं कागज उद्योग के लिए प्रौद्योगिकियों और उत्पादकता वृद्धि का फर्म स्तरीय प्रदर्शन (यूएनआईडीओ (आईसी-आईएसआईडी) परियोजना)

जल लेखा परीक्षा

- खन्ना पेपर मिल्स लिमिटेड, पंजाब

शुन्य तरल निर्वहन व्यवहार्यता मूल्यांकन

- निकिता पेपर्स लिमिटेड, शामली, उत्तर प्रदेश
- दिशा इंडस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड, मुजफ्फरनगर, उत्तर प्रदेश
- कृष्णांचल पल्प एंड पेपर्स प्राइवेट लिमिटेड, मुजफ्फरनगर, उत्तर प्रदेश

कागज मिलों और अन्य संगठनों का दौरा

सीपीपीआरआई के वैज्ञानिकों और अन्य कर्मचारियों ने अप्रैल 2023-मार्च 2024 के दौरान निम्नलिखित पेपर मिलों और अन्य संगठनों का दौरा किया गया।

- डॉ. नितिन एंडले ने 5 अप्रैल, 2023 को डेटा एंड स्ट्रैटेजी यूनिट (डीएसयू) और डीपीआईआईटी द्वारा आयोजित बैठक में भाग लेने के लिए दिल्ली का दौरा किया।
- श्री एस. डी. नेगी ने 5 अप्रैल, 2023 को उद्योग भवन में डीपीआईआईटी की बैठक में भाग लेने के लिए दिल्ली का दौरा किया।
- डॉ. एम. के. गुप्ता, डॉ. संजय त्यागी और श्री आलोक कुमार गोयल ने 10-11 अप्रैल, 2023 को बीआईएस मानक भवन में बैठक में भाग लेने के लिए दिल्ली का दौरा किया।
- डॉ. नितिन एंडले ने 10-12 अप्रैल, 2023 को केरल पेपर प्रोडक्ट्स लिमिटेड में ईटीपी की क्षमता का मूल्यांकन करने के लिए कोच्चि का दौरा किया।
- डॉ. ए. के. दीक्षित ने 18 अप्रैल, 2023 को डीपीआईआईटी में एक आधिकारिक बैठक में भाग लेने के लिए दिल्ली का दौरा किया।
- डॉ. एम. के. गुप्ता ने 19 अप्रैल, 2023 को एक कार्यशाला में भाग लेने के लिए देहरादून का दौरा किया।
- डॉ. ए. के. दीक्षित ने 19 अप्रैल, 2023 को आईआईपी में वन लैब वन वीक कार्यक्रम में भाग लेने के लिए देहरादून का दौरा किया।
- डॉ. प्रीति शिवहरे लाल 24 अप्रैल, 2023 को आधिकारिक कार्य के लिए एफआरआई देहरादून का दौरा किया।
- श्री आलोक कुमार गोयल, श्री एस. डी. नेगी और डॉ. शुभांग भारद्वाज 24 अप्रैल, 2023 को आईपीएमए कार्यालय में आईएनएमए, आईपीएमए और आईएआरपीएमए के महासचिव के साथ डब्ल्यूपीआरपीसी परियोजना पर चर्चा करने के लिए दिल्ली का दौरा किया।
- डॉ. एम. के. गुप्ता, डॉ. ए. के. दीक्षित, श्रीमती अनुराधा जनबादे, डॉ. प्रीति शिवहरे लाल, डॉ. नितिन एंडले, डॉ. संजय त्यागी, श्री एस. डी. नेगी, डॉ. अरविंद कुमार शर्मा, श्री पंकज गोले, मो. सालिम, डॉ. शुभांग भारद्वाज और डॉ. नितिन कुमार 26-29 अप्रैल, 2023 को स्कोप कॉम्प्लेक्स, नई दिल्ली में आरएससी-डीसीपीपीएआई प्रसार सह प्रदर्शन कार्यशाला में भाग लेने के लिए दिल्ली का दौरा किया।
- डॉ. ए. के. दीक्षित 2 मई, 2023 को बिंदल पेपर मिल में एक बैठक में भाग लेने के लिए मुजफ्फरनगर का दौरा किया।
- डॉ. एम. के. गुप्ता और श्री एस. डी. नेगी 10 मई, 2023 को आईआईपी में अपशिष्ट प्लास्टिक हैंडलिंग सिस्टम पर जानकारी जुटाने के लिए देहरादून का दौरा किया।
- डॉ. ए. के. दीक्षित 11 मई, 2023 को एपीबीएआई में कृषि लुग्दी और काले द्रव पर शोध करने के लिए फतेहाबाद का दौरा किया।
- श्रीमती अनुराधा जनबादे और डॉ. नितिन कुमार 12 मई, 2023 को आईआईटी दिल्ली में

प्रोफेसर विवेक कुमार के साथ एक परियोजना पर बैठक में भाग लेने के लिए दिल्ली का दौरा किया।

- डॉ. एम. के. गुप्ता 15-16 मई, 2023 को बीआईएस कार्यशाला में भाग लेने के लिए नोएडा का दौरा किया।
- डॉ. नितिन एंडले 17-19 मई, 2023 को एनपीसी दिल्ली के साथ खन्ना पेपर मिल्स लिमिटेड में संयुक्त जल लेखा परीक्षा के लिए अमृतसर का दौरा किया।
- डॉ. एम. के. गुप्ता और श्री एस. डी. नेगी 19-20 मई, 2023 को वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय में चिंतन शिविर में भाग लेने के लिए दिल्ली का दौरा किया।
- डॉ. एम. के. गुप्ता, डॉ. ए. के. दीक्षित, डॉ. प्रीति शिवहरे लाल, श्री एस. डी. नेगी, श्री पंकज गोले और मो. सालिम ने 23-28 मई, 2023 तक राष्ट्रीय उत्पादकता परिषद में आरएससी-डीसीपीपीएआई प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करने के लिए चेन्नई का दौरा किया।
- श्रीमती अनुराधा जनबादे और डॉ. नितिन कुमार ने 23-26 मई, 2023 तक डीपीआईआईटी नई दिल्ली और ओमश्री पेपरटेक प्राइवेट लिमिटेड हैदराबाद का दौरा करने के लिए दिल्ली और हैदराबाद का दौरा किया।
- डॉ. नितिन एंडले ने 30 मई, 2023 को वाणिज्य भवन में संयुक्त सचिव के साथ बैठक में भाग लेने के लिए दिल्ली का दौरा किया।
- श्री एन.के. नाइक ने 11-12 मई, 17-20 मई, 24-25 मई और 31 मई से 3 जून, 2023 तक मंत्रालय में ई-फाइल कार्यान्वयन और डीपीआईआईटी के संबंध में ई-ऑफिस कार्यान्वयन पर चर्चा करने के लिए दिल्ली का दौरा किया।
- डॉ. एम. के. गुप्ता और डॉ. नितिन एंडले ने 1-3 जून, 2023 तक मंत्रालय में बैठकों में भाग लेने के लिए दिल्ली का दौरा किया।
- डॉ. एम. के. गुप्ता ने 5-10 जून, 2023 तक यूएनआईडीओ कार्यशाला और एक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लेने के लिए दिल्ली, कोलकाता, बालासोर और मुंबई का दौरा किया।
- डॉ. संजय त्यागी ने 7-9 जून, 2023 तक लाधर पेपर मिल में जीईएम निरीक्षण के लिए जालंधर का दौरा किया।
- डॉ. ए. के. दीक्षित और श्रीमती अनुराधा जनबादे ने 8-9 जून, 2023 तक भर्ती संबंधी बैठकों के लिए दिल्ली का दौरा किया।
- डॉ. प्रीति शिवहरे लाल और डॉ. अरविंद कुमार शर्मा ने 9 जून, 2023 को परियोजना गतिविधियों पर चर्चा के लिए देहरादून का दौरा किया।
- श्री कुमार अनुपम ने 11 जून से 15 जून, 2023 तक जेके पेपर सिरपुर के वार्षिक मिल दौरे के लिए नागपुर और सिरपुर का दौरा किया।
- श्रीमती अनुराधा जनबादे ने 16-17 जून, 2023 को वाणिज्य भवन में संयुक्त सचिव से मिलने के लिए दिल्ली का दौरा किया।
- डॉ. ए. के. दीक्षित ने 18-23 जून, 2023 तक आईटीसी भद्राचलम में केमिकल रिकवरी स्टडी करने के लिए हैदराबाद और भद्राचलम का दौरा किया।
- श्रीमती अनुराधा जनबादे ने 23 जून, 2023 को विकलांगता विभाग के साथ बैठक में भाग

लेने के लिए दिल्ली का दौरा किया।

- श्री एन.के. नाइक ने 29 जून से 1 जुलाई, 2023 तक डीपीआईआईटी के बारे में ई-ऑफिस जानकारी पर चर्चा करने के लिए दिल्ली का दौरा किया।
- डॉ. ए. के. दीक्षित और श्रीमती अनुराधा जनबादे ने 2-3 जुलाई, 2023 को सीपीपीआरआई के पुनर्गठन पर बैठक के लिए दिल्ली का दौरा किया।
- डॉ. एम. के. गुप्ता ने 3 जुलाई, 2023 को आईआईपी के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर करने के लिए देहरादून का दौरा किया।
- श्री एस. डी. नेगी ने 4-5 जुलाई, 2023 को उद्योग भवन में एक बैठक में भाग लेने के लिए दिल्ली का दौरा किया।
- डॉ. एम. के. गुप्ता ने 7-8 जुलाई, 2023 को आईआईपी में आरएससी बैठक में भाग लेने और एनईईआरआई और आईएआरआई में परियोजनाओं (आरएससी-डीसीपीपीएआई) की प्रगति की समीक्षा करने के लिए दिल्ली का दौरा किया।
- डॉ. एम. के. गुप्ता ने 11-15 जुलाई, 2023 को वाणिज्य भवन में एक बैठक में भाग लेने और सीआईआई कार्यशाला में एक प्रस्तुति देने के लिए दिल्ली का दौरा किया।
- डॉ. प्रीति शिवहरे लाल ने 11-15 जुलाई 2023 को आईसीसी के संबंध में वाणिज्य भवन में एक बैठक में भाग लेने के लिए दिल्ली का दौरा किया।
- डॉ. ए. के. दीक्षित और श्रीमती अनुराधा जनबादे ने 19-21 जुलाई, 2023 तक सीपीपीआरआई के पुनर्गठन के लिए डीपीआईआईटी और एसपीवी में बैठकों में भाग लेने के लिए दिल्ली का दौरा किया।
- डॉ. संजय त्यागी ने 19-20 जुलाई, 2023 तक लाधर पेपर मिल में जीईएम निरीक्षण के लिए जालंधर का दौरा किया।
- डॉ. एम. के. गुप्ता और डॉ. नितिन एंडले ने 21-22 जुलाई, 2023 तक आईआईटी दिल्ली में चार्टर 3.0 पर एक बैठक में भाग लेने के लिए दिल्ली का दौरा किया।
- श्रीमती अनुराधा जनबादे ने एनपीसी के साथ भर्ती संबंधी बैठकों के लिए 25-26 जुलाई, 2023 तक दिल्ली का दौरा किया।
- डॉ. एम. के. गुप्ता ने प्रगति मैदान में अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन हॉल के उद्घाटन में भाग लेने के लिए 26-27 जुलाई, 2023 तक दिल्ली का दौरा किया।
- श्री एस. डी. नेगी और डॉ. शुभांग भारद्वाज ने डब्ल्यूपीआरपीसी परियोजना गतिविधियों के लिए बैठकों में भाग लेने के लिए 27-29 जुलाई, 2023 तक दिल्ली का दौरा किया।
- श्री एन.के. नाइक ने 27-29 जुलाई, 2023 तक डीपीआईआईटी से संबंधित ई-ऑफिस सूचना पर चर्चा करने के लिए दिल्ली का दौरा किया।
- डॉ. ए. के. दीक्षित ने 1 अगस्त, 2023 को बिंदल पेपर लिमिटेड में केमिकल रिकवरी स्टडी करने के लिए मुजफ्फरनगर का दौरा किया।
- डॉ. एम. के. गुप्ता, डॉ. अरविंद कुमार शर्मा, डॉ. शुभांग भारद्वाज और डॉ. नितिन कुमार ने 1-7 अगस्त, 2023 तक सीएफटीआरआई द्वारा आयोजित क्षेत्रीय सेमिनार में भाग लेने के लिए मैसूर का दौरा किया।

- श्री एस. डी. नेगी 2-4 अगस्त, 2023 तक डब्ल्यूपीआरपीसी परियोजना गतिविधियों के संबंध में एक बैठक में भाग लेने के लिए दिल्ली का दौरा किया।
- डॉ. ए. के. दीक्षित 3-4 अगस्त, 2023 को स्टेक होल्डर मीटिंग में भाग लेने के लिए दिल्ली का दौरा किया।
- डॉ. ए. के. दीक्षित, डॉ. प्रीति शिवहरे लाल और डॉ. अरविंद कुमार शर्मा 9 अगस्त, 2023 को अग्रवाल पेपर एंड बोर्ड में राइस स्ट्रॉ लुग्दीकरण का अध्ययन करने और कागज बनाने में चावल की भूसी के उपयोग पर चर्चा करने के लिए फतेहाबाद का दौरा किया।
- श्रीमती अनुराधा जनबादे और डॉ. नितिन कुमार 16-17 अगस्त, 2023 तक आईआईटी दिल्ली में प्रोफेसर विवेक कुमार के साथ परियोजना से संबंधित बैठक के लिए दिल्ली का दौरा किया।
- श्री एन.के. नाइक ने 16-19 अगस्त, 2023 तक एनआईसी, डीपीआईआईटी उद्योग भवन में ई-ऑफिस मामलों पर चर्चा करने के लिए दिल्ली का दौरा किया।
- डॉ. एम. के. गुप्ता ने 19 अगस्त, 2023 को आरएससी डीसीपीपीएआई बैठक के संबंध में श्री अंकुर मित्तल के साथ चर्चा के लिए मुजफ्फरनगर का दौरा किया।
- डॉ. ए. के. दीक्षित और डॉ. प्रीति शिवहरे लाल ने 20-23 अगस्त, 2023 तक आईपीएमए और डीपीआईआईटी (आरएसी) की बैठकों में भाग लेने के लिए गाजियाबाद का दौरा किया।
- डॉ. एम. के. गुप्ता ने 18 से 25 अगस्त 2023 के बीच डॉ. नितिन एंडले, श्रीमती अनुराधा जनबड़े, श्री आलोक कुमार गोयल और श्री एस. डी. नेगी के साथ उद्योग भवन और वाणिज्य भवन का दौरा किया और उद्योग भवन में आयोजित आरएसी/आरएससी डीसीपीपीएआई बैठकों में भाग लिया।
- डॉ. एम. के. गुप्ता ने 24-25 अगस्त, 2023 को बीईई से संबंधित आईएआरपीएमए की बैठक में भाग लेने के लिए दिल्ली का दौरा किया।
- डॉ. एम. के. गुप्ता, डॉ. ए. के. दीक्षित, डॉ. प्रीति शिवहरे लाल, डॉ. नितिन एंडले, श्री आलोक कुमार गोयल,श्री एस. डी. नेगी, डॉ. शुभांग भारद्वाज, श्री कुमार अनुपम और मो. सालिम ने 27-29 अगस्त, 2023 तक आईआईपी में आरएससी डीसीपीपीएआई प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करने और उसमें भाग लेने के लिए दिल्ली और गुरुग्राम का दौरा किया।
- श्री आलोक कुमार गोयल और श्री एन.के. नाइक ने 1-3 सितंबर, 2023 तक इंडिया इंटरनेशनल कन्वेंशन एंड एक्सपो सेंटर (आईआईसीसी), नई दिल्ली में चिंतन शिविर में भाग लिया।
- मो. सालिमने 4-7 सितंबर, 2023 को ट्राइडेंट लिमिटेड में पर्यावरण निगरानी के लिए बरनाला का दौरा किया।
- डॉ. प्रीति शिवहरे लाल और डॉ. अरविंद कुमार शर्मा ने 6 सितंबर, 2023 को वैज्ञानिक डॉ. अशोक कुमार के साथ कार्यशालाओं पर चर्चा करने के लिए देहरादून का दौरा किया।
- डॉ. एम. के. गुप्ता और डॉ. ए. के. दीक्षित ने 8 सितंबर, 2023 को एफआरआई देहरादून में बैठकों में भाग लेने के लिए देहरादून का दौरा किया।
- डॉ. प्रीति शिवहरे लाल ने 8 और 12 सितंबर, 2023 को एफआरआई में वृक्षारोपण पर एक

कार्यशाला पर चर्चा करने के लिए देहरादून का दौरा किया।

- डॉ. एम. के. गुप्ता और डॉ. ए. के. दीक्षित ने 9 सितंबर, 2023 को एक बैठक में भाग लेने के लिए लुधियाना का दौरा किया।
- डॉ. एम. के. गुप्ता और डॉ. नितिन एंडले ने 10-18 सितंबर, 2023 को पेपर टेक सम्मेलन और अखिल भारतीय हिंदी सम्मेलन में भाग लेने के लिए हैदराबाद और पुणे का दौरा किया।
- डॉ. ए. के. दीक्षित ने 12, 19 और 27 सितंबर, 2023 को एफआरआई देहरादून में बैठकों और कार्यशालाओं में भाग लेने के लिए देहरादून का दौरा किया।
- श्री कुमार अनुपम ने 13-16 सितंबर, 2023 तक पुणे अखिल भारतीय हिंदी सम्मेलन में भाग लिया।
- डॉ. प्रीति शिवहरे लाल ने 16-19 सितंबर, 2023 तक पीएम विश्व कर्मा में भाग लेने और एओ और एसओ के साक्षात्कार आयोजित करने के लिए गाजियाबाद का दौरा किया।
- डॉ. एम. के. गुप्ता और डॉ. नितिन एंडले ने 22 सितंबर, 2023 को नचिकेता पेपर मिल में चर्चा के लिए चंडीगढ़ का दौरा किया।
- श्रीमती अनुराधा जनबादे ने 25-26 सितंबर, 2023 तक एनपीसी में भर्ती संबंधी बैठकों के लिए दिल्ली का दौरा किया।
- डॉ. एम. के. गुप्ता, डॉ. प्रीति शिवहरे लाल और श्री आलोक कुमार गोयल सीएसआईआर स्थापना दिवस कार्यक्रम में भाग लेने, आईपीएमए और ईएनएमए के महासचिव के साथ डब्ल्यूपीआरपीसी ब्लूप्रिंट पर चर्चा करने और 26-29 सितंबर, 2023 तक सीएचडी-15 बैठक में भाग लेने के लिए दिल्ली का दौरा किया।
- डॉ. संजय त्यागी और श्री आलोक कुमार गोयल बीआईएस सीएचडी-15 बैठक में भाग लेने और 28 सितंबर से 1 अक्टूबर, 2023 तक आमंत्रित व्याख्यान देने के लिए भुवनेश्वर और दिल्ली का दौरा किया।
- डॉ. नितिन एंडले 3-6 अक्टूबर, 2023 तक आईटीसी पीएसपीडी यूनिट त्रिबेनी में ईटीपी पर्याप्तता आकलन के लिए कोलकाता का दौरा किया।
- डॉ. एम. के. गुप्ता, डॉ. ए. के. दीक्षित, डॉ. प्रीति शिवहरे लाल, श्रीमती अनुराधा जनबादे, श्री कुमार अनुपम और डॉ. शुभांग भारद्वाज ने 9-13 अक्टूबर, 2023 तक ट्राइडेंट लिमिटेड में एक प्रशिक्षण मॉड्यूल कार्यक्रम आयोजित करने के लिए बरनाला का दौरा किया।
- डॉ. एम. के. गुप्ता और डॉ. नितिन एंडले ने 10-11 अक्टूबर, 2023 को डीपीआईआईटी और एनईईआरआई में बैठकों में भाग लेने के लिए दिल्ली का दौरा किया।
- डॉ. नितिन एंडले ने 18-19 अक्टूबर, 2023 को डीपीआईआईटी और एनईईआरआई में बैठकों में भाग लेने के लिए दिल्ली का दौरा किया।
- डॉ. शुभांग भारद्वाज ने 19 अक्टूबर, 2023 को आईआईपी में एक कार्यशाला में भाग लेने के लिए दिल्ली का दौरा किया।
- डॉ. एम. के. गुप्ता, डॉ. ए. के. दीक्षित, डॉ. प्रीति शिवहरे लाल और डॉ. अरविंद कुमार शर्मा ने 17-21 अक्टूबर, 2023 तक एफआरआई में कार्यशालाओं में भाग लेने के लिए देहरादून

का दौरा किया।

- डॉ. एम. के. गुप्ता, डॉ. नितिन एंडले और श्री कुमार अनुपम 25-28 अक्टूबर, 2023 तक डीपीआईआईटी हिंदी समन्वय समिति की बैठक में भाग लेने के लिए श्रीनगर (जम्मू और कश्मीर) का दौरा किया।
- डॉ. एम. के. गुप्ता, डॉ. ए. के. दीक्षित, डॉ. नितिन एंडले, श्री आलोक कुमार गोयल, श्री एस. डी. नेगी, मो. सालिम और डॉ. शुभांग भारद्वाज 29-31 अक्टूबर, 2023 तक आईपीपीटीए जोनल सेमिनार और कार्यकारी समिति की बैठक में भाग लेने के लिए मुजफ्फरनगर का दौरा किया।
- डॉ. ए. के. दीक्षित 2-5 नवंबर, 2023 तक यश पक्का लिमिटेड में सीआर फील्ड अध्ययन करने के लिए लखनऊ और अयोध्या का दौरा किया।
- डॉ. एम. के. गुप्ता ने 16 नवंबर, 2023 को उत्तरांचल प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर करने के लिए देहरादून का दौरा किया।
- बरनाली शोम ने आईडब्ल्यूएसटी के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर करने और 20-24 नवंबर, 2023 तक सीएफटीआरआई में एक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करने के लिए बेंगलुरु और मैसूरु का दौरा किया।
- डॉ. नितिन एंडले और मो. सालिम ने 21-23 नवंबर, 2023 तक जीपीआई इकाइयों की ईटीपी पर्याप्तता मूल्यांकन के लिए काशीपुर का दौरा किया।
- श्री आलोक कुमार गोयल ने 27-28 नवंबर, 2023 तक सीएचडी-16 बैठक में भाग लेने के लिए दिल्ली का दौरा किया।
- डॉ. एम. के. गुप्ता ने 24-28 नवंबर, 2023 तक उद्योग भवन का साइट विजिट करने के लिए दिल्ली का दौरा किया।
- डॉ. ए. के. दीक्षित और श्री कुमार अनुपम ने 30 नवंबर से 5 दिसंबर, 2023 तक सीपीएचआई प्रदर्शनी में भाग लेने और सीपीपीआरआई भर्ती परीक्षा का अवलोकन करने के लिए नोएडा और लखनऊ का दौरा किया।
- डॉ. एम. के. गुप्ता ने सीएसआईआर स्थापना दिवस पर एक बैठक और एनईईआरआई में एक कार्यशाला में भाग लेने के लिए 29-30 नवंबर, 2023 तक दिल्ली का दौरा किया।
- मो. सालिम ने 1-11 दिसंबर, 2023 तक सीपीपीआरआई द्वारा सौंपी गई परियोजनाओं का मूल्यांकन करने के लिए लखनऊ, महाराजगंज और नोएडा का दौरा किया।
- डॉ. ए. के. दीक्षित, डॉ. नितिन एंडले, डॉ. प्रीति शिवहरे लाल, डॉ. संजय त्यागी, श्रीमती अनुराधा जनबादे, श्री आलोक कुमार गोयल, श्री एस. डी. नेगी, डॉ. अरविंद कुमार शर्मा, मो. सालिम और श्रीमती बरनाली शोम ने 5-9 दिसंबर, 2023 तक पेपरेक्स 2023 में भाग लेने के लिए नोएडा का दौरा किया।
- डॉ. एम. के. गुप्ता ने 13-18 दिसंबर, 2023 तक बीवीआई में एक बैठक में भाग लेने और नवनियुक्त अधिकारियों के साथ चर्चा करने के लिए दिल्ली का दौरा किया।
- डॉ. नितिन एंडले ने सीपीसीबी जीपीआई कार्यशाला में भाग लिया, डॉ. संजय त्यागी ने बीईई, सेवा भवन में बैठकों में भाग लिया और श्री आलोक कुमार गोयल ने 15-18 दिसंबर,

2023 तक दिल्ली में एक प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया।

- डॉ. एम. के. गुप्ता, डॉ. ए. के. दीक्षित, डॉ. नितिन एंडले, मो. सालिमऔर श्री पंकज गोले ने 25-29 दिसंबर, 2023 तक आर.एस.सी.डी.सी.पी.पी.ए.आई परियोजना के अंतर्गत टीएनपीएल में एक प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लेने और आयोजित करने के लिए कोयंबटूर का दौरा किया।
- डॉ. प्रीति शिवहरे लाल और डॉ. अरविंद कुमार शर्मा ने 20-21 दिसंबर, 2023 को जूट संगोष्ठी में भाग लेने के लिए दिल्ली का दौरा किया।
- श्री एस. डी. नेगी ने 22 दिसंबर, 2023 को सीपीसीबी में कार्यकारी अभियंता के साथ सीपीपीआरआई में मरम्मत कार्य पर चर्चा करने के लिए रुड़की का दौरा किया।
- श्री आलोक कुमार गोयल ने 1-2 जनवरी, 2024 तक डीपीआईआईटी में बैठक के लिए दिल्ली का दौरा किया।
- मो. सालिम और डॉ. अरविंद कुमार शर्मा ने 1-4 जनवरी, 2024 तक विभिन्न परियोजनाओं में कागज के उपयोग पर चर्चा करने के लिए लखनऊ, महाराजगंज और अयोध्या का दौरा किया।
- डॉ. एम. के. गुप्ता, डॉ. संजय त्यागी और श्री आलोक कुमार गोयल ने 5-6 जनवरी, 2024 तक भारत मंडपम में बीआईएस कार्यक्रम में भाग लेने के लिए दिल्ली का दौरा किया।
- श्री एस. डी. नेगी ने 5 जनवरी, 2024 को सीबीआरआई में क्रय अधिकारी के साथ स्क्रैप निपटान और माल की खरीद पर चर्चा करने के लिए रुड़की का दौरा किया।
- डॉ. एम. के. गुप्ता और श्री आलोक कुमार गोयल ने 8-11 जनवरी, 2024 तक आरटीआई से संबंधित प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लेने के लिए रामनगर का दौरा किया।
- डॉ. एम. के. गुप्ता, डॉ. ए. के. दीक्षित, डॉ. प्रीति शिवहरे लाल, डॉ. नितिन एंडले, डॉ. संजय त्यागी, श्री पंकज गोले और श्री कुमार अनुपम ने गुरुग्राम और दिल्ली का दौरा किया और 17-18 जनवरी, 2024 तक नीरी में प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया और उसमें भाग लिया।
- डॉ. एम. के. गुप्ता ने 20-24 जनवरी, 2024 तक आईआईपी में विश्वस्तरीय शोध कार्यक्रम और केएनएचपी अनुसंधान एवं विकास समिति की बैठक में भाग लेने के लिए जयपुर और दिल्ली का दौरा किया।
- श्री शुभांग भारद्वाज ने 20 जनवरी, 2024 को आईआईपी में कार्यशाला में भाग लेने के लिए दिल्ली का दौरा किया।
- डॉ. नितिन एंडले ने 23-25 जनवरी, 2024 तक डीपीआईआईटी, सीपीसीबी और आईआईटी से संबंधित गतिविधियों में भाग लेने के लिए दिल्ली का दौरा किया।
- डॉ. नितिन एंडले ने 27-29 जनवरी, 2024 तक विभिन्न पेपर मिलों, आईआईटी और यूपीपीसीबी के साथ बैठकों के लिए मुजफ्फरनगर का दौरा किया।
- डॉ. संजय त्यागी ने 28-29 जनवरी, 2024 तक डीपीआईआईटी, उद्योग भवन में एक पेपर प्रस्तुत करने के लिए दिल्ली का दौरा किया।
- डॉ. ए. के. दीक्षित ने सीपीसीबी प्रशिक्षण कार्यक्रम पर एक बैठक में भाग लेने के लिए

दिल्ली का 28-29 जनवरी, 2024 तक दौरा किया।

- डॉ. एम. के. गुप्ता, डॉ. प्रीति शिवहरे लाल और डॉ. अरविंद कुमार शर्मा ने 29 जनवरी से 5 फरवरी, 2024 तक आईडब्ल्यूएसटी द्वारा आयोजित कार्यशालाओं और प्रशिक्षण कार्यक्रमों में भाग लेने के लिए बेंगलुरु का दौरा किया।
- डॉ. ए. के. दीक्षित ने 1-3 फरवरी, 2024 तक श्रेयांस इंडस्ट्रीज़ में केमिकल रिकवरी स्टडी करने के लिए लुधियाना का दौरा किया।
- डॉ. एम. के. गुप्ता और डॉ. ए. के. दीक्षित ने 6-7 फरवरी, 2024 को उद्योग भवन में यूएनआईडीओ सत्र और बीईई बैठक में भाग लेने के लिए दिल्ली का दौरा किया।
- डॉ. ए. के. दीक्षित ने 7 फरवरी, 2024 को विभिन्न मिलों में प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करने के लिए मुजफ्फरनगर का भी दौरा किया।
- श्री केवीवीके सत्य साईं ने 8-9 फरवरी, 2024 को डीपीआईआईटी उद्योग भवन में पीएफएमएस कार्यालय और ईपेपर अनुभाग का दौरा करने के लिए दिल्ली का दौरा किया।
- डॉ. नितिन एंडले ने आईपीएमए/डीपीआईआईटी/बीआईएस के साथ बैठकों के लिए 10 फरवरी से 13 फरवरी, 2024 तक नोएडा का दौरा किया।
- श्री एस. डी. नेगी और श्री केवीवीके सत्य साई ने यूपी सहकारी कताई मिल्स फेडरेशन लिमिटेड में निवेश के संबंध में बैठकों में भाग लेने के लिए 11-13 फरवरी, 2024 तक लखनऊ का दौरा किया।
- डॉ. एम. के. गुप्ता, डॉ. ए. के. दीक्षित और डॉ. संजय त्यागी ने 12-14 फरवरी, 2024 तक खन्ना पेपर मिल में और बीईई द्वारा आयोजित ऊर्जा दक्षता पर एक कार्यशाला में भाग लेने के लिए अमृतसर का दौरा किया।
- डॉ. अरविंद कुमार शर्मा ने 13-17 फरवरी, 2024 तक तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लेने के लिए बेंगलुरु का दौरा किया।
- श्री कुमार अनुपम ने 15-20 फरवरी, 2024 तक जे.के पेपर सिरपुर वार्षिक मिल दौरे के लिए सिप्रूर का दौरा किया।
- डॉ. नितिन एंडले और मो. सालिम ने 19-22 फरवरी, 2024 तक सीईएम इंडिया 2024 सम्मेलन में भाग लेने के लिए गाजियाबाद और दिल्ली का दौरा किया।
- डॉ. प्रीति शिवहरे लाल और डॉ. अरविंद कुमार शर्मा ने 23 फरवरी, 2024 को परियोजना गतिविधियों पर चर्चा करने के लिए देहरादून का दौरा किया।
- डॉ. एम. के. गुप्ता, डॉ. ए. के. दीक्षित, डॉ. नितिन एंडले, श्री कुमार अनुपम और डॉ. नितिन कुमार ने 21-26 फरवरी, 2024 तक आईपीपीटीए सम्मेलन में भाग लेने के लिए कोलकाता का दौरा किया।
- डॉ. एम. के. गुप्ता और डॉ. ए. के. दीक्षित ने 27 फरवरी-1 मार्च, 2024 तक आईआईपी में एक प्रशिक्षण सत्र और अन्य संबंधित गतिविधियों में भाग लेने के लिए दिल्ली का दौरा किया।
- डॉ. संजय त्यागी ने 27-28 फरवरी, 2024 तक एनपीटीसी फरीदाबाद में एक प्रशिक्षण कार्यक्रम में व्याख्यान दिया।

- श्री शुभांग भारद्वाज ने 29 फरवरी, 2024 को आईआईपी में एक कार्यशाला में भाग लेने के लिए गाजियाबाद और दिल्ली का दौरा किया।
- डॉ. एम. के. गुप्ता ने उद्योग भवन और एनसीसीबीएम में बैठकों के लिए 6-7 मार्च, 2024 तक दिल्ली और बल्लभगढ़ का दौरा किया।
- डॉ. एम. के. गुप्ता ने हरिहर पॉलीफाइबर पर चर्चा के लिए 7-14 मार्च, 2024 तक बेंगलुरु और कुमारपट्टनम का दौरा किया।
- डॉ. ए. के. दीक्षित, श्रीमती अनुराधा जनबादे और बरनाली शोम ने एनपीसी नई दिल्ली में एक बैठक में भाग लेने के लिए 11-12 मार्च, 2024 तक दिल्ली का दौरा किया।
- डॉ. नितिन एंडले 12-14 मार्च, 2024 को सीपीसीबी और डीपीआईआईटी की बैठकों में भाग लेने के लिए दिल्ली आए।
- डॉ. एम. के. गुप्ता और डॉ. नितिन एंडले 19 मार्च, 2024 को उद्योग भवन में एक बैठक में भाग लेने के लिए दिल्ली का दौरा किया। डॉ. ए. के. दीक्षित भी 20 मार्च, 2024 को डीपीआईआईटी द्वारा आयोजित स्टार्टअप महाकुंभ में भाग लेने के लिए दिल्ली का दौरा किया।
- डॉ. नितिन एंडले ने 19 मार्च, 2024 को उद्योग भवन में एक बैठक में भाग लेने के लिए दिल्ली का दौरा किया।
- डॉ. एम. के. गुप्ता डीसीपीपीएआई बैठक आयोजित करने के लिए दिल्ली आए और 22-28 मार्च, 2024 को आईडब्ल्यूएसटी बैठक में भाग लेने के लिए बेंगलुरु का दौरा किया।
- जी.पी.आई अध्ययन के अंतर्गत डॉ नितिन एंडले, श्री सत्या देव नेगी, डॉ. अरविंद कुमार शर्मा, मो. सालिम, डॉ. शुभांग भारद्वाज, डॉ. नितिन कुमार, डॉ. जितेंद्र धीमान, श्री अमिताभ राज त्रिपाठी, श्री कुलदीप शर्मा, श्री अजय परमार, श्री दीपक शर्मा और श्री अजय कुमार ने विभिन्न उद्योगों का दौरा किया।

एम.एससी. और पीएच.डी. पाठ्यक्रम गतिविधियाँ

प्रस्तावना

सीपीपीआरआई वन अनुसंधान संस्थान (मानित विश्वविद्यालय), देहरादून के सहयोग से एम.एससी (सेलूलोज़ और पेपर टेक्नोलॉजी) और पीएचडी पाठ्यक्रम चलाता है। एम.एससी (सीपीटी) पाठ्यक्रम का प्रथम वर्ष. वन अनुसंधान संस्थान (मानित विश्वविद्यालय) देहरादून में आयोजित किया जाता है जबकि दूसरा वर्ष सीपीपीआरआई में आयोजित किया जाता है। सीपीपीआरआई में, इन छात्रों को रसायनिक पुन:प्राप्ति, विरंजन प्रौद्योगिकी, सामग्री और ऊर्जा संतुलन, कागज गुण, माध्यमिक फाइबर प्रौद्योगिकी, विशेष कागज और पर्यावरण प्रदूषण के क्षेत्रों में प्रशिक्षित किया जाता है।

एम.एससी (सीपीटी) की छात्र सूची

2022 -2024 एम.एससी (सीपीटी) बैच में कुल 17 छात्र व छात्राएँ थे, जिसमें से 8 महिलाएँ और 9 पुरुष छात्र थे। इस बैच में देश के विभिन्न राज्यों उत्तराखंड, मध्य प्रदेश, बिहार, उत्तर प्रदेश, केरल, असम, तेलंगाना, पश्चिम बंगाल और राजस्थान से छात्र शामिल हैं। इस बैच के छात्रों के नाम इस प्रकार हैं: सुश्री अनामिका कुकरेती, श्री अमन अग्रहरि, श्री अमित शेखावत, श्री अंगला अनिरुथ गौड़, श्री हंकारे भीमा, सुश्री देविका सी एन, सुश्री दीक्षिता सरमा, श्री पुट्टा कार्तिक, श्री हर्ष राज, सुश्री पारखी अग्रवाल, सुश्री प्रियंका कुमारी, श्री रावुला पृथ्वी, सुश्री स्वाति यादव, सुश्री शालिनी दत्ता, श्री सोहन दाम, सुश्री सानिया तरन्नुम और श्री उत्सव कुरचानिया।

पीएचडी छात्रों की सूची

वर्तमान में चार छात्र सीपीपीआरआई में पीएचडी कार्यक्रम में नामांकित हैं। सीपीपीआरआई वन अनुसंधान संस्थान (मानित विश्वविद्यालय), देहरादून का नामित अनुसंधान केंद्र है। इन छात्रों का विवरण उनके पर्यवेक्षक, सह-पर्यवेक्षक और शोध विषय के साथ नीचे तालिका में उल्लिखित है।

पीएचडी छात्र का नाम	शोध विषय	पर्यवेक्षक एवं सह-पर्यवेक्षक
श्री मो. सालिम	पुनर्नवीनीकरण फाइबर आधारित क्राफ्ट पेपर मिलों में लगभग शून्य तरल निर्वहन प्राप्त करने के लिए बैकवाटर के उपचार के लिए भौतिक और रसायनिक तकनीकों पर अध्ययन	डॉ. बी. पी. थपलियाल - पर्यवेक्षक डॉ. नितिन एंडले - सह-पर्यवेक्षक डॉ. एस मिश्रा - सह-पर्यवेक्षक
श्री कनिष्क सलवान	मेलिया दुबिया से माइक्रो फाइब्रिलेटेड और नैनो फाइब्रिलेटेड सेलुलोज तैयार करना और कागज बनाने में इसकी क्षमता	डॉ. बी.पी. थपलियाल - पर्यवेक्षक डॉ. रवि दत्त गोदियाल -सह-पर्यवेक्षक डॉ. एस. त्यागी -सह-पर्यवेक्षक
सुश्री श्रुतिकोना दास	लकड़ी और गैर एवं लकड़ी की काले द्राव का रियोलॉजिकल अध्ययन	डॉ. ए. के. दीक्षित - पर्यवेक्षक
सुश्री गुंजन धीमान	विभिन्न श्रेणी के लुग्दी और कागज के उत्पादन के लिए बांस के मूल्य निर्धारण पर अध्ययन	डॉ. प्रीति एस लाल - पर्यवेक्षक डॉ. ए.के. शर्मा. सह पर्यवेक्षक

संकाय की सूची

सीपीपीआरआई में एमएससी (सीपीटी) और पीएचडी पाठ्यक्रमों से संबंधित सभी प्रशासनिक कार्य पाठ्यक्रम समन्वयक कार्यालय द्वारा समन्वित किए जाते हैं। सीपीपीआरआई के वैज्ञानिक और प्रयोगशाला कर्मचारी एमएससी (सीपीटी) पाठ्यक्रम की सभी सैद्धांतिक और व्यावहारिक कक्षाएं लेते हैं। कभी-कभी लुग्दी, कागज और संबद्ध उद्योगों के प्रतिष्ठित व्यक्तियों को भी औद्योगिक प्रासंगिकता के विषयों पर विशेषज्ञ व्याख्यान देने के लिए अतिथि संकाय के रूप में आमंत्रित किया जाता है। एमएससी (सीपीटी) पाठ्यक्रम गतिविधियों में शामिल संकायों का विवरण नीचे दी गई तालिका में दिया गया है।

एम.एससी. (सीपीटी) पाठ्यक्रम गतिविधियों में शामिल संकाय का विवरण

पाठ्यक्रम समन्वयक कार्यालय	
पाठ्यक्रम समन्वयक	डॉ. ए. के. दीक्षित, वैज्ञानिक एफ
उप पाठ्यक्रम समन्वयक	कुमार अनुपम. वैज्ञानिक- बी
विषयवार संकायों का विवरण	
रसायन पुनःप्राप्ति (पीपी - 211)	डॉ. ए. के. दीक्षित, वैज्ञानिक एफ श्री कुमार अनुपम, वैज्ञानिक बी
विरंजन प्रौद्योगिकी (पीपी - 212)	डॉ. प्रीति एस लाल, वैज्ञानिक ई-II डॉ. अरविंद कुमार शर्मा, वैज्ञानिक बी
सामग्री और ऊर्जा संतुलन (पीपी - 213)	डॉ. ए. के. दीक्षित, वैज्ञानिक एफ श्री कुमार अनुपम, वैज्ञानिक बी
कागज़ के गुण (पीपी - 214)	डॉ. संजय त्यागी, वैज्ञानिक ई-II
सेकेंडरी फाइबर टेक्नोलॉजी (पीपी - 215)	डॉ. संजय त्यागी, वैज्ञानिक ई-II सत्य देव नेगी, वैज्ञानिक ई-I
व्यावहारिक (पीपी - 216)	संबंधित प्रभाग के संकाय
विशेष कागज़ (पीपी - 221)	डॉ. संजय त्यागी, वैज्ञानिक ई-II
पर्यावरण प्रदूषण नियंत्रण (पीपी - 222)	डॉ. नितिन एंडले, वैज्ञानिक ई-II मो. सालिम, वैज्ञानिक बी
परियोजना कार्य (पीपी - 223)	छात्र सीपीपीआरआई वैज्ञानिकों की देखरेख में अपना परियोजना कार्य करते हैं
प्लांट प्रशिक्षण (पीपी - 224)	पेपर मिल में मिल कर्मियों/सीपीपीआरआई वैज्ञानिकों की देखरेख में
व्यावहारिक (पीपी - 225)	संबंधित प्रभाग के संकाय

एम.एस.सी. (सी.पी.टी.) छात्रों का प्रोजेक्ट कार्य विवरण

एम.एससी. (सीपीटी) पाठ्यक्रम के प्रत्येक छात्र को चौथे सेमेस्टर की शुरुआत में सीपीपीआरआई के वैज्ञानिकों की देखरेख में एक परियोजना कार्य सौंपा जाता है। छात्रों को लुग्दी और कागज तकनीक से संबंधित परियोजनाओं पर काम करने की आवश्यकता होती है, जिसमें पर्यावरण और ऊर्जा के पहलुओं को सैद्धांतिक और प्रयोगात्मक अध्ययन के आधार पर शामिल किया जाता है। छात्र स्वतंत्र रूप से परियोजना पर काम करते हैं और एक विस्तृत परियोजना रिपोर्ट प्रस्तुत करते हैं, साथ ही परियोजना पर मौखिक प्रस्तुति भी देते हैं। 2022-2024 बैच के एम.एससी. (सीपीटी) छात्रों के परियोजना कार्य का विवरण नीचे तालिका में दिया गया है।

एम.एससी. (सीपीटी) छात्रों के परियोजना कार्य का विवरण। (2022 - 2024)

क्रम संख्या	छात्र का नाम	परियोजना का शीर्षक	मार्गदर्शक और सह-मार्गदर्शक
1.	सुश्री अनामिका कुकरेती	मिल बगास के नमूने के ईसीएफ़ और टीसीएफ़ विरंजन का अध्ययन	डॉ. प्रीति एस लाल डॉ. अरविंद शर्मा
2.	श्री अमन अग्रहरी	विभिन्न प्रकार के रसायनों के साथ कागज पर सतह साइजिंग का प्रभाव	डॉ. संजय त्यागी
3.	श्री अमित शेखावत	परिपक्व बांस कच्चे माल के पल्प गुणों पर ईसीएफ़ और टीसीएफ़ विरंजन का प्रभाव	डॉ. प्रीति एस लाल डॉ. अरविंद शर्मा
4.	श्री अंगला अनिरुथ गौड़	परिष्करण और मजबूती गुण	डॉ. संजय त्यागी
5.	श्री भीमा हंकारे	रंग कमी के लिए द्वितीयक अपशिष्ट का उपचार	डॉ. नितिन एंडले
6.	सुश्री देविका	सीएन पिग्मेंट कोटिंग द्वारा कागज के गुणों में सुधार	डॉ. संजय त्यागी
7.	सुश्री दीक्षा शर्मा	संयंत्र (ईटीपी) का प्रदर्शन मूल्यांकन	डॉ. नितिन एंडले
8.	श्री हर्ष राज	परिपक्व बांस कच्चे माल के पल्प गुणों पर ईसीएफ़ और टीसीएफ़ विरंजन का प्रभाव	डॉ. प्रीति एस लाल डॉ. अरविंद शर्मा
9.	श्री कार्तिक पूत्ता	सॉफ्टवुड के साथ पुनर्नवीनीकरण का मिश्रण का प्रभाव	डॉ. संजय त्यागी
10.	सुश्री प्रियंका कुमारी	विभिन्न ठोस सांद्रता और तापमान पर काली द्रव के रसायनिक, थर्मल और रिओलॉजिकल गुण	डॉ. ए. के. दीक्षित श्री कुमार अनुपम
11.	श्री पृथ्वी रवुला	अंडे की ट्रे का रिपलपिंग	डॉ. संजय त्यागी
12.	सुश्री पारखी अग्रवाल	लकड़ी आधारित काली द्रव से लिग्निन का निष्कर्षण और गुणविशेष	डॉ. ए. के. दीक्षित श्री कुमार अनुपम
13.	सुश्री स्वाति यादव	मिल बगास के नमूने के ईसीएफ़ और टीसीएफ़ विरंजन का अध्ययन	डॉ. प्रीति एस लाल डॉ. अरविंद शर्मा
14.	सुश्री शालिनी दत्ता	चूने का विश्लेषण	डॉ. ए. के. दीक्षित श्री कुमार अनुपम
15.	श्री सोहन डाम	भारतीय पेपर मिलों के काली द्रव का विश्लेषण	डॉ. ए. के. दीक्षित श्री कुमार अनुपम

16.	सुश्री सानिया तरन्नुम	पिग्मेंट कोटिंग के माध्यम से कागज के गुणों में सुधार	डॉ. संजय त्यागी
17.	श्री उत्सव कुर्चानिया	लकड़ी आधारित काली द्रव से लिग्निन का निष्कर्षण और गुणविशेष	डॉ. ए. के. दीक्षित श्री कुमार अनुपम

एम.एस.सी. (सी.पी.टी.) छात्रों का प्लांट प्रशिक्षण

एम.एस.सी. (सीपीटी) छात्रों को कोर्स के चौथे सेमेस्टर में दो महीने की ट्रेनिंग के लिए मिलों में भेजा जाता है। इस कोर्स का उद्देश्य छात्रों को मिल के वास्तविक कार्य वातावरण को समझने का अवसर प्रदान करना है- प्रत्येक छात्र इन एंड प्लांट ट्रेनिंग पूरी करने के बाद एक समेकित मिल प्रशिक्षण रिपोर्ट प्रस्तुत करता है। 2022 - 2024 बैच के एम.एस.सी. (सीपीटी) छात्रों के इन एंड प्लांट प्रशिक्षण का विवरण नीचे तालिका में दिया गया है।

एम.एससी. (सीपीटी) छात्रों की इन-प्लांट ट्रेनिंग का विवरण (2022 - 2024)

क्रम संख्या	छात्रों के नाम	जिन कंपनियों में छात्रों ने औद्योगिक प्रशिक्षण प्राप्त किया
1.	अनामिका कुकरेती	ओरिएंट पेपर मिल्स, अमलई, मध्य प्रदेश
2.	अमन अग्रहरी	जेएमसी पेपरटेक प्राइवेट लिमिटेड, अहमदाबाद, गुजरात
3.	अमित शेखावत	आईटीसी लिमिटेड, भद्राचलम, तेलंगाना
4.	अंगला अनिरुथ गौड़	प्रोक्लीन टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड, चेन्नई, तमिल नाडु
5.	भीमा हंकारे	सिरपुर पेपर मिल्स लिमिटेड (जेके पेपर लिमिटेड), कागज़नगर, तेलंगाना
6.	देविका सीएन	जेएमसी पेपरटेक प्राइवेट लिमिटेड, अहमदाबाद, गुजरात
7.	दीक्षा शर्मा	आईटीसी लिमिटेड, भद्राचलम, तेलंगाना
8.	कार्तिक पूत्ता	प्रोक्लीन टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड, चेन्नई, तमिल नाडु
9.	हर्ष राज	आईटीसी लिमिटेड, भद्राचलम, तेलंगाना
10.	पारखी अग्रवाल	पैका लिमिटेड, अयोध्या, उत्तर प्रदेश
11.	प्रियंका कुमारी	सिरपुर पेपर मिल्स लिमिटेड (जेके पेपर लिमिटेड), कागज़नगर, तेलंगाना
12.	रवुला पृथ्वी	केंद्रीय लुग्दी और कागज अनुसंधान संस्थान, सहारनपुर, उत्तर प्रदेश
13.	स्वाति यादव	ओरिएंट पेपर मिल्स, अमलई, मध्य प्रदेश
14.	शालिनी दत्ता	जेएमसी पेपरटेक प्राइवेट लिमिटेड, अहमदाबाद, गुजरात
15.	सोहन डाम	आईटीसी लिमिटेड, भद्राचलम, तेलंगाना
16.	सानिया तरन्नुम	सिरपुर पेपर मिल्स लिमिटेड (जेके पेपर लिमिटेड), कागज़नगर, तेलंगाना
17.	उत्सव कुर्चानिया	पैका लिमिटेड, अयोध्या, उत्तर प्रदेश

छात्रवृत्ति और पुरस्कार

एमएससी (सीपीटी) के छात्र सुश्री पारखी अग्रवाल और श्री हर्ष राज, क्रमशः छात्रा और छात्र वर्ग में प्रथम और वर्ष के टॉपर्स, को स्टार पेपर मिल्स लिमिटेड , सहारनपुर, उत्तर प्रदेश से ₹ 25,000/- की छात्रवृत्ति प्राप्त हुई।

6-9 दिसंबर, 2023 के दौरान इंडिया एक्सपो सेंटर, ग्रेटर नोएडा, दिल्ली और एनसीआर में आयोजित पल्प, पेपर और संबद्ध उद्योगों (पेपरेक्स 2023) पर 16वें अंतर्राष्ट्रीय तकनीकी सम्मेलन में भारतीय कृषि और पुनर्चक्रित पेपर मिल्स एसोसिएशन की ओर से एम.एस.सी. (सीपीटी) छात्र श्री सोहन डैम को "सर्वश्रेष्ठ छात्र उपस्थिति पुरस्कार" (₹ 5,000/- का नकद पुरस्कार), सुश्री शालिनी दत्ता को "सर्वश्रेष्ठ छात्र उपस्थिति पुरस्कार। प्रथम रनर अप" (₹ 3,000/- का नकद पुरस्कार) और श्री उत्सव कुरचानिया और सुश्री स्वाति यादव को संयुक्त रूप से "सर्वश्रेष्ठ छात्र उपस्थिति पुरस्कार। द्वितीय रनर अप" (₹ 2,000/- प्रत्येक का नकद पुरस्कार) मिला।

एमएससी (सीपीटी) और पीएचडी छात्र डॉ. बी. पी. थपलियाल, महासचिव, भारतीय एग्रो एंड रिसाइकल्ड पेपर मिल्स एसोसिएशन के साथ पेपरेक्स 2023 में पुरस्कार समारोह के दौरान

विशेषज्ञों का दौरा और अतिथि व्याख्यान

श्री राजेश कुमार सिंह, संयुक्त सचिव (प्रशासन), डीपीआईआईटी, सरकार। भारत सरकार ने अपने "स्वच्छता ही सेवा" (एसएचएस) अभियान 3.0 के दौरान 29 सितंबर, 2023 को सीपीपीआरआई सहारनपुर की यात्रा के दौरान एम.एससी. छात्र और छात्राओं से वार्ता की। जीवन में स्वच्छता के महत्व पर प्रकाश डालते हुए, उन्होंने छात्रों को आसपास के क्षेत्रों की सफाई करने और श्रमदान के माध्यम से स्वच्छता अभियान में सक्रिय रूप से भाग लेने और "कचरा मुक्त भारत" बनाने के लिए प्रेरित किया।

श्री राजेश कुमार सिंह, संयुक्त सचिव (प्रशासन) एम.एससी. (सीपीटी) छात्र के साथ बातचीत करते हुए

श्री देवेश कुमार सिंघल एम.एससी. (सीपीटी) छात्र को ऑनलाइन व्याख्यान देते हुए

कैम्पस प्लेसमेंट गतिविधियाँ

सीपीपीआरआई ने पिछले वर्ष की तुलना में 100% प्लेसमेंट और बढ़े हुए मुआवजे के साथ एक रिकॉर्ड वर्ष प्राप्त किया है। एमएससी (सीपीटी) छात्रों को 4- 6.5 लाख (सीटीसी) प्रति वर्ष की रेंज में पैकेज की पेशकश की गई थी। एम. एससी (सीपीटी) छात्रों को रोजगार के अवसर प्रदान करने के लिए सीपीपीआरआई द्वारा कैंपस प्लेसमेंट के लिए विभिन्न लुग्दी, कागज और संबद्ध कंपनियों को आमंत्रित किया गया था। छात्रों के प्लेसमेंट का विवरण निम्नलिखित तालिका में दिया गया है।

एमएससी का प्लेसमेंट विवरण। (सीपीटी) छात्र (2022-2024)

क्रमांक छात्र का नाम उन कंपनियों का नाम जहां नियुक्त किया गया है

क्रम संख्या	छात्र का नाम	कंपनियों का नाम जहां नियुक्त किया गया
1.	अनामिका कुकरेती	ओरिएंट पेपर मिल्स, अमलई, मध्य प्रदेश
2.	अमन अग्रहरि	जेएमसी पेपरटेक प्राइवेट लिमिटेड, अहमदाबाद, गुजरात
3.	अमित शेखावत	आईटीसी लिमिटेड, भद्राचलम, तेलंगाना प्रोकलीन टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड, चेन्नई,
4.	अंगला अनिरुथ गौड़	प्रोक्लीन टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड, चेन्नई, तमिलनाडु
5.	भीमा हनकारे	सिरपुर पेपर मिल्स लिमिटेड (जेके पेपर लिमिटेड), कागजनगर, तेलंगाना
6.	देविका सीएन	जेएमसी पेपरटेक प्राइवेट लिमिटेड, अहमदाबाद, गुजरात

7.	दीक्षिता सरमा	आईटीसी लिमिटेड, भद्राचलम, तेलंगाना
8.	कार्तिक पुट्टा	प्रोकलीन टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड, चेन्नई तमिलनाडु
9.	हर्ष राज	आईटीसी लिमिटेड, भद्राचलम, तेलंगाना
10.	पारखी अग्रवाल	जेएमसी पेपरटेक प्राइवेट लिमिटेड, अहमदाबाद, गुजरात
11.	प्रियंका कुमारी	सिरपुर पेपर मिल्स लिमिटेड (जेके पेपर लिमिटेड), कागजनगर, तेलंगाना
12.	रावुला पारुथवी	सिरपुर पेपर मिल्स लिमिटेड (जेके पेपर लिमिटेड), कागजनगर, तेलंगाना
13.	स्वाति यादव	ओरिएंट पेपर मिल्स, अमलाई, मध्य प्रदेश
14.	शालिनी दत्ता	जेएमसी पेपरटेक प्राइवेट लिमिटेड, अहमदाबाद, गुजरात
15.	सोहन दाम	आईटीसी लिमिटेड, भद्राचलम, तेलंगाना
16.	सानिया तरन्नुम	सिरपुर पेपर मिल्स लिमिटेड (जेके पेपर लिमिटेड), कागजनगर, तेलंगाना
17.	उत्सव कुरचानिया	प्लेसमेंट के लिए नहीं चुना

एमएससी (सीपीटी) छात्र एम/एस द सिरपुर पेपर मिल्स (जेके पेपर मिल्स लिमिटेड की एक इकाई) द्वारा आयोजित ऑनलाइन कैंपस प्लेसमेंट परीक्षा में शामिल हो रहे हैं।

आईटीसी भद्राचलम और नैनी पेपर्स लिमिटेड के अधिकारी एमएससी के साथ बातचीत करते हुए। सीपीपीआरआई सहारनपुर में प्लेसमेंट ड्राइव के दौरान (सीपीटी) के छात्र

राष्ट्रीय दिवस और अन्य महत्वपूर्ण दिंनो के उत्सव

स्वतंत्रता दिवस

15 अगस्त, 2023 को केंद्रीय लुग्दी एवं कागज अनुसंधान संस्थान (सीपीपीआरआई) ने बड़े उत्साह और देशभक्तिपूर्ण उत्साह के साथ स्वतंत्रता दिवस मनाया। सहारनपुर में संस्थान के विशाल परिसर में आयोजित कार्यक्रम को राष्ट्रीय गौरव और सामूहिक उपलब्धि की भावना से चिह्नित किया गया था। दिन की शुरुआत पारंपरिक ध्वजारोहण समारोह के साथ हुई, जिसकी अध्यक्षता डॉ. एम.के. गुप्ता, निदेशक सीपीपीआरआई के ने की, जैसे ही तिरंगा झंडा फहराया गया, पूरे संस्थान में राष्ट्रगान गूंज उठा, कर्मचारी और छात्र पूरी श्रद्धा के साथ खड़े थे। डॉ. गुप्ता का संबोधन स्वतंत्रता सेनानियों द्वारा किए गए बलिदान की मार्मिक याद दिला रहा था ।लुग्दी और कागज प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में अनुसंधान और विकास में उत्कृष्टता के लिए संस्थान की प्रतिबद्धता के संकल्प को दोहराया गया।

गणतंत्र दिवस

26 जनवरी, 2024 को केंद्रीय लुग्दी एवं कागज अनुसंधान संस्थान (सीपीपीआरआई) ने एक भव्य समारोह के साथ गणतंत्र दिवस मनाया, जिसने राष्ट्रीय गौरव और एकता के प्रति संस्थान की प्रतिबद्धता को प्रदर्शित किया। सहारनपुर के सीपीपीआरआई परिसर में आयोजित यह कार्यक्रम भारत के लोकतांत्रिक मूल्यों और सांस्कृतिक समृद्धि का जीवंत प्रतिबिंब था। दिन की शुरुआत औपचारिक ध्वजारोहण के साथ हुई। जैसे ही सुबह की हवा के बीच राष्ट्रीय ध्वज फहराया गया, सीपीपीआरआई के कर्मचारी और छात्र सम्मान में खड़े हो गए और राष्ट्रीय गान, "जन गण मन" से वातावरण गूंज उठा। डॉ. गुप्ता के संबोधन ने भारतीय संविधान में निहित न्याय, स्वतंत्रता और समानता के सिद्धांतों को बनाए रखने में गणतंत्र दिवस के महत्व पर जोर दिया।

गणतंत्र दिवस की झलकियाँ

विश्व पर्यावरण दिवस

सीपीपीआरआई ने पर्यावरण दिवस समारोह के अवसर पर स्वच्छाग्रहियों एवं पर्यावरण मित्रों को सम्मानित किया। केंद्रीय लुग्दी एवं कागज अनुसंधान संस्थान में दिनांक 5 जून, 2023 को 50वें विश्व पर्यावरण दिवस का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में खटीमा फाइबर्स के मुख्य प्रबंध निदेशक डॉ.आर.सी.रस्तोगी उपस्थित रहे। डॉ.रस्तोगी ने अपने भाषण में कागज उद्योगों में अपनाए जा रहे पर्यावरण अनुकूल तरीकों के बारे में लोगों को जागरूक किया। उन्होंने मानव जीवन में अपनाए जा रहे दैनिक क्रियाकलापों में उन परिवर्तनों की ओर भी ध्यान आकर्षित किया, जिनका पर्यावरण पर सकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है। कार्यक्रम में उपस्थित आईआईटी रुड़की के पेपर टेक्नोलॉजी विभागाध्यक्ष डॉ.धर्मदत्त ने पुनः चक्रित रेशा, फाइबर, एकल प्रयोग प्लास्टिक में कागज की भूमिका तथा कागज के पर्यावरण अनुकूल पहलुओं पर प्रकाश डाला।

समारोह के दौरान निदेशक द्वारा संस्थान के उद्यान विभाग एवं स्वच्छता विभाग के सभी स्वच्छाग्रहियों एवं पर्यावरण मित्र कर्मचारियों को शॉल ओढ़ाकर एवं स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। संस्थान को हरा-भरा और स्वच्छ रखने में उनके योगदान की सभी ने सराहना की। डॉ. ए.के. दीक्षित ने भारत सरकार की बीट प्लास्टिक पॉल्यूशन योजना के अंतर्गत सभी लोगों से प्लास्टिक का उपयोग कम करने की अपील की। उन्होंने पृथ्वी एवं प्रकृति के अत्यधिक दोहन को विनाशकारी बताया। कार्यक्रम के अंत में, सभी गणमान्य व्यक्तियों और प्रतिभागियों ने सीपीपीआरआई परिसर में वृक्षारोपण किया। सहारनपुर की सुप्रसिद्ध समाजसेविका श्रीमती नीना ढींगरा एवं डेलमंड इंटर स्कूल, सेंट मैरी स्कूल, ज्ञानकलश इंटरनेशनल स्कूल, राजकीय कन्या इंटर कॉलेज, आर्य कन्या इंटर कॉलेज, स्प्रिंग बेल्स स्कूल, मुन्ना लाल एवं जयनारायण खेमका गर्ल्स कॉलेज एवं सामाजिक संस्था सेवा के प्रतिनिधि कार्यक्रम में मौजूद थे।

विश्व पर्यावरण दिवस की झलकियाँ

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस

21 जून, 2023 को, केंद्रीय लुग्दी एवं कागज अनुसंधान संस्थान (सीपीपीआरआई) ने अपने कर्मचारियों के बीच शारीरिक कल्याण, मानसिक स्पष्टता और समग्र कल्याण को बढ़ावा देने के

उद्देश्य से कार्यक्रमों की एक श्रृंखला के साथ अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया। कार्यक्रम सहारनपुर में संस्थान के सुरम्य परिसर में आयोजित किया गया, जिसमें स्वस्थ और संतुलित जीवन शैली को बढ़ावा देने के साधन के रूप में दैनिक जीवन में योग को एकीकृत करने के महत्व पर प्रकाश डाला गया।

दिन की गतिविधियाँ एक उद्घाटन समारोह के साथ शुरू हुईं जिसने उत्सव के लिए एक शांत माहौल तैयार किया। कार्यक्रम का उद्घाटन सीपीपीआरआई के डॉ.संजय त्यागी ने किया, जिन्होंने योग दिवस के महत्व पर जोर देते हुए एक स्वागत भाषण दिया। डॉ. त्यागी ने अपने समुदाय की भलाई के लिए संस्थान की प्रतिबद्धता के अनुरूप, समग्र स्वास्थ्य और उत्पादकता को बढ़ाने में योग की परिवर्तनकारी शक्ति के बारे में बात की।

योग दिवस समारोह की एक केंद्रीय विशेषता डॉ. त्यागी के नेतृत्व में समूह योग सत्र था। सत्र संस्थान के हरे-भरे लॉन में हुआ, जो अभ्यास के लिए एक आदर्श पृष्ठभूमि प्रदान करता है। कर्मचारी और उनके परिवार सहित प्रतिभागी योग आसन (आसन), प्राणायाम (साँस लेने के व्यायाम), और ध्यान तकनीकों की एक श्रृंखला में लगे हुए हैं। सत्र को शुरुआती से लेकर अनुभवी अभ्यासकर्ताओं तक, सभी स्तरों के अनुभव को समायोजित करने के लिए डिज़ाइन किया गया था।

डॉ.त्यागी ने लचीलेपन, ताकत और संतुलन में सुधार लाने के उद्देश्य से कई आसनों के माध्यम से प्रतिभागियों का मार्गदर्शन किया। मन और शरीर के बीच गहरे संबंध को बढ़ावा देने के लिए सही मुद्रा और सांस लेने पर जोर दिया गया। सत्र का समापन निर्देशित ध्यान की अवधि के साथ हुआ, जिससे प्रतिभागियों को आंतरिक शांति और विश्राम की भावना का अनुभव हुआ।

सीपीपीआरआई में योग दिवस समारोह एक शानदार सफलता थी, जो अपने समुदाय के सदस्यों के बीच एक स्वस्थ और संतुलित जीवन शैली को बढ़ावा देने के लिए संस्थान की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। इस आयोजन ने न केवल शारीरिक फिटनेस और मानसिक कल्याण को प्रोत्साहित किया बल्कि एकता और सामूहिक उद्देश्य की भावना को भी बढ़ावा दिया। योग को दैनिक दिनचर्या में एकीकृत करके, सीपीपीआरआई का लक्ष्य स्वास्थ्य और कल्याण के व्यापक लक्ष्यों के अनुरूप अपने कर्मचारियों और छात्रों के लिए जीवन की समग्र गुणवत्ता को बढ़ाना है।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की झलकियाँ

शिक्षक दिवस

एमएससी (सीपीटी) के छात्रों ने शिक्षक दिवस को बड़े उत्साह और रचनात्मकता के साथ मनाया और इस अवसर को जीवंत गतिविधियों के साथ मनाया।

उत्सव की शुरुआत एक गर्मजोशी भरे उद्घाटन समारोह के साथ हुई, जहाँ छात्रों ने भाषणों और प्रदर्शनों के माध्यम से अपना आभार व्यक्त किया। इसके बाद संगीतमय प्रदर्शन और इंटरैक्टिव गेम्स सहित आकर्षक गतिविधियों की एक श्रृंखला शुरू हुई। एक विशेष खंड छात्र प्रतिभा को प्रदर्शित करने के लिए समर्पित था, जिसमें कविता पाठ और नृत्य प्रदर्शन ने उत्सव में एक व्यक्तिगत स्पर्श जोड़ा। यह दिन शिक्षकों द्वारा उनके जीवन में निभाई जाने वाली अमूल्य भूमिका का एक यादगार उत्सव था। जोकि खुशी, सम्मान और प्रशंसा से परिपूर्ण था।

शिक्षक दिवस समारोह में संकाय सदस्यों के साथ छात्र

सतर्कता जागरूकता सप्ताह

केंद्रीय सतर्कता आयोग (भारत सरकार) भ्रष्टाचार से लड़ने के अपने अधिदेश के प्रभावी कार्यान्वयन में कई रणनीतियाँ अपनाता है। सतर्कता जागरूकता सप्ताह का पालन निवारक सतर्कता के प्राथमिक उपकरणों में से एक बना हुआ है, जिसमें जागरूकता पैदा करने और सार्वजनिक प्रशासन में अखंडता बनाए रखने के लिए सभी की प्रतिबद्धता की फिर से पुष्टि करने पर ध्यान केंद्रित किया गया है। केंद्रीय सतर्कता आयोग हर साल उस सप्ताह में सतर्कता जागरूकता सप्ताह मनाता है जिसमें सरदार वल्लभभाई पटेल का जन्मदिन आता है। इस वर्ष सतर्कता जागरूकता सप्ताह 30 अक्टूबर से 5 नवंबर,2023 तक मनाया गया।

सीपीपीआरआई ने 30 अक्टूबर, 5 नवंबर, 2023 को सतर्कता जागरूकता सप्ताह मनाया। अभियान के एक भाग के रूप में और संस्थान के कर्मचारियों के बीच जागरूकता पैदा करने के उद्देश्य से, 1 नवंबर, 2023 को सभागार में एक प्रतिज्ञा समारोह आयोजित किया गया। शपथ दिलाई गई डॉ. ए.के. दीक्षित, मुख्य सतर्कता अधिकारी, सीपीपीआरआई द्वारा। सतर्कता जागरूकता अभियान के दौरान संस्थान में कार्यरत अधिकारियों एवं कर्मचारियों के लिए निम्नलिखित व्याख्यान आयोजित किये गये।

व्याख्यान का विषय	विशेषज्ञ
जनहित प्रकटीकरण और मुखबिरों की सुरक्षा (पीआईडीपीआई) संकल्प	डॉ. कवलजीत सिंह, पूर्व एससी। एफ और सीवीओ सीपीपीआरआई
संगठन की प्रणाली और प्रक्रिया	
संगठन की प्रणाली और खरीद की प्रक्रिया	श्री दिनेश कुमार, भंडार एवं खरीद अधिकारी, सीएसआईआर एवं आईआईपी, देहरादून
क्षमता निर्माण कार्यक्रम (आईओ/पीओ प्रशिक्षण)	श्री राम स्वरूप, पूर्व सीनियर डिप्टी। सचिव (प्रशासन), सीएसआईआर नई दिल्ली
प्रणालीगत सुधार उपायों की पहचान और कार्यान्वयन	

प्रशिक्षण के दौरान सीपीपीआरआई कर्मचारी

रन फॉर यूनिटी/राष्ट्रीय एकता दिवस

सीपीपीआरआई ने राष्ट्रीय एकता और अखंडता के महत्व को रेखांकित करते हुए एकता दिवस को उत्साह और समर्पण के साथ मनाया। दिन की शुरुआत एकता की शपथ के साथ हुई, जहां कर्मचारियों ने राष्ट्रीय एकता और एकजुटता के मूल्यों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई।

कुल मिलाकर, सीपीपीआरआई में एकता दिवस 2023 ने एक मजबूत, सामंजस्यपूर्ण समाज के निर्माण में एकता और समावेशिता के महत्व की एक शक्तिशाली अनुस्मारक के रूप में कार्य किया। यह आयोजन एक ज़बरदस्त सफलता थी, जो इन मूल मूल्यों के प्रति संगठन की प्रतिबद्धता और समुदाय में सकारात्मक योगदान देने के प्रति उसके समर्पण को दर्शाता है। इस कार्यक्रम में निदेशक डॉ. एम.के.गुप्ता के मार्गदर्शन में समस्त स्टाफ सदस्यों ने भाग लिया।

राष्ट्रीय एकता दिवस की झलकियाँ

विश्वकर्मा पूजा

17 सितंबर, 2023 को सीपीपीआरआई ने जीवंत उत्साह और श्रद्धा के साथ विश्वकर्मा पूजा मनाई, जो शिल्प कौशल और नवाचार के लिए संगठन की सराहना को दर्शाती है। उत्सव ने रचनात्मकता, सटीकता और उत्कृष्टता के प्रतीक, दिव्य वास्तुकार और शिल्पकार भगवान विश्वकर्माजी की पूजा की गई।

दिन की शुरुआत एक पारंपरिक पूजा समारोह के साथ हुई जहां कर्मचारी प्रार्थना करने और अपने पेशेवर प्रयासों में समृद्धि और सफलता के लिए आशीर्वाद मांगने के लिए एकत्र हुए। समारोह में सम्मानजनक और उत्पादक कार्य वातावरण बनाए रखने के महत्व को स्वीकार करते हुए, कार्यस्थलों की अनुष्ठानिक सफाई और सजावट की गई।

विश्वकर्मा पूजा की झलकियाँ

सरस्वती पूजा

14 फरवरी, 2024 को ज्ञान, बुद्धिमत्ता और विद्या की देवी सरस्वती का सम्मान करते हुए, सरस्वती पूजा बहुत श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाई गई। यह पुस्तकालय कर्मचारियों और संरक्षकों के लिए एक महत्वपूर्ण अवसर था, जो शैक्षिक और बौद्धिक विकास को बढ़ावा देने के लिए संस्थान की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

उत्सव की शुरुआत पुस्तकालय में आयोजित एक पूजा समारोह से हुई, जहां कर्मचारी प्रार्थना

करने और निरंतर सफलता और ज्ञानोदय के लिए देवी का आशीर्वाद लेने के लिए एकत्र हुए। पुस्तकालय के स्थान को फूलों और पारंपरिक रंगोली से सुंदर ढंग से सजाया गया था, जिससे एम.एससी (सीपीटी) के छात्रों द्वारा कार्यक्रम के लिए एक शुभ माहौल बनाया गया था।

इस समारोह में देवी की मूर्ति के सामने किताबें और शैक्षणिक सामग्री रखने की पारंपरिक रस्म निभाई गई, जो ज्ञान और शिक्षा के प्रति श्रद्धा का प्रतीक है। स्टाफ सदस्यों ने भजन और प्रार्थना करके अनुष्ठान में भाग लिया, जिससे सरस्वती का प्रतिनिधित्व करने वाले सांस्कृतिक और शैक्षिक मूल्यों को मजबूत किया गया।

सीपीपीआरआई पुस्तकालय में सरस्वती पूजा उत्सव एक सार्थक और प्रेरणादायक कार्यक्रम था, जो एक समृद्ध शिक्षण वातावरण को बढ़ावा देने और ज्ञान की खोज का उत्सव मनाने के लिए पुस्तकालय के समर्पण को उजागर करता है। सरस्वती पूजा का आयोजन श्री आलोक कुमार गोयल, विभागअध्यक्ष पुस्तकालय और श्रीमती सरिता शर्मा, पुस्तकालय अधिकारी द्वारा संयोजित किया गया।

सरस्वती पूजा की झलकियाँ

राजभाषा समाचार

सीपीपीआरआई में नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति की प्रथम अर्धवार्षिक बैठक का आयोजन

नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (नराकास) के सदस्य कार्यालयों की पहली छमाही एवं वार्षिक बैठक 29 मई 2023 को केंद्रीय लुग्दी एवं कागज अनुसंधान संस्थान (सीपीपीआरआई) के सभागार में आयोजित की गई। इस बैठक में केन्द्र सरकार के सहारनपुर स्थित 20 सदस्य कार्यालयों एवं संस्थानों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। बैठक में सहारनपुर के अधीन कार्यरत डाक प्रशिक्षण केंद्र, संयुक्त आयकर आयुक्त, नेहरू युवा केंद्र, नवोदय विद्यालय, केंद्रीय विद्यालय, भारतीय स्टेट बैंक के क्षेत्रीय कार्यालय, बैंक ऑफ बड़ौदा, केनरा बैंक, इंडियन बैंक, यूनियन बैंक ऑफ इंडिया, सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया, मंडल कार्यालय पंजाब नेशनल बैंक, यूनाइटेड इंडिया इंश्योरेंस लिमिटेड, नेशनल इंश्योरेंस लिमिटेड, मंडल कार्यालय द ओरिएंटल इंश्योरेंस लिमिटेड, द न्यू इंडिया एश्योरेंस लिमिटेड, फूड कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया और पावर ग्रिड कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

बैठक में सदस्य कार्यालयों को नराकास की कार्य प्रणाली एवं उद्देश्यों की जानकारी दी गयी तथा इन कार्यालयों में राजभाषा अनुपालन की समीक्षा एवं अर्धवार्षिक रिपोर्ट पर चर्चा की गयी. बैठक की अध्यक्षता नराकास, सहारनपुर के अध्यक्ष डॉ. मनोज कुमार गुप्ता ने की तथा सीपीपीआरआई के निदेशक डॉ. गुप्ता ने सभी कार्यालयों के प्रतिनिधियों से राजभाषा अधिनियमों के अंतर्गत अधिक से अधिक कार्य करने का आग्रह किया। नराकास के उपाध्यक्ष और सीपीपीआरआई के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. नितिन एंडले ने शहर में राजभाषा की प्रगति के लिए सभी सदस्य कार्यालयों को एकजुट होकर और समन्वय से काम करने का आह्वान किया। बैठक का संचालन नराकास के सदस्य एवं सचिव तथा सीपीपीआरआई के राजभाषा अधिकारी श्री कुमार अनुपम ने किया।

बैठक में श्री अजय कुमार चौधरी, सहायक निदेशक (कार्यान्वयन), राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, क्षेत्रीय कार्यान्वयन कार्यालय (उत्तर एवं 2), गाजियाबाद विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित थे। श्री चौधरी ने बैठक को राजभाषा कार्यान्वयन के लिए काफी महत्वपूर्ण बताया और सदस्य कार्यालयों से संघ की राजभाषा नीति के अनुरूप कार्य करने की अपील की. इस मौके पर सीपीपीआरआई के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. कवलजीत सिंह, डॉ. अश्वनी दीक्षित, डॉ. प्रीति शिवहरे लाल आदि भी बैठक में मौजूद रहे।

नगर राजभाषा कार्यान्वयन की प्रथम अर्धवार्षिक बैठक सीपीपीआरआई में आयोजित समिति

उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग की हिन्दी सलाहकार समिति की प्रथम बैठक में भागीदारी।

हिन्दी सलाहकार समिति की पहली बैठक 03 अगस्त, 2023 को वाणिज्य भवन, नई दिल्ली में माननीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री श्री पीयूष गोयल जी की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में सीपीपीआरआई की ओर से संस्थान के राजभाषा अधिकारी श्री कुमार अनुपम ने भाग लिया। माननीय अध्यक्ष की उपस्थिति में राजभाषा के सहज प्रयोग को प्रोत्साहित करने पर सार्थक चर्चा हुई। बैठक में मूल हिंदी पत्राचार की स्थिति, वेबसाइट का द्विभाषीकरण, हिंदी पुस्तकों की खरीद, राजभाषा संवर्ग के रिक्त पदों को भरना, हिंदी का अधिकतम प्रयोग सुनिश्चित करने के लिए प्रोत्साहन योजनाएं आदि पर प्रमुखता से चर्चा हुई।

बैठक में माननीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री श्री पीयूष गोयल एवं समिति के अन्य सदस्यों के साथ श्री कुमार अनुपम।

हिन्दी दिवस समारोह 2023 एवं तृतीय राजभाषा सम्मेलन, पुणे में सहभागिता

दो दिवसीय हिंदी दिवस समारोह एवं तृतीय अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन का आयोजन राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा संयुक्त रूप से 14 एवं 15 सितंबर 2023 को "श्री शिव छत्रपति खेल परिसर, बालेबाड़ी", पुणे में किया गया। इस सम्मेलन में मुख्य सत्र के अलावा हिन्दी से संबंधित विभिन्न विषयों पर कई समानान्तर शैक्षिक सत्र आयोजित किये गये। सीपीपीआरआई की ओर से संस्थान के निदेशक एवं राजभाषा अध्यक्ष डॉ. मनोज कुमार गुप्ता, राजभाषा उपाध्यक्ष डॉ. नितिन एंडले एवं राजभाषा अधिकारी श्री कुमार अनुपम ने सम्मेलन में भाग लिया.

हिंदी दिवस में डॉ. मनोज कुमार गुप्ता, डॉ. नितिन एंडले एवं श्री कुमार अनुपम, तृतीय अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन में

राजभाषा हिन्दी सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता का आयोजन

सीपीपीआरआई के तत्वावधान में नराकास, सहारनपुर के अंतर्गत कार्यालयों में राजभाषा के निरंतर प्रचार, प्रसार एवं प्रयोग हेतु केनरा बैंक द्वारा 27 सितंबर 2023 को ऑनलाइन माध्यम से राजभाषा हिंदी सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में नराकास सहारनपुर द्वारा। प्रथम, द्वितीय, तृतीय एवं दो प्रोत्साहन पुरस्कार दिये गये। इस प्रतियोगिता में पंजाब नेशनल बैंक, सहारनपुर के एरिया मैनेजर श्री सिद्धार्थ श्रेष्ठ को प्रथम पुरस्कार मिला। श्री अनुपम, बिंदल, मुख्य प्रबंधक, बैंक ऑफ बड़ौदा, सहारनपुर को द्वितीय पुरस्कार, श्री अंशू, परियोजना सहयोगी, सीपीपीआरआई को तृतीय पुरस्कार, श्री विनीत कुमार, कनिष्ठ अभियंता, पावर ग्रिड कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया, सहारनपुर एवं यूनियन बैंक ऑफ इंडिया, सहारनपुर के उप प्रबंधक भानु प्रताप को प्रोत्साहन पुरस्कार मिला।

प्रथम पुरस्कार जीतने वाले पंजाब नेशनल बैंक, सहारनपुर के एरिया मैनेजर श्री सिद्धार्थ श्रेष्ठ को सम्मानित करते डॉ. मनोज कुमार गुप्ता एवं श्री अजय कुमार चौधरी राजभाषा हिन्दी सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता।

सीपीपीआरआई में हिंदी पखवाड़ा कार्यक्रम एवं पुरस्कार वितरण समारोह

सीपीपीआरआई में 16-30 सितंबर 2023 तक हिंदी पखवाड़ा कार्यक्रम एवं पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में संस्थान के निदेशक डॉ. मनोज कुमार गुप्ता ने तृतीय 14-15 सितंबर, 2023 को पुणे में आयोजित तीसरे अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन में प्राप्त अनुभवों को संस्थान के कर्मचारियों के साथ साझा किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि कागज और लुग्दी क्षेत्र में हिंदी के प्रयोग को बढ़ावा देना चाहिए। साथ ही हिंदी में अनुवाद को सरल बनाने के लिए राजभाषा विभाग द्वारा विकसित सॉफ्टवेयर कंठस्थ 2.0 और हिंदी शोध सिंधु शब्दकोष के बारे में भी सभी को जानकारी दी। राजभाषा प्रकोष्ठ के उपाध्यक्ष डॉ. नितिन एंडले ने भी अपने संबोधन में सभी से राजभाषा हिंदी के प्रचार-प्रसार एवं कार्यान्वयन का आह्वान किया। कार्यक्रम का संचालन संस्थान के राजभाषा अधिकारी श्री कुमार अनुपम ने किया। प्रशिक्षण के लिए संस्थान में आए पल्प एंड पेपर टेक्नोलॉजी कोर्स (महामाया पॉलिटेक्निक ऑफ इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी, शामली, उत्तर प्रदेश) के डिप्लोमा छात्र दीक्षित और सलामुद्दीन के लिए पहली बार प्रोजेक्ट कार्य हिंदी भाषा में आयोजित किया गया था। इसके लिए इन छात्रों एवं वैज्ञानिकों डॉ. अश्वनी कुमार दीक्षित एवं श्री कुमार अनुपम को उनके पर्यवेक्षण एवं सह-पर्यवेक्षण के लिए सम्मानित किया गया। संस्थान में कार्यरत ओडिशा के तकनीकी अधिकारी श्री नरेंद्र कुमार नाइक को केंद्रीय हिंदी प्रशिक्षण संस्थान से हिंदी भाषा दीर्घकालिक प्रवीणता पाठ्यक्रम परीक्षा सफलतापूर्वक उत्तीर्ण करने पर नकद पुरस्कार और स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के अंतर्गत संस्थान के दैनिक कार्यों में हिंदी भाषा के प्रयोग को बढ़ावा देने हेतु संस्थान में हिंदी निबंध, भाषण एवं पोस्टर प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। इन प्रतियोगिताओं में संस्थान के कर्मचारियों के परिवारों एवं एमएससी के विद्यार्थियों ने भाग लिया। निबंध प्रतियोगिता में पारखी अग्रवाल, अमन अग्रहरि व सलामुद्दीन विजेता रहे। भाषण प्रतियोगिता में उत्सव खुरचानिया, दीक्षित और शालिनी दत्ता विजेता रहे। पोस्टर प्रतियोगिता में पारखी अग्रवाल, शालिनी दत्ता एवं प्रियंका कुमारी विजेता रहीं। हुरिया, मीमांसा राजपूत, हेमंत गोले, सारा और शांभवी शर्मा ने भी अपने पोस्टर के माध्यम से हिंदी भाषा की महिमा का बखान किया। प्रतियोगियों के मूल्यांकन के लिए गठित समिति के सदस्य डॉ. प्रीति शिवहरे लाल, डॉ. नितिन एंडले और श्री आलोक कुमार गोयल को भी उनके योगदान के लिए सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में संस्थान के कर्मचारियों एवं विद्यार्थियों ने बड़े उत्साह से भाग लिया तथा हिन्दी भाषा के प्रचार-प्रसार हेतु अधिक से अधिक कार्य हिन्दी में करने का संकल्प लिया।

सीपीपीआरआई में आयोजित हिन्दी पखवाड़ा कार्यक्रम और पुरस्कार वितरण समारोह में विद्यार्थीगण, अधिकारीगण एवं वैज्ञानिकगण ने भाग लिया

उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग की हिन्दी सलाहकार समिति की द्वितीय बैठक में भागीदारी

उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग की हिंदी सलाहकार समिति की दूसरी बैठक माननीय वाणिज्य एवं उद्योग राज्य मंत्री श्री सोम प्रकाश की अध्यक्षता में 27 अक्टूबर, 2023 को ताज विवांता होटल, श्रीनगर, जम्मू में आयोजित की गई। कश्मीर, सीपीपीआरआई की ओर से संस्थान के निदेशक एवं राजभाषा अध्यक्ष डॉ. मनोज कुमार गुप्ता, राजभाषा उपाध्यक्ष डॉ. नितिन एंडले एवं राजभाषा अधिकारी श्री कुमार अनुपम ने बैठक में भाग लिया। माननीय अध्यक्ष की उपस्थिति में उक्त समिति ने विभाग के कामकाज में राजभाषा हिन्दी के प्रगतिशील प्रयोग पर चर्चा की। बैठक के दौरान राजभाषा के प्रयोग को मजबूत करने के लिए सदस्यों से सुझाव आमंत्रित किये गये। बैठक में मौलिक हिंदी पत्राचार की स्थिति, वेबसाइट का द्विभाषाकरण, हिंदी पुस्तकों की खरीद, राजभाषा संवर्ग के रिक्त पदों को भरना, गृह पत्रिका का प्रकाशन, हिंदी नोट प्रारूपण नकद पुरस्कार योजना आदि पर चर्चा की गई।

बैठक में माननीय वाणिज्य एवं उद्योग राज्य मंत्री श्री सोम प्रकाश, माननीय लोकसभा सांसद श्री राम कृपाल यादव एवं समिति के अन्य सदस्यों के साथ में डॉ. मनोज कुमार गुप्ता, डॉ. नितिन एंडले और श्री कुमार अनुपम

सहायक निदेशक (कार्यान्वयन), क्षेत्रीय कार्यान्वयन कार्यालय (उत्तर-2), गाजियाबाद द्वारा नराकास, सहारनपुर के कार्यालयों का निरीक्षण

सहायक निदेशक (कार्यान्वयन) श्री अजय कुमार चौधरी राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, क्षेत्रीय कार्यान्वयन कार्यालय (उत्तर-2), गाजियाबाद द्वारा 20 नवंबर 2023 को नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, सहारनपुर के अंतर्गत कार्यालयों का निरीक्षण। उक्त निरीक्षण कार्यक्रम में नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, सहारनपुर के सदस्य एवं सचिव श्री कुमार अनुपम उपस्थित थे।

राजभाषा निरीक्षण के दौरान केनरा बैंक, सहारनपुर के प्रबंधक साथ में सहायक निदेशक (कार्यान्वयन) श्री अजय कुमार चौधरी एवं श्री कुमार अनुपम

राजभाषा निरीक्षण के दौरान नेशनल इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड, सहारनपुर सहायक निदेशक (कार्यान्वयन) के वरिष्ठ शाखा प्रबंधक श्री निर्देश गिरि के साथ श्री अजय कुमार चौधरी और श्री कुमार अनुपम और अन्य अधिकारी

सीपीपीआरआई में नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति की दूसरी छमाही बैठक

भारत सरकार के गृह मंत्रालय के अधीन कार्यरत नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (नराकास) के सदस्य कार्यालयों की सीपीपीआरआई की अध्यक्षता में दूसरी छमाही बैठक 30 नवंबर 2023 को आयोजित की गई। 15 सदस्यों के प्रतिनिधि इस बैठक में केन्द्र सरकार के सहारनपुर स्थित कार्यालयों ने भाग लिया तथा इन कार्यालयों में राजभाषा के अनुपालन की समीक्षा की गयी। बैठक में सहारनपुर के अंतर्गत कार्यरत डाक प्रशिक्षण केंद्र, भारतीय दूरसंचार निगम, संयुक्त आयकर आयुक्त, नवोदय विद्यालय, केंद्रीय विद्यालय, बैंक ऑफ बड़ौदा, केनरा बैंक, इंडियन बैंक, मंडल कार्यालय पंजाब नेशनल बैंक, नेशनल इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड, द. भारत बीमा कंपनी लिमिटेड, वायु सेना स्टेशन, भारतीय खाद्य निगम और पावर ग्रिड कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया के नए प्रतिनिधि उपस्थित थे। बैठक में नराकास सहारनपुर के तत्वावधान में केनरा बैंक द्वारा आयोजित राजभाषा सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता के विजेताओं को पुरस्कृत किया गया, बैठक की अध्यक्षता नराकास, सहारनपुर के अध्यक्ष एवं निदेशक डॉ. मनोज कुमार गुप्ता ने की।

सीपीपीआरआई का. नराकास के उपाध्यक्ष और सीपीपीआरआई के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. नितिन एंडले ने सभी सदस्य कार्यालयों से शहर में राजभाषा की प्रगति के लिए वार्षिक कार्यक्रम के

अंतर्गत दिए गए लक्ष्यों पर कार्रवाई सुनिश्चित करने और अनुपालन के लिए दिशानिर्देशों के अनुसार काम करने का आह्वान किया। बैठक का संचालन नराकास के सदस्य एवं सचिव तथा सीपीपीआरआई के राजभाषा अधिकारी वैज्ञानिक श्री कुमार अनुपम ने किया। बैठक में विशिष्ट अतिथि के रूप में श्री अजय कुमार चौधरी, सहायक निदेशक (कार्यान्वयन), राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, क्षेत्रीय कार्यान्वयन कार्यालय (उत्तर-2), गाजियाबाद उपस्थित थे। बैठक में नराकास सहारनपुर की वार्षिक पत्रिका संयुक्त अंक 5 का प्रकाशन, नराकास के फेसबुक/यूट्यूब पेज का निर्माण, नराकास के वेबपेज को अपडेट करना, राजभाषा पर आधारित अंतर एवं कार्यालय कार्यक्रमों का आयोजन, त्रैमासिक एवं अर्धवार्षिक रिपोर्ट नियमित रूप से प्रस्तुत करना। नराकास सदस्य कार्यालय। सदस्य कार्यालयों में राजभाषा कार्यान्वयन, मार्गदर्शन के लिए सीपीपीआरआई राजभाषा कक्ष का दौरा आदि विषयों पर चर्चा की गई।

सीपीपीआरआई में नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति की दूसरी छमाही बैठक आयोजित

पावर ग्रिड कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया, सहारनपुर में आमंत्रित व्याख्यान

23 मार्च 2024 को पावर ग्रिड कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया, सहारनपुर द्वारा अपने कार्यालय में "भारत सरकार की राजभाषा नीति" विषय पर एक दिवसीय हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया गया, जिसमें सीपीपीआरआई के राजभाषा अधिकारी श्री कुमार अनुपम को आमंत्रित किया गया था। कार्यशाला में व्याख्यान दें. कार्यशाला में श्री कुमार अनुपम ने सभी प्रतिभागियों को राजभाषा के नियमों एवं दिशा-निर्देशों जैसे राजभाषा के लिए संवैधानिक प्रावधान, राजभाषा अधिनियम 1963, राष्ट्रपति आदेश 1960, राजभाषा संकल्प 1968 एवं राजभाषा नियम 1976 के बारे में जानकारी दी। कार्यशाला में राजभाषा की उपयोगिता एवं महत्व, सरल हिन्दी का प्रयोग, कंप्यूटर में यूनिकोड को सक्षम बनाना, गूगल इनपुट टूल, हिन्दी इंडिक एवं वॉइस टाइपिंग पर भी चर्चा की गई, ताकि राजभाषा विभाग द्वारा निर्धारित लक्ष्य को शत-प्रतिशत प्राप्त किया जा सके।

पावर ग्रिड कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया के प्रतिभागियों के साथ श्री कुमार अनुपम

हिंदी त्रैमासिक रिपोर्ट और वार्षिक हिंदी मूल्यांकन रिपोर्ट

सीपीपीआरआई ने डीपीआईआईटी, वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय, भारत सरकार को तिमाही प्रगति रिपोर्ट भेजी। एक प्रगति रिपोर्ट और एक वार्षिक रिपोर्ट अक्टूबर के अंत में भेजी जाती है। वर्ष के दौरान सीपीपीआरआई द्वारा हिंदी में भेजे गए फाइलों/दस्तावेजों पर लिखे गए मूल पत्रों और टिप्पणियों का विवरण नीचे में दिए गए चित्रों में दिखाया गया है, त्रैमासिक प्रगति रिपोर्ट की समीक्षा के बाद, राजभाषा उद्योग संवर्धन एवं आंतरिक व्यापार विभाग द्वारा कमियों एवं सुझावों से अवगत कराया जाता है तथा उक्त कमियों एवं सुझावों पर आवश्यक कार्यवाही किया जाना सुनिश्चित किया जाता है। विभाग द्वारा सीपीपीआरआई में हिंदी की प्रगति एवं गतिविधियों को संतोषजनक पाया गया है, परंतु प्रत्येक तिमाही में नियमित रूप से एक कार्यशाला का आयोजन, सीपीपीआरआई के अनुभागों की राजभाषा संबंधी निरीक्षण, सीपीपीआरआई की वेबसाइट को द्विभाषी बनाने जैसे कुछ जरूरी कार्यों को सुनिश्चित करने का सुझाव दिया गया है।

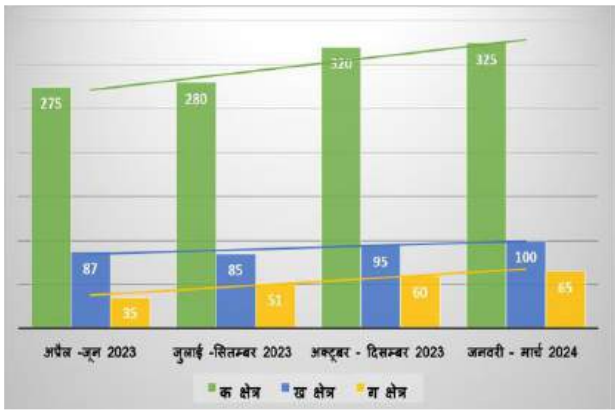

वर्ष के दौरान सीपीपीआरआई द्वारा हिंदी में भेजे गए मूल पत्र का विवरण

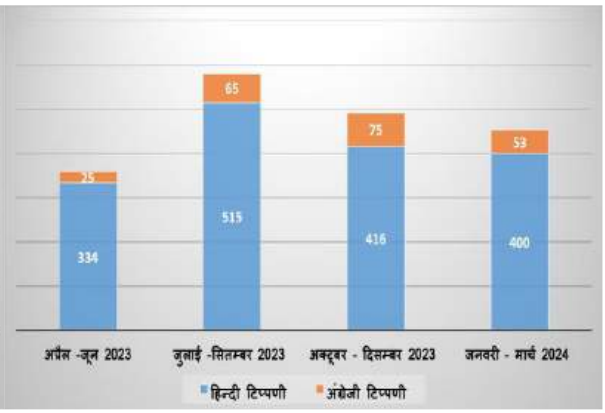

वर्ष के दौरान सीपीपीआरआई में फाइलों/दस्तावेजों पर लिखी गई टिप्पणियों का विवरण

LiFE मिशन

परिचय

LiFE की शुरुआत माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा 1 नवंबर, 2021 को ग्लासगो में COP26 में पर्यावरण की रक्षा और संरक्षण के लिए "विचारहीन और विनाशकारी उपभोग के बजाय सचेत और जानबूझकर उपयोग" के लिए एक जन आंदोलन के रूप में की गई थी। इसका उद्देश्य व्यक्तियों और समुदायों को ऐसी जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करना है जो प्रकृति के साथ तालमेल बिठाए और उसे नुकसान न पहुंचाए। ऐसी जीवनशैली अपनाने वालों को "प्रो प्लैनेट पीपल" के रूप में मान्यता दी जाती है। सीपीपीआरआई में, श्री कुमार अनुपम को डॉ. नितिन एंडले के मार्गदर्शन में LiFE मिशन गतिविधियों के लिए नोडल अधिकारी के रूप में नामित किया गया। वित्तीय वर्ष 2023-2024 में सीपीपीआरआई द्वारा निम्नलिखित LiFE मिशन गतिविधियाँ की गईं।

संवेदीकरण कार्यशालाएँ

सीपीपीआरआई ने मिशन लाइफ के उद्देश्यों, गतिविधियों, ई-कचरा पुनःचक्रण और रद्दी कागज के पुनःचक्रण के बारे में छात्रों के बीच जागरूकता पैदा करने के लिए क्रमशः 25-26 मई, 2023 को केएलजी पब्लिक स्कूल, सहारनपुर और दिल्ली पब्लिक स्कूल, सहारनपुर में दो संवेदीकरण कार्यशालाओं का आयोजन किया। छात्रों को रद्दी कागज और कृषि अपशिष्ट से तैयार की गई नोटबुक उपहार में दी गईं। लगभग 180 छात्रों ने दोनों कार्यशालाओं में भाग लिया और स्वच्छ और हरित भारत के लिए मिशन लाइफ के उद्देश्यों और गतिविधियों को अपनाने का संकल्प लिया।

LiFE मिशन - संवेदीकरण कार्यशाला के.एल.जी पब्लिक स्कूल, सहारनपुर

जागरूकता व्याख्यान

श्री कुमार अनुपम ने नेहरू युवा केंद्र, सहारनपुर द्वारा आशा मॉडर्न इंटरनेशनल स्कूल, सहारनपुर में दिनांक मई 27, 2023 को आयोजित "युवा उत्सव, भारत @2047" कार्यक्रम में लाइफ मिशन पर जागरूकता व्याख्यान दिया, जिसमें 100 प्रतिभागियों ने भाग लिया। प्रतिभागियों को लाइफ मिशन के उद्देश्यों, गतिविधियों, ई-वेस्ट रीसाइक्लिंग, वेस्टपेपर रीसाइक्लिंग आदि के बारे में जानकारी दी गई।

सीपीपीआरआई परिसर में मिशन लाइफ पोस्टर

स्वच्छता ही सेवा एवं विशेष अभियान 3.0

ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य

सीपीपीआरआई ने 2 -15 अक्टूबर, 2023 को स्वच्छता ही सेवा और विशेष अभियान 3.0 मनाया। सएचएस 3.0 तैयारी चरण के अंतर्गत सीपीपीआरआई में की जा रही गतिविधियों की निगरानी के लिए, श्री राजेश कुमार सिंह, संयुक्त सचिव (प्रशासन), डीपीआईआईटी, भारत सरकार द्वारा 29सितम्बर,2023 को एक क्षेत्रीय दौरा किया गया। उन्होंने सीपीपीआरआई अधिकारियों के साथ बैठकें कीं और उन्हें स्वच्छता ही सेवा (एसएचएस) और विशेष अभियान 3.0 के लिए गतिविधियों को आगे बढ़ाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने विभिन्न प्रयोगशालाओं और कार्यालय का दौरा किया और समीक्षा और छंटाई के लिए पहचानी गई फाइलों/रिकॉर्ड्स पर बारीकी से नज़र डाली। डॉ. ए.के. दीक्षित नोडल अधिकारी एसएचएस अभियान 3.0 ने एसएचएस अभियान 3.0 की कार्ययोजना प्रस्तुत की। संयुक्त सचिव ने पहचान की गई फाइलों/रिकॉर्डों को छांटने के लिए सीपीपीआरआई में अपनाई जा रही श्रेडिंग प्रणाली की सराहना की।

सीपीपीआरआई के अधिकारियों, ग्राउंड स्टाफ, सफाई मित्रों और स्कूल शिक्षकों को एसएचएस अभियान 3.0 के लिए जुटाया गया। सहारनपुर के एक सरकारी प्राथमिक विद्यालय और सीपीपीआरआई में सफाई अभियान चलाया गया। कार्यालय परिसर और एक सरकारी प्राथमिक विद्यालय में एक घंटे एक दिन का अभियान चलाया गया। सरकारी प्राथमिक विद्यालय, सहारनपुर, स्कूल के छात्र, गांव के अतिथि, स्कूली बच्चों के माता-पिता, सफाई मित्र, स्कूल के रसोइए, सीपीपीआरआई स्टाफ, शोध विद्वानगण, सीपीपीआरआई के एमएससी सेल्यूलोज और प्रौद्योगिकी छात्रों द्वारा स्वच्छता ही सेवा और एकल उपयोग प्लास्टिक के विरूद्ध शपथ ली गई। सीपीपीआरआई में एमएससी छात्रों की पोस्टर प्रतियोगिता आयोजित की गई। 2 अक्टूबर 2023 को सीपीपीआरआई और प्राथमिक विद्यालय के सफाई मित्रों को सम्मानित किया गया। प्राथमिक विद्यालय के छात्रों को गैर-लकड़ी और लकड़ी की लुग्दी से निर्मित नोटबुक वितरित की गईं। स्कूल में सूखे और गीले कचरे को अलग-अलग रखने के लिए दो अलग-अलग डस्टबिन लगाए गए। सरकारी प्राथमिक विद्यालय में पौधारोपण अभियान चलाया गया। विशेष अभियान 3.0 के अंतर्गत पुराने समाचार-पत्र, पुरानी पत्रिकाएँ और कटे-फटे कार्यालयी कचरे का निपटान किया गया।

श्री राजेश कुमार सिंह, संयुक्त सचिव (प्रशासन), डीपीआईआईटी, भारत सरकार, सीपीपीआरआई स्टाफ के साथ और श्रेडिंग रूम का दौरा करते हुए

बाईं ओर: एमएससी के साथ जेएस की बातचीत दौरे के दौरान सीपीपीआरआई के (सेलूलोज़ और पेपर टेक्नोलॉजी) छात्र तथा दाईं ओर: सीपीपीआरआई एवं प्राइमरी स्कूल और सफाईमित्रों का अभिनंदन

विशेष अभियान 3.0 के अंतर्गत स्कूल में वृक्षारोपण तथा अभियान पुराने समाचार पत्रों, पुरानी पत्रिकाओं और कटे हुए कार्यालय के कचरे का निपटान

सूचना का अधिकार (आर.टी.आई) अधिनियम 2005

परिचय

केंद्रीय लुग्दी एवं कागज अनुसंधान संस्थान (सीपीपीआरआई) अपने संचालन में पारदर्शिता और जवाबदेही को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है- सूचना का अधिकार (आरटीआई) अधिनियम, 2005 के अनुरूप, सीपीपीआरआई जनता तक सूचना का समय पर प्रसार सुनिश्चित करता है। यह अध्याय वित्तीय वर्ष 2023-2024 के दौरान सीपीपीआरआई द्वारा की गई आरटीआई गतिविधियों, अनुपालन स्थिति और पहलों की रूपरेखा प्रस्तुत करता है।

आरटीआई सेल @ सीपीपीआरआई, सहारनपुर

आरटीआई अधिनियम-2005 के प्रभावी कार्यान्वयन की सुविधा के लिए सीपीपीआरआई ने डॉ. एम.के. गुप्ता, निदेशक सीपीपीआरआई को प्रथम अपीलीय प्राधिकारी (एफएए) के रूप में नामित किया है, श्री आलोक कुमार गोयल, वैज्ञानिक ई- द्वितीय जन सूचना अधिकारी (पीआईओ) हैं, जिनकी सहायता श्रीमती सरिता शर्मा, सहायक जन सूचना अधिकारी (एपीआईओ) करती हैं। डॉ. नितिन एंडले नोडल अधिकारी हैं।

आरटीआई आवेदन और प्रतिक्रियाएँ

वित्तीय वर्ष 2023 - 2024 के दौरान, सीपीपीआरआई को कुल 63 आरटीआई आवेदन और 04 अपीलें प्राप्त हुईं।

मांगी गई जानकारी के प्रकार

सीपीपीआरआई द्वारा प्राप्त आरटीआई आवेदनों में व्यापक विषयों को शामिल किया गया है, जिनमें ये शामिल हैं, लेकिन इन्हीं तक सीमित नहीं हैं:

- अनुसंधान एवं विकास परियोजनाएँ
- मानव संसाधन और स्टाफिंग विवरण
- संस्थागत नीतियां और दिशानिर्देश

सक्रिय प्रकटीकरण

आरटीआई अधिनियम की धारा 4(1)(बी) के अनुसार, सीपीपीआरआई ने अपनी आधिकारिक वेबसाइट पर महत्वपूर्ण जानकारी को सक्रिय रूप से प्रकट करने के लिए महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। प्रोएक्टिव डिस्क्लोजर का थर्ड पार्टी ऑडिट पिछले साल इंडियन रबर मैन्युफैक्चरर्स रिसर्च एसोसिएशन, मुंबई द्वारा किया गया है और इसे संस्थान की वेबसाइट पर अपलोड किया गया है।

प्रशिक्षण कार्यक्रम में भागीदारी

आरटीआई अधिनियम के प्रभावी कार्यान्वयन को सुनिश्चित करने के लिए, निम्नलिखित प्रशिक्षण कार्यक्रम में डॉ. एम.के.गुप्ता, एफएए और श्री आलोक कुमार गोयल, जन सूचना अधिकारी ने प्रतिभाग किया।

8 से 10 जनवरी, 2024 तक होटल कॉर्बेट- द ग्रैंड, जिम कॉर्बेट, उत्तराखंड में "सीपीआईओ और अपीलीय अधिकारियों के लिए सूचना का अधिकार अधिनियम" पर 3 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम ।

कार्यक्रम के दौरान श्री आलोक कुमार गोयल

त्रैमासिक रिपोर्ट

आरटीआई अधिनियम -2005 के अंतर्गत रिपोर्ट तिमाही आधार पर केंद्रीय सूचना आयोग (सीआईसी) को रिपोर्ट प्रस्तुत की जाती है।

निष्कर्ष

केंद्रीय लुग्दी एवं कागज अनुसंधान संस्थान आरटीआई अधिनियम में निहित पारदर्शिता और जवाबदेही के सिद्धांतों को बनाए रखने के लिए समर्पित है। 2023 और 2024 में संस्थान के प्रयास जनता को समय पर और सटीक जानकारी प्रदान करने की उसकी प्रतिबद्धता को दर्शाते हैं। आगे बढ़ते हुए, सीपीपीआरआई हितधारकों और आम जनता के हितों की बेहतर सेवा के लिए अपने आरटीआई कार्यकारी रुपरेखा की अद्यतन करेगा।

दीपक सैनी एंड एसोसिएट्स
चार्टर्ड अकाउंटेंट

केंद्रीय लुग्दी एवं कागज अनुसंधान संस्थान के सदस्य

स्टैंडअलोन वित्तीय विवरणों की लेखापरीक्षा पर रिपोर्ट राय

हमने सेंट्रल पल्प एंड पेपर रिसर्च इंस्टीट्यूट के स्टैंडअलोन वित्तीय विवरणों का ऑडिट किया है, जिसमें 31 मार्च 2024 तक की बैलेंस शीट और समाप्त वर्ष के लिए लाभ और हानि का विवरण, और वित्तीय विवरणों के लिए नोट्स शामिल हैं, जिसमें महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियों और अन्य व्याख्यात्मक जानकारी का सारांश शामिल है।

राय

हमारी राय में और हमारी सर्वोत्तम जानकारी के अनुसार तथा हमें दिए गए स्पष्टीकरणों के अनुसार, उपर्युक्त एकल वित्तीय विवरण अधिनियम द्वारा अपेक्षित तरीके से जानकारी देते हैं तथा भारत में सामान्यतः स्वीकृत लेखांकन सिद्धांतों के अनुरूप सही और निष्पक्ष दृष्टिकोण प्रस्तुत करते हैं, सिवाय 31 मार्च 2024 तक संस्थान की स्थिति तथा उस तिथि को समाप्त वर्ष के लिए उसके घाटे के बारे में राय के आधार पैरा में चर्चित मामले को छोड़कर।

राय का आधार

हमने अपना ऑडिट आईसीएआई द्वारा निर्दिष्ट ऑडिटिंग मानकों (SAs) के अनुसार किया। उन मानकों के तहत हमारी ज़िम्मेदारियों को हमारी रिपोर्ट के वित्तीय विवरणों के ऑडिट के लिए ऑडिटर की ज़िम्मेदारियों में आगे वर्णित किया गया है। हम इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया द्वारा जारी आचार संहिता के अनुसार संस्थान से स्वतंत्र हैं और हमने इन आवश्यकताओं और आचार संहिता के अनुसार अपनी अन्य नैतिक ज़िम्मेदारियों को पूरा किया है।

वित्तीय विवरणों की हमारी लेखापरीक्षा के संबंध में, हमारी जिम्मेदारी है कि हम अन्य जानकारी को पढ़ें और ऐसा करते समय, इस बात पर विचार करें कि क्या अन्य जानकारी वित्तीय विवरणों या लेखापरीक्षा में प्राप्त हमारे ज्ञान से भौतिक रूप से असंगत है या अन्यथा भौतिक रूप से गलत प्रतीत होती है। यदि, हमारे द्वारा किए गए कार्य के आधार पर, हम निष्कर्ष निकालते हैं कि इस अन्य जानकारी में कोई भौतिक रूप से गलत विवरण है; तो हमें उस तथ्य की रिपोर्ट करना आवश्यक है। इस संबंध में हमें रिपोर्ट करने के लिए कुछ भी नहीं है।

दीपक सैनी एंड एसोसिएट्स
चार्टर्ड अकाउंटेंट

मुख्य लेखापरीक्षा मामले

मुख्य लेखापरीक्षा मामले वे मामले हैं जो हमारे पेशेवर निर्णय में, वर्तमान अवधि के वित्तीय विवरणों की हमारी लेखापरीक्षा में सबसे महत्वपूर्ण थे। इन मामलों को समग्र रूप से वित्तीय विवरणों की हमारी लेखापरीक्षा के संदर्भ में और उस पर हमारी राय बनाने में संबोधित किया गया था, और हम इन मामलों पर अलग से कोई राय नहीं देते हैं।

स्टैंडअलोन वित्तीय विवरणों के लिए प्रबंधन और शासन के लिए जिम्मेदार व्यक्तियों की जिम्मेदारियां

संस्थान का प्रबंधन इन स्वतंत्र वित्तीय विवरणों को तैयार करने के लिए जिम्मेदार है, जो भारत में आम तौर पर स्वीकार किए गए लेखांकन सिद्धांतों के अनुसार संस्थान की वित्तीय स्थिति, वित्तीय प्रदर्शन का सही और निष्पक्ष दृष्टिकोण देते हैं। इस जिम्मेदारी में संस्थान की परिसंपत्तियों की सुरक्षा और धोखाधड़ी और अन्य अनियमितताओं को रोकने और उनका पता लगाने के लिए अधिनियम के प्रावधानों के अनुसार पर्याप्त लेखांकन रिकॉर्ड का रखरखाव भी शामिल है; उपयुक्त लेखांकन नीतियों का चयन और आवेदन; उचित और विवेकपूर्ण निर्णय और अनुमान लगाना; और पर्याप्त आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों का डिजाइन, कार्यान्वयन और रखरखाव, जो वित्तीय विवरणों की तैयारी और प्रस्तुति के लिए प्रासंगिक लेखांकन रिकॉर्ड की सटीकता और पूर्णता सुनिश्चित करने के लिए प्रभावी रूप से काम कर रहे थे, जो एक सही और निष्पक्ष दृष्टिकोण देते हैं और धोखाधड़ी या त्रुटि के कारण होने वाले भौतिक गलत बयानों से मुक्त हैं।

वित्तीय विवरण तैयार करते समय, प्रबंधन संस्थान की चालू व्यवसाय के रूप में जारी रहने की क्षमता का आकलन करने, चालू व्यवसाय से संबंधित मामलों का खुलासा करने और लेखांकन के चालू व्यवसाय के आधार का उपयोग करने के लिए जिम्मेदार होता है, जब तक कि प्रबंधन संस्थान को समाप्त करने या परिचालन बंद करने का इरादा न रखता हो, या ऐसा करने के अलावा कोई वास्तविक विकल्प न हो। वे प्रबंधन संस्थान की वित्तीय रिपोर्टिंग प्रक्रिया की देखरेख के लिए भी जिम्मेदार होते हैं।

वित्तीय विवरणों की लेखापरीक्षा के लिए लेखापरीक्षक की जिम्मेदारियां

हमारा उद्देश्य इस बारे में उचित आश्वासन प्राप्त करना है कि क्या वित्तीय विवरण समग्र रूप से भौतिक गलतबयानी से मुक्त हैं, चाहे वह धोखाधड़ी या त्रुटि के कारण हो, और एक लेखा परीक्षक की रिपोर्ट जारी करना जिसमें हमारी राय शामिल हो। उचित आश्वासन एक ऑडिट हमेशा एक उच्च स्तर का आश्वासन है, लेकिन यह गारंटी नहीं है कि एसए के अनुसार किया गया भौतिक गलतबयानी का पता लगाएगा जब वह मौजूद हो। गलतबयानी धोखाधड़ी या त्रुटि से उत्पन्न हो सकती है और उन्हें भौतिक माना जाता है यदि, व्यक्तिगत रूप से या कुल मिलाकर, वे इन वित्तीय विवरणों के आधार पर उपयोगकर्ताओं द्वारा लिए गए आर्थिक निर्णयों को प्रभावित करने की उचित रूप से अपेक्षा की जा सकती है।

दीपक सैनी एंड एसोसिएट्स
चार्टर्ड अकाउंटेंट

अन्य कानूनी और विनियामक आवश्यकताओं पर रिपोर्ट

क. हमने वह सभी सूचनाएं और स्पष्टीकरण मांगे और प्राप्त कर लिए हैं जो हमारे सर्वोत्तम ज्ञान और विश्वास के अनुसार हमारी लेखापरीक्षा के प्रयोजनों के लिए आवश्यक थे।

ख. हमारी राय में, संस्थान द्वारा कानून द्वारा अपेक्षित उचित लेखा पुस्तकें रखी गई हैं, जैसा कि उन पुस्तकों की हमारी जांच से पता चलता है।

दीपक सैनी एंड एसोसिएट्स
चार्टर्ड अकाउंटेंट्स

(सीए आयुष मित्तल)
ए.सी.ए., बी.कॉम
म.न. 447239

Deepak Saini & Associates
ROORKEE
SAHARANPUR
DEHRADUN
CHARTERED ACCOUNTANTS

स्थान: सहारनपुर
दिनांक: 19 अगस्त, 2024

दीपक सैनी एण्ड एसोसिएट्स
सनदी लेखाकार

6/130, माधो विहार कालोनी
भुतेश्वर मन्दिर रोड, सहारनपुर
फोन 91–8439025973

केन्द्रीय लुग्दी एंव कागज अनुसंधान संस्थान
वाणिज्य एंव उद्योग मंत्रालय, उद्योग संवर्द्धन एंव आन्तरिक व्यापार विभाग,
भारत सरकार के प्रशासनिक नियंत्रण में सोसायटी अधिनियम के अर्न्तगत पंजीकृत एक स्वायतशासी संस्था
पोस्ट बॉक्स–174, पेपर मिल रोड, हिम्मत नगर, सहारनपुर (यू०पी०)
तुलन पत्र : 31.3.2024

राशि (रूपये में)

विवरण	अनुसूची	चालू वर्ष 2023–24	विगत वर्ष 2022–23
पूंजीगत निधि व देयतायें			
पूंजीगत निधि	1	143267323.16	124059379.66
अनुप्रयुक्त प्रायोजित परियोजना व परामर्शी	2	1124.25	1124.25
अनुप्रयुक्त अनुदान	3	36350792.96	58983049.96
चालू देयतायें एवं प्रावधान	4	50996679.54	51272487.14
योग		**230615919.91**	**234316041.01**
परिसम्पत्तियॉ			
स्थायी सम्पत्तियॉ	5	105900130.71	89636944.71
चालू सम्पत्तियॉ ऋण, अग्रिम आदि	6	124715789.20	144679096.30
योग		**230615919.91**	**234316041.01**

यह अनुसूची तुलंन पत्र का एक समाकलन भाग है।

हमारे सम दिनांकित पृथक प्रतिवेदनुसार
कृते दीपक सैनी एण्ड एसोसिएट्स
सनदी लेखाकार

Deepak Saini & Associates ROORKEE SAHARANPUR DEHRADUN CHARTERED ACCOUNTANTS

(सीए आयुष मित्तल)
ए.सी.ए., बी.कॉम
म.न. 447239

स्थान : सहारनपुर
दिनांक : 19–08–2024

कृते केन्द्रीय लुग्दी एंव कागज अनुसंधान संस्थान

निदेशक

प्रमुख (वित्त एंव लेखा)

दीपक सैनी एण्ड एसोसिएट्स
सनदी लेखाकार

6/130, माधो विहार कालोनी
भुतेश्वर मन्दिर रोड, सहारनपुर
फोन 91–8439025973

केन्द्रीय लुग्दी एंव कागज अनुसंधान संस्थान
वाणिज्य एंव उद्योग मंत्रालय, उद्योग संवर्द्धन एंव आन्तरिक व्यापार विभाग,
भारत सरकार के प्रशासनिक नियंत्रण में सोसायटी अधिनियम के अर्न्तगत पंजीकृत एक स्वायतशासी संस्था
पोस्ट बॉक्स–174, पेपर मिल रोड, हिम्मत नगर, सहारनपुर (यू0पी0)
31.03.2024 को समाप्त वर्ष का आय एंव व्यय लेखा

राशि (रूपये में)

विवरण	अनुसूची	चालू वर्ष	विगत वर्ष
		2023–24	2022–23
(क) आय			
संस्थागत व परामर्शी शुल्क से आय	7	31764109.58	32675874.97
भारत सरकार से अनुदान	8	82552564.00	76527439.89
शुल्क/चन्दा	9	339500.00	992250.00
अर्जित ब्याज	10	4504360.00	1991217.73
अन्य आय	11	784917.06	619946.79
शेष सामग्री –स्टोर स्पेयर्स एण्ड स्टेशनरी		3747592.81	2867873.28
योग (क)		**123693043.45**	**115674602.66**
(ख) व्यय			
आरम्भिक स्टॉक		2867873.28	2740065.8
संस्थापन व्यय	12	56240827.00	60449960.00
प्रशासनिक व्यय आदि	13	59332049.67	48106626.65
चालू वर्ष का ह्रास	5	13725610.00	12089370.00
योग (ख)		**132166359.95**	**123386022.45**
आय पर व्यय का आधिक्य (ख–क)		8473316.50	7711419.79
व्यय पर आय का आधिक्य (क–ख)		0.00	0.00

यह अनुसूची तुलन पत्र का एक समाकलन भाग है।

हमारे सम दिनांकित पृथक प्रतिवेदनुसार
कृते दीपक सैनी एण्ड एसोसिएट्स
सनदी लेखाकार

(सीए आयुष मित्तल)
ए.सी.ए., बी.कॉम
म.न. 447239

Deepak Saini & Associates
ROORKEE
SAHARANPUR
DEHRADUN
CHARTERED ACCOUNTANTS

स्थान : सहारनपुर
दिनांक : 19–08–2024

कृते केन्द्रीय लुग्दी एंव कागज अनुसंधान संस्थान

निदेशक

प्रमुख (वित्त एंव लेखा)

दीपक सैनी एण्ड एसोसिएट्स
चार्टर्ड लेखाकार

6/120, गांधी विहार कालोनी
मुरोबपर मन्दिर रोड, सहारनपुर
फोन 91-8439025073

केन्द्रीय लुगदी एवं कागज़ अनुसंधान संस्थान
वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय, उद्योग संवर्द्धन एवं आन्तरिक व्यापार विभाग
भारत सरकार के प्रशासनिक नियंत्रण में सोसायटी अधिनियम के अन्तर्गत पंजीकृत एक स्वायत्तशासी संस्था
पोस्ट बॉक्स – 174, पेपर मिल रोड, हिम्मत नगर, सहारनपुर (यूपीसी)
31-03-2024 को समाप्त होने वाले वर्ष का प्राप्ति एवं भुगतान लेखा

प्राप्तियाँ	चालू वर्ष	विगत वर्ष	भुगतान	चालू वर्ष	विगत वर्ष
पिछला शेष			संस्थागत व्यय		
बैंक की चालू खाते में शेष	33564919.48	26932635.69	वेतन व भत्ते	44719057.00	47223192.00
जमा खाता (मार्जिनल मनी)	2340995.00	2340995.00	सीपीएफ में अंशदान	4168648.00	4372158.00
एल.सी. के मद में			अवकाश नगदी करण	3049904.00	4405019.00
जमा खाता	60166042.66	57216277.66	ग्रेच्यूटी भुगतान	4655828.00	5154533.00
प्राप्त अनुदान			चिकित्सा व्यय प्रतिपूर्ति	391940.00	821220.00
अनुदान सहायता, उद्योग मंत्रालय, भारत सरकार	106133513.00	95316840.00	अन्य प्रशासनिक व्यय		
अनुदान सहायता, अनुसंधान विकास परिषद	9000000.00	125000000.00	प्रयोगशाला व संयंत्र अनुरक्षण	4645751.00	4560525.00
प्राप्त ब्याज			मालभाड़ा	6360.00	75926.00
कर्मचारियों को दिये गये वाहन अग्रिम और भवन के निर्माण से	31682.00	28000.00	विद्युत एवं जल	7834158.00	7670710.00
बैंक से अर्पित ब्याज	4000314.00	2949765.00	सम्पत्तियों की मरम्मत एवं अनुरक्षण	15436108.90	14754709.14
अन्य आय			किराया व कर	1336484.00	1192680.00
परीक्षण शुल्क	18312507.48	17266429.94	डाक, दूरभाष व संचार	106974.00	112030.10
परामर्शी शुल्क	9689552.00	13087863.75	मुद्रण व लेखन सामग्री	2003787.00	1911759.00
एमएससी पाठ्यक्रम शुल्क	1283500.00	393700.00	यात्रा व वाहन व्यय	3460357.00	2722698.69
पुस्तकालय शुल्क	68000.00	170000.00	सेमिनार व कार्यशाला व्यय	446605.00	233009.00
प्रशिक्षण शुल्क और व्यय आदि	232000.00	873600.00	सदस्यता शुल्क	0.00	59000.00
सदस्यता शुल्क और कर आदि	63250.00	71350.00	लेखा शुल्क	48970.00	41500.00
फ्लैट किराया	62500.00	62500.00	अधिति व्यय	301982.00	251353.00
हॉस्टल किराया	339750.00	260150.00	कानूनी एवं व्यावसायिक व्यय	119801.00	374737.40
प्रकीर्ण प्राप्तियां	79454.45	552.79	अखबार	48453.00	30138.00
लाईसेंस शुल्क	263350.00	266744.00	परीक्षण शुल्क	1013282.00	7901.00
अग्रिम			चौकीदार व सुरक्षा	8251137.82	7073432.06
भवन निर्माण अग्रिम	57600.00	57600.00	बैंक प्रभार	7760.17	9152.66
वाहन अग्रिम	0.00	2000.00	विज्ञापन	696518.00	65000.00
कम्प्यूटर अग्रिम	37165.00	33380.00	प्रशिक्षण व्यय	4400.00	162180.00
अन्य प्राप्तियां			विभागीय वाहन अनुरक्षण	976075.00	944541.00
एसजीएसटी	820372.45	782489.07	हिन्दी दिवस/ योग दिवस	66922.00	182177.00
सीजीएसटी	820372.45	782489.07	स्वच्छ भारत अभियान व्यय	2615722.79	1959213.38
आईजीएसटी	3539328.50	4426559.96	सॉफ्टवेयर / आईटी व्यय	621672.00	1001140.20
जमानत राशि प्राप्त	0.00	108000.00	पेपरक्लस व्यय	141942.00	17942.00
एमएससी छात्रों के लिये छात्रवृत्ति	0.00	50000.00	एनएबीएल व्यय	86376.00	184126.00
आपूर्तिकर्ता को अग्रिम	48790.00	0.00	योगदान करने वाली एजेंसी को अनुदान	3770000.00	1664000.00
एलटीसी वसूली	13943.00	0.00	मानदेय	190000.00	26400.00
प्रकाशन की बिक्री	10000.00	30000.00	राष्ट्रीय उत्सव	47973.00	79322.00
बयाना राशि प्राप्त	0.00	283816.00	वृक्षारोपण और बागवानी	415503.00	55762.00
आयकर ईसीपीएफ ट्रस्ट	0.00	40.00	विद्युत उपभोग्य	555421.00	386537.00
सामान्य अग्रिम वसूली	270678.00	63926.00	वरान्डा शुल्क का भुगतान	3127200.00	100000.00
टी.ए. अग्रिम वसूली	2080.00	7040.00	टीडीएस पर ब्याज का भुगतान	0.00	4610.00
पुराने स्क्रैप पेपर की बिक्री	29846.00	0.00	एमएससी छात्रों के लिये छात्रवृत्ति	0.00	100000.00
वसूली योग्य राशि	4142.00	0.00	प्रगति में स्थिर परिसम्पत्तियाँ/ पूंजीगत कार्य द्वारा	29611024.20	9680303.42
प्रदर्शन गारंटी	780746.00	0.00	अन्य भुगतान		
			टी.डी. एस वेतन एंव पार्टी	147567.00	123677.00
			टी.डी. एस जीएसटी	74770.68	141996.56
			एसजीएसटी	838372.00	738886.00
			सीजीएसटी	838372.00	738886.00
			आईजीएसटी	4053283.00	3910805.00
			सर्व के लिये कर्मचारियों को अग्रिम	34500.00	342233.68
			जमानत वापसी की राशि	0.00	64560.00
			आपूर्तिकर्ता को अग्रिम	142220.00	658808.50
			कम्प्यूटर के लिये अग्रिम	0.00	50000.00
			अनुदान की वापसी	14641946.00	765002.00
			वर्तमान देनदारी का भुगतान	0.00	134295.00
			एफआरआई को अनुदान अग्रेषित	8000000.00	7754710.00
			निदेशक एफआरआई को अग्रिम भुगतान	0.00	5045290.00
			आयकर ईसीपीएफ ट्रस्ट	40.00	0.00
			बयाना राशि प्राप्त	283816.00	0.00
			समापन शेष		
			चालू बैंक खाते का शेष	11697068.25	33564919.48
			जमा खाते से (एलसी के खिलाफ मार्जिन मनी)	2137995.00	2340995.00
			जमा खाता	64166356.66	60166042.66
योग	252036403.47	236211743.93	योग	252036403.47	236211743.93

हमारे साथ दिनांकित पृथक प्रतिवेदनुसार
कृते दीपक सैनी एण्ड एसोसिएट्स
चार्टर्ड लेखाकार

(सीए. आयुष मित्तल)
ए.सी.ए., बी.कॉम
म.न. 447259

स्थान : सहारनपुर
दिनांक : 19-08-2024

Deepak Saini & Associates
ROORKEE
SAHARANPUR
DEHRADUN
CHARTERED ACCOUNTANTS

कृते केन्द्रीय लुगदी एंव कागज अनुसंधान संस्थान

निदेशक

प्रमुख (वित्त एंव लेखा)

दीपक सैनी एण्ड एसोसिएट्स
सनदी लेखाकार

6/130, माधो विहार कालोनी
भुतेश्वर मन्दिर रोड, सहारनपुर
फोन 91-8439025973

केन्द्रीय लुग्दी एंव कागज अनुसंधान संस्थान
वाणिज्य एंव उद्योग मंत्रालय, उद्योग संवर्द्धन एंव आन्तरिक व्यापार विभाग,
भारत सरकार के प्रशासनिक नियंत्रण में सोसायटी अधिनियम के अर्न्तगत पंजीकृत एक स्वायतशासी संस्था
पोस्ट बॉक्स-174, पेपर मिल रोड, हिम्मत नगर, सहारनपुर (यू0पी0)
31.03.2024 के तुलन पत्र के भाग के रूप में अनुसूचियाँ
अनुसूची : 1 पूंजीगत निधि

विवरण	चालू वर्ष 2023-24		विगत वर्ष 2022-23	
पूंजीगत निधि				
वर्ष आरम्भ में शेष	124059379.66		123424938.45	
जोड़ा : 1:				
उपकर परियोजना (पूंजीगत उद्देश्य)	8858742.00		3450616.00	
योजना परियोजना (पूंजीगत उद्देश्य)	18822518.00		4895245.00	
	151740639.66		131770799.45	
घटाया				
आय-व्यय खाते मे हस्तांतरित				
सकल व्यय का अवशेष	8473316.50	143267323.16	7711419.79	124059379.66
वर्ष की समाप्ति पर अवशेष		**143267323.16**		**124059379.66**

यह अनुसूची तुलन पत्र का एक समाकलन भाग है।

हमारे सम दिनांकित पृथक प्रतिवेदनुसार
कृते दीपक सैनी एण्ड एसोसिएट्स
सनदी लेखाकार

(सीए आयुष मित्तल)
ए.सी.ए., बी.कॉम
म.न. 447239

Deepak Saini & Associates
ROORKEE
SAHARANPUR
DEHRADUN
CHARTERED ACCOUNTANTS

स्थान : सहारनपुर
दिनांक : 19-08-2024

कृते केन्द्रीय लुग्दी एंव कागज अनुसंधान संस्थान

निदेशक

प्रमुख (वित्त एंव लेखा)

दीपक सैनी एण्ड एसोसिएट्स
सनदी लेखाकार

6/130, माधो विहार कालोनी
भुतेश्वर मन्दिर रोड, सहारनपुर
फोन 91–8439025973

केन्द्रीय लुग्दी एंव कागज अनुसंधान संस्थान
वाणिज्य एंव उद्योग मंत्रालय, उद्योग संवर्द्धन एंव आन्तरिक व्यापार विभाग,
भारत सरकार के प्रशासनिक नियंत्रण में सोसायटी अधिनियम के अर्न्तगत पंजीकृत एक स्वायतशासी संस्था
पोस्ट बॉक्स–174, पेपर मिल रोड, हिम्मत नगर, सहारनपुर (यू0पी0)
31–03–2024 के तुलन पत्र के भाग के रूप में अनुसूचियाँ
अनुसूची : 2 'प्रायोजित परियोजना/परामर्श सेवाओं की अप्रयुक्त राशि का विवरण'

राशि (रूपये में)

क.सं.	परियोजना का नाम	चालू वर्ष 2023–24	विगत वर्ष 2022–23
		राशि	राशि
1	डी.बी.टी. – प्रक्रिया में प्रौद्योगिकीय सुधार	1124.25	1124.25
		1124.25	**1124.25**

यह अनुसूची तुलन पत्र का एक समाकलन भाग है।

हमारे सम दिनांकित पृथक प्रतिवेदनुसार
कृते दीपक सैनी एण्ड एसोसिएट्स
सनदी लेखाकार

(सीए आयुष मित्तल)
ए.सी.ए., बी.कॉम
म.न. 447239

Deepak Saini & Associates
ROORKEE
SAHARANPUR
DEHRADUN
CHARTERED ACCOUNTANTS

कृते केन्द्रीय लुग्दी एंव कागज अनुसंधान संस्थान

निदेशक

प्रमुख (वित्त एंव लेखा)

स्थान : सहारनपुर
दिनांक : 19–08–2024

दीपक सैनी एण्ड एसोसिएट्स
सनदी लेखाकार

6/130, माधो विहार कालोनी
भुतेश्वर मन्दिर रोड, सहारनपुर
फोन 91-8439025973

केन्द्रीय लुग्दी एंव कागज अनुसंधान संस्थान
वाणिज्य एंव उद्योग मंत्रालय, उद्योग संवर्द्धन एंव आन्तरिक व्यापार विभाग,
भारत सरकार के प्रशासनिक नियंत्रण में सोसायटी अधिनियम के अन्तर्गत पंजीकृत एक स्वायत्तशासी संस्था
पोस्ट बॉक्स-174, पेपर मिल रोड, हिम्मत नगर, सहारनपुर (यू0पी0)
31-03-2024 के तुलन पत्र के भाग के रूप में अनुसूचियाँ
अनुसूची : 3 अप्रयुक्त अनुदान का विवरण

विवरण	शेष	वर्ष 2023-24 के दौरान प्राप्त एवं उपयोग की गई अनुदान राशि							उपयोग न किया गया अवशेष	
	01/04/2023	प्राप्त	लौटाई गई	सीपीपीआरआई (आईआरजी) से अर्जित	सीपीपीआरआई (आईआरजी) को अर्जित वापिस	अनुदान	कुल निधि	प्रयुक्त	31.3.24	31.3.23
	राशि	राशि	राशि			अवेषित	राशि	राशि	राशि	राशि
योजना अनुदान	2498868.00	19141167.00	3698868.00	0.00	0.00	2000000.00	15941167.00	15410154.00	531013.00	2498868.00
योजना (पूंजी) खाता	7729219.00	28000000.00	5729219.00	0.00	0.00	11000000.00	19000000.00	18822518.00	177482.00	7729219.00
आधार लक्षीय सहायता (रैप योजना)	2142536.00	56692346.00	5142536.00	100000.00	0.00	0.00	53792346.00	53761544.00	30802.00	2142536.00
लघु कर्ज योजना	71323.00	2300000.00	71323.00	10000.00	0.00	0.00	2310000.00	2305847.00	4153.00	71323.00
एचएच द्वारा वित्त पोषित योजना										
आईटीएस-एचएस वर्गीकरण का एक समीक्षा अध्ययन	739559.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	739559.00	0.00	739559.00	739559.00
विविध के लिए जीवाणु सेलुलोज उत्पादन	4884859.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	4884859.00	3438855.00	1446004.00	4884859.00
लुग्दी एवं कागज उद्योग के तकनीकी कर्मियों के लिए सतत शिक्षा	3690000.00	3690000.00	0.00	0.00	0.00	0.00	7380000.00	3020127.00	4359873.00	3690000.00
ओजोन उपचार प्रौद्योगिकी का प्रदर्शन	434788.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	434788.00	0.00	434788.00	434788.00
सुधार के लिए जैव बहुलक दृष्टिकोण	13715245.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	13715245.00	1046554.00	12668691.00	13715245.00
पेपर मिलों से उपचारित बहिःस्राव का भूमि आवेदन	5108873.00	1000000.00	0.00	0.00	0.00	0.00	6108873.00	5393624.00	715249.00	5108873.00
वैकल्पिक ऑटो-कास्टिकाइजेशन पर अध्ययन	10109978.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	10109978.00	2199143.00	7910835.00	10109978.00
कृषि अवशेषों के परिसीमन पर अध्ययन	1480008.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	1480008.00	1043454.00	436554.00	1480008.00
खाद्य पैकेजिंग कागज के लिए परीक्षण सुविधाओं का निर्माण	285240.96	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	285240.96	0.00	285240.96	285240.96
भारतीय कागज उद्योग का जनगणना सर्वेक्षण	2826350.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	2826350.00	1464356.00	1361994.00	2826350.00
लुगदी और कागज मिल के उपचार के लिए असिनजिस्टिक और किफायती दृष्टिकोण	773374.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	773374.00	0.00	773374.00	773374.00
विकास परिषद के कोर सचिवालय	1992829.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	1992829.00	952977.00	1039852.00	1992829.00
संचार प्रसार	500000.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	500000.00	274671.00	225329.00	500000.00
सूर्य व्यवहार्यता के लिये वित्तीय सहायता	0.00	2700000.00	0.00	0.00	0.00	0.00	2700000.00	1100000.00	1600000.00	0.00
उपचार के लिये प्रक्रिया का विस्तार	0.00	1610000.00	0.00	0.00	0.00	0.00	1610000.00	0.00	1610000.00	0.00
योग	**58983049.96**	**115133513.00**	**14641946.00**	**110000.00**	**0.00**	**13000000.00**	**146584616.96**	**110233824.00**	**36350792.96**	**58983049.96**

हमारे सम दिनांकित पृथक प्रतिवेदनुसार
कृते दीपक सैनी एण्ड एसोसिएट्स
सनदी लेखाकार

(सीए आयुष मित्तल)
ए.सी.ए., बी.कॉम
म.न. 447239

Deepak Saini & Associates
ROORKEE
SAHARANPUR
DEHRADUN
CHARTERED ACCOUNTANTS

स्थान : सहारनपुर
दिनांक : 19-08-2024

कृते केन्द्रीय लुग्दी एंव कागज अनुसंधान संस्थान

निदेशक

प्रमुख (वित्त एंव लेखा)

दीपक सैनी एण्ड एसोसिएट्स
सनदी लेखाकार

6/130, माधो विहार कालोनी
भुतेश्वर मन्दिर रोड, सहारनपुर
फोन 91–8439025973

केन्द्रीय लुग्दी एंव कागज अनुसंधान संस्थान
वाणिज्य एंव उद्योग मंत्रालय, उद्योग संवर्द्धन एंव आन्तरिक व्यापार विभाग,
भारत सरकार के प्रशासनिक नियंत्रण में सोसायटी अधिनियम के अर्न्तगत पंजीकृत एक स्वायतशासी संस्था
पोस्ट बॉक्स–174, पेपर मिल रोड, हिम्मत नगर, सहारनपुर (यू0पी0)
31–03–2024 के तुलन पत्र के भाग के रूप में अनुसूचियाँ
अनुसूची : 4 चालू दायित्व एवं प्रावधान

क.सं.	विवरण	चालू वर्ष 2023–24		विगत वर्ष 2022–23	
क.	चालू दायित्व एवं प्रावधान				
	चालू दायित्व				
	अन्य देनदारियाँ				
1	प्राप्त धारण राशि	32792.00		32792.00	
2	ठेकेदार से प्राप्त सिक्योरिटी	20652.00		20652.00	
3	प्राप्त ब्याना राशि	93900.00		377716.00	
4	सेवाओं से प्राप्त अग्रिम राशि	214855.00		214855.00	
5	छात्रों से प्राप्त सिक्योरिटी	33000.00		33000.00	
6	कर्मचारियों से प्राप्त सिक्योरिटी	20000.00		20000.00	
7	एस.जी.एस.टी	68266.97		81177.42	
8	सी.जी.एस.टी	68266.97		81177.42	
9	आई.जी.एस.टी	420749.96		652882.26	
10	कर्मचारियों को देयराशि	672.00	973154.90	672.00	1514924.10
	योग (क)		**973154.90**		**1514924.10**
ख.	प्रावधान				
1	भुगतान योग्य व्यय	25975.00		25975.00	
2	ग्रेच्युटी व छुट्टी नकदीकरण का प्रावधान	48649583.00		49423390.00	
3	लेखा परीक्षा शुल्क	0.00		41500.00	
4	प्रदर्शन बैक गारंटी	812063.00		31317.00	
5	फेलोशिप भुगतान	13000.00		13000.00	
6	आयकर (टी.डी.एस) देय	234197.00		147567.00	
7	जी.एस.टी (टी.डी.एस) देय	288706.64		74774.04	
8	आयकर ईसीपीएफ ट्रस्ट	0.00	50023524.64	40.00	49757563.04
	योग (ख)		**50023524.64**		**49757563.04**
	योग (क+ख)		**50996679.54**		**51272487.14**

हमारे सम दिनांकित पृथक प्रतिवेदनुसार
कृते दीपक सैनी एण्ड एसोसिएट्स
सनदी लेखाकार

(सीए आयुष मित्तल)
ए.सी.ए., बी.कॉम
म.न. 447239

स्थान : सहारनपुर
दिनांक : 19–08–2024

कृते केन्द्रीय लुग्दी एंव कागज अनुसंधान संस्थान

निदेशक

प्रमुख (वित्त एंव लेखा)

दीपक सैनी एण्ड एसोसिएट्स
सनदी लेखाकार

6/130, माधो विहार कालोनी
मुलेश्वर मन्दिर रोड, सहारनपुर
फोन 91-6439025973

केन्द्रीय लुग्दी एंव कागज अनुसंधान संस्थान
वाणिज्य एंव उद्योग मंत्रालय, उद्योग संवर्द्धन एंव आन्तरिक व्यापार विभाग,
भारत सरकार के प्रशासनिक नियंत्रण में सोसायटी अधिनियम के अर्न्तगत पंजीकृत एक स्वायत्तशासी संस्था
पोस्ट बॉक्स-174, पेपर मिल रोड, हिम्मत नगर, सहारनपुर (यू0पी0)
31-03-2024 के तुलन पत्र के भाग के रूप में अनुसूचियाँ
अनुसूची : 5 स्थायी सम्पत्तियाँ

क्र सं	विवरण	ग्रॉस ब्लॉक			वर्ष के दौरान परिवर्धित		वर्ष के दौरान बिक्री	वर्ष के अन्त में लागत	ह्रास का %	2023-24 के अन्त में ह्रास	नैट ब्लॉक	
		1-4-2023 को कुल लागत	31-3-2023 को कुल ह्रास	1-4-2023 को नैट वैल्यू	प्रथम छमाही	द्वितीय छमाही					31-3-24 के अन्त में	31-3-23 के अन्त में
	(क) स्थायी सम्पत्तियाँ											
1	भूमि	16872204.10	0.00	16872204.10			0.00	16872204.10	0%	0.00	16872204.10	16872204.10
2	भूमि सौन्दर्यीकरण	487684.45	0.00	487684.45			0.00	487684.45	0%	0.00	487684.45	487684.45
3	भवन	116372547.34	108911313.96	7461233.38			0.00	7461233.38	10%	746123.00	6715110.38	7461233.38
4	कार्यालय उपकरण	16352775.86	13616494.90	4736280.96	41976.00	594485.00	0.00	5372741.96	10%	507550.00	4865191.96	4736280.96
5	फर्नीचर व फिक्सचर्स	9428789.38	7731123.31	1697666.07	95594.00	932542.00	0.00	2725802.07	10%	225953.00	2499849.07	1697666.07
6	हॉस्टल फर्नीचर	408288.06	400606.81	7681.25			0.00	7681.25	10%	768.00	6913.25	7681.25
7	वाहन	2931118.84	2639401.00	291717.84		2192695.00	0.00	2484412.84	15%	208210.00	2276202.84	291717.84
8	संयंत्र एवं मशीनरी	310391313.41	259905249.47	50486063.94	4469897.00	16085500.00	0.00	71041460.94	15%	9449807.00	61591653.94	50486063.94
9	एच.एन.एल. में संयंत्र एवं मशीनरी	5800000.00	5768849.29	31150.71			0.00	31150.71	15%	4673.00	26477.71	31150.71
10	एन.सी.बी.एम. में उपकरण	500000.00	493634.14	6365.86			0.00	6365.86	15%	955.00	5410.86	6365.86
11	कार्याशाला उपकरण	536385.07	513272.11	23112.96			0.00	23112.96	15%	3467.00	19645.96	23112.96
12	यंत्र	211032.13	210810.69	221.44			0.00	221.44	15%	33.00	188.44	221.44
13	डी.जी. सैट	2094916.68	2074914.99	20001.69			0.00	20001.69	15%	3000.00	17001.69	20001.69
14	वातानुकूलक व कूलर आदि	7035451.72	5851194.86	1184256.86	228982.00		0.00	1413238.86	15%	211986.00	1201252.86	1184256.86
15	विद्युत सामग्री व उपकरण	5223422.59	3124195.78	2099226.81			0.00	2099226.81	15%	314884.00	1784342.81	2099226.81
16	पुस्तकें व सामयिकी	11229905.27	10911527.85	318377.42	270.00	35728.00	0.00	354375.42	40%	134605.00	219770.42	318377.42
17	कम्प्यूटर	21403027.89	19795619.94	1607407.95	659052.00	2583100.00	0.00	4849559.95	40%	1423204.00	3426355.95	1607407.95
18	जारी पूंजीगत कार्य	965125.00	0.00	965125.00			0.00	965125.00	0%	0.00	965125.00	965125.00
19	गैस्ट हाऊस उपकरण	281206.00	24128.80	257077.20			0.00	257077.20	10%	25708.00	231369.20	257077.20
20	बागवानी उपकरण (ट्रैक्टर)	571028.00	215457.00	355571.00	50975.00	582000.00	0.00	988546.00	15%	104632.00	883914.00	355571.00
21	टयूबवैल	1298684.00	570166.18	728517.82			0.00	728517.82	10%	72852.00	655665.82	728517.82
22	सोफटवेयर	0.00	0.00	0.00		1436000.00	0.00	1436000.00	40%	287200.00	1148800.00	0.00
	चालू वर्ष का योग	532394905.79	442757961.08	89636944.71	5546746.00	24442050.00	0.00	119625740.71		13725610.00	105900130.71	89636944.71
	विगत वर्ष का योग	522694678.89	430668591.08	92026087.81	5389853.00	4310373.90	0.00	101726314.71		12089370.00	89636944.71	92026087.81

हमारे सम दिनांकित पृथक प्रतिवेदनुसार
कृते दीपक सैनी एण्ड एसोसिएट्स
सनदी लेखाकार

(सीए आयुष मित्तल)
एसी.ए., बी.कॉम
म.न. 447239

स्थान : सहारनपुर
दिनांक : 19-08-2024

Deepak Saini & Associates
ROORKEE
SAHARANPUR
DEHRADUN
CHARTERED ACCOUNTANTS

कृते केन्द्रीय लुग्दी एंव कागज अनुसंधान संस्थान

निदेशक

प्रमुख (वित्त एंव लेखा)

दीपक सैनी एण्ड एसोसिएट्स
सनदी लेखाकार

6/130, माधो विहार कालोनी
भुतेश्वर मन्दिर रोड, सहारनपुर
फोन 91-8439025973

केन्द्रीय लुग्दी एंव कागज अनुसंधान संस्थान
वाणिज्य एंव उद्योग मंत्रालय, उद्योग संवर्द्धन एंव आन्तरिक व्यापार विभाग,
भारत सरकार के प्रशासनिक नियंत्रण में सोसायटी अधिनियम के अर्न्तगत पंजीकृत एक स्वायतशासी संस्था
पोस्ट बॉक्स-174, पेपर मिल रोड, हिम्मत नगर, सहारनपुर (यू0पी0)
31-03-2024 के तुलन पत्र के भाग के रूप में अनुसूचियाँ
अनुसूची : 6 चालू परिसम्पतियाँ, ऋण व अग्रिम आदि

क.सं.	विवरण	चालू वर्ष 2023-24		विगत वर्ष 2022-23	
	(क) चालू परिसम्पतियाँ:				
1.	सूची:				
क.	भंडार व स्पेयर्स	2966098.79		2223537.76	
ख.	लेखन सामग्री व प्रकीर्ण भण्डार	781494.02	3747592.81	644335.52	2867873.28
2.	अवशेष बैंक में (अनुसूचित बैंक में)				
क.	चालू खाते में		11697068.25		33564919.46
ख.	जमा खाता (मार्जन मनी - एल.सी.)		2137995.00		2340995.00
ग.	एफडीआर बैंक गारंटी यूपीगेडा	114794.00		109614.00	
घ	जमाखातों पर एस.डी.आर.	64051562.66	64166356.66	60056428.66	60166042.66
	(ख) ऋण अग्रिम व अन्य परिसम्पतियाँ				
1.	ब्याज वाले अग्रिम				
क	भवन निर्माण हेतू अग्रिम	580800.00		638400.00	
ख	कम्प्यूटर हेतू अग्रिम	50955.00		88120.00	
ग	अग्रिम से अर्जित ब्याज	410339.00	1042094.00	382592.00	1109112.00
2.	ब्याज/वस्तु के रूप मे वापसी योग्य अग्रिम व अन्य राशियां अग्रिम				
क	मशीनरी व अन्य कार्यो की खरीद	10858800.94		11385652.44	
ख	डीबीटी को बायो.बीएल परियोजना हेतू अग्रिम	50.00		50.00	
ग	यूपीआरएनएन को अग्रिम	350000.00	11208850.94	350000.00	11735702.44
3.	नगदी/वस्तु के रूप मे वापसी योग्य राशियां				
क	वापसी योग्य राशि	0.00		4142.00	
ख	टी.डी.एस.	11261112.42		9832707.42	
ग	शिक्षा उपकर -सेन्वेटाविलमेंट	1334.00		1334.00	
घ	उच्च शिक्षा उपकर -सेन्वेटाविलमेंट	290.00		290.00	
ड	के.के. उपकर- सेन्वेटाविलमेंट	4999.00		4999.00	
च	विविध देनदार	13327918.17		11545077.07	
छ	सीपीसीबी के यंत्र व संयंत्र	2694541.00		2694541.00	
ज	प्रयोगशाला उपकरण - आईपीएमए/विकास परिषद्	1350682.00		1350682.00	
झ	बयाना राशि जमा	50.00		50.00	
ञ	एनपीसी	706.75		706.75	
ट	इमप्रेस्ट	27418.70		27418.70	
ठ	सीपीपीआरआई स्टाफ के लिए अग्रिम	21434.50		517158.50	
ड	जमा सिक्योरिटी	1849206.00		1849206.00	
ढ	ओ. वाई टी योजना के दूरभाष	39139.00		39139.00	
ण	डीसीपीपीएआई	27000.00	30605831.54	27000.00	27894451.44
4.	पीबीएस योजना/ डीसीपीपीएआई परियोजना को अग्रिम भुगतान		110000.00		0.00
5.	अग्रिम के रूप में आगे अनुदान				
क	पीबीएस योजना एक अग्रिम के रूप में आगे अनुदान		0.00		5000000.00
	योग		124715789.20		144679096.30

हमारे सम दिनांकित पृथक प्रतिवेदनुसार
कृते दीपक सैनी एण्ड एसोसिएट्स
सनदी लेखाकार

(सीए आयुष मित्तल)
ए.सी.ए., बी.कॉम
म.न. 447239

स्थान : सहारनपुर
दिनांक : 19-08-2024

कृते केन्द्रीय लुग्दी एंव कागज अनुसंधान संस्थान

निदेशक

प्रमुख (वित्त एंव लेखा)

दीपक सैनी एण्ड एसोसिएट्स
सनदी लेखाकार

6/130, माधो विहार कालोनी
भुतेश्वर मन्दिर रोड, सहारनपुर
फोन 91–8439025973

केन्द्रीय लुग्दी एंव कागज अनुसंधान संस्थान
वाणिज्य एंव उद्योग मंत्रालय, उद्योग संवर्द्धन एंव आन्तरिक व्यापार विभाग,
भारत सरकार के प्रशासनिक नियंत्रण में सोसायटी अधिनियम के अर्न्तगत पंजीकृत एक स्वायतशासी संस्था
पोस्ट बॉक्स–174, पेपर मिल रोड, हिम्मत नगर, सहारनपुर (यू0पी0)
31–03–2024 के तुलन पत्र के भाग के रूप में अनुसूचियाँ
अनुसूची : 7 संस्थागत व परामर्शी शुल्क से आय

क.सं.	विवरण	चालू वर्ष 2023–24	विगत वर्ष 2022–23
1	परीक्षण शुल्क	19532964.58	18511741.97
2	परामर्श शुल्क	10879645.00	13784133.00
3	पुस्तकालय शुल्क	68000.00	17000.00
4	एम.एस.सी. पाठ्यक्रम शुल्क	1283500.00	363000.00
	योग	**31764109.58**	**32675874.97**

हमारे सम दिनांकित पृथक प्रतिवेदनुसार
कृते दीपक सैनी एण्ड एसोसिएट्स
सनदी लेखाकार

(सीए आयुष मित्तल)
ए.सी.ए., बी.कॉम
म.न. 447239

Deepak Saini & Associates
ROORKEE
SAHARANPUR
DEHRADUN
CHARTERED ACCOUNTANTS

स्थान : सहारनपुर
दिनांक : 19–08–2024

कृते केन्द्रीय लुग्दी एंव कागज अनुसंधान संस्थान

निदेशक

प्रमुख (वित्त एंव लेखा)

दीपक सैनी एण्ड एसोसिएट्स
सनदी लेखाकार

6/130, माधो विहार कालोनी
भुतेश्वर मन्दिर रोड, सहारनपुर
फोन 91–8439025973

केन्द्रीय लुग्दी एंव कागज अनुसंधान संस्थान
वाणिज्य एंव उद्योग मंत्रालय, उद्योग संवर्द्धन एंव आन्तरिक व्यापार विभाग,
भारत सरकार के प्रशासनिक नियंत्रण में सोसायटी अधिनियम के अर्न्तगत पंजीकृत एक स्वायतशासी संस्था
पोस्ट बॉक्स–174, पेपर मिल रोड, हिम्मत नगर, सहारनपुर (यू0पी0)
31–03–2024 के तुलन पत्र के भाग के रूप में अनुसूचियाँ
अनुसूची : 8 भारत सरकार से प्राप्त अनुदान

क. सं.	विवरण	चालू वर्ष 2023–24	विगत वर्ष 2022–23
1 अ	भारत सरकार – योजना	15410154.00	11553019.00
ब	स्वच्छता कार्य योजना	2305847.00	2411232.00
2 अ	विकास परिषद् के माध्यम से विकास परिषद् फॉर पल्प पेपर एंड एलाइड इण्डस्ट्री– गैर योजना	53761544.00	56155743.00
ब	कोर सचिवालय फॉर विकास परिशद् फॉर पल्प पेपर एंड एंलाइड इण्डस्ट्री	952977.00	1037620.00
3	भारत सरकार विकास परिषद् फॉर पल्प पेपर एंड एलाइड इण्डस्ट्री के माध्यम से उपकर वित्त प्रोषित परियोजना		
क	तकनीकी कार्मिकों के लिए सततः शिक्षा परिक्षण	1621916.00	127919.75
ख	भारतीय लुग्दी एवं कागज उद्योग के लिए सांख्यकीय आंकडों के संग्रहण इकाई	1415846.00	13500.00
ग	खाद्य पैकिजिंग कागज के लिए परीक्षण संकायों का निर्माण	0.00	272470.00
घ	लुग्दी और कागज मिल के उपचार के लिए एक सहकियात्मक और किफायती दृष्टिकोण	0.00	178474.00
ड़	उच्च उदपादक्ता के लिए क्लोनल वानिकी और संकरण के लिए पेरन्टल स्कीनिंग	0.00	255142.14
च	ओजोन उपचार प्रोद्योगिकी का प्रदर्शन	0.00	226243.00
छ	बयोपोलिमरिक के दृष्टिकोण सुधार के लिए	510055.00	390903.00
ज	कृषि अवशेशो के परिसीमन पर अध्ययन	833210.00	2273282.00
झ	लुगदी और कागज क्षेत्र में विविध अनुप्रयोगों के लिये बैक्टीरियल सेल्युलोज उत्पादन	782617.00	451857.00
ञ	पेपर मिलों से उपचारित अपशिष्ट का भूमि आवेदन और मिट्टी और भूजल गुणों पर इसके प्रभाव	3198084.00	537779.00
ट	पारंपरिक और गैर– पारंपरिक रासायनिक पुनर्प्राप्ति प्रणालियों के लिये वैकल्पिक ऑटो–कास्टिकीकरण	385643.00	642256.00
ठ	संगठन प्रसार	274671.00	0.00
ड	पूर्व व्यवहार्यता के लिये वित्तीय सहायता	1100000.00	0.00
	योग	**82552564.00**	**76527439.89**

हमारे सम दिनांकित पृथक प्रतिवेदनुसार
कृते दीपक सैनी एण्ड एसोसिएट्स
सनदी लेखाकार

(सीए आयुष मित्तल)
ए.सी.ए., बी.कॉम
म.न. 447239

Deepak Saini & Associates
ROORKEE
SAHARANPUR
DEHRADUN
CHARTERED ACCOUNTANTS

स्थान : सहारनपुर
दिनांक : 19–08–2024

कृते केन्द्रीय लुग्दी एंव कागज अनुसंधान संस्थान

निदेशक

प्रमुख (वित्त एंव लेखा)

दीपक सैनी एण्ड एसोसिएट्स
सनदी लेखाकार

6/130, माधो विहार कालोनी
भुतेश्वर मन्दिर रोड, सहारनपुर
फोन 91–8439025973

केन्द्रीय लुग्दी एंव कागज अनुसंधान संस्थान
वाणिज्य एंव उद्योग मंत्रालय, उद्योग संवर्द्धन एंव आन्तरिक व्यापार विभाग,
भारत सरकार के प्रशासनिक नियंत्रण में सोसायटी अधिनियम के अर्न्तगत पंजीकृत एक स्वायतशासी संस्था
पोस्ट बॉक्स–174, पेपर मिल रोड, हिम्मत नगर, सहारनपुर (यू0पी0)

31–03–20243 के तुलन पत्र के भाग के रूप में अनुसूचियॉ

अनुसूची : 9 शुल्क / चन्दा

क्र.सं.	विवरण	चालू वर्ष 2023–24	विगत वर्ष 2022–23
1	सदस्यता शुल्क	65500.00	72500.00
2	प्रशिक्षण शुल्क	274000.00	919750.00
	योग	**339500.00**	**992250.00**

हमारे सम दिनांकित पृथक प्रतिवेदनुसार
कृते दीपक सैनी एण्ड एसोसिएट्स
सनदी लेखाकार

कृते केन्द्रीय लुग्दी एंव कागज अनुसंधान संस्थान

Deepak Saini & Associates
ROORKEE
SAHARANPUR
DEHRADUN
CHARTERED ACCOUNTANTS

(सीए आयुष मित्तल)
ए.सी.ए., बी.कॉम
म.न. 447239

निदेशक

प्रमुख (वित्त एंव लेखा)

स्थान : सहारनपुर
दिनांक : 19–08–2024

दीपक सैनी एण्ड एसोसिएट्स
सनदी लेखाकार

6/130, माधो विहार कालोनी
भुतेश्वर मन्दिर रोड, सहारनपुर
फोन 91-8439025973

केन्द्रीय लुग्दी एंव कागज अनुसंधान संस्थान
वाणिज्य एंव उद्योग मंत्रालय, उद्योग संवर्द्धन एंव आन्तरिक व्यापार विभाग,
भारत सरकार के प्रशासनिक नियंत्रण में सोसायटी अधिनियम के अर्न्तगत पंजीकृत एक स्वायतशासी संस्था
पोस्ट बॉक्स-174, पेपर मिल रोड, हिम्मत नगर, सहारनपुर (यू0पी0)
31-03-2024 के तुलन पत्र के भाग के रूप में अनुसूचियाँ
अनुसूची : 10 अर्जित ब्याज

क.सं.	विवरण	चालू वर्ष 2023-24	विगत वर्ष 2022-23
	अर्जित ब्याज		
1	अनुसूचित बैंक में सावधि जमा पर	4444931.00	1923664.73
2	कर्मचारियों को दिए गए ऋण से	59429.00	67553.00
	योग	**4504360.00**	**1991217.73**

हमारे सम दिनांकित पृथक प्रतिवेदनुसार
कृते दीपक सैनी एण्ड एसोसिएट्स
सनदी लेखाकार

कृते केन्द्रीय लुग्दी एंव कागज अनुसंधान संस्थान

Deepak Saini & Associates
ROORKEE
SAHARANPUR
DEHRADUN
CHARTERED ACCOUNTANTS

(सीए आयुष मित्तल)
ए.सी.ए., बी.कॉम
म.न. 447239

निदेशक

प्रमुख (वित्त एंव लेखा)

स्थान : सहारनपुर
दिनांक : 19-08-2024

दीपक सैनी एण्ड एसोसिएट्स
सनदी लेखाकार

6/130, माधो विहार कालोनी
भुतेश्वर मन्दिर रोड, सहारनपुर
फोन 91-8439025973

केन्द्रीय लुग्दी एंव कागज अनुसंधान संस्थान
वाणिज्य एंव उद्योग मंत्रालय, उद्योग संवर्द्धन एंव आन्तरिक व्यापार विभाग,
भारत सरकार के प्रशासनिक नियंत्रण में सोसायटी अधिनियम के अर्न्तगत पंजीकृत एक स्वायतशासी संस्था
पोस्ट बॉक्स-174, पेपर मिल रोड, हिम्मत नगर, सहारनपुर (यू0पी0)
31-03-2024 के तुलन पत्र के भाग के रूप में अनुसूचियाँ
अनुसूची : 11 अन्य आय

क. सं.	विवरण	चालू वर्ष 2023-24	विगत वर्ष 2022-23
	अन्य आय		
1	हॉस्टल किराया	339750.00	260150.00
2	पट्टा किराया	62500.00	62500.00
3	अनुज्ञप्ति शुल्क	263360.00	266744.00
4	प्रकीर्ण आय	79461.06	552.79
5	प्रकाशन की बिक्री	10000.00	30000.00
6	रद्दी कागज की बिक्री	29846.00	0.00
	योग	**784917.06**	**619946.79**

हमारे सम दिनांकित पृथक प्रतिवेदनुसार
कृते दीपक सैनी एण्ड एसोसिएट्स
सनदी लेखाकार

(सीए आयुष मित्तल)
ए.सी.ए., बी.कॉम
म.न. 447239

Deepak Saini & Associates
ROORKEE
SAHARANPUR
DEHRADUN
CHARTERED ACCOUNTANTS

कृते केन्द्रीय लुग्दी एंव कागज अनुसंधान संस्थान

निदेशक

प्रमुख (वित्त एंव लेखा)

स्थान : सहारनपुर
दिनांक : 19-08-2024

दीपक सैनी एण्ड एसोसिएट्स
सनदी लेखाकार

6/130, माधो विहार कालोनी
भुतेश्वर मन्दिर रोड, सहारनपुर
फोन 91-8439025973

केन्द्रीय लुग्दी एंव कागज अनुसंधान संस्थान
वाणिज्य एंव उद्योग मंत्रालय, उद्योग संवर्द्धन एंव आन्तरिक व्यापार विभाग,
भारत सरकार के प्रशासनिक नियंत्रण में सोसायटी अधिनियम के अर्न्तगत पंजीकृत एक स्वायतशासी संस्था
पोस्ट बॉक्स-174, पेपर मिल रोड, हिम्मत नगर, सहारनपुर (यू0पी0)
31-03-2024 के तुलन पत्र के भाग के रूप में अनुसूचियाँ
अनुसूची : 12 संस्थापन व्यय

क. सं.	विवरण	चालू वर्ष 2023-24	विगत वर्ष 2022-23
	संस्थापन व्यय		
1	वेतन व भत्ते	44748314.00	47170659.00
2	अंशदायी भविष्य निधि में अंशदान	4168648.00	4372158.00
3	ग्रेच्युटी	4671420.00	3606259.00
4	अवकाश नकदीकरण	2260505.00	4479664.00
5	चिकित्सा व्यय की प्रतिपूर्ति	391940.00	821220.00
	योग	**56240827.00**	**60449960.00**

हमारे सम दिनांकित पृथक प्रतिवेदनुसार
कृते दीपक सैनी एण्ड एसोसिएट्स
सनदी लेखाकार

(सी0 आयुष मित्तल)
ए.सी.ए., बी.कॉम
म.न. 447239

Deepak Saini & Associates
ROORKEE
SAHARANPUR
DEHRADUN
CHARTERED ACCOUNTANTS

स्थान : सहारनपुर
दिनांक : 19-08-2024

कृते केन्द्रीय लुग्दी एंव कागज अनुसंधान संस्थान

निदेशक

प्रमुख (वित्त एंव लेखा)

दीपक सैनी एण्ड एसोसिएट्स
सनदी लेखाकार

6/130, माधो विहार कालोनी
भुतेश्वर मन्दिर रोड, सहारनपुर
फोन 91–8439025973

केन्द्रीय लुग्दी एंव कागज अनुसंधान संस्थान
वाणिज्य एंव उद्योग मंत्रालय, उद्योग संवर्द्धन एंव आन्तरिक व्यापार विभाग,
भारत सरकार के प्रशासनिक नियंत्रण में सोसायटी अधिनियम के अर्न्तगत पंजीकृत एक स्वायतशासी संस्था
पोस्ट बॉक्स–174, पेपर मिल रोड, हिम्मत नगर, सहारनपुर (यू0पी0)
31–03–2024 के तुलन पत्र के भाग के रूप में अनुसूचियाँ
अनुसूची : 13 प्रशासनिक व्यय आदि

क. सं.	विवरण	चालू वर्ष 2023–24	विगत वर्ष 2022–23
	अन्य प्रशासनिक व्यय आदि		
1	प्रयोगशाला व संयंत्र अनुरक्षण	4812363.00	4614765.00
2	माल भाड़ा	6960.00	75926.00
3	विद्युत व जल	7834158.00	7670710.00
4	परिसम्पत्तियों की मरम्मत व अनुरक्षण	15765707.00	14794473.00
5	किराया व कर	1346144.00	1201880.00
6	डाक, दूरभाष व संचार	106974.00	112030.10
7	मुद्रण व लेखन सामग्री	2026378.00	1911759.00
8	यात्रा व वाहन व्यय	3456671.00	2723428.69
9	कार्यशाला, सैमिनार व्यय	457105.00	233009.00
10	सदस्यता चन्दा	0.00	59000.00
11	ऑडिट शुल्क	0.00	41500.00
12	मेज़बानी व्यय	301982.00	251353.00
13	कानूनी व व्यवसायिक व्यय	137449.00	405179.00
14	समाचार पत्र	48453.00	30138.00
15	प्रशिक्षण व्यय	1115118.00	8055.00
16	चौकीदारी व सुरक्षा	8277728.00	7093778.00
17	बैंक प्रभार	7760.17	9152.66
18	विज्ञापन	701457.00	65000.00
19	परीक्षण शुल्क व्यय	4400.00	165180.00
20	विभागीय वाहन अनुरक्षण	987575.00	944541.00
21	हिन्दी दिवस पर खर्च	66922.00	180177.00
22	स्वच्छ भारत अभियान व्यय	2630323.00	1968229.00
23	साफ्टवेयर व्यय/ आई टी व्यय	725408.00	1025704.20
24	पेपरएक्स व्यय	269854.00	17942.00
25	एनएबीएल व्यय	137263.50	185086.00
26	सहायता राशि का व्यय	3770000.00	1664000.00
27	मानदेय के लिए	190000.00	26400.00
28	राष्ट्रीय त्यौहार	47973.00	79322.00
29	उद्यान और बागवानी के लिए व्यय	415503.00	55762.00
30	ब्याज एवं टीडीएस व्यय	0.00	4610.00
31	अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस	0.00	2000.00
32	विद्युत उपभोज्य	555421.00	386537.00
33	परामर्श शुल्क का भुगतान	3129000.00	100000.00
	योग	**59332049.67**	**48106626.65**

हमारे सम दिनांकित पृथक प्रतिवेदनुसार
कृते दीपक सैनी एण्ड एसोसिएट्स
सनदी लेखाकार

(सीए आयुष मित्तल)
ए.सी.ए., बी.कॉम
म.न. 447239

Deepak Saini & Associates
ROORKEE
SAHARANPUR
DEHRADUN
CHARTERED ACCOUNTANTS

स्थान : सहारनपुर
दिनांक : 19–08–2024

कृते केन्द्रीय लुग्दी एंव कागज अनुसंधान संस्थान

निदेशक

प्रमुख (वित्त एंव लेखा)

दीपक सैनी एण्ड एसोसिएट्स
सनदी लेखाकार

6/130, माधो विहार कालोनी
भुतेश्वर मन्दिर रोड, सहारनपुर
फोन 91–8439025973

केन्द्रीय लुग्दी एवं कागज़ अनुसंधान संस्थान
वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय, उद्योग सवंर्द्धन एवं आन्तरिक व्यापार विभाग,
भारत सरकार के प्रशासनिक नियंत्रण में सोसायटी अधिनियम के अन्तर्गत पंजीकृत एक स्वायतशासी संस्था
पोस्ट बोक्स – 174, पेपर मिल रोड, हिम्मत नगर, सहारनपुर (यू0पी0)

परिशिष्ठ

महत्वपूर्ण लेखाकरण नीतियाँ तथा लेखा टिप्पणियाँ

अवलोकन

केन्द्रीय लुग्दी एवं कागज़ अनुसंधान संस्थान भारत सरकार की अधिसूचना गजट दिनांक 7–08–1979 के द्वारा सोसाइटीज़ एक्ट में पंजीकृत एक स्वायत्तशासी संगठन है जो वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय, भारत सरकार के प्रशासनिक नियंत्रण में कार्य कर रहा है।

वित्तीय लेखा

वित्तीय विवरण पत्र ऐतिहासिक मूल्य परम्परा के आधार पर तैयार किए गए हैं तथा इनके बनाने में प्रयुक्त लेखा करण नीतियाँ भारत में स्वीकृत लेखाकरण नीतियों के अनुसार है। संस्थान लेखाकरण की सम्भूति विधि को अपनाता है।

(अ) महत्वपूर्ण लेखाकरण नीतियाँ

1. **राजस्व मान्यता**
   - 1.1 परीक्षण शुल्क को सम्भूति आधार पर दर्ज किया गया है।
   - 1.2 पट्टा किराया को सम्भूति आधार पर दर्ज किया गया है।
   - 1.3 सरकारी अनुदान, संस्थागत शुल्क, प्रायोजित परियोजना, सदस्यता शुल्क, प्रशिक्षण व पंजीकरण शुल्क को प्राप्ति आधार पर दर्ज किया गया है।

2. **इनवेन्ट्री का मूल्यांकनः** इनवेन्ट्री में स्टोर्स व स्पेयर्स का मूल्यांकन लागत पर किया गया है।

3. **स्थायी परिसम्पत्तियाँ** : स्थायी परिसम्पत्तियों की कीमत को ह्रास घटाकर दर्शाया गया है।

4 **ह्रासः** ह्रास आयकर अधिनियम 1961 में परिभाषित दरों के अनुसार 'रिटन डाउन वैल्यू' विधि पर दिया गया है।

5. **सरकारी अनुदानः**

प्राप्त सरकारी अनुदान जो पूंजीगत व्यय हेतु उपयोग किया गया, को पूंजीगत निधि में जोड़ा जा रहा है तथा जो राजस्व व्यय हेतु उपयोग किया गया उसे आय–व्यय खाते में आय के रूप में लिया गया है और उपयोग नहीं किए गए अनुदान को आगे ले जाया गया है। यह, लेखा मानकों (ए.एस.–12) के पैरा नं. –14 जो सरकारी अनुदान से सम्बन्धित है, के अनुसार नहीं है। संस्थान को इस सम्बन्ध में सम्बन्धित संगठनों/अभिकरणों से सलाहकार प्रतिपादित मार्गदर्शनों का पालन करने हेतु कहा गया है। संस्थान ने उत्तर में बताया कि अन्य संगठन/अभिकरण भी इस पैटर्न को अपना रहे हैं। इस बिन्दु पर सम्बन्धित अधिकारी द्वारा राष्ट्रीय वित्तीय प्रबन्धन संस्थान द्वारा आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान भी वार्ता की गयी थी।

Deepak Saini & Associates ROORKEE SAHARANPUR DEHRADUN CHARTERED ACCOUNTANTS

6 **विदेशी मुद्रा का सम्पादनः** विदेशी मुद्रा का सम्पादन उस विनिमय दर पर किया गया जो दर इस भारतीय मुद्रा में सम्पादन की तिथि, को थी।

(ब) लेखा के भाग के रूप में टिप्पणियाँ

1. **संस्थान की गतिविधियो के सम्बन्ध में सूचना**

संस्थान लुग्दी एवं कागज़ उद्योग से सम्बन्धित अनुसंधान व अन्य वैज्ञानिक कार्यों के संवर्धन, प्रयोगशालाओं की स्थापना व अनुरक्षण, प्रायोगिक संयंत्र, कार्यशाला तथा कागज़ उद्योग पर पुस्तकों, लेख व समसामयकियों के सम्पादन, मुद्रण, प्रकाशन व प्रदर्शन इत्यादि के कार्यों में कार्यरत हैं। इसके अतिरिक्त संस्थान सरकारी संस्थानों एवं अन्य संगठनों से प्राप्त उपकर पोषित परियोजनाओं व प्रायोजित परियोजनाओं पर भी कार्य करता है।

2. **सेवानिवृति लाभ**

2.1 मृत्यु/सेवानिवृत्ति पर कर्मचारियों को भुगतान योग्य ग्रेच्युटी रू. 4671420.00 की राशि तथा छुट्टी नकदीकरण की राशि रू. 2260505.00 का प्रावधान वर्तमान वर्ष के लिए केन्द्रीय लुग्दी एवं कागज़ अनुसंधान संस्थान सहारनपुर के अनुसार सम्भूति आधार पर खातों में दर्ज किया गया है।

3. **चालू सम्पतियात्रा, अग्रिम व ऋण**

प्रबन्धन का कथन है कि चालू सम्पत्तियों, ऋणों व अग्रिमों की, व्यवसाय के सामान्य स्तर पर वसूली के समय पूर्ण वैल्यू थी।

4. गत वर्ष के आँकड़ों को, जहाँ आवश्यक समझा गया वहाँ पुनः वर्गीकरण तथा पुनर्विन्यास कर दिया गया है।

5. 31–03–2023 को कुल लम्बित अग्रिम की राशि रू. 11208850.94 (स्टाफ को दिए गए अग्रिम की राशि को छोड़ते हुए) उपकरणों की आपूर्ति इत्यादि

6. तुलनपत्र की अनुसूची–1 के अनुसार पूंजीगत निधि यह दर्शाती है कि प्रायोजित परियोजना के अन्तर्गत रू. 27681260.00 की अनुदान की राशि पूंजीगत व्यय के रूप में खर्च की गई। जबकि स्थायी परिसम्पत्तियों से सम्बन्धित अनुसूची–5, रू. 29988796.00 का परिवर्धन दर्शाती है। रू. 2307536.00 के पूंजीगत व्यय के आधिक्य के विषय में प्रबन्धन द्वारा यह बताया गया कि यह वर्तमान वर्ष में जारी पूंजीगत कार्यों, आपूर्तिकर्ताओं के बिलों व लेटर ऑफ क्रेडिट के समायोजन के कारण है।

7. प्रबन्धन ने यह पुष्टि की है कि

7.1 सभी ज्ञात आय, व्यय व देयताओं के प्रावधान कर दिए गए है।

7.2 तुलन–पत्र की तिथि को कोई आकस्मिक देयता नहीं है।

7.3 तुलन–पत्र व लेखा परीक्षा की तिथित से कोई महत्वपूर्ण घटना नहीं घटित हुई है।

कृते केन्द्रीय लुग्दी एवं कागज़ अनुसंधान संस्थान

प्रमुख (वित्त एवं लेखा) निदेशक

Deepak Saini & Associates ROORKEE SAHARANPUR DEHRADUN CHARTERED ACCOUNTANTS

कृते दीपक सैनी एण्ड एसोसिएट्स

सनदी लेखाकार

(सीए आयुष मित्तल)

ए.सी.ए., बी.कॉम

(एम.नं0. 447239)

दिनांक : 19–08–2024

स्थान : सहारनपुर

कर्मचारियों की सूची

वैज्ञानिक कर्मचारी

वैज्ञानिक एफ	- डॉ. के. सिंह, एम.एससी, पीएच.डी. (31.05.2023 को स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति) - डॉ. ए.के. दीक्षित, एम.एससी. पीएच.डी.
वैज्ञानिक ई-द्वितीय	- डॉ. प्रीति शिवहरे लाल, एम.एस.सी., पीएच.डी. - श्रीमती अनुराधा वी. जनबादे, एम.एस.सी. - डॉ. नितिन एंडले, एम.एस.सी. पीजीडीआईपीएम (पीजी डिप्लोमा इन औद्योगिक प्रदूषण प्रबंधन), पीएच.डी. - डॉ. संजय त्यागी, बी.ई., एम.ई., पीएच.डी., मान्यता प्राप्त ऊर्जा लेखा परीक्षक - श्री आलोक कुमार गोयल, एम.एस.सी., प्रमाणित ऊर्जा प्रबंधक
वैज्ञानिक ई-1	- श्री सत्य देव नेगी, एम.एससी., पीजीडीपीपीटी (पल्प एवं पेपर टेक्नोलॉजी में पीजी डिप्लोमा)
वैज्ञानिक बी	- डॉ. अरविंद कुमार शर्मा, एम.एससी, पीजीडीपीटी (पल्प एंड पेपर टेक्नोलॉजी में पीजी डिप्लोमा), पीएचडी - मो. सालीम, एम.एससी. - श्री कुमार अनुपम, बी.टेक., एम.टेक. - डॉ. शुभांग भारद्वाज, बी.टेक., एम.टेक., पीएच.डी. - डॉ. नितिन कुमार, बी.टेक, एम.टेक., पीएच.डी. - डॉ. जितेंद्र धीमान, एम.एससी., पीएच.डी.

तकनीकी और सहायक कर्मचारी

तकनीकी अधिकारी ई-I	- श्री एन.के. नाइक, इंजीनियरिंग में डिप्लोमा (औद्योगिक इलेक्ट्रॉनिक्स)
तकनीकी अधिकारी-बी	- श्री पंकज कुमार गोले, बी.टेक., (इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग)
पुस्तकालय अधिकारी-बी	- श्रीमती सरिता शर्मा, एम.ए, एम.एल.आई.एससी.
तकनीकी ग्रेड VI	- श्री आर.के. कपूर (31.8.2023 को सेवानिवृत्त) - श्री दुष्यन्त कुमार - श्री गोपाल सिंह

प्रशासनिक एवं वित्त कर्मचारी

निदेशक	- डॉ. एम.के. गुप्ता, एम.एस.सी., पीएच.डी. (31 मई 2024 को सेवानिवृत)
	- डॉ एल.पी. सिंह, एम.एस., पीएच.डी. (28 मई 2024 से प्रभावी)
प्रशासनिक अधिकारी	- सुश्री बरनाली शोम, बी.टेक. (केमिकल इंजीनियरिंग), मैटेरियल मैनेजमेंट में ग्रेजुएट डिप्लोमा (जीडीएमएम) - नियुक्ति तिथि 23.10.2023
अनुभाग अधिकारी (वित्त)	- श्री के.वी.वी.के. सत्य साईं, बी.कॉम, सी.ए. इंटर - नियुक्ति तिथि 10.11.2023

तकनीकी समीक्षा

डॉ. एल.पी. सिंह

संकलन एवं संपादन

डॉ. प्रीति शिवहरे लाल

श्री अलोक कुमार गोयल

श्रीमती सरिता शर्मा

श्री कुमार अनुपम

डॉ. नितिन कुमार

डॉ. जीतेन्द्र धीमान

श्री मनीष कंसल

द्वारा प्रकाशित

केंद्रीय लुग्दी और कागज अनुसंधान संस्थान

सहारनपुर - 247001

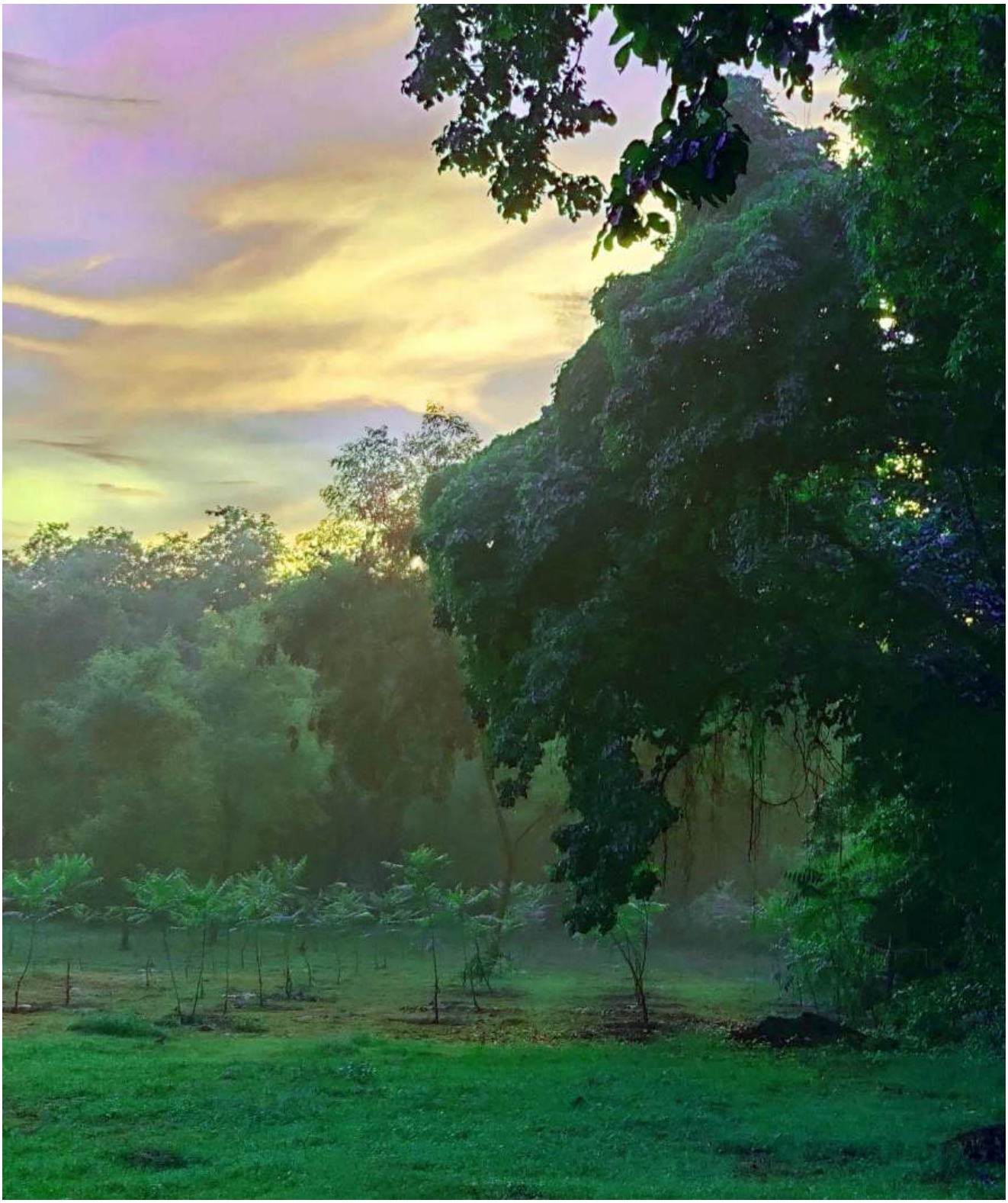

अधिक जानकारी के लिए कृपया संपर्क करें

केंद्रीय लुग्दी एवं कागज अनुसंधान संस्थान

निदेशक

पेपर मिल रोड, हिम्मत नगर, सहारनपुर - 247001

दूरभाष: (0132) 2714061, 2714062

वेबसाइट: www.cppri.res.in

ई-मेल : director.cppri@gmail.com